मेन्टीनेन्स मैन्यूअल
2004

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

•

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जयपुर

आगार कार्यशाला के लिये मेन्टीनेन्स शिड्यूल

प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स शिड्यूल प्रथम (दैनिक) लिलैण्ड/टाटा वाहनों के लिए

1. वाहन में अन्दर से झाडू लगाये, सीटों की सफाई एवं धुलाई करना।
2. इंजिन ऑयल लेवल चैक करना एवं कम हो तो पूरा करना।
3. वाहन के सभी टायर एवं स्टेपनी चैक करना, यदि पंक्चर हो तो ठीक करें।
4. यदि वाहन के टायर में कट लगा हो तो बदली करें।
5. यदि वाहन धक्का स्टार्ट हो तो सेल्फ स्टार्ट करें।
6. बैट्री में डिस्टिल वाटर लेवल चैक करें एवं कम हो तो पूरा करें।
7. वाहन की हैड लाईट, छत के अन्दर की लाईटें, डिम्पर स्वीच इत्यादि चालू हैं, सुनिश्चित करें।
8. रेडियेटर में कूलेन्ट मिश्रण चैक करें, यदि कम हो तो पूरा करें।
9. चालक द्वारा डिफेक्ट बुक में अंकित यांत्रिक दोष को अटैण्ड कर दोष को दूर करें।
10. मार्ग पर जाते समय मार्ग डेस्टीनेशन बोर्ड लगाकर भिजवायें।

प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स शिड्यूल द्वितीय-**2000** कि.मी. पर लिलैण्ड/टाटा के लिए

1. दैनिक रूप से किये जाने वाले सभी कार्य करेंगे।
2. वाहन धुलाई के साथ-साथ आगे-पीछे के ग्लास, विन्डो ग्लास की सफाई करेंगे।
3. चालक फाटक एवं परिचालक फाटक के लोक व हैंडल चैक करें एवं यदि खराब हो तो दुरुस्त करेंगे।
4. एयर क्लीनर को साफ करें।
5. इंजिन स्टार्ट कर ऑयल प्रेशर, उच्चतम एवं न्यूनतम एयर प्रेशर इत्यादि चैक करें।

6. डीजल एवं ऑयल का कहीं रिसाव तो नहीं है, चैक कर दुरुस्त करें।

7. एयर टैंक ड्रैन करेंगे।

8. चैसिस के सभी ग्रीस पाइंट पर ग्रीस करें एवं सुनिश्चित करें कि सभी पाइंट पर निपल लगी हो।

9. वाहन के सभी ऑयल पाइंट पर केन से ऑयल डालें।

10. गियर बॉक्स डिफ्रेन्शियल में सी-ऑयल लेवल चैक करें एवं कम हो तो पूरा करें।

11. डीजल टैंक केप चैक करें, यदि नहीं हो तो लगायें।

12. रेडियेटर केप चैक करें।

13. सभी माउन्टिंग बोल्ट एवं फिक्सर्स चैक करें एवं यदि लूज हो तो टाईट करें, जैसे-

    1. इंजिन माउन्टिंग
    2. रेडियेटर माउन्टिंग
    3. स्टेयरिंग माउन्टिंग
    4. एक्शल स्टड
    5. प्रोपलर शाफ्ट, सेन्टर बियरिंग हाऊसिंग बोल्ट
    6. फ्रन्ट स्प्रिंग आई बोल्ट, शैकल, पिन लोक बोल्ट, रियर स्प्रिंग यू बोल्ट
    7. इंजेक्टर पाईप क्लेम्पिंग।

14. टायरों में हवा का दबाव चैक करें एवं सुनिश्चित करें कि आगे के टायर में 75 एवं पीछे के टायर में 85 पौंड हवा हो।

15. यात्री सीटों को चैक कर दुरुस्त करना सुनिश्चित करें।

प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स शिडयूल (तृतीय)

(लिलैण्ड वाहनों के लिए 16,000 कि.मी. एवं टाटा के लिए 18,000 कि.मी.)

1. रोजाना का प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स शिडयूल एवं 2000 कि.मी. मेन्टीनेन्स में वर्णित सभी कार्य किये जावें।

2. ऑयल फिल्टर एवं ऑयल चेन्ज करें।

3. ब्रेक सैटिंग एडजस्ट करें।

4. किन पिन प्ले चैक करें एवं यदि आवश्यक हो तो एडजस्ट करें।

5. आगे के चक्कों की बियरिंग प्ले चैक करें, आवश्यक हो तो एडजस्ट करें एवं बियरिंग में ग्रीस की पूर्ति करें।

6. रफ एवं फाइन दोनों डीजल फिल्टर। एक साथ बदली नहीं कर एक के बाद एक बदलें।

7. कम डीजल औसत देने वाली वाहन का एफ.आई.पम्प एवं इंजेक्टर चैक करें, यदि आवश्यक हो तो दोनों को चेन्ज करें।

8. इंजिन की टयूनिंग करें एवं टेपिट एडजस्ट करें।

9. क्लच पैंडल प्ले चैक करें, यदि आवश्यक हो तो एडजस्ट करें।

10. डीजल टैंक ब्रेकिट चैक करें, यदि टूटा हो तो दुरुस्त करें।

11. एयर टैंक माउन्टिंग एवं एयर टैंक पाईप लाईन चैक करें,यदि आवश्यक हो तो दुरुस्त करें अथवा बदली करें।

12. स्प्रिंग असेम्बली चैक करें, यदि पत्ता टूटा हो तो बदली करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि सभी असेम्बलीज में क्लिप मय नट-बोल्ट के लगी हुई हों।

13. टायर घिसाब अनियमन हो तो टायर रोटेड किये जावें एवं व्हील एलाईमेन्ट चैक किया जावे।

14. एफ.आई.पम्प का ग्लासी फिल्टर एवं एयर ब्रीदर साफ किये जावें। टाटा वाहनों की पम्प ग्लासी में लगी तार जाली साफ करें।

15. फेन बेल्ट ढीली हो तो टाईट एवं एडजस्ट करें।

हैवी डॉकिंग मेन्टीनेन्स **40,000** कि.मी. – लीलैण्ड / टाटा वाहनों के लिए

1. रोजाना का प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स एवं 2000 कि.मी., 16,000/18,000 कि.मी. मेन्टीनेन्स पर किये जाने वाले सभी कार्य करें।

2. इंजिन–

1. इंजिन को साफ करें।

2. इंजिन फाउन्डेशन, रेडियेटर फाउन्डेशन, रेडियेटर हौज चैक करें, आवश्यक होने पर दुरुस्त अथवा बदली करें।

3. इंजिन स्टार्ट करें, अधिकतम एवं न्यूनतम ऑयल प्रेशर चैक करें एवं यदि इंजिन बैक कम्प्रेशर हो तो इंजिन बदली करें।

4. इंजिन एयर ब्रीदर साफ करें।

5. यदि इंजिन में कहीं से भी ऑयल रिसाव हो तो चैक करें एवं रिसाव को रोकें। आवश्यकता हो तो हैड गैस किट एवं ऑयल सील बदली करें।

6. यदि इंजिन में रिंग नहीं बदली जानी है तो हैड टाईट कर टेपिट सैटिंग करें।

7. इंजिन के सभी नट, स्क्रू, इनलैट व एक्जास्ट मेनीफोल्ड एवं साईड प्लेट बोल्ट इत्यादि चैक कर टाईट करें।

8. इंजिन के इंजेक्टर प्रेशर चैक करें, यदि आवश्यक हो तो बदली करें।

9. इंजिन स्टार्ट कर आइडल स्पीड सैट करें।

10. फ्यूल पम्प कपलिंग एवं फ्यूल टाइमिंग चैक करें, आवश्यक हो तो एडजस्ट करें।

3. चेसिस–

चेसिस में कहीं बैंड अथवा क्रेक तो नहीं है, चैक करें एवं आवश्यकतानुसार रिपेयर की कार्यवाही की जावे।

4. ट्रांसमिशन–

1. सभी प्रोपलर शाफ्ट खोलें एवं लेथ मशीन पर चैक कराया जावे कि बैण्ड तो नहीं है, यदि बैण्ड हो तो बदली करें।

2. शाफ्ट के सभी झिरी, गुल्ले, योक, बियरिंग ऑयल सील, यू.जे. क्रॉस सेन्टर बियरिंग हाउजिंग फ्लैंज इत्यादि चैक

करायें एवं आवयकता अनुसार बदलें अथवा रिपेयर कर वापिस लगायें।

5. क्लच-

क्लच पैंडल प्ले चैक कर एडजस्ट करें। यदि क्लच स्लिप की शिकायत हो तो क्लच प्लेट बदली करें।

6. कमानियाँ-

1. वाहन की सभी कमानियाँ खोलें एवं चैक करें, यदि पत्ते टूटे/क्रेक हों तो पत्ते बदली करें, कमानी में दम लगायें तथा पत्तों के ग्रीस लगाकर दोबारा कमानी बनाकर लगायें।

2. कमानी क्लिप व बोल्ट, स्लीव इत्यादि सही प्रकार से लगायें।

3. यू बोल्ट एवं आई. बोल्ट चैक करें, एवं टाइट करें।

4. हैंगर ब्रेकिट, शैकल पिन, बुश इत्यादि चैक करें, आवश्यक हो तो बदली करें अथवा रिपेयर करें।

5. शोक एक्जर्वर ब्रेकिट चैक करें, आवश्यकतानुसार रिपेयर अथवा बदली करें।

7. वाहन के चारों चक्कों में किये जाने वाले कार्य-

1. वाहन के चारों व्हील खोलकर एवं हब बाहर निकालकर बियरिंग, ऑयल सील, स्पेसर एवं चक नट चैक कर आवश्यकतानुसार बदलने की कार्यवाकी की जावे।

2. हब एवं बोल्ट चैक किये जावें, आवयकतानुसार रिपेयर अथवा बदली किये जावें।

3. ब्रेक शू, ब्रेक शू पिन एवं स्प्रिंग इत्यादि खोलकर चैक किये जावें एवं आवश्यकतानुसार रिपेयर अथवा बदली कर दिये जावें।

4. ब्रेक केम खोलें, ब्रेक केम बियरिंग चैक करें, यदि आवश्यकता हो तो बेल्डिंग/मशीनिंग करावें।

5. ब्रेक लाईनर चैक करें, घिस गये हो तो बदली करें।

6. ब्रेक ड्रम चैक करें, आवश्यकता हो तो ड्रम लेथ मशीन पर टर्निंग और फेसिंग करावें।

7. स्पेण्डल चैक करें, यदि क्रेक हो तो रिपेयर करें। किन पिन एवं बुश चैक करें, आवश्यकतानुसार एडजस्ट करें।

8. ऑयल कम्पनी की सिफारिश अनुसार ग्रीस का उपयोग करते हुये चारों व्हील असेम्बल करेंगे।

8. ब्रेक-

1. हैण्ड ब्रेक वाल्व, ई-2 व दोहरे ब्रेक वाल्व को चैक करें।

2. सारे ब्रेक पाईपों एवं सारे ब्रेक हौज को चैक करें, यदि पाईप घिस गये हो तो वेल्ड अथवा बदली किये जावें एवं सभी पाईपों की क्लम्पिंग ठीक प्रकार से की जावे।

3. ब्रेक डायफ्राम चैक किये जावें, यदि फटे हुये हों तो बदली किये जावें।

9. ईंधन लाईन-

1. डीजल टैंक खोलें एवं साफ करें।

2. डीजल टैंक ब्रेकिट, कैप एवं लोडेड स्प्रिंग चैक करें, आवश्यकतानुसार बदली किये जावें।

3. ईंधन पाईप लाईनें चैक की जावें एवं यदि लीकेज हो तो बदली की जावें। ईंधन लाईन के क्लेम्पिंग सही प्रकार से हों, सुनिश्चित किया जावे।

10. एफ.आई. पम्प एवं इंजेक्टर सैट-

1. एफ. आई. पम्प कपलिंग एवं कपलिंग बोल्ट, डिलेवरी वाल्व चैक करें एवं सारे स्क्रू नट इत्यादि टाईट एवं पम्प टाइमिंग तथा इंजेक्टर नोजल स्प्रे चैक कराया जावे।

11. स्टेयरिंग, पुशराड एवं टायराड-

1. स्टेयरिंग आर्म, टाईराड खोलकर चैक करें, टाइराड की चूड़ियाँ सही हों, सुनिश्चित करें एवं टाईराड एण्ड टाईट करें एवं नट बोल्ट की लोकिंग सुनिश्चित करें। व्हील एलाईमेन्ट करें। स्टेयरिंग की फ्री-प्ले चैक कर एडजस्ट की जावें।

12. क्राउन व्हील पिनियन-

1. क्राउन व्हील सहित खोलें एवं क्राउन पिनियन दाँते बियरिंग चैक करें, यदि टूटे हुये हो तो बदली किये जावें।

2. क्राउन व्हील पिनियन की बैकलेश चैक कर एडजस्ट की जावें।

13. गियर ऑयल बदली-

1. स्टेयरिंग, गियर बॉक्स डिफ्रेन्शियल का गियर ऑयल बदली किया जावे।

2. गियर लीवर चैक कर एडजस्ट किया जावे।

14. विद्युत सम्बन्धी कार्य-

1. तेजाब की ग्रेविटी चैक की जावे एवं आवश्यकतानुसार तेजाब की पूर्ति की जावे।

2. बैट्री रिचार्ज लगायी जावे।

3. यदि बैट्री चार्ज नहीं पकड़े तो नयी बैट्री लगायी जावे।

4. सेल्फ, अल्टीनेटर चैक किये जावें एवं कार्य सही प्रकार से कर रहे हैं, सुनिश्चित किया जावे।

5. वाईपर, मोटर आर्म एवं ब्लैड चैक कर सही करें।

15. वाहन की बॉडी सम्बन्धी कार्य-

1. वाहन छोटी दुर्घटनाग्रस्त हो तो रिपेयर करायी जावें।

2. आगे व पीछे के बम्पर ठीक हों, सुनिश्चित करें।

3. चालक एवं यात्री प्रवेश द्वार के कब्जे एवं लोक सही प्रकार से हों, सुनिश्चित किया जावे।

4. 2, 3 तथा 6 सीटों वाली सभी सीटों के फ्रेम चैक किये जावें, आवश्यकता हो तो वेल्ड एवं सीटें फिक्स की जावें।

5. वाहन के सभी चैसिस यू बोल्ट चैक करें एवं उनमें ब्लाटा पैकिंग लगी हों,सुनिश्चित करें।

6. वाहन की बॉडी की चद्दर फटी हुई हो तो पेच कार्य पूरा किया जावे।

7. यदि वाहन का कोई शीशा टूटा हो तो बदली कराया जावे।

8. वाहन की आगे की जाली चैक करें, टूटी हो तो वेल्ड की जावे।

9. खिड़कियों के शीशों के लोक चैक करें, टूटे हों तो बदली करें।

16. डेश बोर्ड में होने वाले कार्य-

1. ऑयल प्रेशर मीटर, तापमापी यंत्र, विद्युत मापी यंत्र, हवा का दबाव एवं स्पीड मीटर इत्यादि का सही कार्य करना सुनिश्चित किया जावे। यह भी सुनिश्चित किया जावे कि डेश बोर्ड बल्व जल रहे हैं, ताकि चालक रात्रि में भी मीटर रीडिंग देख सकें।

17. कूलिंग सिस्टम-

1. वाहन का रेडियेटर चैक करें, रेडियेटर कौर, ऊपर व नीचे की टंकी चैक करें, यदि ठीक होने की काबिल नहीं हो तो बदली करें।

2. कूलेंट सही मात्रा एवं सही स्तर पर होना आवश्यक है। अतः तदनुसार चैक कर पूर्ति की जाये।

18. वाहन की रिमें-

1. वाहन की रिम में बल हो अथवा मोच हो, तो सुराख ढीले हों, तो रिम बदली करें, ताकि टायरों में अनियमित घिसाव नहीं हो।

19. वाहन की धुलाई एवं रंग रोगन का कार्य-

1. वाहन का मेन्टीनेन्स के बाद अंदर एवं बाहर से पूरी तरह साफ करे, धुलाई करे, दाग-धब्बे पाउडर से साफ करें एवं आवश्यक हो, तो किये गये पेच कार्य पर रंग व पेन्ट व फ्रंट शो भी पेन्ट किया जावे।

2. वाहन को मार्ग पर 2-3 कि.मी. भेजकर टेस्ट कराया जावे। इस दौरान यदि किसी प्रकार की यंत्रदोष त्रुटि पाई जावे, तो वाहन का पुनः कार्य कराकर ऑन टैस्ट कराया जावे।

3. 40,000 कि. मी. मेन्टीनेन्स प्रबंधक (संचालन) की निगरानी में उपरोक्त वर्णित पूरा कार्य करायेंगे।

प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स शिडयूल (पंचम)

(80,000 कि.मी. - लीलैण्ड/टाटा वाहनों के लिये)

1. 40,000 कि.मी. प्रीवेन्टिव मेन्टीनेन्स में किये जाने वाले सभी कार्य करें।

2. वाहन के लिये सालाना फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु विशेष तौर पर वाहन की बॉडी मरम्मत, रंग, यात्री एवं चालक सीट मरम्मत आदि कार्य भली-भाँति कराया जावे।

3. वाहन को जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय में भेजने से पूर्व इंजिन स्मोक टैस्ट कर, आवश्यकतानुसार कार्य कराकर भेजेंगे।

कार्यशाला मेन्यूअल
2004

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

•

डीजल शाखा

आगार कार्यशाला में सबसे महत्त्वपूर्ण विभाग डीजल शाखा होती है, क्योंकि कार्यशाला मद के प्रत्यक्ष परिवर्तनशील लागत का लगभग 80 प्रतिशत खर्चा डीजल की मद में होता है। अत: कार्यशाला प्रभारी एवं डीजल प्रभारी खपत में नियंत्रण हेतु विशेष ध्यान देंगे।

डीजल शाखा के अंतर्गत निम्न कार्यों का सम्पादन होगा-

(**1**) भारतीय तेल कम्पनी से प्राप्त डीजल टेंकर खाली कराते वक्त सावधानी रखने हेतु निर्देश-

1. डीजल टैंकर के साथ प्राप्त चालान में गन्तव्य स्थान, टैंकर रजिस्ट्रेशन नम्बर व डीजल की मात्रा चैक करें।
2. भारतीय तेल निगम से प्रस्थान समय तथा आगार कार्यशाला के मध्य की दूरी के हिसाब से कितना समय लगा, चैक करें।
3. डीजल टैंकर में लगी सभी सीलें चैक करें एवं सुनिश्चित करें कि सील सही सलामत है एवं चालान में दिये गये नम्बरों के अनुरूप है।
4. डीजल टैंकर कार्यशाला में आने के बाद 10-15 मिनट समतल जगह पर खड़ा रखें।
5. वाटर फाइन्डिंग पेस्ट लगाकर चैक कर सुनिश्चित करें कि डीजल में पानी तो नहीं मिला हुआ है।
6. टैंकर की डिप रीडिंग रोड को सही चैक करें एवं रोड पर गैसोलीन पेस्ट लगाकर प्रत्येक कम्पार्टमेन्ट चैक कर सुनिश्चित करें कि डिप रोड पूरक लाईन तक सही है।
7. टैंकर के प्रत्येक कम्पार्टमेन्ट की डीजल डेनसिटी चैक करें व चालान से मिलान करें। ज्यादा अन्तर आने पर तेल कम्पनी को अवगत करावें।
8. उपरोक्त पूरी चैकिंग के पश्चात् यदि डीजल मात्रा सही नहीं पाई जावे तो कम डीजल की पूर्ति निगम पम्प से कर उसकी मात्रा का रिमार्क तेल निगम के बिल की सभी प्रतियों में इन्द्राज करें एवं प्रबंधक (संचालन) अपने हस्ताक्षर करें तथा टैंकर चालक के द्वारा बार-बार पुनरावृत्ति करें तो इसकी शिकायत भारतीय तेल निगम को करते हुये इसकी प्रति सम्बन्धित महा प्रबंधक (संचालन) को भी भिजवायें।
9. डिप की छड़ लम्बाई व उस पर लगे चिन्ह नापशील को भारतीय तेल निगम से जारी प्रमाण पत्र से मिलान करें।
10. टैंकर टायरों की हवा की ओर विशेष ध्यान दिया जाये। क्योंकि कम हवा होने पर डीजल कम होने की संभावना बनी रहती है।
11. भारतीय तेल निगम से जब भी डीजल टैंकर प्राप्त होता है उसका एक रजिस्टर संधारण किया जायेगा।

(**2**) डीजल पम्प रख-रखाव के लिये आवयक निर्देश

1. डीजल पम्प यूनिट सही प्रकार से कार्य करती रहें, इसके लिये सामयिक रख-रखाव आवश्यक है, इसके लिये समय-समय पर तेल कम्पनी के सुपरवाईजर को बुलाकर चैक करवायेंगे।
2. डीजल पम्प यूनिट किसी कारण वश पूरी तरह काम करना बंद कर दें तो तेल कम्पनी को तुरंत दोष निवारण हेतु सूचित करें एवं महा प्रबंधक (संचालन) को भी सूचना देवें।
3. डीजल कट-ऑफ नोजल को हमेशा सही हालत में रखें। खराबी होने पर तेल कम्पनी को सूचित कर रिपेयर या बदली करावें।
4. डीजल डिलीवरी रबड़ पाईप कटी हुई नहीं हो, सुनिश्चित करें।
5. डीजल पम्प के साथ स्थापित विद्युत मोटर एवं सेल्फ स्टार्टर सही हालत में रखे जावें।
6. डीजल स्टोरेज टैंक बिहेवियर पर विशेष ध्यान देंगे। यदि डिप रीडिंग के आधार पर कम/अधिक का असाधारण अन्तर पाये जाने पर शीघ्र तेल कम्पनी को सूचित कर दोष निवारण करायें।
7. यह सुनिश्चित करें कि डीजल स्टोरेज टैंक के ब्रीदर पाईप का ढक्कन लगा हुआ है, ताकि वर्षा या अन्य कारण से स्टोरेज टैंक में पानी नहीं जा पायें।
8. डीजल पम्प यूनिट पर प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी की ही ड्यूटी लगाई जावे, ताकि पम्प का संचालन सुचारू रूप से हो सके।
9. इंजेक्टर टैस्टर मशीन का निर्धारित प्रेशर पर सैट होना सुनिश्चित किया जावे, इसके लिए मास्टर इंजेक्टर का उपयोग करें।
10. स्मोक टैस्टिंग मशीन का सही प्रकार से कार्य करना सुनिश्चित करें।

(**3**) डीजल शाखा में रिकार्ड संधारित करने के निर्देश

डीजल प्रभारी डीजल शाखा में निम्न रिकार्ड पूर्ण रूप से नियमित निर्धारित प्रोफार्मा में संधारित किया जाना सुनिश्चित करेंगे-

1. डीजल टैंक लोरी रजिस्टर
2. डीजल स्टोक रजिस्टर
3. ऑयल स्टोक रजिस्टर
4. डीजल पम्प केलिब्रेशन रजिस्टर

5. डीजल डेनसिटी रजिस्टर

6. डीजल इश्यू स्लिप

7. ऑयल इश्यू स्लिप

8. दैनिक डीजल इश्यू समरी रजिस्टर

9. दैनिक ऑयल इश्यू समरी रजिस्टर

10. मासिक वाहन वार डीजल औसत रजिस्टर

11. मासिक चालक वार डीजल औसत रजिस्टर

12. अनुबंधित वाहनों को जारी डीजल स्लिप एवं समरी रजिस्टर

13. तेल कम्पनी को भेजे जाने वाले डीजल माँग पत्र का रिकार्ड

14. जले हुए ऑयल का रिकार्ड रजिस्टर

(**4**) डीजल शाखा प्रभारी के कर्त्तव्य

1. डीजल की आवश्यकता के अनुसार तेल कम्पनी को माँग पत्र प्रबंधक (संचालन) के हस्ताक्षर से भिजवायेंगे। प्राप्त तेल के बिल का इन्द्राज निर्देशानुसार डीजल स्टोक रजिस्टर में कर भुगतान हेतु मूल प्रति लेखाधिकारी, केन्द्रीय भण्डार को भिजवायेंगे।

2. कार्यशाला में स्थापित डीजल भण्डारण टैंक/टैंकों की डिप रीडिंग रोजाना प्रात: 8.00 बजे लेकर डीजल स्टोक रजिस्टर में इन्द्राज कर डीजल मात्रा का सत्यापन करेंगे एवं अपने हस्ताक्षर करेंगे।

3. सप्ताह में एक बार (सोमवार को) डीजल शाखा प्रभारी एवं कार्यशाला प्रभारी डीजल पम्प की सही डिलीवरी सुनिश्चित करने हे 5 लीटर के मानक कैन द्वारा केलिब्रेशन चैक कर निर्धारित रजिस्टर में संधारण करेंगे एवं डीजल प्रभारी व कार्यशाला प्रभारी अपने हस्ताक्षर करेंगे। केलिब्रेशन में अन्तर रहने पर संबंधित तेल कम्पनी को दोष निवारण हेतु पत्र लिखेंगे एवं एक प्रति सम्बन्धित जोन के महा प्रबंधक (संचालन) को भेजेंगे।

4. डीजल पम्प पर कार्यरत कर्मचारी द्वारा वाहनों में जारी किये जाने वाले डीजल की सही मात्रा की डीजल स्लिप जारी किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

5. रोजाना डीजल समरी रजिस्टर पूर्ण करेंगे एवं कार्यशाला प्रभारी को निरीक्षण हेतु प्रस्तुत करेंगे।

6. अन्य आगारों को जारी किये गये डीजल की मासिक सूचना प्रतिमाह के प्रथम सप्ताह में संबंधित आगार को भेजकर

सत्यापन करायेंगे एवं स्वयं के आगार द्वारा अन्य आगारों से लिये गये डीजल मात्रा का सत्यापन कर संबंधित आगारों को सूचित करेंगे।

7. अन्य आगारों से लिये जाने वाले डीजल के संबंध में मात्रा निर्धारित कर संबंधित कार्यशाला प्रभारी को सूचित करेंगे एवं अपने चालकों को भी पाबंद करेंगे।

8. डीजल पम्प पर आगार द्वारा संचालित शिडयूल, ट्रिप कि.मी. का विवरण एवं निर्धारित डीजल की मात्रा दर्शाने वाला बोर्ड तैयार कर लगायेंगे।

9. डीजल शाखा कमरे के बाहर डीजल मोनीटरिंग चार्ट में सर्वाधिक एवं सबसे कम डीजल औसत देने वाले पाँच-पाँच चालकों का नाम विवरण सहित बोर्ड पर दैनिक रूप से लिखेंगे।

10. प्रत्येक सप्ताह लगातार कम डीजल औसत देने वाली वाहनों की सूची तैयार कर उन्हें अटैण्ड कराने की कार्यवाही करेंगे।

11. लगातार कम ऑयल टॉप अप औसत देने वाली वाहनों को भी साप्ताहिक समीक्षा कर उन्हें अटैण्ड करायेंगे।

12. तुलनात्मक रूप से कम डीजल औसत देने वाले चालकों से डीजल पम्प पर व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर उन्हें सुधार लाने हेतु पाबंद / प्रेरित करेंगे। इसके पश्चात् भी सुधार नहीं आवे तो प्रशिक्षण हेतु चालक प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर भिजवाया जावे।

13. चालक द्वारा डीजल औसत कम आने से संबंधित दोषों के निवारण तुरंत कराया जावे।

14. सप्ताह में दो दिवस रात्रि पारी में डयूटी देंगे।

15. आगार के अधीन संचालित अनुबंधित वाहनों को डीजल निगम के डीजल पम्प से जारी किया जायेगा। इन वाहनों की डीजल स्लिप स्वयं कनिष्ठ अभियंता (डीजल) बनायेंगे।

टायर शाखा

आगार कार्यशाला में टायर शाखा भी महत्त्वपूर्ण शाखा है। प्रत्यक्ष परिवर्तित लागत का 7 प्रतिशत खर्चा टायरों के मद में आता है। टायर खर्च पर प्रभावी नियंत्रण रखने हेतु कनिष्ठ अभियन्ता (टायर) की जिम्मेवारी रहेगी।

(**1**) टायर शाखा प्रभारी के कर्त्तव्य-

(1) आवश्यकतानुसार/संचालित कि.मी. के अनुसार प्रतिमाह आगार के लिये नये टायरों का माँग पत्र महा प्रबंधक (टायर) को भिजवायेंगे। एवं नये टायर- टायर शाखा जयपुर से प्राप्त करेंगे।

(2) आगार के लिये निर्धारित टायर प्लान्ट जयपुर/अजमेर में पुराने टायर रिट्रेडिंग हेतु/नकारा हेतु जमा करायेंगे एवं स्वयं

आगार के रिट्रेड टायर प्राप्त करेंगे।

(3) समय-समय पर नाकार टयूब एवं फलेप्स भी जमा कराये जायें ताकि आगार में अनावश्यक रूप से इकट्ठे न हों।

(4) रिपेयर/नाकारा हेतु व्हील रिमें भी संबंधित केन्द्रीय कार्यशाला में जमा करायें।

(5) यह सुनिश्चित करें कि केसिंग टायर समय पर उतारे जावें।

(6) वाहनों के टायरों में एयर प्रेशर नियमित अन्तराल पर चैक करें एवं टायरों का रोटेशन किया जावे।

(7) यदि यात्रिंक दोष के कारण वाहन टायर खा रही हो तो ऐसे वाहनों को तुरन्त अटेण्ड कराया जावे।

(8) यह सुनिश्चित किया जावे कि लम्बे मार्ग पर जाने वाले वाहनों में आगे नये टायर ही लगाये जावें। छोटे मार्ग पर संचालित वाहनों में आगे पी.सी.आर. रिट्रेड टायर लगाये जा सकते हैं।

(9) वाहनों पर दी जाने वाली स्टेपनी को भी नियमित चैक करा कर सुनिश्चित करें कि टायर हवा सही है एवं पंचर न हो।

(10) यह सुनिश्चित करेंगे कि पर्याप्त मात्रा में नये/रिट्रेड टायर तैयार स्थिति में टायर शाखा में उपलब्ध रहें ताकि टायर बदलने में अनावश्यक रूप से वाहन लेट न हो। कुछ रिपेयर टयूब भी तैयार रखी जावे। नये टायर के साथ नयी टयूब ही लगायी जावे।

(11) चालकों द्वारा लापरवाही से वाहन संचालन कर-टायर क्षतिग्रस्त करने की रिपोर्ट तुरन्त प्रबंधक (संचालन) को देंगे ताकि दोषी चालक के विरूद्ध समय पर कार्यवाही की जा सके।

(12) टायर शाखा में कार्यरत सभी टायर फिटरों/कर्मचारियों के कार्य पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे एवं यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा दैनिक रूप से किये गये कार्य का पूर्ण विवरण टायर उतारने के कारण सहित इन्द्राज टायर कन्ट्रोल रजिस्टर में आवश्यक रूप से किया जावे। टायर शाखा प्रभारी इस रजिस्टर का रोजाना अवलोकन कर आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

(13) समुचित मात्रा में व्हील रिम रेड ऑक्साईड पेन्ट कराकर तैयार रखी जावे, ताकि जब भी टायर बदली करना हो तब रेड ऑक्साईड पेन्ट की हुई व्हील रिम टायर में लगायी जा सके।

(14) टायर प्रभारी सप्ताह में दो बार रात्रि पारी में ड्यूटी देंगे।

(15) टायर शाखा में काम आने वाले एयर कम्प्रेशर, एयर प्रेशर गेज, डायल गेज एवं मैकेनिकल/प्रेशर जैक/टोर्च इत्यादि का सही हालत में रहना सुनिश्चित करें। यदि कोई दोष हो तो तुरंत प्रबंधक (संचालन) से सम्पर्क कर सही करायें।

(**2**) टायर शाखा में रिकार्ड संधारित करने के निर्देश-

टायर शाखा प्रभारी द्वारा निम्न रिकार्ड संधारित किया जायेगा-

1. नये टायरों के साथ प्राप्त टायर हिस्ट्री कार्ड में ही टायर संचालन कि. मी. का इन्द्राज टायर नकारा होने तक संधारित करें। टायर कार्ड का रख-रखाव सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रखा जावे।
2. टायर मास्टर रजिस्टर आवश्यक रूप से पूर्णत: संधारित किया जावे।
3. टायर फ्लोट रजिस्टर संधारित किया जावे।
4. हवा दबाव चैक रजिस्टर संधारित किया जावे।
5. न्यू एवं रिट्रेड टायर आवक/जावक रजिस्टर संधारित किया जावे।
6. टायर डिफेक्ट रजिस्टर संधारित किया जावे।

(**3**) टायर शाखा में काम आने वाले टूल, प्लांट एवं मशीनरी का रख-रखाव-

टायर शाखा का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न करने के लिए शाखा में उपलब्ध सभी टूल्स, प्लांट एवं मशीनरी सही हालत में रहे, इसके लिये निम्न अनुसार रख-रखाव सुनिश्चित किया जावे-

1. एयर कम्प्रेशर का सामयिक रख-रखाव सुनिशि्तच किया जावे।
2. एयर कम्प्रेशर को समय-समय पर ड्रेन किया जावे।
3. एयर कम्प्रेशर में तकनीकी खराबी आने पर तुरंत प्रबंधक (संचालन) से सम्पर्क कर रिपेयर कराया जावे।
4. वाल टाइप डायल गेज एवं टायर इन्फ्लेटर गेज सही हालत में रहे। खराब होने पर शीघ्र रिपेयर या बदली किये जावें।
5. टयूब वल्केनाइजिंग मशीन चालू स्थिति में रखी जावे।
6. मैकेनिकल जैक, हाइड्रोलिक जैक एवं ट्रोली जैक सही तरह कार्य करे, सुनिश्चित करें।
7. व्हील नट खोलने एवं कसने में नट रनर का उपयोग करें तथा इसका सही स्थिति में कार्य करना सुनिश्चित करें।
8. व्हील एलाईमेन्ट गेज को सही स्थिति में रखने के लिए निर्धारित जगह एवं सही हालत में रखें।

पारी प्रभारी / ग्रुप प्रभारी के कर्त्तव्य

सभी पारी प्रभारी/ग्रुप प्रभारी निर्धारित ड्यूटी समय पर कार्यशाला में उपस्थित होंगे एवं सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक वाहन बिना किसी दोष के निर्धारित शिडयूल टाईम पर कार्यशाला से प्रस्थान करेगी।

इनके द्वारा निम्न कार्य सम्पादित करने की जिम्मेवारी होगी-

1. अपनी पारी के अधीन कार्यरत यांत्रिक कर्मचारियों पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे एवं सुनिश्चित करें कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित होकर अना कार्य समय पर पूर्ण करें।

2. चालक द्वारा अंकित वाहन डिफेक्ट का निवारण करेंगे एवं की गयी कार्यवाही का पूर्ण विवरण कार्यवाही रजिस्टर में अंकित कर अपने हस्ताक्षर करेंगे।

3. दैनिक रूप से किये जाने वाले कार्य एवं 2,000/- 16,000/- 18,000 कि.मी. शिडयूल मेन्टीनेन्स के लिये सभी कार्य कराने की जिम्मेदारी होगी।

4. अपने ड्यूटी समय में वाहनों में कराये गये काम का पूर्ण विवरण, काम करने वाले यांत्रिक के नाम सहित कार्यवाही रजिस्टर में इन्द्राज करेंगे। यदि किसी वाहन में कोई कार्य बकाया रह गया हो तो उसका उल्लेख करना आवश्यक होगा, विवरण पर पारी प्रभारी अपने हस्ताक्षर करेंगे।

5. आगार कार्यशाला में कोई वाहन धक्का स्टार्ट संचालित नहीं की जावे तथ बैट्री रख-रखाव स्तर सही हो एवं उनमें डिस्टिल वाटर का उपयोग हो, सुनिश्तिच करेंगे।

6. किसी भी धक्का स्टार्ट वाहन को दूसरी वाहन से धक्का लगाकर स्टार्ट नहीं की जावे। इसके निराकरण हेतु ट्रॉली बैट्री का उपयोग किया जावे।

7. अपनी पारी के दौरान मार्ग से ब्रेक डाउन की सूचना प्राप्त होने पर उसे शीघ्र अटैण्ड कराने की व्यवस्था भी पारी प्रभारी करेंगे। अपने आगार क्षेत्र में बाहर के आगार की ब्रेक डाउन वाहनों को भी अटैण्ड करायेंगे।

8. अपनी पारी के दौरान आगार कार्यशाला में यदि कोई वाहन दुर्घटना की सूचना प्राप्त होती है तो तुरंत प्रबंधक (संचालन) को अवगत कराकर उनके निर्देशानुसार कार्यवाही करेंगे।

9. वाहनों के मेन्टीनेन्स/रिपेयर के दौरान यांत्रिकों द्वारा नये कलपुर्जों की माँग की जाती है तो पारी प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि पुराना सामान वास्तव में बदलने योग्य है। यदि कोई कलपुर्जा रिपेयर कराया जा सकता हो तो रिपेयर कराकर काम में लिया जावे। नये सामान जारी कराने की इंडेन्ट बुक भण्डार में नहीं रखी जावे एवं पारी प्रभारी इन्डेन्ट बुक को अपने नियंत्रण में रखते हुए स्वयं ही इन्डेन्ट बनाकर अपने हस्ताक्षर करेंगे। यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जारी नया सामान वाहन में फिट हो गया है एवं पुराना सामान भण्डार में जमा करा दिया गया है।

10. टायर एवं डीजल शाखा प्रभारी द्वारा बताये गये वाहन यांत्रिक दोष का निवारण भी पारी प्रभारी करायेंगे।

11. वाहन का कार्य कराने के बाद मार्ग पर भेजने के लिए चालक लॉगशीट पर अपने हस्ताक्षर कर यह प्रमाणित करेंगे कि वाहन मार्ग पर जाने योग्य है। यदि कोई वाहन रोटेशन के बीच में कार्यशाला में किसी कार्य से आती है तो उसे प्राथमिकता से अटैण्ड कराकर मार्ग पर भेजेंगे।

12. पारी प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि वाहन में झाड़े लगी हो तथा धुली हुई हो।

13. 2000 कि.मी. मेन्टीनेन्स पर वाहन के नीचे चैसिस धुलाई एवं सभी शीशों की सफाई कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

14. पारी प्रभारी अपनी पारी में प्रस्थान होने वाली वाहनों को यांत्रिक ग्रुप में विभाजित करेंगे, ताकि मार्ग में यांत्रिक दोष के कारण ब्रेक डाउन वाहन की जिम्मेवारी निर्धारित हो सके।

(**1**) प्रबंधक (संचालन) के कर्त्तव्य

प्रबंधक (संचालन) प्रतिदिनि प्रात: कार्यशाला का निरीक्षण कर सुनिश्चित करेंगे कि कार्यशाला के अधीन सभी शाखाओं का कार्य सुचारू एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पादित किया जावे। इनके अधीन निम्न कार्य संपादित होंगे-

1. चालक ड्यूटी चार्ट पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे तथा चालकों के नाम वाहन एवं मार्ग निर्धारित करेंगे एवं निर्धारित चालक का नाम पेन्ट से चालक फाटक पर लिखवायेंगे।

2. लम्बे मार्ग पर संचालित वाहनों पर ड्यूटी ऐसे चालकों की निर्धारित करेंगे, जो नियमित सेवा में कार्यरत हो एवं 05 वर्षों का रिकार्ड दुर्घटना रहित हो तथा उनका चाल-चलन अच्छा हो।

3. वाहनों का 40,000 कि.मी. शिडयूल मेन्टीनेन्स कार्य प्रबंधक (संचालन) स्वयं अपनी निगरानी में निर्देशानुसार पूर्ण कार्य करायेंगे एवं वाहन ऑन टैस्ट करने के बाद ही मार्ग पर भेजना सुनिश्चित करेंगे।

4. भण्डार से जारी ए व बी क्लास आईटम स्टॉक की प्रबंधक (संचालन) दैनिक समीक्षा करेंगे एवं आवश्यक होने पर ही नये कलपुर्जों को वाहन में लगाया जावे। यह भी देखेंगे कि ऐसे नये पार्टस जो पिछले 6 माह से काम में नहीं आ रहे हैं, उन्हें केन्द्रीय भण्डार में जमा करा दिये जावें।

5. आगार में स्प्रिंग लीफ का खर्चा अधिक होता है, इस पर नियमित समीक्षा कर सुधार करेंगे।

6. दैनिक निरस्तीकरण, देरी से प्रस्थान, एवोइडेबल यंत्र दोष इत्यादि की नियमित समीक्षा करेंगे एवं सम्बन्धित दोषी चालक व पारी प्रभारी की जिम्मेदारी तय कर नियमित कार्यवाही करेंगे।

7. वाहनों के फिटनैस व चालक लाइसेन्स नवीनीकरण, केन्द्रीय कार्यशाला में आर.सी. हित जमा कराये जाने वाली वाहन इत्यादि की योजना माह के अंतिम सप्ताह तैयार कर सूचीबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

8. आर.सी. हित केन्द्रीय कार्यशाला में जमा वाहन को आगार बेड़े में ही सम्मिलित रखेंगे।

9. नार्मस पूर्ण कर चुकी नकारा हित वाहनों की बॉडी एवं चेसिस का स्वयं निरीक्षण करेंगे एवं इसके पश्चात् ही संबंधित महा प्रबंधक (संचालन) को नकारा करने हित प्रस्ताव प्रेषित करेंगे। यह भी सुनिश्चित करेंगे कि नकारा हित आदेश हो जाने

के 15 दिन अन्दर-अन्दर सम्बन्धित केन्द्रीय कार्यशाला में जमा करा देंगे एवं इसके पश्चात् ही वाहन को आगार बेड़े से निकालेंगे।

10. प्रतिमाह में अंतिम सप्ताह में विशेष कर केन्द्रीय कार्यशाला में भेजी जाने वाली वाहनें इत्यादि की सूची तैयार कर मुख्य प्रबंधक/प्रबंधक (संचालन), प्रबंधक (लेखा) से विचार-विमर्श कर वाहनों की आर. सी. सरेण्डर कराकर पथकर बचाने की योजना बनायेंगे।

11. मेजर दुर्घटना वाहनों को रिपेयर हित तुरंत सम्बन्धित केन्द्रीय कार्यशालाओं में भिजवायेंगे, ताकि शीघ्र रिपेयर का आगार को उपलब्ध करायी जा सके। आगार स्तर पर माईनर दुर्घटना ही रिपेयर करायेंगे।

12. डीजल शाखा प्रभारी द्वारा कम डीजल औसत देने वाले चालकों की शिकायत के सम्बन्ध में शीघ्र समरी ट्रायल कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। लगतार कम औसत देने वाले चालकों को प्रशिक्षण हित ट्रेनिंग स्कूल भेजेंगे एवं साथ ही प्राणघातक दुर्घटना करने वाले चालकों को तुरंत ट्रेनिंग स्कूल भेजेंगे।

13. चालकों द्वारा वाहन संचालन में लापरवाही बरतने के कारण नये टायरों में कट, कम कि.मी. पर टायर स्क्रेप करने इत्यादि के बारे में कर्मचारियों के काम में लापरवाही बरतने के बारे में टायर शाखा प्रभारी के द्वारा प्रेषित शिकायत पर शीघ्र कार्यवाही करेंगे।

14. सप्ताह में दो बार रात्रि पारी में भी कार्यशाला का निरीक्षण करेंगे।

15. मुख्यालय से समय-समय पर जारी सभी आदेशों की पालना कर दी गयी है, यह सुनिश्चित करेंगे।

16. आगार में कार्यरत मैन पॉवर का वर्गीकरण एवं उनका उपयोग समुचित तरीके से हो रहा है, सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला मासिक ड्यूटी चार्ट अगले माह के लिये पूर्व माह के अंतिम सप्ताह में नोटिस बोर्ड पर लगायेंगे।

17. यह भी सुनिश्चित करेंगे कि जॉब बेसिस पर आवंटित बजट का उपयोग सही दिशा में किया जा रहा है।

18. सुनिश्चित करेंगे कि स्पेयर पार्टस का स्थानीय क्रय उचित दर एवं अच्छी गुणवत्ता का किया जा रहा है एवं यह भी ध्यान रखेंगे कि आवंटित बजट से अधिक क्रय नहीं किया जावे।

19. नकारा सामान बैट्री, पुराने कमानी के पत्ते, स्पेयर पार्टस, एम. एस. स्क्रेप, एल्यूमिनियम स्क्रेप एवं जला हुआ तेल आदि का भण्डारण/रख-रखाव सुव्यवस्थित तरीके से रखेंगे एवं समय-समय पर केन्द्रीय कार्यशाला में जमा कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

20. आगार में संचालित अनुबंधित वाहनों को निगम के स्थापित डीजल पम्प से डीजल दिया जायेगा। इस बाबत प्रबंधक (संचालन) स्वयं मोनीटरिंग संधारित करेंगे।

21. प्रतिमाह वाहन वाईज इतिहास पुस्तिका में संचालन परिणाम संधारित करायेंगे।

22. मुख्यालय/महा प्रबंधक (संचालन) द्वारा दिये गये तकनीकी पैरामीटर्स के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रोत्साहन स्कीम के तहत लाभान्वित हो सके।

23. माह में सर्वाधिक डीजल औसत देने वाले चालक को प्रोत्साहन स्कीम के तहत 500/- रुपये दिलाने की कार्यवाही करेंगे।

(**2**) प्रबंधक (संचालन) की प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियाँ

प्रबंधक (संचालन) को अपने कर्त्तव्य सुचारू रूप से सम्पन्न करने हेतु निम्नलिखित प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियाँ निगम द्वारा प्रदत्त की गयी हैं-

प्रशासनिक शक्तियाँ

1. अपने अधीन कार्यरत सभी चालक एवं यांत्रिक कर्मचारियों के आकस्मिक अवकाश, एक माह तक की उपार्जित अवकाश एवं मेडिकल अवकाश स्वीकृत करने का अधिकार।

2. अपने अधीन कार्यरत सभी चालक/यांत्रिक कर्मचारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत निलम्बित करने का अधिकार।

3. सुरक्षा शाखा के अधीन कार्यरत सुरक्षा प्रहरियों एवं मुख्य सुरक्षा प्रहरी के आकस्मिक अवकाश स्वीकृति अधिकार।

4. पीक सीजन के दौरान चालकों की कमी पूर्ति हेतु 100 शिडयूल से अधिक के लिए 15 चालक एवं 100 शिडयूल से नीचे के लिए 10 चालक अनुबन्ध पर रखने का अधिकार।

5. आगार स्तर पर स्थापित विभिन्न कमेटियों में प्रतिनिधित्व का अधिकार।

वित्तीय शक्तियाँ-

1. प्रतिमाह 5,000/-रूपये की राशि व्यय करने की वित्तीय शक्ति प्रदान की गयी है। इस राशि का आपातकालीन स्थिति में कलपुर्जे क्रय करने एवं दुर्घटनाग्रस्त वाहन को क्रेन से अटैण्ड करने में उपयोग किया जायेगा।

(**3**) आगार कार्यशाला में आवश्यक टूल प्लांट एवं मशीनरी की सूची

1. एयर कम्प्रेशर
2. टायर इन्फ्लेटर गेज एवं वाल टाईप डायल गेज
3. कार वाशर
4. ट्रॉली जैक्स
5. व्हील एलाइमेन्ट गेज
6. न्यू मैटिक ग्रीस गन
7. बकेट टाईप ग्रीस गन
8. नट रनर सैट
9. गियर ऑयल पम्प
10. बैंच ग्राइन्डर
11. 1/2” विद्युत ड्रिल मशीन
12. 1/4” पोर्टेबल ड्रिल मशीन
13. बैट्री सैल टैस्टर
14. हाइड्रोमीटर
15. बैट्री चार्जर
16. इंजेक्टर टैस्टर मशीन
17. बैन्च वाईस
18. स्प्रिंग केम्बरिंग मशीन
19. सिलाई मशीन
20. टेप एवं डाई सैटस
21. ब्लो लैम्पस
22. एनविल
23. सेवेज ब्लॉक

24. इलेक्ट्रिकल ब्लोवर

25. टयूब वेल्केनाईजर मशीन

26. मास्टर पुलर सैट

27. बॉक्स स्पेनर सैट

28. गैस वेल्डिंग सैट एवं असेम्बली

29. स्मोक टैस्ट मशीन

आगार कार्यशाला भण्डार प्रभारी के कर्त्तव्य

1. आगार कार्यशाला में आवश्यक कलपुर्जों एवं अन्य सामान का माँग पत्र निर्धारित प्रोफार्मा में स्वयं तैयार करके स्वयं के हस्ताक्षर कर प्रबंधक (संचालन) के भी हस्ताक्षर कराकर महा प्रबंधक (भण्डार) को निर्धारित समय पर भिजवाना सुनिश्तिच करेंगे।

2. केन्द्रीय भण्डार के द्वारा जारी निर्धारित शिडयूल के अनुसार भण्डार का सामान लाने/मंगवाने की व्यवस्था करेंगे। यह ध्यान रखा जावे कि प्रथम टर्न पर सामान लाने के लिये भण्डार प्रभारी स्वयं जायेंगे एवं द्वितीय टर्न पर भी भण्डार में पदस्थापित कर्मचारी को ही भेजेंगे।

3. कार्यशाला भण्डार से सामान तभी जारी किया जावे जब माँगपत्र संबंधित पारी प्रभारी/ग्रुप प्रभारी के हस्ताक्षर प्रमाणित हों। कीमती सामान जारी करने से पूर्व माँगपत्र पर प्रबंधक(संचालन) के हस्ताक्षर प्रमाणित होंगे।

4. बियरिंग एवं अन्य मँहगा सामान भण्डार में उपलबध अलमारी में ताला चाबी के साथ रखा जावे। अन्य सामान का रख-रखाव भी सही ढंग से किया जावे।

5. भण्डार से जारी किये गये सामान का इन्द्राज बिन कार्ड/लेजर में नियमित रूप से किया जावे।

6. आगार के लिये आवश्यक ऑयल एवं लुब्रीकेन्टस के माँगपत्र निर्धारित समय पर संबंधित नोडल अधिकारी/केन्द्रीय कार्यशाला को भिजवाकर मँगवाया जाना सुनिश्चित करें।

7. आर.सी. सामान/असेम्बलीज का माहवारी माँगपत्र केन्द्रीय कार्यशाला को भिजवायेंगे। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि ओल्ड असेम्बलीज अनावश्यक इकट्ठी नहीं करें एवं केन्द्रीय कार्यशाला में जमा कराने की व्यवस्था करें।

8. जो नया सामान 6 माह तक काम में नहीं आया हो, उसकी सूची तैयार कर केन्द्रीय भण्डार, जयपुर में जमा कराया जाना सुनिश्तिच करें।

9. नये सामान की स्थानीय खरीद/आऊट साईड रिपेयर के लिये दर अनुबंध/टैण्डर आदि की कार्यवाही सम्पादित करवायेंगे। भण्डार के सामान की स्थानीय खरीद करते समय सामान की गुणवत्ता, सही दर पर खरीद नीति के अनुसार क्रय करने का ध्यान रखेंगे।

10. जले हुए ऑयल का सही रख-रखाव रखा जावे तथा समय-समय पर केन्द्रीय कार्यशाला/नोडल पाइंट पर जमा कराया जाना सुनिश्तिच करेंगे।

11. कार्यशाला की तीनों पारियों में भण्डार कर्मचारियों की ड्यूटी सही प्रकार से लगाई जावे।

समय पालक शाखा के कर्त्तव्य

1. प्रबंधक (संचालन) के निर्देशन पर मुख्य समय पालक दैनिक चालक ड्यूटी चार्ट बनाकर सायंकाल 5.00 बजे तक समय पालक शाखा में नोटिस बोर्ड पर लगाया जाना सुनिश्चित करेंगे। चालक ड्यूटी चार्ट पर मुख्य समय चालक एवं प्रबंधक (संचालन) अपने हस्ताक्षर करेंगे।

2. समय पालक शाखा में कार्यरत सभी समय पालक, मुख्य समय पालक के अधीन कार्य करेंगे। ड्यूटी समय पालक, चालक को लॉगशीट जारी करते समय चालक ड्यूटी रजिस्टर में इन्द्राज करेंगे तथा मार्ग से वाहन वापिस आने पर भी चालक की मूल लॉगशीट प्राप्त कर जमा कराने का विवरण भी रजिस्टर मे ंअंकित करेंगे।

3. यदि कोई चालक वाहन लॉगशीट वापिस जमा नहीं कराता है तो उसकी रिपोर्ट मुख्य समय पालक प्रबंधक (संचालन) को देंगे।

4. चालक ड्यूटी पर अनुपस्थित होने व लेट आने की रिपोर्ट नियमित रूप से प्रबंधक (संचालन) को देंगे।

5. ड्यूटी चालक के अनुपस्थित होने की स्थिति में मुख्य समय पालक/समय पालक अन्य स्पेयर चालक की व्यवस्था कर वाहन मार्ग पर निर्धारित समय पर भेजा जाना सुनिश्चित करेंगे।

6. वाहनों के डिफेक्ट बुक में चालक द्वारा लिखे गये डिफेक्ट की एक प्रति पारी प्रभारी को देकर कार्यालय प्रति पर हस्ताक्षर प्राप्त करेंगे।

7. मार्ग से वाहन ब्रेक डाउन/दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही समय पालक, पारी प्रभारी, प्रबंधक (संचालन) से सम्पर्क कर अविलम्ब वालन को अटैण्ड करायेंगे।

8. मुख्य समय पालक चालकों का लाईसेन्स रिन्यूवल रजिस्टर संधारित करेंगे एवं सुनिश्चित करेंगे कि चालक को लाईसेन्स अवधि वैद्य होने पर ही लॉगशीट दी जावे।

9. मुख्य समय पालक सुनिश्चित करेंगे कि अन्तर्राज्यीय व लम्बे मार्ग पर अनुभवी चालकों को ही भेजा जावे।

10. मुख्य समय पालक ड्यूटी चार्ट बनाते समय ध्यान रखेंगे कि चालकों की वाहन एवं मार्ग फिक्स रहे। अनावश्यक रूप से चालकों की वाहन नहीं बदली जावे।

11. मुख्य समय पालक नियमित रूप से ड्यूटी चार्ट एवं लॉगशीट के आधार पर चालक उपस्थिति पंजिका का संधारण करेंगे एवं इनका हर माह निर्धारित समय पर अनुपस्थिति विवरण प्रबंधक (संचालन) के हस्ताक्षर से भुगतान हित मुख्य प्रबंधक कार्यालय को भिजवायेंगे।

12. रात्रि विश्राम एवं अश्रिम भत्ते का चालक वाईज माहवार विवरण तैयार करेंगे।

13. कम डीजल औसत देने वाले चालकों एवं प्राणघातक दुर्घटना करने वाले चालकों को प्रबंधक (संचालन) के निर्देशानुसार प्रशिक्षण हेतु नियमित रूप से भिजवायेंगे।

14. 50 वर्ष से अधिक आयु के चालकों व मेडिकल परीक्षण कराया जाकर रिकार्ड संधारित करेंगे।

15. मुख्य समय पालक/ड्यूटी समय पालक यह सुनिश्चित करेंगे कि चालक वाहन प्रस्थान समय से 30 मिनट पूर्व निर्धारित वर्दी, लाईसेन्स, बैज सहित समय पालक शाखा में उपस्थित हो ताकि अपनी वाहन का अच्छी तरह निरीक्षण कर सके।

16. मुख्य समय पालक यह सुनिश्चित करेंगे कि पूरे दिन संचालन में रहे चालकों को रात्रि वाहन में ड्यूटी पर नहीं भेजेंगे।

17. चालकों को साप्ताहिक विश्राम समय पर दिये जायें एवं निर्धारित क्रू चेन्ज आवश्यक रूप से किया जावे, ताकि अनावश्यक अधिश्रम भत्ता नहीं देना पड़े।

आगार कार्यशाला सुरक्षा शाखा के कर्त्तव्य

1. मुख्य सुरक्षा प्रहरी अपने अधीनस्थ सुरक्षा प्रहरियों की प्रत्येक पारी में ड्यूटी लगाकर उनके कार्य पर पूण्र नियंत्रण रखेंगे।

2. सुरक्षा प्रहरी अपनी ड्यूटी के दौरान यह सुनिश्चित करेंगे कि आगार कार्यशाला से कोई भी वाहन एवं अन्य सामान बिना वाहन लॉग पत्र/गेट पास बाहर नहीं जायेंगे।

3. कार्यशाला से बाहर एवं मार्ग पर जाने वाली वाहनों के लॉग पत्र पर समय पालक/पारी प्रभारी के हस्ताक्षर आवश्यक रूप से होंगे।

   इसी प्रकार अन्य स्टोर सामान आदि के गेट पास पर भण्डार निरीक्षक, पारी प्रभारी/प्रबंधक (संचालन) के हस्ताक्षर आवश्यक हों।

4. केन्द्रीय भण्डार/केन्द्रीय कार्यशाला/स्थानीय बाजार से प्राप्त होने वाले सामान का इन्द्राज सम्बन्धित रजिस्टर में संधारित करेंगे।

5. वाहन मार्ग पर जाते समय वाहन के साथ मौजूद स्टेपनी चालक टूल, व सीटें आदि का वाहन के मार्ग से वापिस जमा होते समय भी मौजूद होना सुनिश्चित करेंगे। यदि कमी पायी जावे तो शीघ्र प्रबंधक (संचालन) को रिपोर्ट देंगे।

6. तेल कम्पनी से प्राप्त डीजल टैंक लॉरी की सभी सीलें सही हालत में होना सुनिश्चित करेंगे एवं कार्यशाला से वापिस जाते समय भी चैक कर यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी कम्पार्टमेन्ट पूरी तरह खाली कर लिये गये हैं।

7. केन्द्रीय भण्डार/केन्द्रीय कार्यशाला में भेजे जाने वाले ट्रक में भेजे जाने वाले सामान का चालान से सत्यापन कर ट्रक को सील किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

8. कार्यशाला ड्यूटी कर्मचारी, नियंत्रण अधिकारी की बिना अनुमति के कार्यशाला से बाहर नहीं जायेंगे एवं कोई बाहरी व्यक्ति एवं वाहन बिना प्रबंधक (संचालन) / पारी प्रभारी की अनुमति के कार्यशाला के अन्दर प्रवेश नहीं करेंगे। इस बाबत मेन गेट पर विजिटर रजिस्टर संधारित किया जावेगा।

9. यदि कोई वाहन मार्ग से क्षतिग्रस्त होकर आयेगी तो उसकी पूर्ण रिपोर्ट तत्काल प्रबंधक (संचालन) को देंगे।

10. कार्यशाला के भीतर आकस्मिक दुर्घटना होने, आग लगने, सामान चोरी हो जाने की स्थिति में तुरन्त प्रबंधक (संचालन) को सूचित करेंगे।

11. प्रतिदिन प्रातः ड्यूटी पर आते ही मुख्य सुरक्षा प्रहरी कार्यशाला चार दीवारी का भीतर व बाहर से निरीक्षण करेंगे, यदि कोई अनियमितता हो तो प्रबंधक (संचालन) को तुरन्त रिपोर्ट देंगे।

12. कार्यशाला पारी समाप्ति पर जब कार्यशाला कर्मचारी घर जा रहें हो तो उनकी एवं उनके वाहन की तलाशी लेंगे एवं यदि कोई निगम का सामान पाया जावे तो उसकी रिपोर्ट प्रबंधक (संचालन) को देंगे।

13. मुख्य सुरक्षा प्रहरी अपने अधीन कार्यरत सुरक्षा प्रहरियों एवं स्वयं के आकस्मिक अवकाश प्रबंधक (संचालन) से स्वीकृत करायेंगे। एवं उपार्जित अवकाश/मेडीकल अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र द्वारा प्रबंधक (संचालन) से अग्रेषित करा कर मुख्यालय सुरक्षा एवं सतर्कता शाखा में भिजवायेंगे।

14. कार्यशाला मेन गेट एवं चार दीवारी पर लाईट व्यवस्था सुचारू रूप से होना सुनिश्चित करेंगे एवं कमी पाये जाने पर प्रबंधक (संचालन) की रिपोर्ट कर सही करवायेंगे।

15. मार्ग पर जाने वाली वाहनों का निर्धारित डेस्टीनेशन बोर्ड लगा हुआ हो एवं वापिस भी जमा हो जावे।

16. मुख्य सुरक्षा प्रहरी सुनिश्चित करेंगे कि कार्यशाला मेन गेट पर संधारित किये जाने वाले निम्न रजिस्टर पूर्ण रूप से नियमित मेन्टेन करेंगे।

1. वाहन आवक/जावक पंजिका
2. भण्डार केन्द्रीय कार्यशाला से सामान प्राप्ति पंजिका
3. आगार द्वारा स्थानीय खरीद पंजिका
4. आगार से बाहर जाने वाले सामान की पंजिका
5. तेल कम्पनी से प्राप्त डीजल टैंकर विवरण पंजिका
6. चालक टूल रजिस्टर
7. चाबी पंजिका
8. आउट साइड रिपेयर पंजिका
9. यंत्रदोष पंजिका
10. सुरक्षा प्रहरी ड्यूटी रजिस्टर

आगार कार्यशाला मासिक प्रबंधकीय सूचना प्रणाली

प्रबंधक (संचालन) सुनिश्चित करें कि प्रतिमाह मुख्यालय को प्रेषित प्रबंधकीय सूचनायें निम्नानुसार प्रारूप में पूर्ण रूप से अंकित कर भेजेंगे।

(**1**) वाहन स्थिति-

क्र. सं.	विवरण	संख्या
1.	निर्धारित शिड्यूलों की संख्या (समय सारणी के अनुसार)	
2.	वाहनों की आवश्यकता (स्पेर सहित) (अ) 100 शिड्यूल से कम पर 4 प्रतिशत (ब) 100 शिड्यूल से अधिक पर 5 प्रतिशत (स) नगर वाहन सेवा आगारों के लिए 6 प्रतिशत	
3.	माह के प्रथम दिवस में निगम वाहनों की संख्या	

4. माह में प्राप्त वाहनों की संख्या

(अ) मुख्यालय से प्राप्त नई वाहनों की संख्या

(ब) अन्य जगह से प्राप्त वाहनों के नम्बर

5. माह के अंतिम तिथि को निगम वाहनों की संख्या

6. निगम बेड़े की औसत आयु वर्षों में

7. आगार में उपलब्ध ट्रक संख्या

(**2**) मॉडलवार वाहन स्थिति-

क्र. सं.	मॉडल वर्ष	वाहनों की संख्या

(**3**) बेड़ा उपयोगिता-

1. संचालित वाहन दिवस-

(अ) संचालित शिड्यूलों के आधार पर संचालित वाहन दिवस

(ब) अतिरिक्त संचालित वाहन दिवस

2. स्पेयर वाहन दिवस-

(अ) यातायात के लिए

(ब) मौसमी ले ऑफ

(स) अन्य ले ऑफ

(द) योग

3. ऑफ रोड वाहन दिवस-

(अ) नकारा हेतु प्रस्तावित वाहनों के दिवस

(ब) बड़ी मरम्मत में खड़ी वाहनों के दिवस

(स) छोटी मरम्मत में खड़ी वाहनों के दिवस

(द) स्पेयर पार्टस के अभाव में खड़ी वाहनों के दिवस

(य) पुलिस नियंत्रण तथा कोर्ट ड्यूटी में खड़ी वाहनों के दिवस

(र) अन्य (कारणों सहित)

(ल) योग

बेड़ा उपयोगिता का प्रतिशत

(4) मासिक यन्त्र दोष विवरण

पार्ट (अ)

क्र. सं.	यन्त्र दोष के कारण श्रेणीवार									दर		यंत्रदोष से कि.मी.	विशेष विवरण
	पावर	कूलिंग	ईंधन	ट्रांसमिशन	ब्रेक	टायर	सस्पेंशन	अन्य	कुल योग	प्रति 10,000 किमी. पर	प्रति संचालन वाहन पर	निरस्त	

पार्ट (ब)

यन्त्र दोष विश्लेषण

क्र. सं.	कारण	विवरण	क्र. सं.	कारण	विवरण
1.	एक ही वाहन एक ही कारण से कितनी बार ब्रेक डाउन हुई मय वाहन		3.	एक ही चालक द्वारा एक माह में ब्रेक डाउन संख्या मय चालक के नाम सहित	
2.	एक ही वाहन एक ही स्थान पर कितनी बार ब्रेकडाउन हुई मय वाहन		4.	एक ही वाहन विभिन्न कारणों से कितनी बार ब्रेक डाउन हुई।	

(5) दुर्घटना विवरण पत्र

पार्ट (अ)

क्र. सं.	वाहन संख्या	दुर्घटनाग्रस्त वाहन का विवरण			चालक का नाम	दुर्घटना की किस्म प्राणघातक/बड़ी/ साधारण	दुर्घटना में मृतकों की संख्या	दुर्घटना में घायलों की संख्या	वाहन की क्षति से निगम को हानि रु. में	पुलिस हिरासत में वाहन खड़े रहने के दिवस	जाँच सं.या.अ. द्वारा कब की गई	दुर्घटना दर प्रति 1 लाख कि.मी.
		दिनांक	समय	स्थान								

पार्ट (ब)

क्र. सं.	वाहन संख्या		दुर्घटनास्थल पर जाने वाले अधिकारी का नाम, पद व कार्यरत स्थान	तकनीकी अनुसंधान रिपोर्ट का विवरण	न्यायालय में रिपोर्ट भेजने की दिनांक एवं क्रमांक	चालक का मेडिकल जाँच व दृष्टि जाँच की दिनांक	दुर्घटना में लिप्त चालकों के विरुद्ध की गई कार्यवाही
	निगम	अनुबंधित					

निर्देश–

1. निगम वाहनों एवं अनुबंधित वाहनों द्वारा दुर्घटना होने पर निश्चित कॉलमों में सूचना भेजें।
2. प्राणघातक दुर्घटना में व्यक्तियों का मरना है (एक या अधिक)
3. बड़ी दुर्घटना का अर्थ है निगम वाहनों को 10,000/– रु. से अधिक की क्षति, व्यक्तियों का गंभीर रूप से घायल होना।
4. साधारण दुर्घटना का अर्थ है, निगम वाहनों को 10,000/–रु. से कम की क्षति होना।

(6) सामयिक डॉकिंग की गयी वाहनों का विवरण

1. 40,000 किलोमीटर पर (मेजर डॉकिंग)

क्र. सं.	वाहन संख्या	तय किये गये कि.मी.	किये गये कार्य का विवरण

2. ऐसी वाहनों का विवरण जिनका मेजर डॉकिंग किया जाना था, लेकिन नहीं हो सका

क्र. सं.	वाहन संख्या	तय किये गये कि.मी.	कारण

(7) निरस्त कि. मी. का विवरण

क्र. सं.	मद	विवरण
1.	परिचालकों के कारण	
2.	चालकों के कारण	
3.	यातायात के कारण	
4.	कम आय प्रति कि.मी. के कारण	
5.	परमिट प्राप्त न होने के कारण	
6.	वाहनों की कमी के कारण	
7.	यंत्र दोष के कारण	
8.	यंत्र दोष के कारण	
9.	दुर्घटना के कारण	
10.	अन्य कारण	
	योग	

(**8**) अनायिक कि.मी. का विवरण

क्र. सं.	मद	विवरण
1.	कार्यशाला से बल स्टैंड के मध्य दूरी के कारण	
2.	अन्य आगारों/पम्पों से डीजल लेने हेतु	
3.	वाहन टेस्टिंग के कारण	
4.	केन्द्रीय भण्डार/केन्द्रीय कार्यशालाओं से नया/आर.सी. असेम्बलीज/सामान प्राप्त करने के कारण ट्रक द्वारा संचालित किये गये कि. मी.	
5.	योग	

(**9**) डीजल खाते से सम्बन्धित विवरण

पार्ट (अ)

डीजल की वास्तविक खपत-

क्र. सं.	विवरण	मात्रा (लीटर में)
1.	स्वयं की आगार वाहनों द्वारा खपत	
2.	अन्य आगारों की वाहनों को दिया गया डीजल	
3.	अन्य राज्यों की वाहनों को दिया गया डीजल	
4.	अन्य आगारों से लिया गया डीजल	
5.	अन्य राज्यों से लिया गया डीजल	
6.	स्थानीय क्रय/मार्ग में क्रय किये गये डीजल की मात्रा	
7.	कार्यशाला प्रयोग में लिये गये डीजल की मात्रा	
8.	ट्रक/कार/जीप में लिये गये डीजल की मात्रा	
	प्रति लीटर डीजल का मूल्य (रुपयों में)	

पार्ट (ब)

अन्य आगारों से प्राप्त डीजल का विवरण-

क्र. सं.	आगार का नाम	लिये गये डीजल की मात्रा

पार्ट (स)

अन्य आगारों को दिये गये डीजल का विवरण-

क्र. सं.	आगार का नाम	दिये गये डीजल की मात्रा

(**10**) वाहनों के इंजिन एवं बॉडी की बनावट के अनुसार डीजल खपत का विवरण

क्र. सं.	इंजन बॉडी की बनावट	वाहनों की संख्या	तय किये गये किमी	डीजल खपत की मात्रा	डीजल औसत
1.	लीलैण्ड वाहन-				
	(अ) यूरो 0				
	(ब) यूरो I				
	(स) यूरो II				
	(द) योग				
2.	टाटा वाहन -				
	(अ) 697				
	(ब) टी.सी. यूरो I				
	(स) टी.सी. यूरो II				
	(द) योग				

(11) तेल खाते से सम्बन्धित विवरण (इंजिन ऑयल)

पार्ट (अ)

क्र. सं.	विवरण	मात्रा (लीटर में)
1.	स्टॉक का प्रारंभिक शेष	
2.	इण्डियन ऑयल एवं दूसरी कम्पनियों से प्राप्तियाँ	
3.	स्टॉक का अन्तिम शेष	
4.	कुल तेल खपत	
5.	अन्य आगारों को दिये गये तेल की मात्रा	
6.	अन्य आगारों से प्राप्त किये गये तेल की मात्रा	
7.	मेला संचालन हेतु अन्य आगारों से प्राप्त वाहनों की स्थानान्तरित मात्रा	
8.	मेला संचालन हेतु अन्य आगारों की प्राप्त वाहनों की स्थानान्तरित मात्रा	
9.	अन्य राज्यों को दिये गये तेल की मात्रा	
10.	अन्य राज्यों से लिये गये तेल की मात्रा	
11.	स्थानीय क्रय/मार्ग क्रय की मात्रा	
12.	टोप अप में इंजिन तेल की खपत की मात्रा	
13.	चेन्ज में इंजिन तेल की खपत की मात्रा	
14.	एफ.आई.पम्प एवं अन्य में इंजिन तेल खपत की मात्रा	
15.	इंजिन तेल का प्रति लीटर मूल्य	

पार्ट (ब)

अन्य आगारों से प्राप्त एवं दिये गये इंजन तेल की मात्रा का विवरण-

आगारों से प्राप्त किये गये इंजन तेल की मात्रा			अन्य आगारों को दिये गये इंजन तेल की मात्रा		
क्र. सं.	आगार	मात्रा (लीटर)	क्र. सं.	आगार	मात्रा (लीटर में)

(**12**) वाहन वाईज डीजल औसत विवरण-

क्र. सं.	वाहन सं.	तय किमी.	कुल डीजल खपत (लीटर में)	कुल ऑयल खपत (लीटर में)	इंजन ऑयल टॉपअप	किमी. प्रति लीटर डीजल औसत	ऑयल टॉपअल औसत

(**13**) चालक वाईज डीजल औसत विवरण

क्र. सं.	चालक का नाम	निर्धारित वाहन सं.	मार्ग का नाम	डीजल औसत

(14) मासिक आगार रिर्टन विवरण

क्र. सं.	वाहन सं.	मेक	इंजिन टाईप	सीट केपेसिटी	संचालित दिवस	किमी.	डीजल खपत	डीजल औसत	टॉपअप औसत	ऑयल चेन्ज	आर.सी. इंजिन किमी.	40000 किमी. डॉकिंग	चेसिस प्रोग्रे. किमी.	ऑफरोड दिवस	आफरोड कारण	वाहन उपयोग–गिता	मासिक खर्चा	प्रोग्रेसिव खर्चा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19

(15) स्पेयर पार्टस विवरण

क्र. सं.	आईटम का नाम	माह के प्रथम दिवस में स्टॉक बैलेंस (रुपये में)	के.भण्डार से प्राप्त सामान (रु. में)	स्थानीय क्रय (रु. में)	माह में खपत (रु. में)	अन्तिम स्टॉक (रु. में)

लागत प्रति किमी.

(16) स्थानीय क्रय किये गये सामान की सूची

क्र. सं.	पार्टस का नाम	पार्ट न.	खरीद की मात्रा	दर	कुल लागत

लागत प्रति कि. मी.

(**17**) आर. सी. एवं ओल्ड असेम्बलीज प्राप्त/जमा का विवरण-

क्र. सं.	असेम्बली का नाम	के.कार्यशाला से प्राप्त आर. सी. वाहन/असेम्बली	असेम्बली लागत (रुपये में)	के. का.में जमा ओल्ड असेम्बली
1.	आर. सी. वाहन सं.			
2.	नई लो कॉस्ट वाहनें			
3.	आर. सी. इंजिन			
4.	आर. सी. गियर बॉक्स			
5.	आर.सी. फ्रन्ट एक्शल			
6.	आर.सी. रियर एक्शल			
7.	आर.सी. क्राउन केज			
8.	आर.सी. सेल्फ स्टार्टर			
9.	आर.सी. आर्मेचर			
10.	एफ. आई. पम्प			
11.	आर.सी. इंजेक्टर सैट			
12.	आर.सी. वाटर पम्प			
13.	अन्य माईनर असेम्बलीज			

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

निष्पादन विभाग
मैन्यूअल
2004

निष्पादन शाखा–

केन्द्रीय कार्यशाला, अजमेर में निष्पादन शाखा की स्थापना पृथक् से नवम्बर, 1992 में की गई।

इस शाखा की पृथक् से स्थापना का उद्देश्य निगम की नकारा वाहनों व अनुपयोगी सामान को खुली नीलामी द्वारा समय पर सुगमता से विक्रय किया जाकर निगम राजस्व में वृद्धि किया जाना था।

निष्पादन शाखा में सम्पादित किये जाने वाले मुख्य कार्य–

(1) केन्द्रीय कार्यशाला व सम्बन्धित आगारों से नकारा घोषित वाहनों व अन्य अनुपयोगी सामान प्राप्त करना।

(2) वाहनों व सामान का वर्गीकरण, लॉट लगाना, मूल्यांकन, स्टोरेज व ऑफ सेट दर से संबंधित कार्य।

(3) नीलामी द्वारा सामान का विक्रय।

(4) नीलामी द्वारा विक्रय किये गये सामान की सुपुर्दगी।

निष्पादन शाखा के उक्त मुख्य कार्यों का संक्षिप्त विवरण–

(**1**) केन्द्रीय कार्यशाला व सम्बन्धित आगारों से नकारा घोषित वाहनों व अन्य अनुपयोगी सामान प्राप्त करना–

केन्द्रीय कार्यशाला व आगारों से निष्पादन शाखा में चालानों द्वारा निम्न नकारा सामान प्राप्त होता है–

1. वाहन
2. बॉडी स्ट्रक्चर
3. स्क्रेप व अनसर्विसेबल पार्ट्स व एसेम्बलीज
4. सर्विसेबल आबसिलीट, सरप्लस, स्पेयर पार्ट्स व एसेम्बलीज
5. नया आबसिलीट सरप्लस, स्पेयर पार्ट्स व एसेम्बलीज
6. प्लांट एवं मशीनरीज
7. टायर टयूब प्लेप्स, व अन्य संबंधित सामान
8. स्टेशनरी, कार्यालय का अनुपयोगी फर्नीचर व कार्यालय उपकरण।

(**2**) वाहनों व सामान का वर्गीकरण, लॉट लगाना, सामान का स्टोरेज व मूल्यांकन व ऑफसेट दर का कार्य–

1. वर्गीकरण

निष्पादन शाखा में प्राप्त नकारा वाहनों व सामान का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जाता है–

(अ) वाहनों का वर्गीकरण–

1. बिना इंजिन गीयर बॉक्स, रेडियेटर प्रोपेलर शाप्ट एवं डमी एसेम्बली सहित वाहन,

2. बिना इंजिन, गीयर बॉक्स, रेडियेटर, प्रोपेलर शाप्ट एवं ज्यों की त्यों ऐसेम्बली लगी वाहन,

3. आगार से प्राप्त नकारा वाहन ज्यों की त्यों सभी एसेम्बली सहित,

4. बॉडी स्ट्रक्चर

वाहनों के परिवहन विभाग से सम्बन्धित प्रपत्र वाहनों के साथ केन्द्रीय कार्यशाला से प्राप्त किये जाते हैं।

(ब) सामान का वर्गीकरण-

1. सामान का वर्गीकरण उनके नाम के अनुसार किया जाता है, वर्गीकरण की विवरण सूची परिशिष्ठ 'अ' संलग्न है।

2. लॉट लगाना-

   सामान का वर्गीकरण करने के बाद सामान के नाम के अनुसार लॉट लगाये जाते हैं, व लॉट पर संख्या सामान का वजन/संख्या लिखी जाती है।

3. सामान का स्टोरेज

   निष्पादन शाखा में प्राप्त नकारा सामान व वाहनों की चालान के अनुसार भौतिक सत्यापन कर चालानों की स्टॉक पंजिका में प्रविष्टि की जाती है। प्राप्त सामान का स्टोरेज उसके मूल्य के अनुसार किया जाता है। स्टोरेज निम्न प्रकार किया जाता है-

(अ) कमरों में-

कमरों में निम्न मूल्यवान सामान सुरक्षा की दृष्टिसे रखा जाता है-

1. अलोह धातु- ताम्बा, पीतल, एल्युमीनियम के स्पेयर पार्ट्स

2. प्लाट मशीनरी

3. स्टेशनरी सामान

4. बिजली का सामान

5. न्यू ओबसीलीट सरप्लस

6. अन्य कीमती स्पेयर पार्ट्स

(ब) बाहर खुले मैदान में-

1. एल्यूमीनियम स्क्रेप, रबर पार्ट्स

2. स्क्रेप स्पेयर पार्ट्स व असेम्बली

3. मैलेबल स्क्रेप

4. कमानी के पत्ते

5. बसों की स्क्रेप सीट

6. स्क्रेप फर्नीचर

7. अन्य जो सामान मँहगे नहीं हैं, लेकिन बड़े लॉट में है।

4. मूल्यांकन

केन्द्रीय कार्यशाला व आगारों से जो नकारा सामान प्राप्त होता है, वह यदि वर्गीकरण के नाम के अनुसार हो तो उसे संबंधित लाट में शामिल कर लिया जाता है। तथा ऐसा सामान जो पूर्व के वर्गीकरण के अनुसार नहीं हो व लॉट नं. निर्धारित नहीं हो (नई प्रकृति का सामान) की सूची बनाई जाती है।

परिशिष्ठ 'ब' संलग्न है।

ऐसे उक्त सामान जिनका मूल्यांकन कराया जाता है, की सूची मूल्यांकन समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाती है, जिसके निम्न सदस्य हैं

1. महा प्रबन्धक (जोन)

2. मुख्य उत्पादन प्रबन्धक

3. मुख्य निष्पादन प्रबन्धक

4. स्थानीय आगार के मुख्य प्रबन्धक

5. लेखाधिकारी केन्द्रीय कार्यशाला

मूल्यांकन समिति द्वारा सामान के मूल्यांकन के बाद मूल्यांकित सामान को वर्गीकरण अनुसार लॉट नं. प्रदान कर नीलामी सूची में शामिल कर वित्तीय सलाहकार को प्रेषित की जाती है।

5. ऑफ सेट दर संबंधी कार्य-

नीलामी में रखे जाने वाले सामान की सूची स्टॉक पंजिकाओं के शेष से तैयार की जाती है, परिशिष्ठ 'स' संलग्न है। इस सूची के साथ पिछले पाँच नीलामी में सूची में अंकित सामान की प्राप्त दर/विक्रय दर के साथ ऑफ सेट दर तय करने हेतु नीलामी के 15 दिवस पूर्व श्रीमान वित्तीय सलाहकार को प्रेषित की जाती है।

(**3**) नीलामी द्वारा सामान का विक्रय-

नीलामी स्थान एवं दिनांक की अर्द्धवार्षिक सूचना राज्य स्तर पर राष्ट्र स्तर के समाचार पत्रों में विज्ञापित की जाती है।

नीलामी की दिनांक को नीलामी में भाग लेने वाले व्यापारियों को नीलामी हित रखे सामान की सूची व नीलामी से संबंधित शर्तों की प्रति उपलब्ध करायी जाती है, परिशिष्ठ 'द' संलग्न है।

नीलामी के कार्य को सम्पादित करने हेतु निम्न नीलामी कमेटी का गठन है-

1. प्रबन्धक निदेशक या उनके मनोनीत प्रतिनिधि

2. वित्तीय सलाहकार या उनके मनोनीत प्रतिनिधि

3. महा प्रबन्धक (जोन)

4. मुख्य निष्पादन प्रबन्धक

उक्त नीलामी में सामान की उच्चम दर ऑफसेट दर के बराबर या उससे अधिक होने पर उच्चतम दर को स्वीकार कर सामान का विक्रय किया जाता है तथा नीलामी की शर्तों के अनुसार सामान की अमानती राशि जमा कर अगले दिन बैंक में जमा करायी जाती है।

नीलामी में सामान विक्रय करने हेतु बोली (प्रस्ताव) की बिड शीट तैयार की जाती है, परिशिष्ठ 'क' संलग्न है।

(**4**) नीलामी से विक्रय किये गये सामान की सुपुर्दगी–

नीलामी की शर्तों के अनुसार नीलामी से खरीदे गये सामान की कुल राशि, विक्रय कर व आय कर जमा होने के बाद क्रेता को सामान सुपुर्द करने हेतु सुपुर्दगी आदेशजारी किया जाता है, परिशिष्ठ 'ख' संलग्न है।

निगम द्वारा इस सुपुदर्गी आदेश के आधार पर क्रेता को सुपुर्दगी देने हेतु निम्न कमेटी गठित की गई है–

(अ) एक लाख रुपये से अधिक की विक्रय राशि का सामान होने पर–

1. मुख्य निष्पादन प्रबन्धक
2. लेखाधिकारी
3. भण्डार अधीक्षक
4. सुरक्षा निरीक्षक

(ब) एक लाख रुपये से कम की विक्रय राशि का सामान होने पर–

1. सहायक यान्त्रिक अभियन्ता
2. सहायक लेखाधिकारी
3. भण्डार निरीक्षक
4. मुख्य सुरक्षा प्रहरी

इन उपरोक्त कमेटी के सदस्यों द्वारा सुपुर्दगी आदेश में अंकित सामान को तोल का सामान होने पर कम्प्यूटराईज्ड काँटे पर खाली व भरे ट्रक को तुलवाकर व संख्या में होने पर गिनवाकर स्टोर इश्यू चालानों के माध्यम से कमेटी के सदस्यों के हस्ताक्षर कर क्रेता को सुपुर्दगी दी जाती है। सुपुर्दगी देने के पूर्व सुपुर्दगी आदेश मे दर्शाये गये सामान के तोल/संख्या में अधिक/कम होने पर अन्तर की राशि पृथक् से ली जाती है/दी जाती है।

अन्त में विक्रय किये गये सामान को कमेटी के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित गेट पास के जरिये कार्यशाला से बाहर कर दिया जताा है।

मुख्य निष्पादन प्रबन्धक के कर्त्तव्य व दायित्व

(**4**) नीलामी की समस्त व्यवस्था के जिम्मेदार होंगे।

(2) स्क्रेप/अनुपयोगी/सरप्लस/ओबसिलीट सामान, कण्डम स्टेशनरी, कण्डम वाहन व टायरट्यूब की प्राप्ति करवाना।

(3) प्राप्त सामान के चालानों के स्टॉक पंजिकाओं में प्रविष्टि करवाना।

(4) मैनेजर निष्पादन, कनिष्ठ अभियन्ताओं व स्टोरकीपर के कार्यों का समय समय पर निरीक्षण करना।

(5) नीलामी कमेटी के सदस्य के रूप में नीलामी के कार्य को करना।

(6) मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में मूल्यांकन का कार्य करना।

(7) सामान के विक्रय के बाद रिलीजिंग आदेश जारी करना।

(8) सामान को तुलवाकर व गिनवाकर नियमानुसार सही मात्रा में क्रेता को सुपुर्द करना।

(9) विक्रय किये गये सामान पर नियमानुसार विक्रय कर व आयकर क्रेता से वसूल करना व समय पर सम्बन्धित विभाग में जमा करवाना।

(10) आडिट पार्टी को ऑडिट कराने के लिये रिकार्ड उपलब्ध कराना व अंकेक्षण में सहयोग करना।

(11) निगम के द्वारा जारी आदेशों की पालना करते हुए निष्पादन शाखा के कार्यों को सुगमता से कराते हुए राजस्व में वृद्धि करना व व्यापारियों को सन्तुष्ट रखना।

प्रबन्धक निष्पादन के कर्त्तव्य व दायित्व

(1) केन्द्रीय कार्यशाला/आगार से प्राप्त स्क्रेप/अनुपयोगी सामान, टायर ट्यूब आदि को नीलामी हेतु रखे जाने की स्वीकृति नियन्त्रक अधिकारी से प्राप्त कर निस्तारण यूनिट में जमा करना।

(2) सप्ताह में एक बार भण्डार पंजिकाओं/रजिस्टरों के शेषानुसार लगाये गये लॉट की मात्रा का भौतिक सत्यापन कर मुख्य निष्पादन अधिकारी को सूचित करना।

(3) नीलामी से दो सप्ताह पूर्व सभी लॉट की सूचियाँ तैयार कर मुख्य निष्पादन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना।

(4) नीलामी से पूर्व सभी लॉटस पर लॉट नम्बर व नीलामी दिनांक अंकित कर प्लेट लगवाने की कार्यवाही करना।

(5) नीलामी से विक्रय किये गये सामान की सुपुर्दगी हेतु मुख्यालय द्वारा गठित कमेटी के समक्ष संबंधित चालानों को तैयार कराकर प्रस्तुत करना।

(6) सामान की सुपुर्दगी चालानों व गेट पास की जाँच करना।

(7) लेखा शाखा को चाहे गये चालानों को समय पर उपलब्ध कराना।

भण्डार निरीक्षक के कर्त्तव्य व दायित्व

(1) भण्डार निरीक्षक/उप निरीक्षक द्वारा कार्यशालाओं व आगारों से नीलामी हेतु पुराना एवं नया सरप्लस/ओबसिलीट सामान प्राप्त कर उनका लेखा-जोखा रखना।

(2) उक्त सामान के प्राप्त चालानों की प्रविष्टियाँ स्टॉक पंजिकाओं में करना।

(3) चालानों व स्टॉक पंजिकाओं को जाँच के लिये लेखा शाखा व मैनेजर निष्पादन को उपलब्ध कराना।

(4) सामान की सुपुर्दगी चालान व गेट पास, सुपुर्दगी आदेश के अनुसार तैयार करना।

(5) छोटी सुपुर्दगी कमेटी के सदस्य के रूप में सामान सुपुर्द करना।

LIST OF CONDEMNED MATERIAL AS SCRAP & UNSERVICEABLE ITEMS

S.No. NOMENCLATURE

1. Scrap allum, sheets, sections & new cuttings, spare parts piston assorted.
2. Scrap broken spring leaves big size.
3. Scrap broken spring leaves smlal size.
4. Scrap spare parts assorted.
5. Scrap M.S. scrap.
6. Scrap malleable parts assorted
7. Scrap radiator assly. Hino/Ley.Tata
8. Scrap radiator core
9. Scrap brass spare assorted
10. Scrap copper wire & spares assorted
11. Scrap crown wheel & pinion set Ley.& Tata
12. Scrap geat parts
13. Scrap bearing assorted & its parts
14. Scrap clutch plate assorted with & w/o facging etc.
15. Scrap gear box assly. Ley. with & w/op hsg. cover, shifting shaft fork etc.
16. Unser empty barrels - 210 lit. capacity cut & un-cut
17. Scrap diesel tank assorted
18. Scrap crown wheel cage assorted
19. Scrap air tank assorted
20. Scrap rubber channel including diaphgram, radiator, hose, oil seal, fan belt, engine mtg. tube pcs plastic etc.
21. Scrap alternator assly. assorted
22. Scrap F.I. Pump assorted Hino
23. Scrap self starter assly. assorted

24. Scrap plant & machiiner items

25. Scrap deluxe bus blower type fan assly. 24 V. & deluxe bus fan

26. Scrap diaphgram assly

27. Scrap rear front hub assorted

28. Scrap axle shaft broken

29. Scrap prop. shaft with & w/o coupling flange, yoke, U.J. crose etc.

30. Scrap electric D/C (Solonoid switch, commutator, dynamo & drill m/c armature etc.)

31. Scrap wheel rim assorted with & w/o base plate, lock ring

32. Scrap nozzle, element, delivery valve assorted

33. Condemned Data processing machine with accessories-

    (Punch machine, verification m/c consisting accessories (i) hand punch, hand verifier, P.C. punch, P.C. verifier, feeder, double manual)

34. Scrap wiring loom including L.T. wire, W/cable,allum. iron core

35. Scrap I. beam assorted

36. Unser printing & embossing m/c with steel plate etc.

37. Scrap exhauster & air compressure

38. Scrap broken wheel rim lock & ring assorted

39. Scrap statinery rim lock & ring assorted

    a) Scrap tarpolin, carpet, dunlope etc.

    b) Scrap electrical items (tube, rods, bulbs, mixture, switch, starter, plug buttons etc.)

    c) Scrap radio philisp (4 bands), Two in one

    d) Scrap amplifier with mike, amplifier

    e) Scrap calculation assorted

40. Scrap stationery items. Details are as under-

    a) Scrap wooden furniture (chairs, table, racks, almirah, rack door)

    b) Scrap leather bags

c) Scrap plastic items (bottles, trays, pen-stand, jugs, mugs, dust bin etc.)

d) Unser, petromes

e) Unser, duplicating machine

41. Scrap ceiling, cabin, exhaust fan with & w/o plates & in loose condition.

42. Unser, dynamo metre

43. Unser A/c plant with engine, F.I. Pump, air comp; with & w/o self starter, altenator, radiator, air cleaner, condencer, coil blower motor etc.

44. Unser. air condition plant blower unit of deluxe bus without engine.

45. Surplus A.C. plant Matador type engine:

(engine with fily wheel, water pump, A/c plant, enginer foundation, diesel filter, radiator etc. engine with fly wheel, wate pump, radiator only without A/c plant.

46. Unser condemned boiler shell with accessories

47. Scrap E. I. -1 & E. I-2 valve assorted

48. Scrap un-loader valve

49. Scrap protection valve assorted

50. Scrap wiper m/c assorted

51. Condemned unser. T.V., V.C.R., amplifier, inverter etc.

Details are as under-

a) Unser. colour T.V. and black & white

b) Unser. inverter

c) Unser. amplifier ahuja

d) Unser. stabliser

e) Unser fuse T.V. picture tube

f) Unser speaker

LIST OF SCRAP/OLD/OBSCLETE/UNSER. ENGINES ASSLYS.

S.No. NOMENCLATURE

1. Scrap engine assly. Hino

   (Fitted with air comp; wate pump; clutch- plate, pressure plate, F.I. Pump & injectors, assembled with scrap parts)

2. Old 'As it is' engine assly. (surplus) Hino 6D (Fitted with F.I. Pump & injectores & self starter, alternator, all minor asslys; W.P. assly; clutch plate, pre. plate, air compressure.

3. Unser. engine assly. Ley. 6.65 & 370 Model (Fitted with F.I. Pump, pre. plate, clutch-plate, air comp; wate pump with & w/o exhaust manfold, oil fitter 6.65 M & 370 Model.

4. Unser. engine assly. 6.65 model

   (Fitted with air comp; pre. plate, clutch-plate, tappet cover etc. w/o F.I. Pump, injector, exhaust manifold etc.

5. Old obsolete 6.65 model engine assly. Ley.

   (Fitted with F.I. Pump & injector, all minor assly; W.P. assly; air comp; pre. plate, clutch plate etc. having crank size.

6. Scrap engine assly. Ley. 6.65 model

   (Fitted with air comp; water pump; clutch-plate, pre. plate, wtih F.I. pump & injector & w/o F.I. Pump & injector)

LIST OF OLD/OBSOLETE/SURPLUS ALLUMINIUM ITEMS

S.No. NAME OF ITEMS

1. Old obsolete E.I. valve assembly
2. Surplus allum. injector pipe clamp
3 Surplus timing cover Leyland

OLD SURPLUS ITEMS

4. Side cover RH front Ley.
5. Oil filter head Ley.
6. Timing cover Ley.
7. Old obsolete radiator assly. 6.65
8. Old obsolete air comp. assly. 6.65
9. Rocker shaft comp. Ley.
10. Old surplus rear axle chamber assly. comp. Ley.
11. Scrap steering wheel with rod

LIST OF OLD/OBSOLETE/SURPLSU ITEMS

12. Grinder old obsolete crank 6.65
13. Crank shaft Ley. 6.65
14. Obsolete cylinder head 6.65 & 370
15. Crank case Ley. 6.65

SPARES OBSOLETE & OTHER MALLEABLE

16. Play wheel Ley.
17. Fly wheel housing

OLD SPARE FORGED OBSOLETE LEY. 6.65 ENGINE

18. Connecting rod Ley.
19. Gear crank shaft Ley.
20. Damper pully Ley.
21. Oil pump drill gear with shaft Ley.

SURPLUS SPARE PARTS

22. Old surplus wheel rim ring

LIST OF NEW/OBSOLETE - ITEMS

S.NO. NAME OF ITEMS

1. New Tata spare parts assorted
   (Details as per list) (S.No. 1 to 55)
2. New Leyland spare parts assorted
   (Details as per list) S.No. 1 to 6
3. New S.E. copper wire S.P. various gauge
4. New D.C.C. copper wire
5. New battery 6 V.
6. New rubber channel
   (Including bulb horn, V. shape rubber, PVC sleeve, tyre inflator hose, rubber-hose, bush etc.)
7. New tougnened glass of different sizes assorted (Details as per list) S.No. 1 to 25
8. New/obsolete Dodge Bed Ford spaer parts/items assorted (S.No. 1 to 260)
9. New/obsolete Dodge Bed Ford spare parts/items assorted (S.No. 1 to 227)

LIST OF TYRE'S MATERIAL

S.NO. NAME OF ITEMS

1. Unser. Tyres size 900 × 20
   with nlone (New/Rtd. Nyl)
2. Unser. tubes size 900 × 20
   with & w/o nalki
3. Unser. F.C. bags
4. Scrap cut pieces of tubes, flaps & gatters & rubber pcs.
5. Unser. sectional curring bag size 900 × 20

STATEMENT OF VALUATION - CHART

S.NO.	NAME OF ITEM	QTY.	WEIGHT EACH	METAL	PERIOD	BOOK VALUE	MARKET VALUE	PHYSICAL CONDITION
1	2	3	4	5	6	7	8	9

LAST SOLD RATE WITH EUCTION DATE	ANY OTHER REMARKS	VALUATION
10	11	12

STATEMENT OF FIXING OF OFFSET PRICE

S.NO.	LOT NO.	NAME OF ITEM	QTY	LAST VALUATION	LAST FIVE AUCTIONS OFFERED PRICE					FIXING OF OFFSET PRICE
					I	II	III	IV	V	
1	2	3	4	5			6			7

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

केन्द्रीय कार्यशाला

दिनांक ----- को होने वाली खुली नीलामी के नियम एवं शर्तें

1. नीलामी में भाग लेने से पूर्व रु. 10,000 (दस हजार मात्र) अनुपयोगी सामग्री पार्ट्स के लिए एवं रू. 20,000 (बीस हजार मात्र) अनुपयोगी वाहनों के लिए नकद बतौर अमानत राशि मौके पर ही जमा कराने होंगे।

2. अमानत राशि नीलामी में भाग लेने वाले सभी सफल व असफल व्यक्ति/उम्मीदवारों की नीलामी समाप्ति के तुरन्त पश्चात् उन्हें प्रदत्त दी गई रसीद प्रस्तुत करने पर लौटा दी जावेगी। नीलामी के मध्य में अमानत राशि नहीं लौटाई जावेगी।

3. जिस व्यक्ति की उच्चतम बोली स्वीकार की जाती है उसे उसी समय रुपये 50,000 तक के अनुमानित मूल्य के माल के लिए अनुमानित मूल्य की 20% तथा 50,000 रुपये से अधिक अनुमानित मूल्य के माल पर 10% राशि जमा करनी होगी, अन्यथा उसके द्वारा जमा करायी गयी अमानती राशि जब्त कर ली जावेगी। यदि कोई व्यक्ति माल की सम्पूर्ण राशि उसी समय जमा कराना चाहें तो स्वीकार की जावेगी।

4. सफल व्यक्ति को जो माल उसके द्वारा खरीदा गया है, का पूर्ण भुगतान नियमानुसार जमा कराना होगा-

   (1) अनुमानित मूल्य 1,00,000/- रुपये होने पर नीलामी तारीख से प्रथम 10 दिवस बिना ब्याज तथा अग्रिम 10 दिवस में 15% ब्याज की दर से जमा कराना होगा।

   (2) अनुमानित मूल्य 1,00,000/- से अधिक होने पर नीलामी तारीख से 15 दिवस बिना ब्याज व अग्रिम 10 दिवस में 15% ब्याज की दर से जमा करना होगा।

   (3) नीलामी के 40 दिवस में पूर्व माल उठाना होगा अन्यथा इच्छुक व्यक्ति से 200/- रुपये प्रतिदिन लोट/प्रति वाहन जैसी भी स्थिति हो जमीन किराया अगले 10 दिवस तक लिया जायेगा। इस प्रकार इच्छुक व्यक्ति को माल उठाने के लिए मय जमीन किराये के नीलामी दिनांक से 50 दिवस स्वीकृत हैं, यदि इस अवधि में व्यक्ति/फर्म माल उठाने में असमर्थ रहता है तो उसके द्वारा जमा कराई गई राशि पर उसका कोई अधिकार नहीं होगा न ही भविष्य में इस पर उसके किसी दावे पर विचार किया जायेगा। उसके द्वारा जमा राशि निगम हित में जमा कर ली जायेगी।

(4) सामान्यतः किसी भी लॉट की पार्ट डिलीवरी नहीं दी जावेगी केवल मात्र बड़े लॉट जिसमें माल की मात्रा इतनी अधिक हो कि एक बार में सम्पूर्ण माल उठाना सम्भव न हो तब ही पार्ट डिलीवरी दी जावेगी। पार्ट डिलीवरी की स्थिति में रिलीज आर्डर में अंकित मात्रा से अधिक शेष बचे हुए माल का अनुमानित मूल्य 50,000 रुपये तक हो तो मूल्य का 20% तथा 50,000 रुपये से अधिक होने की दशा में शेष राशि पर 10% राशि अग्रिम जमा के रूप में निगम कोष में जमा रखी जावेगी।

5. यदि इच्छुक व्यक्ति शर्त नं. 4 के अनुसार निर्धारित समय में रकम जमा करवाने में/माल उठाने में असमर्थ रहता है तो उसके द्वारा जमा करवाई गई राशि एवं खरीद किये माल पर कोई अधिकार नहीं होगा। ऐसी स्थिति में निगम माल के अन्यंत्र विक्रय के लिए स्वतन्त्र होगा।

6. जो सामान विक्रय किया जा रहा है उसकी सूची संलग्न है।

7. प्रत्येक सामान की मात्रा उसके आगे अंकित की गई है। जैसे एक लॉट टन, नग इत्यादि। सफल व्यक्ति को सम्पूर्ण माल उठाना होगा। सामान की मात्रा अनुमानित है। इनमें कमी पाये जाने पर निगम पूरा करने के लिए बाध्य नहीं है, परन्तु खरीददार पक्ष पूरा ढेर लॉट उठाने के लिए बाध्य है। अनुमानित वजन से अधिक माल निकलने पर खरीददार पक्ष को अधिक्य वजन की रकम निगम कोष में जमा करानी होगी। यदि वजन अनुमानित वजन जिसके लिए क्रेता पक्ष ने रकम जमा करवाई है कम होता है तो रकम क्रेता पक्ष को लौटा दी जावेगी।

8. क्रेता पक्ष को माल जहाँ है उस स्थिति में उठाना होगा।

9. अलाह धातु के सामान के विक्रय किये जाने पर लोहा अलग करके दिया जायेगा। लोहा अलग करवाने की जिम्मेदारी क्रेता पक्ष की होगी।

10. समस्त विवादों का न्यायिक ------- क्षेत्र होगा।

11. प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान परिवहन निगम अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति को बिना कारण बताये किसी लोट अथवा माल की उच्चतम स्वीकार बोली अथवा सम्पूर्ण नीलामी को निरस्त करने का अधिकार होगा।

12. विक्रय कर नियमानुसार अलग से लिया जावेगा जो माल निगम द्वारा नीलामी में विक्रय किया जाता है उसके विक्रय दर को कर व राशि के लिए अगर विक्रय विभाग द्वारा कोई एतराज अथवा पेनल्टी लगाई गई तो उसके लिये क्रेता पक्ष पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।

13. जिस किसी व्यक्ति/फर्म को माल स्वीकृत किया जाता है उसके स्वयं अथवा उसके द्वारा आर.एस.टी. लेटर पेड पर लिखित निवेदन करने पर उसकी स्वयं की जवाबदारी पर उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति जिसके हस्ताक्षर क्रेता द्वारा प्रमाणित हों, को माल की सुपुर्दगी की जा सकती है।

14. नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को इस बात की स्वीकृति देनी होगी कि उसके द्वारा नीलामी के नियम व शर्तें पढ़ ली हैं तथा उसे पूरी स्वीकार हैं।

15. नीलामी के सम्बन्ध में किसी प्रकार के लिये प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान परिवहन निगम पंच होंगे उनका निर्णय अन्तिम होगा जो दोनों पक्षों को मान्य होगा।

16. क्रेता के पक्ष में स्वीकृत माल की शेष राशि को नकद कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को 14.00 बजे तक जमा कराया जा सकता है। इस संबंध में कार्य व्यवस्थापक (योजना) के. का. ------ के नाम क्रॉस बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार किया जा सकता है।

17. खरीददार द्वारा माल उठाने की सूचना दो दिवस पूर्व लिखित में देनी आवश्यक होगी तथा जहाँ तक सम्भव हो माल सायं 4.00 बजे तक उठाना होगा।

18. रकम जमा कराने/माल उठाने के अन्तिम दिन कार्यालय अवकाश होने में अन्तिम दिन अगला कार्य दिवस माना जायेगा।

19. यदि विक्रय किये जाने वाले माल की तादाद दो टन अथवा इससे कम होगी उसे कार्यशाला कांटे पर ही जहाँ तक सम्भव होगा, तोल कर दिया जावेगा।

20. नीलामी निश्चित दिनांक को प्रातः 11.00 बजे होगी।

21. यदि एक ही तरह एक से अधिक लॉटस को शामिल करके एक ही बिड फार्म पर विक्रय किये जावें तो ऐसी स्थिति में जमीन किराया एक लॉट मानकर लिया जावेगा।

22. ....

23. ....

24. ....

25. ....

मुख्य उत्पादन प्रबन्धक

केन्द्रीय कार्यशाला

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

DISPOSAL WING

Central Workshop, Ajmer

STATEMENT OF BIDS OPEN AUCTIONED HELD ON _____

Lot No. ____ Qty ______________________

Description ____

S.No. Bidder No. Amount of bid/per/each ____

1. ________________________________ ________________________________

2. ________________________________ ________________________________

3. ________________________________ ________________________________

4. ________________________________ ________________________________

5. ________________________________ ________________________________

6. ________________________________ ________________________________

7. ________________________________ ________________________________

8. ________________________________ ________________________________

9. ________________________________ ________________________________

10. ________________________________ ________________________________

11. ________________________________ ________________________________

12. ________________________________ ________________________________

13. ________________________________ ________________________________

14. ________________________________ ________________________________

The auction is made on the basis of material lying "As it is where it is where it is". Lot No. ____ of (Description) ______________________________ Quantity _____ _________________________________ Last bid No. _______________________ @ Rs.__________________________ _____ per __________ ____in favour of M/s Shri _____________

____

Recommendation of the auction committee.

The highest bid is @ Rs. ____ In favour of M/s Shri ____

Against off set price Rs. ____ is approved/rejected.

Genl. Manager (Operation) Chief Disposal Manager)

FIN. ADVISER & C.A.CO. **MANAGING DIRECTOR**

I _____ being the successful bidder hereby declare that I have gone through the terms and conditions auction and agree to abide by these terms and conditions. A copy of the terms and conditions has also been received by me.

Witness:______________________ Signature of the successful bidder with full Address

Rs. _________________________

Security @ __________________ % Deposited.

CR No. _____________________

Date _______________________ Signature of Chairman of Auction Committee

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

VEHICLES TRANSFER FORM

From : To :

Depot ____________________________ Depot or workshop/Central workshop _____

Region ___________________________ Authority of Transfer ____________________

Vehicle Registration No. _________________

Vehicle Depot No. ______________________

Make ___________________________________ Type (Bus/Goods Truck) _________________

Runner/Non Runner Seating capacity (Including driver) ________

Progressive Mileasge of the Vehicle _______

Progressive Milease of the engine _________

PARTICULARS OF TYRES

Make	Size	No.	Whether card accompanying	Make	Size	No.	Whether card accompaning
1. L.F.							
3.LRI							
5 L.R.O.							

PARTICULARS OF ASSEMBLIES				
Nomenclature	**Assy. No.**	**Condition**	**Whether card accompanying**	**Remarks in case of deficiencies**
1. Engine assembly				
2. Injection Fuel pump assembly				
3. Gear Box assemble				
4. Differentral assemble				
5. Rear axle Housing				
6. Servo unit assemble				
7. Steering assemble				
8. Starter assemble				
9. Dynamo assemble				
10. Retuator assemble				
11. Deiry				

ITEMS OF TOOLS AND OTHER EQUIPMENT

Description	**Qty. supplied with the vehicle**	**Description**	**Qty. supplied with the vehicle**	**Description**	**Qty. supplied with the vehicle**
1. Jack with handle		3 Tarpolin		5	
2. Wheel spannr handle		4. Rope		3 Tarpolin	

PARTICULARS OF THE FOLLOWING ITEMS

Description of the item on the vehicle	Supplied with the vehicle or deficient		CONDITION	Remarks in case of deficiencies
	Deficient	Supplied		
Radiator cap				
Fuel tank cap				
Rear view mirror				
Horn (Bulb)				
Horn (Electrical)				
Windscreen wiper				
Conductor's bell				
Door looks and handlies				
Bonnet fastners				
Engine oil dip stied				
Engine oil filter cap				
Air cleapner				
Roof light				
Head light				
Side light				
Tail lights				
Dast cap				
Fuel filtere				
(1) Primary				
(2) Secondary				

PARTICULARS OF THE FOLLOWING ITEMS

Description of the item on the vehicle	Supplied with the vehicle or deficient		CONDITION	Remarks in case of deficiencies
	Deficient	Supplied		
First aid box				
C.W.S. Axis				
First extinguisher				
Rope				
Indicator (Electrical)				
Indicator hand operated				
Switch key				
Ladder				
Seat frame				
3) Seater				
2) Seater				
6) Seater				
Seat cushion				
3) Seater				
Seat back				
Seat bottom				
2) Seater				
Seat back				
6) Seater				

Description of the item on the vehicle	Supplied with the vehicle or deficient		CONDITION	Remarks in case of deficiencies
	Deficient	Supplied		
Seat back				
Seat bottom				
Conductor Seat				
Driver seat-				
Driver seat-				
Telco/Ordinary				
Permit holder				
Complaint book holder				
Guard rail				
Grab rail				
Bumper				
Front				
Rear				
Parcelmcks				
Front wind shield glass				
Rear wind shield glasses				
Side window glasses				
Left				
Right				
Right				
HistoryBook				

Description of the item on the vehicle	Supplied with the vehicle or deficient		CONDITION	Remarks in case of deficiencies
	Deficient	Supplied		
Conditin of the Vehicle				
Engine oil Consumption				
Fuel oil consumption				
Transmission shaft				
Rear axle				
Brakes-				
Foot				
Hand				
Steering				
Suspension				
Front				
Rear				
Last Engine oil change				
K.M. Performed after last oil change				
K.M.S. performed by the vehicle				
After 1st 30,000 K.M. preventies				
Preventive maintenance				

SIGNATURE OF
Receiver & ______________

SIGNATURE OF
Sand & Date ___________________

Remarks column in case of deficiencies will show -

1. Alream despatched to ____________________________________ Vide ___________________
2. Lost Loss statement No. ____
3. Write off owing to condition by only economical repairs.

Rajasthan State Road Transport Corporation

Disposal Wing, Central Workshop, Ajmer

No. ______________ Date ___________________________--

M/s ____________________________________

____

____

Subject: Release of Material/Vehicle/Tyres/Flaps, sold throughopen auction/Tender Sale held on ____

Dear Sir,

The following lots of material/vehicle/tyers, tubes flaps were accepted in your favour being the highest bid/offer as such it is hereby ordered to be released in your favour.

S.No.	Description	Lot No.	Quantity/Nos.	Rate	Amount

You are therefore requested to please contact our Manager (Disposal), R.S.R.T.C. Disposal wing Central Workshop, Ajmer for collecting the above material immediately. The material/Vehicle/tyres, tubes flaps may please be collected on or before ____ failing which the ground rent will be charged @ Rs. ____ per lot per unit per day upto 10 days.

Signature of the Bidder/Tenders or his authorised person appended above is attested herewith.

Chief Disposal Manager

Note-Details of the amount deposited by the party is on overleaf.

1. Receipt No. ______________________ Date __________________ Rs. ___________________

(Earnest Money)

2. Receipt No.______________________ Date __________________ Rs. ___________________

3. Receipt No. ______________________ Date __________________ Rs. ___________________

4. Receipt No. ______________________ Date __________________ Rs. ___________________

Total Rs.

5. Interest @ ________ % from _______ to ________ C.R. No. _______ Date _______ Rs. ______

6. Ground Rent @ Rs. 200/- per day from _______________ to ______________________ Rs. ______

Recovered vide C.R. No. __________________ Date ____________________

7. Rajasthan Sales Tax Rs. ______________ @ ________________on Rs.________________________

8. Surchare of R.S.T. Rs. ______________ @ ________________on Rs.________________________

Recovered vide C.R. No. ________________Date _______________________

9. Party submitted “D” Form No. _____________________ Date _______________ for Sales Tax

Purpose for Rs. ________________________ and lot no. ________________________

Tax will be recovered by the Committee on the basis of actual quantity of material released.

No. Chief Disposal Manager

Copy to : Date ________________

1.C.D.M./A.M.E./ JEN 'A'

2. A.O./A.A.O./Acctt.

3. S.S/S.I.

4. Security Inspector/H.S. Guard

5. M/s _____________________

R.S.R.T.C. CWS, Ajmer. They are directed to personally supervise and see that the material/ vehicle/tyres, tubes flaps are released as listed above and acknowledgement receipt of the same from the _______________________________ send to this Office for record. If the cost of the Material/ Vehicle/tyres, tubes is over and above the amount deposited by the party, please collect the amount & Sales Tax thereof before releasing the material to party, whole lot has to be released.

Chief Disposal Manager

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

आगार -----------

गाड़ी संख्या -------------------- मालिक का नाम --------------------------

कार्य संख्या -------------------- पता -----------------------------------

प्राप्ति तिथि --------------------- कार्य के पूर्ण होने की तिथि -------------------

कार्य प्रारम्भ करने की तिथि--

आवंटित घण्टे ---

कार्य जो किया जाना है का विवरण ---

दिनांक	कार्य एक नियोजित श्रम तथा साज सामान का प्रदान किया गया उसका विवरण	कार्य विधि	विशेष विवरण

दनांक	कार्य एक नियोजित श्रम तथा साज सामान का प्रदान किया गया उसका विवरण	कार्य विधि	विशेष विवरण
	रुपये पैसे सामान का मूल्य ---------- श्रम का मूल्य ----------- योग ---		

शाखा प्रभारी

संलग्न–परिशिष्ट ग

GUIDELINES FOR WITHDRAWAL OF VEHICLES FOR CONDEMNATION

S.No.	Name of Depot	Kms. (in lakhs)
1.	Bikaner	10.00
2.	Ganganagar	9.50
3.	Hanumangarh	9.00
4.	Anupgarh	9.00
5.	SDS	8.50
6.	KTH	8.25
7.	Ajmer	8.00
8.	Tonk	8.00
9.	BND	8.00
10.	AJYMERU	7.50
11.	JLW	7.50
12.	BRN	7.00
13.	SNR	10.00
14.	VDR	10.00
15.	Jaipur	8.50
16.	DLX	8.00
17.	VSL	8.00
18.	Dausa	8.00
19.	Jodhpur	8.00
20.	KTP	8.00
21.	DLP	8.00
22.	MTS.	8.00

23.	Alwar	8.00
24.	BPR	7.50
25.	LHG	7.00
26.	TJR	7.00
27.	HND	7.00
28.	JDP	9.50
29.	BMR	9.50
30.	Udaipur	9.50
31.	Pali	9.00
32.	Sikar	9.00
33.	Jalore	8.50
34.	Phalodi	8.50
35.	SRH	8.00
36.	Falna	8.00
37.	Beawar	8.00
38.	Bhilwara	8.00
39.	Chittorgarh	8.00
40.	BSW	8.00
41.	Churu	8.00
42.	Nagore	8.00
43.	Aburoad	7.50
44.	Revdar	7.50
45.	Jhujhunu	7.50
46.	Dungarpur	7.50
47.	SMD	7.50
48.	KTR	7.00

परिशिष्ट ध

आगार का नाम

यन्त्र दोष विवरण पत्र

1. असैम्बली का नाम ....

2. असैम्बली का नम्बर ....

3. वाहन संख्या ....

4. वाहन में लगाने की दिनांक ....

5. वाहन से उतारने की दिनांक ....

6. तय किये गये कि.मी. ....

7. यन्त्र दोष का विवरण ....

8. इन्जन हेतु –

(1) ऑयल टोप अप एवरेज ....

(2) अंतिम डीजल औसत..

प्रबन्धक (संचालन)

राजस्थान परिवहन निगम,

..................................आगार।

क्रय एवं भंडार मेन्यूअल
2004

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

•

केन्द्रीय क्रय भण्डार, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जयपुर

मेन्यूअल रिपोर्ट-**2004**

प्रस्तावना-

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की ईकाई केन्द्रीय क्रय भण्डार, जयपुर झोटवाड़ा रोड, टीबी सेन्टोरियम के पास स्थित है।

केन्द्रीय भण्डार को स्थापित करने का उद्देश्य निगम द्वारा विभिन्न प्रकार के स्पेयर पाटर्स को क्रय केन्द्रित किया जाना है। केन्द्रीय भण्डार द्वारा निगम में संचालित वाहनों के लिए नये कल-पुर्जे, टयूब, बैट्री, रिट्रेडिंग के लिए सामान एवं असेम्बली आदि क्रय कर निगम की विभिन्न ईकाइयों को उपलब्ध करवाये जाते हैं। इसी प्रकार, ऑयल एवं लुब्रीकेंट एवं स्टेशनरी पेपर आदि भी क्रय कर उपलब्ध करवाये जाते हैं।

केन्द्रीय क्रय भण्डार का पूर्ण नियंत्रण महाप्रबंधक (क्रय/भण्डार) के अधीन रहता है। महाप्रबंधक (क्रय/भण्डार) के अधीन दो इकाईयाँ - क्रय शाखा एवं भंडार शाखा कार्यरत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्रय शाखा-

विभिन्न मदों के क्रय के लिए नीति निर्धारित है जो निगम बोर्ड के प्रस्ताव क्रमांक 49/93 द्वारा अनुमोदित है ओर निम्न प्रकार से है-

1. स्टोर की परिभाषा-

1.1 निगम द्वारा चाहे गये विभिन्न स्टोर को क्रय किये जाने हेतु क्रय नीति के अनुसार सामान क्रय किया जाना आवश्यक है।

1.2 वाहनों के रख-रखाव एवं रिपेयर हेतु चाहे गये ऑटो स्पेयर पार्टस।

1.3 सभी साईजों के टायर टयूब एवं फ्लैटस।

1.4 टायर रिट्रेडिंग सामान।

1.5 बैट्रियाँ।

1.6 ऑयल एवं लुब्रीकेन्ट्स।

1.7 जनरल स्टोर एवं बस बॉडी निर्माण हेतु सामान।

1.8 फलोट असेम्बली।

1.9 निगम की आवयकतानुसार प्लांट एवं मशीनरी।

1.10 कार्यशाला के लिए विभिन्न उपकरण, टूल्स एवं स्पेयर पार्टस जो कि मशीन को चलाये जाने के लिए आवश्यक हो।

1.11 कर्मचारियों हेतु वर्दी।

1.12 स्टेशनरी भण्डार एवं टिकिट प्रिंटिंग के लिए पेपर एवं कार्बन।

1.13 कार्यालय हेतु अधिक कीमत के आईटम जो स्टेशनरी भण्डार द्वारा क्रय नहीं किये जाते हैं।

1.14 कोई भी आईटम जिसकी आवश्यकता निगम कार्यशाला एवं वाहनों के संचालन हेतु आवश्यक है।

स्रोत-

2.1 बिना निविदाएं आमंत्रित किये निम्न एजेंसियों से क्रय की जा सकती हैं-

2.2 चैसिस निर्माता

2.3 मूल उपकरण (इक्यपमेंट) निर्माता

2.4 जिन सप्लायर्स का ए एस आर टी यू से दर अनुबंध है।

2.5 जिन सप्लायर्स का सीएसपीओ से दर अनुबंध है।

2.6 जिन सप्लायर्स का डी जी एस एंड डी से दर अनुबंध है।

2.7 टायर निर्माता कंपनी।

2.8 देश एवं राज्य सरकार के अधीन इकाई।

2.9 हिन्दुस्तान ऐलूमीनियम कार्पोरेशन, इंडिया एलूमीनियम कार्पोरेशन, टाटा आयरन एवं स्टील कम्पनी।

2.10 प्रोपराइटरी एवं ब्रांडेड आईटमों के निर्माता जैसे- माईको, टीवीएस, सुन्दरम क्लेटन, लुकास आदि।

3. उपरोक्त स्रोत में क्रय कर अनुबंध अनुसार दर एवं अन्य दर्म एवं कंडीशन के आधार पर और निर्धारित प्राईस लिस्ट मय डिसकाउंट पर की जायेगी।

4. टेण्डर्स-

उपरोक्त उल्लेखित में यदि क्रय नहीं किया जा सकता है तो निगम हित में पैरा-2 में वर्णित मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित कीजा सकती हैं, लेकिन यह निर्णय भी क्रय बोर्ड द्वारा ही किया जायेगा।

5. प्रोपराईटरी एवं ब्रांडेड मद जिसको क्रय बोर्ड द्वारा चिन्हित किया जाता है जैसे-टायर, टयूब, फलेप्स आदि की निर्माता से सीधे ही ऑफर प्राप्त कर लिये जाते हैं।

6. सीमित निविदाएँ-

यदि निविदा राशि 50,000/- रुपये से कम के लिए बिना खुली निविदाओं की से भिन्न जानकार स्त्रोत में आफर प्राप्त कर ली जाती है। इस के कम से कम 4 स्त्रोत से सीमित निविदाएँ प्राप्त कर एवंकम से कम प्राप्त आफर को स्वीकार किया जायेगा। यदि 4 से कम ऑफर प्राप्त होती हैं कारण स्पष्ट करते हुए ऑफर स्वीकार किया जा सकता है।

6.1 सीमित निविदाओं के लिए निम्न समिति का गठन किया हुआ है-

1. महाप्रबंधक (क्रय/भंडार) अध्यक्ष

2. संबंधित महाप्रबंधक (संचालन) सदस्य

अथवा - ऐसा प्रतिनिधि जो कि मुख्य उत्पादन प्रबंधक

अथवा - कार्यकारी प्रबंधक के समकक्ष हो

3. कार्यकारी प्रबंधक (भुगतान) सदस्य

4. कार्यकारी प्रबंधक (क्रय/भंडार) सदस्य सचिव

7. सिंगल टेण्डर-

यदि किसी मद की कीमत अनुमोदित सीमा से अधिक नहीं है तो सिंगल टेण्डर के माध्यम से क्रय की जा सकती है। लेकिन निर्णायक अधिकारी द्वारा दर के प्रमाण को रिकार्ड किया जाना होगा।

8. यदि सिंगल टेण्डर में क्रय राशि एक लाख रुपये से अधिक है तो निगम बोर्ड को सूचित किया जाना आवश्यक है।

9. साधारणतया न्यूनतम दर पर निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप मान्य सेंपल की क्रय की जाती है लेकिन किसीउ कारणवश न्यूनतम दर को नकारा जाता है तो नकारा किये जाने के कारणों को रिकार्ड किया जाना आवश्यक है।

10. निविदाएं/आफर के माध्यम से क्रय करने के लिए स्पेसीफिकेशन, नियम व शर्तों का निविदाएं/ऑफर प्राप्त किये जाने से पूर्व निर्धारण किया जाता है। अन्य विवरण जैसे-गुण्वत्ता, भुगतान आदि को भी निविदा फार्म में सम्मिलित किया जाता है।

11. निविदाएँ खोले जाने की प्रक्रिया-

आमंत्रित मोहबंद निविदाओं को खोले जाने के लिए निम्न समिति का निर्धारण किया गया है-

1. कार्यकारी प्रबंधक (क्रय/भण्डार)

2. लेखाधिकारी (क्रय/भंडार)

3. संबंधित क्रय अधिकारी

11.1 जहाँ तक संभव हो निविदाएं निवेदकों के समक्ष समिति द्वारा खोली जानी चाहिए।

12. क्रय बोर्ड में निम्न अधिकारी सम्मिलित हैं-

1. प्रबन्ध निदेशक अध्यक्ष

2. वित्तीय सलाहकार सदस्य

3. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत दो तकनीकी

विभागाध्यक्ष सदस्य

4. महाप्रबंधक (क्रय/भंडार) सदस्य सचिव

5. कार्यकारी प्रबंधक सहायक

13. क्रय समिति द्वारा विभिन्न अधिकारियों को वित्तीय शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। अति आवश्यक एवं जरुरत को मध्यनजर रख कर अध्यक्ष द्वारा वित्तीय शक्तियाँ संशोधित की जा सकती हैं जो कि 3 माह तक मान्य हैं। लेकिन इस से अधिक की अवधि के लिए निगम बोर्ड में अनुमोदन प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

14. अध्यक्ष की अनुमति से क्रय किसी भी फर्म को निर्धारित अवधि के लिए ब्लैक लिस्ट कर सकता है लेकिन कारणों को लिखित में रिकार्ड किया जाना होगा।

15. कार्य को सुचारू एवं मदों की उपलब्धतता बनी रहे इस बात को ध्यान में रख कर विभिन्न मदों के समय-समय लेवल निर्धारित किये जाते हैं।

16. सामान्यतया सामान और दस्तावेजों की प्राप्ति पर भुगतान किया जाता है लेकिन प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा वित्तीय सलाहकार से विचार-विमर्श कर अग्रिम भुगतान भी किया जा सकता है।

17. क्रय बोर्ड एवं अधिकृत अधिकारी द्वारा सप्लायर्स से नेगोसिएशन किया जाना आवश्यक हो तो किया जा सकता है।

18. उक्त आईटमों के अतिरिक्त किसी आवश्यक आईटम को अध्यक्ष की अनुमति से क्रय किया जा सकता है।

19. एच.पी.सी. एवं एल.पी.सी.

हाई पावर कमेटी एवं लो पावर कमेटी - किसी आईटम के उपलब्ध नहीं होने पर एवं अति आवश्यकता होने अथवा कोई आईटम निरंतर क्रय में नहीं है ऐसे आईटमों के लिए दो प्रकार की समिति एच.पी.सी. एवं एल.पी.सी. गठित की गई है जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

एच.पी.सी. -	महाप्रबंधक (क्रय/भंडार)	
	वित्तीय सलाहकार	सदस्य
	महाप्रबंधक (संचालन)	सदस्य
एल.पी.सी. -	कार्यकारी प्रबंधक (क्रय/भंडार)	कोनवीअर
	कार्यकारी प्रबंधक ( )	सदस्य
	कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण)	सदस्य

वित्तीय सीमा-एच.पी.सी. की सिंगल टेण्डर में 25,000/- रुपये की अथोराईज्ड डीलर से 50,000/- रु. एवं ऐजेंसी से 2 लाख रुपये है। एच.पी.सी. की सीमा 10,000/- रुपये, 20,000/- रुपये एवं 30,000/- रुपये है। क्रय विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के लगभग 2200 मदो ंकी क्रय की जानी होगी। इन में से लगभग 1250 आईटमों की क्रय निरंतर एवं शेष की क्रय निगम में उपलबध वाहनों के मॉडल पर निर्भर होगी, जो मॉडल शनै-शनै समाप्त हो रहे हैं। ऐसे मॉडल के आईटम स्लो-मूविंग में वर्णित होंगे और इनकी क्रय माँग के आधार पर की जायेगी। जबकि न्यू मॉडल की वाहनों के लिए कल-पुर्जो का क्रय माँग के अनुरूप करते हुए उनका लेवल निर्धारित किया जायेगा। प्रत्येक आईटम के एल.एफ. नं. आबंटित किये जायेंगे एवं आईटमों का लेखा-जोखा एल.एफ. नं. के अनुसार रखा जायेगा।

20. न्यूनतम एवं अधिकतम लेवल का निर्धारण-

विगत खपत के आधार पर प्रत्येक आईटम का न्यूनतम एवं अधिकतम लेवल निर्धारित विगत खतप के आधार पर प्रत्येक आईटम का न्यूनतम एवं अधिकतम लेवल निर्धारित किया जायेगा। न्यूनतम लेवल एक माह एवं अधिकतम 3 माह के लिए निर्धारित किया जायेगा एवं आईटमों की निर्धारित सीमा अनुरूप उपलब्ध होने की स्थिति में क्रय नहीं किया जायेगा लेकिन लेवल की सीमा बनाये रखने के लिए क्रय करने की कार्यवाही अम्ल में लाई जायेगी।

जो आईटम क्रय किये जाने हैं उन्हें निम्न श्रेणियों में बाँटा गया है-

1. वाईटल (Vital) 2. आवश्यक (Essential) 3. माँग अनुरूप (Desirable) 4. ब्रांडेड (Branded)

उक्त श्रेणियों में विभाजित आईटम आवश्यक एवं माँग अनुरूप आईटमों की क्रय खुली निविदा आमंत्रित कर की जायेगी। ब्रांडेड आईटमों का क्रय सीधे ही ऑफर प्राप्त किया जा सकता है।

वाइटल आईटमों का क्रय चैसिसएवंओ. ई. फर्मों से किया जायेगा।

क्रय किये जाने के लिए क्रय अधिकारी द्वारा आईटमों का ऐजेण्डा एवं तुलनात्मक विवरण तैयार कर क्रय समिति के समक्ष

प्रस्तुत किया जायेगा।

क्रय समिति द्वारा उक्त तुलनात्मक विवरण-पत्र के आधार पर आईटमों को क्रय किये जाने का निर्णय लिया जायेगा।

उक्त आधार पर संबंधित फर्मों को क्रय आदेश आडिट कर जारी किये जाते हैं। विभिन्न क्रय आदेशों का प्रपपत्र अनुच्छेद अ पर संलग्न है।

निविदाओं की अधिकतम सीमा एक वर्ष होगी/होती है।

भण्डार शाखा-

भंडार का नियंत्रण कार्यकारी प्रबंधक (निर्गमन) के अधीन रहेगा एवं निर्गमन के अधीन एक भंडार अधीक्षक तथा प्रत्येक ग्रुप के भंडार निरीक्षक/उप भंडार निरीक्षक कार्यरत रहेंगे। भंडार को निम्न ग्रुपों में विभाजित किया गया है ताकि कार्य सुचारू रूप से चलता रहे-

आर. आर. (गुडस रिसीप्ट शाखा)

लिलेण्ड/टाटा आर.एंड डी.

पी. जी. एंड जी. एस. (आर.एंड डी.)

सामान निम्न ग्रुप में रखा जाता है-

लिलैण्ड ग्रुप

टाटा ग्रुप

पी. जी. ग्रुप

जी. एस. ग्रुप

स्प्रींग लिव्स ग्रुप

रिजेक्शन एवं डेड स्टॉक

आर. आर. ग्रुप में कार्यरत भंडार निरीक्षक का यह दायित्व होगा कि वह क्रय शाखा से प्राप्त आर आर एवं इन्वायस की संबंधित ट्रांसपोर्ट से जानकारी ली जायेगी कि संबंधित फर्म का सामान प्राप्त हो गया है या नहीं। सामान प्राप्त होने की स्थिति में उक्त ट्रांसपोर्ट कं. से आर. आर. छुड़ाने की कार्यवाही संपादित की जायेगी। साथ ही यह भी ध्यान रखा जायेगा कि किसी भी आर आर पर निगम को डेमरेज वहन नहीं करना पड़े। आर आर छुड़ाने के बाद निगम के ट्रक द्वारा सामान को केन्द्रीय भंडार में लाया जाना एवं आर.आर. / बिल्टी में अंकित सामान की पेटियाँ मात्रा का सुरक्षा शाखा से सत्यापन

कराया जायेगा। आर. आर. शाखा में एक पंजिका का संधारण किया जायेगा जिसका प्रारूप संलग्न है ।

सत्यापन के बाद संबंधित शाखा को आर. एंड डी. शाखा को सुपुर्द किया जायेगा। जिन फर्मों द्वारा की सीधी सुपुदर्गी भंडार में दी जाती है, की मात्रा का भी मिलान सुरक्षा शाखा द्वारा करने के बाद ही संबंधित आर एंड डी को सुपुर्द किया जायेगा। उक्त पंजिका में प्रथम एस. आई. / एस.एस.आई. आर. आर. द्वारा इंद्राज किया जायेगा एवं सामान को स्वीकार करने के बाद एसआई/एसएसआई आर.एंड डी. द्वारा शेष कालम की पूर्ति की जायेगी।

सामान की मात्रा का मिलान करने के बाद निरीक्षण हेतु निरीक्षण शाखा में मय इन्वाईस भेजा जायेगा।

निरीक्षण शाखा में एक पंजिका संधारित की जायेगी जिसमें प्रभारी आर. एंड डी. द्वारा इंवायस का मय दिनांक इंद्राज किया जायेगा।

निरीक्षण शाखा जिसका कार्य विवरण अलग से उल्लेखित किया जायेगा, द्वारा आईटम को पास किये जाने के बाद प्रभारी आर.एंड डी. द्वारा उक्त पंजिका में प्राप्ति का इंद्राज करते हुए तीन प्रतियों में जी.आर.एस. बनाई जायेगी।

जीआरएस की मूल प्रति कम्प्यूटर शाखा को प्रेषित की जायेगी ताकि प्राप्त सामान की मात्रा एवं कीमत को फीड कर लिया जाये।

फीड किये जाने के बाद जीआरएस की मूल प्रति एवं इंवायस भुगतान हेतु क्रय शाखा को प्रेषित की जायेगी।

जीआरएस की एवं इंवायस की एक प्रति को संबंधित ग्रुप में भेजा जायेगा।

प्रभारी आर एंड डी द्वारा सही पाये गये आईटमों को संबंधित ग्रुप में जीआरएस के अनुरूप भेजना एवं रिजेक्ट किये गये सामान को रिजेक्शन स्टोर में जमा कराया जायेगा।

संबंधित ग्रुप प्रभारी द्वारा प्राप्त सामान का शाखा में संधारित लेजर एवं बिन-कार्ड में इंद्रजा किया जायेगा। बिन-कार्ड में इंद्राज करते समय फर्म का नाम एवं मात्रा का भी इंद्राज किया जाना आवश्यक होगा एवं सामान जारी करते समय भी मात्रा एवं जारी ईकाई का इंद्राज किया जायेगा।

निगम में 3 केन्द्रीय कार्यशालाएँ एवं 49 आगार तथा प्रिंटिंग प्रेस को नया सामान (वाहनों के विभिन्न कल-पुर्जे, पेपर कार्बन आदि) केन्द्रीय भंडार द्वारा ही जारी किये जा रहे हैं।

नये टायर, टयूब फलेप्सएवं रिट्रेडिंग मैटेरियल की क्रय तो केन्द्रीय भंडार द्वारा की जायेगी लेकिन प्राप्ति, निरीक्षण एवं जारी किया जाना टायर प्लांट जयपुर द्वारा किया जायेगा।

इसी प्रकार ऑयल लुब्रीकेंट का क्रय तो केन्द्रीय भंडार द्वारा किया जोयगा। लेकिन प्राप्ति एवं वितरण निर्धारित नोडल

अधिकारी द्वारा किया जायेगा।

कार्यशाला इंचार्ज द्वारा डीजल का मासिक शिडयूल निर्धारित कर सीधे ही तेल कंपनियों को प्रेषित किया जायेगा और पूरे माह के बिल एक जाई कर क्रय भंडार को प्रेषित किये जायेंगे और उनके अनुसार क्रय भण्डार द्वारा भुगतान कर दिया जायेगा।

तीनों केन्द्रीय कार्यशालाओं एवं आगारों द्वारा अनुच्छेद-स पर उपलब्ध इंडेंड के प्रारूप में मासिक चाही गई मात्रा का उल्लेख करते हुए प्रेषित करेंगे।

केन्द्रीय कार्यशालाओं द्वारा सामान संकलन करने हेतु माह में तीन टर्न (6 दिवस) एवं आगारों के लिए माह में 2 टर्न (4 दिवस) निर्धारित किये गये हैं, उक्त टर्न की दिनांक भी निर्धारित की गई हैं।

केन्द्रीय कार्यशाला एवं विभिन्न आगार नये सामान के संकलन हेतु भंडार में कार्यरत भंडार निरीक्षक मय ट्रक क्रय भंडार में उपस्थित होंगे ताकि निर्धारित दिनांक को संबंधित यूनिट को सामान जारी किया जा सके।

केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा अपना ट्रक भेजा जायेगा जबकि दो आगारों के मध्य सामान के संकलन हेतु एक ट्रक आवंटित है।

सामान के संकलन हेतु आये भंडार निरीक्षक/उप भंडार निरीक्षक द्वारा सर्वप्रथम इंडेंड भंडार अधीक्षक को प्रस्तुत करेंगे।

उनके द्वारा संबंधित ग्रुपों से ईकाइयों को चाही गई मात्रा उपलब्धतता के आधार पर जारी कराया जायेगा।

यदि कोई सामान केन्द्रीय भंडार में उपलब्ध नहीं है तो ऐसे सामान की एन.ए.सी. (वर्जित सामान को छोड़कर) जारी कराई जायेगी एवं ऐसे स्पेयर पार्टर्स की स्थानीय क्रय यूनिट स्तर पर की जायेगी।

विभिन्न कल-पुर्जो स्प्रिंग लिव्स, पेपर एवं रिजेक्शन आदि सामान के भंडारण की व्यवस्था हेतु शैड व्यवस्था की जायेगी एवं सामान को व्यवस्थित रखे जाने हेतु रैक्स आदि भी रखे जायेंगे तथा उक्त भंडारण की-लॉक एंड की की व्यवस्था भी होगी।

निरीक्षण शाखा-

निरीक्षण शाखा का पूर्ण नियंत्रण महाप्रबंधक (गुणवत्ता) के अधीन रहेगा। निरीक्षण शाखा के नियंत्रण एवं कार्य संचालन के अिलए कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण) द्वारा स्पेयर पार्टर्स की गुणवत्ता का निरीक्षण किया जायेगा तथा इनके अधीन दो कनिष्ठ अभियंता “बी” निरीक्षण हेतु कार्यरत रहेंगे एवं प्रत्येक के पास दो-दो ग्रुप रहेंगे।

प्रभारी आर. एंड डी. द्वारा प्रेषित इनवाईस एवं नमूने के तौर पर प्राप्त सामान का निरीक्षण संबंधित कनिष्ठ अभियंता द्वारा किया जायेगा।

प्रथम कनिष्ठ अभियंता द्वारा इंवाईस का मिलान संबंधित क्रय आदेश से किया जायेगा। मिलान करते समय आईटमों के पाटर्स नंबर का मिलान क्रय आदेश से किया जायेगा ताकि यह ज्ञात हो सके कि फर्म द्वारा क्रय आदेश के अनुरूप ही सामान भेजा गया है। साथ यह भी उल्लेखित किया जायेगा कि फर्म द्वारा भेजा गया सामान का स्टेटस क्या है?

विभिन्न सामान का निरीक्षण जिनका ए एस आर टी यू द्वारा मापदंड निर्धारित किया गया है, के अनुरूप किया जायेगा एवं जिनके मापदण्ड निर्धाथ्रत नहीं हैं। ऐसे स्पेयर पार्टस का निरीक्षण चैसिस निर्माता के अनुरूप किया जायेगा।

यदि सामान मापदण्ड के अनुरूप पाया जाता है तो कनिष्ठ अभियंता द्वारा कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण) को सामान अनुमोदन करने हेतु भेजा जायेगा एवं जो सामान मापदण्ड के अनुरूप नहीं पाया जाता है उसे रिजेक्शन करने हेतु कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण) को अनुमोदन करने हेतु भेजा जायेगा।

किसी भी सामान का निरीक्षण किया जाना उसका प्रारूप (निरीक्षण सीट) अनुच्छेद-द पर है।

जो सामान सही पाया जाता है एवं प्रमाणीकरण कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण) द्वारा किया जाता है अथवा रिजेक्ट किया जाता है, दोनों ही स्थितियों में प्रभारी आर.एंड डी. द्वारा इन्वाईस निरीक्षण शाखा की पंजिका में इंद्राज कर उसे संकलित करेंगे।

यदि कोई सामान अयोग्य पाया जाता है तो कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण) द्वारा रिजेक्शन शीट जिसका प्रारूप अनुच्छेद-ई पर संलग्न है, संबंधित क्रय अधिकारी एवं कार्यकारी प्रबंधक (निर्गमन) को प्रेषित की जाती है।

विभिन्न फर्मों से प्राप्त सामान की गुणवत्ता को बनाये रखा जा सके, इसलिए निगम द्वारा अप्रूव्ड संस्था को अग्रिम निरीक्षण के लिए भेजा जाना आवश्यक है।

कार्यकारी प्रबंधक (निरीक्षण) द्वारा स्वीकृत किये गये सामान में से माह में दो बार अनुमोदित संस्था को सामान निरीक्षण हेतु महाप्रबंधक (गुणवत्ता) की अनुमति से भेजा जायेगा। सी आई आर टी पूना (संस्था) को भेजते समय नमूनों पर से फर्म का मैक आदि हटा दिया जाता है व प्रत्येक आईटम पर कोड अंकित कर दिया जाता है ताकि फर्म की पहचान छुपी रह सके। सी आई आर टी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर यदि सेंपल अस्वीकृत है तो फर्म से राशि वसूली की प्रक्रिया अमल में लाई जाती है। ए एस आर टी यू द्वारा दिये गये मापदण्ड के अंतर्गत प्रत्येक वेटेज मार्क अंकित होते हैं, उसी के आधार पर वसूली गणना संबंधित क्रय अधिकारी द्वारा की जा कर लेखा शाखा से उसकी पुष्टि करवाई जाती है। कार्यकारी प्रबंधक (भुगतान) द्वारा फर्म से राशि वसूली की कार्यवाही की जाती है। किसी भी फर्म का नमूना यदि दो बाद अस्वीकृत हो जाता है तो ऐसे सामान को अग्रिम क्रय करने के बारे में प्रकरण क्रय शाखा द्वारा क्रय मण्डल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

महाप्रबंधक (क्रय/भंडार)

Under Postal Certificate

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

Near T. B. Sanatorium, Jhotwara Road, JAIPUR- 302016

PURCHASE ORDER

FAX No. 0141-25128381 Tel.- 25128381, 25128382, 25128383 e-mail : cstore@datai

No. F(   )RSRTC/ Pur/ E.M. (   )   /   Dated.........................

PURCHASE ORDER

M/S ....

....

....

Sub:- SUPPLY OF...

Ref- Your Tender Offer No ....Dated..........................

Dear Sir,

Please execute the supplies of subject material as per details given over-leaf on the rates, terms & conditions stated here-under as well as overleaf and in accordance to the terms and conditions specified in the tender form /notifications :-

DISPATCH INSTRUCTIONS WITH TERMS AND CONDITIONS

1. The material is to be despatched to G.M. (S/P), Central Store, RSRTC, Near T.B. Sanatorium Jhotwara Road, Jaipur-302016 through any nationalised bank approved transporter having office at Jaipur with understanding that the transporter will not charge any demurrage up to 45 days from the date of arrival of the material at its Jaipur office.
2. The documents, if necessary for payment, may be negotiated through “The Bank of Raiasthan Ltd.. Parivahan Marg. Jaipur-302001” sending an advance copy of documents for information to the undersigned. The documents, presented to the bank, will have 3 copies of the Invoice INCLUDING ORIGINAL ONE . The invoice must have details of LF No., Part No./ Size, Nomenclature, Quantity etc. in accordance to this order alongwith the photo copy of lorry receipt (LR), Insurance & excise duty gate pass/ documents etc.

3. The Road Permit (Form No. 18-A) & octroi exemption Form No. 7 if necessary, may be obtained separately from this office prior to despatch of the material. In case of despatch of material without requisite forms, the liability incurred if any, will be in the account of supplier.

4. All the despatches should be FREIGHT PAID. Even if, it is extra, the same may be charged in the Invoice, paying freight to the transporter at booking end.

5. Initial acceptance of the material will be subject to inspection of the goods in our Inspsection Cell as per approved sample/specification mentioned in the order. In case of rejection of material in our Inspection department, the acceptable replacement is to be provided within 30 days positively.

6. Random samples from your supplies may also be sent to any recognised test house/laboratory and if samples fail, the testing charges will be borned by the supplier and such failure will be considered as an adverse credential of the supplier.

7. In case of any change in rates of aforesaid parameter, approval/amendment may be obtained prior to the dispatch.

8. The material should be supplied immediately or as per the delivery schedule given overleaf and subsequent amendments, if any.

9. If, the material is not supplied in1, accordance to the delivery schedule given or amended later on, a panelty @ 1% per fortnight on the value of delayed quantity will be applicable. A fraction of the fortnight will be counted as a fortnight.

10. The security money in the form of Demand Draft equal to 5% value of the order or Rs.75000/- (Rs. Seventy five thousand) whichever is less should be deposited prior to execution of this order. In case same is not received, that security amount will be deducted from the supply of invoice/available earnest money.

11. In case of any despute, The chairman, RSRTC will be the arbitrator and his decision will be final and binding on both the parties (RSRTC & Suppliers) knowing that the chairman is official of RSRTC.

12. RSRTC reserves the right to cancel/ amend the order at any time without assigning any reason thereof.

13. Please acknowledge the receipt of this order sending acceptance with the tentative date of despatches.

14. Remarks, if any...
....
....

M/S.. Make..

S.No.	LF.No.	Part No./Size	Nomenclature	Qty.	Rate	Amount	Delivery schedule & Remarks, if any

F.O.R........................... Sales Tex.......................... Excise duty................. Bank Commission will be borne by firm

Indurance...................... P&F charges................... Discount if any........... Octroi......................

Mode of Payment %through the Bank with ....%Cash discount on Gross/merchantile value, If payment made within ....days OR.......................% payment against receipt and acceptance of metrial with ....% cash discount on Gross/merchantile value within 15 working days.

Note
1. The quantity assessed on the basisc of ....
2. The order is proposed in accordance to the P.B. decision date.................

Copy to
1. Executive Manager (Issue/Insp./Store-Pay), RSRTC, Jaipur.
2. R.A.O. RsRTC, Jaipur.
3. Master File
4. ....RSRTC, Jaipur

For General Manager(S/P)

Under Postal Certificate

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

Near T. B. Sanatorium, Jhotwara Road, JAIPUR- 302016

PURCHASE ORDER

FAX No. 0141-25128381 Tel.- 25128381, 25128382, 25128383 e-mail : cstore@datainfosys.net

No. F(   )RSRTC/ Pur/ E.M. (   )   /   Dated........................

PURCHASE ORDER

M/S ....

....

....

Sub:- SUPPLY OF..

Ref- Your Tender Offer No ....Dated.........................

Dear Sir,

Please execute the supplies of subject material in the quantity given over-leaf at the referred price list/offer rates, terms & condition. Following terms & condition are further clarified:-

1. The material is to be despatched to G.M. (S/P), Central Store, RSRTC, Near T.B. Sanatorium Jhotwara Road, Jaipur-302016 through any nationalised bank approved transporter having office at Jaipur with understanding that the transporter will not charge any demurrage up to 45 days from the date of arrival of the material at Jaipur.

2. The documents if necessary' for payment, may be negotiated through "The Bank of Rajasthan Ltd., Parvahan Marg, Jaipur-302001" sending an advance copy for information to the undersigned. **The documents, presented to the bank will have 3 copies of the Invoice INCLUDING ONE ORIGINAL.** The invoice must have details of LF No. Part No./ Size, Nomenclature, Quantity etc. inaccordance to this order alongwith the photo copy of lorry receipt (LR), Insurance & excise duty gate pass/ documents etc.

M/S.. Make...

S.No.	LF.No.	Part No./Size	Nomenclature	Qty.	Rate	Amount	Delivery schedule & Remarks, if any

F.O.R........................... Sales Tex.......................... Excise duty................ Bank Commission will be borne by firm

Indurance...................... P&F charges.................. Discount if any.......... Octroi......................

Mode of Payment %through the Bank with ....%Cash discount on Gross/merchantile value, If payment made within ....days OR.......................% payment against receipt and acceptance of metrial with ....% cash discount on Gross/merchantile value within 15 working days.

Note 1. The quantity assessed on the basisc of ....

2. The order is proposed in accordance to the P.B. decision date.................

Copy to 1. Executive Manager (Issue/Insp./Store-Pay), RSRTC, Jaipur.

2. R.A.O. RsRTC, Jaipur.

3. Master File

4. ....RSRTC, Jaipur

For General Manager(S/P)

3. All the despatches should be FRIGHT PAID. Even if, the frieght is extra, the same may be charged in the Invoice.
4. The Road Permit (Form No. 18-A) if necessary, may be obtained separately from this office prior to despatch of the material. In case of despatch of material without requisite form, the liability incurred in any, will be in the account of supplier.
5. The material should be supplied immediately or as per our delivery schedule given overleaf and subsequent amendments, if any.
6. The material will be sent dully insured for which, the documentary proof will have to be enclosed alongwith the documents.
7. Intial acceptance of material will be subject to inspection of the goods in our Inspsection Cell as per approved sample/ specification mentioned in the order. In case of rejection of material in our Inspection department, the acceptable replacement is to be provided within 30 days positively. Random samples may be sent to CIRT, Pune for testing or to any recognised testing laboratory and if failed, the testing charges alongwith material cost will be borne by the supplier and such failury will be considered as an adverse credential.
8. RSRTC reserves the right to cancel/ ammend the order at any time without assigning any reason there of.

Please acknowledge the receipt of this order sending acceptance with the tentative date of despatches.

Remarks, if any...

....

....

Under Postal Certificate

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

Near T. B. Sanatorium, Jhotwara Road, JAIPUR- 302016

PURCHASE ORDER

FAX No. 0141-25128381 Tel.- 25128381, 25128382, 25128383 e-mail : cstore@datainfosys.net

No. F(   )RSRTC/ Pur/ E.M. (   )   /   Dated........................

PURCHASE ORDER

M/S ....

....

....

Sub:- SUPPLY OF...

Rcf:- ASRTU Rate contract circular No...

Dt.............................. No.........................dt...........................&No................dt...........................

Dear Sir,

Please execute the supplies of subject material in the quantity given over-leaf at the ASRTU rate contract price, terms & condition. Following terms & condition are further clarified:-

1. The material is to be despatched to G.M.(S/P), RSRTC, Central Stores, Jhotwara Road, Jaipur through any nationalised bank approved transporter having office at Jaipur with the understanding that the transporter will not charge any demurrage up to 45 days from the date of arrival of material at its Jaipur office.
2. The documents, if necessary, for payment may be negotiated through "The Bank of Rajasthan Ltd.. Parivahan Marg, Jaipur-302001" OR direct to G.M.(S.P.) sending an advance copy for information to the undersigned. The documents, presented to the bank will have 3 copies of the Invoice INCLUDING ONE ORIGINAL. The invoice must have details of LF No. Part No. Nomenclature. Quantity etc. in accordance to this order alongwith the photo copy of lorry receipt (LR), Insurance & excise gate pass/ documents etc.
3. All the despatches should be "FRIGHT PAID". If, it is extra, the same may be charged in the Invoice.

4. The Road Permit (Form No. 18-A) may be obtained separately from this office prior to despatch of the material. In case of despatch of material without requisite form, the liability incurred if any, will be in the account of supplier.

5. Initial acceptance of material will be subject to inspection of the material in our inspsection cell. In case of rejection of material in our inspsection cell, the acceptable replacement is to be provided within 30 days positively. Random samples as per provision of the rate contract, may be sent to CIRT. Pune for testing. In case of failure of samples, the testing charges alongwith material cost of samples sent for testing, along with penalty based on short fall in specification will be borne by the suppliers..

6. Seperate packing and bills/Invoices may be raised for Tata & Leyland spares. Besides the price, other financial parameters woulds be as folloes :

F.O.R :	SalesTax :.........................
Excise duly :	Discount, if anv :
Insurance : born by The firm.......................	Bank commission : To be borne by the firm.
P&F/S.C. :	....

MODE OF PAYM ENT :..............% through the Bank with.....................% cash discount on gross value if paymnt is made within ....days.

OR

.... % payment against receipt and acceptance of material with .... % Cash discount on gross value /mercentile value within...................days from the date of receipt of material.

Note : In case of any change in the rates of aforesaid parameteres prior approval/amendment may be obtained before the despatches.

8. RSRTC reserves the right to cancel/ amend the order at any time without assigning any reason thereof

9 Please acknowledge the receipt of the order pending acceptance with the tentative date of despatches

10. Remarks if any...
....

Under Postal Certificate

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

Near T.B. Santorium, Jhotwara Road, JAIPUR - 302016

Fax No. 0141-305607 Tel. 300882 & 306865

No. F ( ) RSRTC/Pur. / E.M. (SP) / Tyre/ Dated......................

PURCHASE ORDER

M/s ....

....

....

Sub. : SUPPLY OF TYRE, Size 9.00 × 20न14 PR with Tube & Flaps.

Ref. :Your offer No.....................Dated........................and .———————.—

Negotiation offer dated.....................

Dear Sir,

Please supply 113 material as per details given overleaf on the terms conditions stated hereundsr hereunder as well as in acoordance with ther terms and condition specified in our offer inviting letter dated.........

DESPATCH INSTRUCTIONS/CONDITIONS:—

1. The Tyre sets be delivered direccl/ to ths General Manager (Tyre) R.S.R.T.C., Parivahan Marg, Jaipur.

2. The Tyre sets so supplied should be strictly as per our dalivsry schedule given over leaf and subsequent amendments if any.

3. The Tyres should be supplied in sets only with Tube and Flaps duly fitted in Tyres

4. The Tyres, so supplied, will b3 insossted by the authority ot the Rajasthan State Road

Transport Corporation bafofB adapting it finally Sjpp’les which are not made according to the specification or in accordance with the terms and conditions of this order, are liable to be rejected.

5. The list of Tyre numbers being supplied should be enclosed with the Invoices.

6. Purchase Ordor No. and date should bs indicated in the Invoices.

7. The Tyres baing supplied should have not been manufactured more than 3/4 months prior to the date of supply.

8. If supplies are mads directly fron Factory, pleas3 collest form - 7 from undersignees office and then arrange to supply the Tyers wi:h Form-7 and advise the transporter not to pay Octroi and get the material cleared from Octroi post against this form.

9. The Rajasthan State Road Transport Corporation reserve the ngnt to caneel the order at any time without assigning any reason.

10. Please acknowledge the recepit of this order and also arrange to confirm the

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

Central Store, Jaipur

p./97—98/ Dated the................................

The General Manager (S/P)/G.M. (Tyres)

Excuitive Manager (Body Building)

Rajasthan State Road Transport Corporation

JAIPUR

Sub :-Test Report of C.IRT Pune

(Approved/not Approved)

The sample of .... out of the supplies received against out P. 0. No...............................Dated fromM/s..Vide their Invoice No ....Dated...was sent to C I RT Pune for testing vide this office challan No ....Dated

A copy of the Test Report received from C I. R T, Pune vide No ERC/Test/ .... Dated..is enclosed here with for information and necessary action

The cost of material is Rs .... as per M/c. No ....Dated...

—

Executive Manager(Insp)

No. F-5/lnsp./97— 98/ Dated the ....

Copy forwarded to the following for kind information and nf cessary action, please.

1. General Manager (Q.C.), R.S.RT.C,. Jaipur
2. Excutive Manager (Store Payment) Central Stores, Jaipur, along with a copy of test report and bill for Rs.....................The payment of testing charges is to be born RSRTC/

Executive Manager(Insp)

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

STOCK CARD

Stock Card No....................

Ledger Folio No....................

Part No. ....

Nomenclature ....

Minimum Level....................

Reorder Level ....

Maximum Level ....

Accounting Unit ....

Goods Receipt Sheet/ Issue Voucher No. and date	Quantity Recevied	Quantity Issued	Source of Supply To whom Issued	Balance	Remarks

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

DEPOT STORES INDENT

MONTH .... DEPOT......................

GROUP : LEYLAND

SNo.	L. F. No.	Nomenclature	Part No.	Avg. consumption of last 3 months	Stock Held	Require-ment	Material issied Ist Turn	Material issied IInd Turn	NacIssued Ist Turn	NacIssued IInd Turn
31.	BC/LRA/11	Rr. Brake Lining STD. 80 Hole	P 3601651							
32.	BC/LRA/12	-do- 1/32- 80 Hole	P 3601751							
33.	BC/LRA/13	-do- 1/16-80 Hole	P 3601851							
34.	BC/LRA/14	Rr. Brake Lining STD. 128 Hole	P 3602351							
35.	BC/LRA/15	-do- 1/32- 128 Hole	NPN							
36.	BC/LRA/16	-do- 1/16- 128 Hole	NPN							
37.	BC/LRA/17	Rr.Brake Lining STD O/Model 48Hole	P 1706554	.						
38.	BC/LRA/18	-do- 1/32-48 HoleO/M	P 1706854							
39.	BC/LRA/19	-do- 1/16-48 Hole O/M	P 1706954							
40	BC/LRA/20	-do- 1/8-48 Hole O/M	P 1707054							
41	BC/LRA/21	.Brass Rivets NM 80 Hole	NPN							
42	BC/LRA/23	Brass Rivets NM 128, Hole	NPN							
43	BC/LRA/24	Brass Rivets/O/Model 48Hole STD	NPN							
44	BC/LRA/25	Brass Rivets O/Model Long	NPN							
45.	BG/LBR/21	Abatement Block	P 1601718							

REJECTION SHEET

Serial No.

Date

1. NAME OF THE FIRM______________________________

2. PURCHESE ORDER NO. & DATE :______________________________

3. INVOICE NO. & DATE :______________________________

:______________________________

4. MAKE :______________________________

5. ITEM PART NO./ DESCRIPTION QTY. CARSE OF REJECTION

EXECUTIVE MANAGER(INSP) SIGNATURE OF JEN B

EN(Issue)/(S.P.)/(T/L)/(P.G.)/(G.S.)

Despached no. Date

INSPECTION SHEET

DATE.................

1. NAME OF FIRM :..
2. P.B. NO. & DATE :..
:..
3. ITEM AND QUANTITY :..
:..
:..
4. STATUS OF ORDER :..
5. NATURE OF ITEMS :..

6.	**S.No.**	**Invoice no. & date**	**Qty**	**Amount**
1.				
2.				
3.				
4.				
5				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

1. All the above invoice has been compared with mentioned Purchase order for placement and found O.K.
2. Make
3. No. damage, rusting, bocken, distorsion, deterioration is observed.
4. No. complaints are available in Inspection Call.
5. Necessory Observation are recorded in O/C. invoice itself.

PROPOSALS

Executive Manager (Insp.) Jr. Engineer-B

Executive manager(Insp.)

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (S&P), RSRTC, JAIPUR - INDENT / ISSUE CHALLAN Page No.:1

Challan No:PG0470 Dated:27/07/2004 Group:PG Depot:JHUNJHUNU Depot Fleet:02 MAKE:TATA

SNo	I.F. No	Part No	Nomenclature	Qty Req.	Qty Issued	LeftOut Balance	Rate	Total Value
1	PHB/01	705-8	HEAD LIGHT BULB 24V,80-60W,DC/DF/BP	10 NOS.	10	1500	16.38	163.80
2	PHB/02	H4 24V75/70WP43	HALOGEN LAMPS TC	20 NO	20	347	71.59	1431.80
3	PBR/03	0000614100	RR.HUB OUTER BEARING 1210 (32212)	2 NOS.	2	67	475.09	950.18
4	PBC/02	257341300118	P.SHAFT CENTRE BRG.1510 N.M.	1 NOS.	1	102	263.12	263.12
5	PBG/14	0000611510	%P.THRUST BRG.STD. (T-1..)	1 NOS.	1	27	121.06	121.06
6	PBE/42	9030-1689/5304	DE BRG. FOR ALT.	2 NOS.	2	86	95.33	190.66
7	PBG/53	257441203114	P. SHAFT C/BRG TATA 2211	5 NO	3	33	304.47	913.41
8	PBW/01	2916712609	BENJO WASHER	100 NOS.	100	7373	1.77	177.00
9	PFF/01	1457434003	FUEL FILTER ELEMENT ROUGH BIG WITH	20 NOS.	20	1520	57.49	1149.80
10	PFF/02	9451037403	FUEL FILTER FINE BIG WITH RING EDI	20 NOS.	20	1450	68.69	1373.80
11	PFF/06	F002H20233	FULE FILTER T.C (SECONDARY)	26 NO	12	145	132.72	1592.64
12	PFF/07	FS-1275	FUEL SEPARATOR TC.	2 NOS	2	180	228.23	456.46
13	PFP/043	1457413010	OVER FLOW VALVE	3 NOS.	3	76	71.66	214.98
14	PGK/04	252501165302	CYL.HEAD GASKIT 697	5 NOS.	2	148	217.55	435.10
15	PGK/11	252301155307	TAPPIT COVER PACKING	10 NOS.	10	351	70.82	708.20
16	PGK/12	257635005301	GASKIT HUB	20 NOS.	20	1540	4.27	85.40
17	PGK/13	250525000101	GR.BOX GASKIT SET GB-40	2 SET.	2	430	22.01	44.02
18	PHL/04	257354440103	HEAD LIGHT ASSYW/OUT BULB1510 LH.RH.	1 NO	1	26	285.67	285.67
19	PHL/11	000054410002	BLINKER GLASS LH/RH	4 NO	4	298	28.61	114.44
20	PHL/15	1510 MODEL	H.L..REFLECTOR L/H 1510 MODEL	2 NO	2	67	135.30	270.60
21	PHL/16	NPN	HEAD LIGHT GLASS TATA 1510 LH/RH	4 NO	4	0	42.93	171.72
22	POS/01	257633407801	FT.HUB OIL SEAL 1510	48 NOS.	24	1095	26.53	636.72
23	POS/02	261635607701	RR.HUB INNER OIL SEAL 1510	16 NOS.	12	718	30.11	361.32

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION
CENTRAL STORE, JAIPUR
GATE PASS

Date ....

1. Name of S.I./S.S.I..Depot/Unit..................................
2. Name of Driver..Vehicle No..................................
3. Challan No/Date..
4. No. fo Form No. 5 :..Weight...................................

Prepared by	Received by	Ccuntersigned by
Designation	Designation	S.O./S.S.

Entered Gate Register Page No.................................... S.No.......................................
Date.............................Time.............................

H.S.G./S.G.

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

...........BEGION.................DEPOT

GOODS RECEIPT SHEET

Date of Receipt	Suppller's Name	Purchase Order No. or Indent No.	Packing Note No. or Invoice No.	Description of Goods	Quantity of Weight	Bin Card No.	Store ledger Folio	Remarks

Inspector/SubInspector/Assistant Sub Inspector

BODY BUILDING MANUAL

•

CONTENTS

S.No.	Description	Page
01	Introduction	
02	Chassis Procurement	
03	Bus Body Building Policy	
04	Bus Body Bldg. For Super Express -Blue line	
05	Supply of Readymade passenger 3×2 for Super Express- Blue line	
06	Hi-Tech A.C. Luxury Coaches- Pink line	
07	Hi-tech Non-A.C. Luxury Coaches -Silver line	
08	Sleeper Coaches - Gray line	
09	2×2 - 45 seater Star Line	
10	Approval of material sources used in fabrication of Super Express - Blue line buses.	
11	Abstract schedule of financial powers related to Bus Body Building	

INTRODUCTION

As per Budget provision and requirement of new vehicles, Bus Body Section arranges to fabricate various categories of vehicles after purchasing suitable model of chassis. Presently RSRTC is having following type of vehicles :-

1.	Hi-tech A.C. Luxury Coaches	Pink line
2..	Hi-tech Non-A.C. Luxury Coaches	Silver line
3.	Sleeper Coaches	Gray line
4.	45 Seater 2×2	Star line
5.	Super Express	Blue line
6.	Low cost CTS	Low floor
7.	Low cost District type	

RSRTC provides the specifications and drawings for the vehicles at Sl.No. 5 to 7 and rest of the vehicles being prestigious services of Corporation are fabricated on the firm's specifications and designs incorporating RSRTC's Broad specifications to have latest Technology and Design.

CHASSIS PROCUREMENT

- Inviting the requirement of category-wise new vehicles from the G.M.(Ops) as well E.D. (Traffic).

  Offers are invited from the Chassis Manufacturers viz. M/s Tata Motors Limited and M/s Ashok Leyland Ltd.

- Techno - commercial discussions with Chassis Manufacturers regarding rates, terms, model, presentation of new launches, feed back for previously purchased chassis etc.

- As per budget provision and consolidated requirement submitted by E.D.(Tr), agenda is put up before Board of Directors for finally deciding No. of chassis to be purchased as well ratio of Leyland and Tata chassis.

- Financial implication is approved by Chairman.

- After approval of Board, action of implementation is initiated for placement of purchase orders as per phased delivery schedule.

- Offer for pre-delivery inspection (PDI) of chassis by Chassis Manufacturers.

- After completion / approval of PDI, release order placed on Body builders against work order.

- On submission of Inspection report of PDI of chassis by the Committee, bills submitted by the firm/s are sent to Accounts Department for payment.

BUS BODY BUILDING POLICY

In accordance with the Resolution No. 94-95 of the 169th Meeting dated 14tn & 15tn Dec., 1995 and Resolution No. 20/2000 of the 195tn Meeting dated 31.05.2000 of the Board of Directors, the Bus Body Building Policy is notified as under:-

1.00	Following policy will govern all aspects relating to fabrication of the bus bodies in RSRTC. This policy will come in force from immediate effect.
2.00	As a general rule, tenders should be invited from open market or fabrication of bus bodies. Technical and financial bids should be obtained separately. However, Technical Pre-qualification in respect of approved Body Builders already in panel need not be done every year and their Technical evaluation based on their pre-qualification ratings of last year, delivery performance, penalty imposed on account of delay etc. may be made every year. For new entrants, detail procedure for Technical Pre-qualification be followed. Pre-qualification norms for the tenders should be laid down on the following parameters in order to avoid entry of sub-standard Body Builders. **(a) ORGANISATIONAL CAPABILITIES:** I. Type of organisation whether Individual or Public Limited. II. Mode of participation single / consortium III. When established IV. Nature of business handled V. In-house capability-project management / Design / Supply/ Quality assurance.

	(b)TECHNICAL CAPABILITIES OF THE COMPANY: I. Technical manpower availability and qualification Of the Supervisor; II. Availability of plant and machinery; III. Past experience of similar nature of work; IV. Availability of sister organisation V. Quality control measures available with the company. **(c) FINANCIAL CAPACITY:** I. Annual turnover II. Net worth of company/firm/proprietor III. Assured capacity to raise finances **(d) GENERAL :** Any other information not covered under 'a' to 'c' evaluation of bids received should be made by allotting marks for each parameter and minimum % marks should be laid down for achieving pre-qualification.
2.01	However, in exceptional circumstances such as follows, the work of fabrication may be awarded without calling tenders.
	I. For developing a new design and for trying new Techniques or designs. II. Where a particular type of bus body is considered Necessary and the same is under monopoly. III. Where finalisation of tenders is getting delayed and urgency of requirement warrants awarding work immediately, Limited Tenders from the approved body builders considered earlier should be invited.

2.02	All such cases where fabrication work is awarded without calling for tenders, should be with prior approval of Chairman.
2.03	BBC with the approval of Chairman may award the work of fabrication of A.C. & Hi-tech deluxe bus bodies from established builders of repute either through open tender or by direct negotiations, as may be considered appropriate.
3.00	Where open tenders are invited, the same will be opened by a Tender Opening Committee consisting of following: I. HOD, In-charge of the Body Building work; II. Executive Manager(Body Bldg) III. Executive Manager (Stores) IV. Executive Manager (Payment)
4.00	It is suggested that finalisation of the tender will be done by the Body Building Committee (BBC) consisting of the following, but rates will be finally approved by the Chairman of the Corporation. I. Managing Director — Chairman II. F.A. &C.A.O — Member III. HOD of Stores Purchase — Member IV. One Senior Officer nominated by Chairman — Member V. HOD, In-charge of Body Building work — Member Secretary
4.01	Chairman should hold meetings of BBC under his Chairman-ship as and when convenient
4.02	Rates should be separately decided for each make of chassis.
4.03	Tenders should be invited for fixed quantity. Rates should be valid for 12 months or for specified quantity, whichever is later.

4.04	Where it is considered necessary in the interest of Corporation previously accepted rates may be extended for a specific quantity or period with the prior approval of Chairman. Such cases should be reported to the Board of Directors.
5.00	Only tried and reputed body builders should be patronised so that quality is not compromised.
5.01	New body builders should be awarded work only after factory inspection and ensuring that all necessary techniques and machines are appropriately available.
5.02	New body builders who have qualified in the open tenders and have inadequate experience of passengers transport bus bodies, should be given only maximum two chassis as proto. Only after trying their performance during the warranty period, further orders should be placed.
6.00	Stage inspection should be carried out while the fabrication work is in progress at different stages.
6.01	Surprise inspection should also be undertaken to ensure proper quality.
6.02	Where material used is found to be sub-standard or contrary to specifications or workmanship is substantially defective. The body builder should be black-listed.
6.03	Samples should be obtained and sent for laboratory tests from time to time. In a few cases, samples should also be collected after a bus body has been completed and delivered. This should be done on surprises basis even if the same requires dismantling part or whole of the body.
7.00	Chassis should be sent directly from chassis supplier to body builders and buses after fabrication of bus bodies should be directly dispatched from the body builders to the depots/ Head-office, Jaipur.

7.01	Temporary / permanent registration, pre-delivery inspection and any other inspection / servicing etc. should be undertaken either at the Chassis Manufacturers or at the body builders premises so that there is no need to keep the chassis or the bus waiting for any formalities at Head-office or any other office.
7.02	Responsibility of collecting /dispatching chassis / bus should either rest on chassis manufacturers or body builders.
8.00	Drawings, specifications and terms & conditions of bus bodies will be recommended by BBC and approved by Chairman of the Corporation.
8.01	Specifications of material to be used in fabrication of bus bodies will also be specified by the BBC. It should be specified in terms of specifications and make (where necessary) and BIS standards. Wherever quality considerations demand tolerance limit prescribed by the BIS may be altered for the better. It should be ensured that no manufacturer / supplier of material for body fabrication gets into monopoly situation, by mentioning alternate sources of supply of material.
8.02	Where specified items are not available in the market, the body builders may seek and obtain prior approval of BBC for using alternate material / makes of items.
9.00	Total number of bus bodies to be given to a bodybuilder should be recommended by BBC keeping in view of capacity, performance and Corporation's time schedule of requirement and approved by Chairman. This should be done make wise i.e. Tata / Leyland. Allotment of chassis as per decision of BBC should also be carried out by BBC.

10.00	All penalties leviable or refund thereof should be recommended by BBC after due opportunity for hearing to a body builder concerned and approved by Chairman of the Corporation.
11.00	Advance payment may be made to the body builders as per terms of agreement.
12.00	Normally a body is required to be made in specified number of days. This period should count from the date the chassis is lifted by the body builder or delivered to him in terms of contract. However, where lifting is delayed deliberately by the body builder, the same should count against him.

BUS BODY BUILDING FOR SUPER EXPRESS- BLUE LINE BUS BODIES

- Open tenders are invited on all India Leading Newspapers as well website.Technical bids and Financial bids are invited separately.

  Preparation of bus bodies tender documents comprising of following parts :-

  TECHNICAL BIDS:

1.	Part-I related to General Condition of Technical capability.	Annx. A
2.	Part-II related to Technical Questionair formates.	Annx. B

- Besides specifications, material sources for few / vital items used in bus body fabrication are also provided to the body builders.
- Technical bids opened at the schedule date and time.
- Technical Evaluation - Factory inspection of New Entrants carried out by the Committee constituted by M.D. Annx. C
- Evaluation of firms already approved in panel are also made as per past performance etc.
- Finally panel of body builders after evaluation is approved by BBC.

DEPARTMENTAL COSTING OF BUS BODY FABRICATION (Annex.D)

- Costing of bus bodies which are fabricated on RSRTC specifications and drawings is worked out in detail on the following points.

1. Material cost
2. Labour cost
3. Over head cost
4. Profit margin

FINANCIAL BIDS:

1.	Tender form	Annx. 'E'
2.	Terms & conditions	Annx. 'F '
3.	Specifications	Annx. 'G '
4.	Drawings	Annx. ' H'

- Financial bids opened only of approved body builders.
- Techno commercial discussions held with the approved body builders.
- Counter offer given to the body builders, if needed.
- Consent of body builders is sought.
- After receipt of consent of the body builders, case is put up before BBC for rates for fabrication of bus bodies and allotment of chassis approved by Chairman.
- Body builders are called for Execution of Agreement on stamp paper of Rs.100/- Annx. I
- Placement of work order Annx. J
- Issuing of chassis to the body builders against work order, Release order issued as per availability of chassis. Annx. K
- Factory Insurance, Bank guarantee on a/c of 5% S.D., Trust bond etc. are obtained.

INSPECTION OF BUS BODIES: Annx. L

- Stage wise inspection carried out by a Committee of Technical Officers during fabrication.
- Collection of random samples

- Sent to CIRT, Pune for testing.
- On failure of samples, testing charges and pro rata material cost are recovered from the body builders.
- Material sources are deleted from the approved list of material on three failure reports.
- After 1st stage - structure inspection, E.D.(Tr) is informed for depot/s allotment of the new vehicles.
- Completed vehicles after final inspection are received at Head-office, Jaipur.
- GRs is prepared and drivers from allotted depots are called for delivery of vehicles to the depots.
- After receipt of final inspection report by the Committee, Inspection note is prepared and Bills submitted by the body builders along with receipt of gate pass are forwarded to the Accounts Department for payment purpose.

WARRANTY:

- Warranty of bus body is 1 year or 1.5 lacs km. whichever is later.
- Reported defects if not attended during warranty period, SD is forfieted.
- Adjustment of with-held amount on a/c of late delivery, any penalty etc. are made after giving proper opportunity to the firms.
- On successful completion of warranty, S.D. is refunded.

ARBITRATION

- In case of any dispute in the between RSRTC and the firms, the matter will be referred to the Sole Arbitrator who is the Chairman of the Corporation.

PASSENGER SEATS :

- High back non-reclining readymade passenger bus seats are supplied by the RSRTC through Seat Suppliers/ Manufacturers in phased manner, fitted by body builders.

SUPPLY OF READYMADE PASSENGER BUS SEATS FOR SUPER EXPRESS - BLUE LINE BUS BODIES

- Open tenders are invited on all India Leading Newspapers as well website.
- Technical bids and Financial bids are invited separately.
- Preparation of bus bodies tender documents comprising of following parts :-

TECHNICAL BIDS:

1.	Part –I related to General Condition of Technical capability.	Annx.M
2.	Part-II related to Technical Questionnaire formats.	Annx.N

- Samples of readymade seats are submitted by the firms alongwith Technical bids which are viewed by the Senior Officers at the time of Technical bids.
- Technical bids opened at the schedule date and time.
- Technical Evaluation Factory inspection of New Entrants carried out by the Committee constituted by M.D. Annx.C
- Evaluation of firms already approved in panel are also made as per past performance etc.
- Finally panel of Seat Suppliers/ Manufactures after evaluation is approved by BBC.

FINANCIAL BIDS:

1.	Tender form	Annx. O
2.	Terms & conditions	Annx. P
3.	Broad Specifications	Annx. Q
4.	Drawings	Annx. R

- Financial bids opened only of approved Seat Suppliers/ Manufacturers.
- Techno commercial discussions held with the approved Seat Suppliers/ Manufacturers.
- The case is put up before BBC for finalizing rates received from Financial bids for supplier of readymade passenger bus seats and rates & allotment of No. of set of seats approved by Chairman.
- Seat Suppliers / Manufacturers are called for Execution of Agreement on stamp paper of Rs.100/- Annx. S
- Placement of Purchase order Annx.T
- Delivery schedule is given to the firms in phased manner against Purchase order.
- Bank guarantee on a/c of 5% S.D. etc. are obtained.

INSPECTION OF SEATS:

- Inspection is carried out by a Committee of Technical Officers on offer of the firms prior to dispatch of the seats.
- Collection of random samples
- Sent to CIRT, Pune for testing.
- On failure of samples, testing charges and pro rata material cost are recovered from the Seat Suppliers.
- After receipt of final inspection report by the Committee of bus bodies and receipt given by the body builders for seats received in OK condition, Bills submitted by the Seat Suppliers along with receipt of body builders and relevant documents are forwarded to the Accounts Department for payment purpose.

WARRANTY:

- Warranty of bus seats is 2 year or 3 lac km. whichever is later.
- Reported defects if not attended during warranty period, SD is forfieted.
- Adjustment of with-held amount on a/c of late delivery, any penalty etc. are made after giving proper opportunity to the firms.
- On successful completion of warranty, S.D. is refunded.

ARBITRATION

- In case of any dispute in between RSRTC and the firms, the matter will be referred to the Sole Arbitrator who is the Chairman of the Corporation.

BUS BODYBUILDING

FOR HI TECH A.C. LUXURY COACHES - PINK LINE

- Open tenders are invited on all India Leading Newspapers as well website.
- Technical bids and Financial bids are invited separately.
- Preparation of bus bodies tender documents comprising of following parts :-

TECHNICAL BIDS:

1.	Part -I related to General Condition of Technical capabiliy.	Annx. U
2.	Part-II related to Technical Questionnaire formats.	Annx. V

- Technical bids opened at the schedule date and time.
- Technical Evaluation Factory inspection of New Entrants carried out by the Committee constituted by M.D. Annx._C
- Evaluation of firms already approved in panel are also made as per past performance etc.
- Finally panel of body builders after evaluation is approved by BBC.

FINANCIAL BIDS:

Tender form	Annx. W
Terms & conditions	Annx. X
Broad Specifications	Annx. Y
Drawing of seat layout	

- Financial bids opened only of approved body builders. Rates are invited with the option of A.C. plants, heating system, 2×2 readymade reclining passenger seats.
- These type of bus bodies are fabricated on the firms' own design and specifications with the insertion of Broad specification of RSRTC

- Techno commercial discussions held with the approved body builders.
- Counter offer given to the body builders, if needed. Consent of body builders is sought.
- After receipt of consent of the body builders, case is put up before BBC for rates for fabrication of bus bodies and allotment of chassis approved by Chairman.
- Body builders are called for Execution of Agreement on stamp paper of Rs.100/-.

  Annx. Z-1
- Placement of work order Annx. Z-2
- Issuing of chassis to the body builders against work order, Release order issued as per availability of chassis. Annx. K
- Factory Insurance, Bank guarantee on a/c of 5% S.D., Trust bond etc. are obtained.

INSPECTION OF BUS BODIES:

- Stage wise inspection carried out by a Committee of Technical Officers during fabrication.
- After 1st stage - structure inspection, E.D.(Tr) is informed for depot/s allotment of the new vehicles.
- Completed vehicles after final inspection are received at Head-office, Jaipur.
- GRs is prepared and drivers from allotted depots are called for delivery of vehicles to the depots.
- After receipt of final inspection report by the Committee. Inspection note is prepared and Bills submitted by the bodybuilders along with receipt of gate pass are forwarded to the Accounts Department for payment purpose.

WARRANTY:

- ☞ Warranty of bus body is 1 year or 2 lacs km. Whichever is later. However, structure warranty is 5 years or 7 lacs km whichever is later.
- ☞ Reported defects if not attended during warranty period, SD is forfieted.
- ☞ Adjustment of with-held amount on a/c of late delivery, any penalty etc. are made after giving proper opportunity to the firms.
- ☞ On successful completion of warranty, S.D. is refunded.

ARBITRATION

- ☞ In case of any dispute in the between RSRTC and the firms, the matter will be referred to the Sole Arbitrator who is the Chairman of the Corporation.

Bus body building for Hi.Tech Non AC Luxury Coaches-Silver Line

- ☞ Open tenders are invited on all India Leading Newspapers as well website.
- ☞ Technical bids and Financial bids are invited seperately.
- ☞ Preparation of bus bodies tender documents comprising of following parts:-

TECHNICAL BIDS:-

1.	Part-I related to General Condition of Technical capability,	Annx.'u'
2.	Part-II related to Technical Questionair formats.	Annx.'v'

- ☞ Technical bids opened at the schedule date and time.
- ☞ Technical Evaluation - Factory inspection of New Entrants carried out by the Committee consituted by M.D. Annx.'c'
- ☞ Evaluation of firms already approved in panel are also made as per past performance etc.
- ☞ Finally panel of body builders after evaluation is approved by BBC.

FINANCIAL BIDS:

1.	Tender form	Annx. W
2.	Terms & conditions	Annx. X’
3.	Broad Specifications	Annx. Z-3
4.	Drawing of seat layout	Annx. Z-4

- Financial bids opened only of approved body builders. Rates are invited with the option of 2×2 readymade reclining passenger seats.
- These type of bus bodies are fabricated on the firms’ own design and specifications with the insertion of Broad specification of RSRTC
- Techno commercial discussions held with the approved body builders.
- Counter offer given to the body builders, if needed. Consent of body builders is sought.
- After receipt of consent of the body builders, case is put up before BBC for rates for fabrication of bus bodies and allotment of chassis approved by Chairman.
- Body builders are called for Execution of Agreement on stamp paper of Rs.100/-. Annx. Z-5
- Placement of work order Annx.Z-6
- Issuing of chassis to the body builders against work order, Release order issued as per availability of chassis. Annx. K
- Factory Insurance, Bank guarantee on a/c of 5% S.D., Trust bond etc. are obtained.

INSPECTION OF BUS BODIES:

- Stage wise inspection carried out by a Committee of Technical Officers during fabrication.
- After 1st stage - structure inspection, E.D.(Tr) is informed for depot/s allotment of the new

vehicles.

- Completed vehicles after final inspection are received at Head-office, Jaipur.
- GRs is prepared and drivers from allotted depots are called for delivery of vehicles to the depots.
- After receipt of final inspection report by the Committee, Inspection note is prepared and Bills submitted by the body builders along with receipt of gate pass are forw ded to the Accounts Department for payment purpose.

WARRANTY:

- Warranty of bus body is 1 year or 2 lacs km. Whichever is later. However, structure warranty is 5... years or 7 lacs km whichever is later.
- Reported defects if not attended during warranty period, SD is forfeited.
- Adjustment of with-held amount on a/c of late delivery, any penalty etc. are made after giving proper opportunity to the firms.
- On successful completion of warranty, S.D. is refunded.

ARBITRATION

- In case of any dispute in between RSRTC and the firms, the matter will be referred to the Sole Arbitrator who is the Chairman of the Corporation.

BUS BODY BUILDING

FOR SLEEPER COACHES GRAY LINE

- Open tenders are invited on all India Leading Newspapers as well website.
- Technical bids and Financial bids are invited seperately.
- Preparation of bus bodies tender documents comprising of following parts :-

TECHNICAL BIDS:

1.	Part -I related to General Condition of Technical capabiliy	Annx. U
2.	Part-II related to Technical Questionair formates.	Annx.V

- Technical bids opened at the schedule date and time.
- Technical Evaluation Factory inspection of New Entrants carried out by the Committee constituted by M.D. Annx.C
- Evaluation of firms already approved in panel are also made as per past performance etc.
- Finally panel of body builders after evaluation is approved by BBC.

FINANCIAL BIDS:

1.	Tender form	Annx. W
2.	Terms & conditions	Annx. X
3.	Broad Specifications	Annx. Z-7
4.	Drawing of seat layout	Annx. Z-8

- Financial bids opened only of approved body builders. Rates are invited with the option of heating system, 2×1 readymade reclining passenger seats and sleeper berths, and air suspension system provided by RSRTC through M/s Wheels India Ltd..

- These type of bus bodies are fabricated on the firms' own design and specifications with the insertion of Broad specification of RSRTC
- Techno commercial discussions held with the approved body builders.
- Counter offer given to the body builders, if needed.
- Consent of body builders is sought.
- After receipt of consent of the body builders, case is put up before BBC for rates for fabrication of bus bodies and allotment of chassis approved by Chairman.
- Body builders are called for Execution of Agreement on stamp paper of Rs. 1OO/-.

  Annx. Z-9
- Placement of work order Annx.Z-10
- Issuing of chassis to the body builders against work order, Release order issued as per availability of chassis. Annx. K
- Factory Insurance, Bank guarantee on a/c of 5% S.D., Trust bond etc. are obtained.

INSPECTION OF BUS BODIES:

- Stage wise inspection carried out by a Committee of Technical Officers during fabrication.
- After 1st stage - structure inspection, E.D.(Tr) is informed for depot/s allotment of the new vehicles.
- Completed vehicles after final inspection are received at Head-office, Jaipur.
- GRs is prepared and drivers from allotted depots are called for delivery of vehicles to the depots.
- After receipt of final inspection report by the Committee, Inspection note is prepared and Bills submitted by the body builders along with receipt of gate pass are forwarded to the

Accounts Department for payment purpose.

WARRANTY:

- Warranty of bus body is 1 year or 2 lacs km. Whichever is later. However, structure warranty is 5 years or 7 lacs km whichever is later.
- Reported defects if not attended during warranty period. SD is forfeited.
- Adjustment of with-held amount on a/c of late delivery, any penalty etc. are made after giving proper opportunity to the firms.
- On successful completion of warranty, S.D. is refunded.

ARBITRATION

- In case of any dispute in between RSRTC and the firms, the matter will be referred to the Sole Arbitrator who is the Chairman of the Corporation.

BUS BODY BUILDING

FOR 2×2 - 45 SEATER COACHES - STAR LINE

- ☞ Open tenders are invited on all India Leading Newspapers as well website.
- ☞ Technical bids and Financial bids are invited seperately.
- ☞ Preparation of bus bodies tender documents comprising of following parts :-

TECHNICAL BIDS

1.	Part -I related to General Condition of Technical capability.	Annx. U
2.	Part-II related to Technical Questionair formates.	Annx.V

- ☞ Technical bids opened at the schedule date and time.
- ☞ Technical Evaluation - Factory inspection of New Entrants carried out by the Committee constituted by M.D. Annx.C
- ☞ Evaluation of firms already approved in panel are also made as per past performance etc.
- ☞ Finally panel of body builders after evaluation is approved by BBC.

FINANCIAL BIDS:

1.	Tender form	Annx. W
2.	Terms & conditions	Annx. X
3.	Broad Specifications	Annx.
4.	Drawing of seat layout	Annx. Z-11

- ☞ Financial bids opened only of approved body builders. Rates are invited with the option of 2×2 readymade reclining passenger seats.

- These type of bus bodies are fabricated on the firms' own design and specifications with the insertion of Broad specification of RSRTC
- Techno commercial discussions held with the approved body builders.
- Counter offer given to the body builders, if needed.
- Consent of body builders is sought.
- After receipt of consent of the body builders, case is put up before BBC for rates for fabrication of bus bodies and allotment of chassis approved by Chairman.
- Body builders are called for Execution of Agreement on stamp paper of Rs.100/-.
- Placement of work order
- Issuing of chassis to the body builders against work order, Release order issued as per availability of chassis.
- Factory Insurance, Bank guarantee on a/c of 5% S.D., Trust bond etc. are obtained.

INSPECTION OF BUS BODIES:

- Stage wise inspection carried out by a Committee of Technical Officers during fabrication.
- After 1st stage - structure inspection, E.D.(Tr) is informed for depot/s allotment of the new vehicles.
- Completed vehicles after final inspection are received at Head-office, Jaipur.
- GRs is prepared and drivers from allotted depots are called for delivery of vehicles to the depots.
- After receipt of final inspection report by the Committee, Inspection note is prepared ;md Bills submitted by the body builders along with receipt of gate pass are forwarded to the Accounts Department for payment purpose.

WARRANTY:

- Warranty of bus body is 1 year or 2 lacs km. Whichever is later. However, structure warranty is 5 years or 7 lacs km whichever is later.
- Reported defects if not attended during warranty period, SD is forfieted.
- Adjustment of with-held amount on a/c of late delivery, any penalty etc. are made after giving proper opportunity to the firms.
- On successful completion of warranty, S.D. is refunded.

ARBITRATION

- In case of any dispute in between RSRTC and the firms, the matter will be referred to the Sole Arbitrator who is the Chairman of the Corporation.

APPROVAL OF MATERIAL SOURCES USED IN FABRICATIION OF SUPER EXPRESS - BLUE LINE BUSES

- Applications are invited through publication from the Material Manufacturers / Suppliers for a few / vital items.
- On receipt of applications / offers with samples so received are compiled item wise.
- The matter is put up before BBC for decision for approval of items and recommended by BBC and approved by Chairman.
- After approval of the items, firms and body builders are informed accordingly to use the approved sources material. Annex. Z-12.

Abstract of Schedule of Financial Powers Related to Bus Body Bldg

SI. No	Description	Chairman	Managing Director	Head of Deptt (ED Engg.)	Remarks
(i)	Purchase of Chassis/buses	Full powers			As per approval ofchassis purchase plan by the board of Directors
(iii)	Agreement for fabrication of bus body	Full powers on the recommendation of BBC			
(iv)	After opening of tenders/quotations, discussions regarding terms and conditions, rates and anyother information etc. with the firms	Full powers delegated to the competent authority for approval			
2(ii)	Complete repairs of heavy				

	assemblies/vehicles from outside agencies in case of non-availability of in-house facilities for reconditioning.			
	(a) On inviting open tenders	Full Powers	Full powers	
	(b) On limited Tenders	Full Powers	Rs. 1.00 lac in each case	Rs. 50.000- in each case by financial concurrence of Accounts
6.	**Powers Regarding Tenders Etc.**			
	(i) Acceptance of tenders/ proforma/ quotations without earnest money/ security deposit		Full power with concurrence of FA	
	(ii)Waving of damages	50% of damages	50% of damages	50% of damages

	(Harzana) on the basis of justified and documentary reasons	upto Rs.20,000/ maximum.	upto Rs.10,000/ maximum.	upto Rs.2,000/ maximum.
	(iii)Forefeiture of Earnest Money/security Deposit	Full powers delegated to the competent authority who accepts the tenders,		
	(iv) Extension of agreement and delivery period on the basis of justified and suitable documentary proof.	Full powers	Full powers	Upto 30 days
7(viii)	Payment of fee in case of arbitration			
	(a) To Arbitrator	Rs. 20,000/- in important and typical cases	As per approved parameters.	
	(b) to Advocates		As per	

			approved parameters and upto Rs.10,000/- in case of important and typical cases	
9 (iii)	Condemnation of Vehicles	-	Full Powers	Full powers to GM (Pr) under the following terms and conditions: (i)On completion of stipulated life/period period for condemnation of vehicles by the Corporation. (ii)On reco- _ -

				mmenda- tion of the Commi- ttee after inspect- ion and apparoval of conde- mned ve- hicles time to time.	-
10(ii)	Deposit/ refund of Security deposit/ Earnest Money	Full powers to competent authority who signs the agreement after successful completion of contract/agreement by financial concurrence.			
14(iv)	Expenditure reg. programmes, semi- nars,functions, trai- ning &meetings etc	Full Powers	Rs. 1.00 lakh in each case.	Rs.8,000 in each case and annual limit upto Rs.20,000/-	_
14 (viii) (b)	Classified advertisement	_	_	HOD (Adm) Full powers approved rates.	_

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

PARIVAHAN MARG, CHOMU HOUSE

JAIPUR : 302001

No. F.S. (854)/EM;BB/2004-05/ Dated the _______________

M/s______________________________

____

____

____

Sub : Tender documents for the fabrication of SUPER EXPRESS TYPE "BLUE-LINE" for the year 2004-05..

Dear Sir

With reference to your letter dated ______________________ and receipt of Rs. ____in the form of CASH / DD No. ____________ dtd_________________ the following Tender Documents are being enclosed herewith:

A TECHNICAL PRE 'QUALIFICATION TENDER DOCUMENTS:

I. PART - 1 related to General Condition of Technical Capability

II. PART II related to Technical Questionair formats.

B- FINANCIAL TENDER DOCUMENTS:

I. Tender Form

II. Terms and Conditions

III. Specifications

IV. Drawing

The last date of receipt of TENDER DOCUMENTS is 25.00.2004 upto 3.00 PM which shall be opened on the same day at 3.30 PM.

Enclosures : As above

Executive Manager(Body Bldg)

RAJAS.THAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

PARIVAHAN MARG, CHOMU HOUSE,

JAIPUR 302001

No.F.5(054)/EM;BB/2004-05/ Dated the _______________

Cost of Financial Tender Form an Gat of Drawings and Specification for fabrication of Super Express type bus bodies ON TATA & LEY LAND CHASSIS.	Date of submission of Tender: 25.08.2004 at 3.00 PM Date of Opening of TDR 25.08.2004 at 3.30PM

Rs.2,000/-(Rupees Two thousand only)
Non transferable..

TENDER FORM for fabrication and supply of Single deck SUPER EXPRESS TYPE BUS BODIES with GI tubular structure on the sides and MS top hat section for roof top, Aluminum, panelling on roof top and below floor level, GP stretch panel from waist rail to floor level on TATA 5195 MM WB with rrs and LEYLAND 5156 MM WB without FES chassis for the year 2004 - 05 without Seats ..

SIGNATURE OF ISSUING OFFICER
WITH DATE AND SEAL OF OFFICE

NAME AND ADDRESS OF THE
FIRM IN WHOSE FAVOUR THE
TENDER FORM IS ISSUED

M/s

____

____

____

INSTRUCTION FOR THE TENDERERS

01 INSTRUCTIONS:

a) Tender must be on the annexed form and alongwith annexed general conditions & schedule duly signed and stamped by the tendarar with seal .

b) Before the tender is delivered, the tenderer must fill in the blank in it and the schedule annexed thereto.

c) Tandar form not accompanied with ANNCXURE SGMCDULF duly filled in all respects, as per the- instructions given below will be liable for rejaction :

02 GENERAL CONDITIONS, GUARANTEE ETC.

Tenderer should refer to the general conditions and in particulars to those relating to guarantee, complation of contract and security deposit.

03 a) The tenderer must quote, his rates separately for TATA AND LEYLAND chassis as per schedule No.I and II and quotations should be kept in separate envelops. The following words should be superscribed on right hand corner of the envelope.

"FINANCIAL TENDER FOR FABRICATION OF SUPER EXPRESS TYPE FUJS BODIES ON, TATA AND LEY LAND CHASSIS DUE ON 25.08.2004

b) The tenderer must quote his rates separately per unit specified on the schedule in figures as well as in words. The rates of sales tax, excise duty or other Govt. levy if a n y , should be specifically indicated . The chassis shall be lifted from ware-house of the chassis suppliers i.e. JAIPUR/ ALWAR and completed bus bodies shall also be delivered at Mead Office, RSRTC, Jaipur by the body builders at their own cost. However, transit insurance shall be

arranged by RSRTC.

No variations in the rates such mistake, misunderstanding etc. will be allowed on any ground after the tender has. been submitted .

c) Tenderers are prohibited from making any addition or alterations in the descriptions mentioned in the schedule or in the columns. They should either quote rates for the articles as described in the schedule or write the words “NO RATES” against each item.

d) The tenderers are requested not to subject their tendars to hadging conditions such as ‘offer subject to the availability of stock’, offer subject to confirmation at the time of order’, rates subject to market fluctuations, offer axfriar stock etc. etc. as such conditions shall disquality the tender.

e) Quotation and remakrs must be either in ink or type written. Tenderers are requested to sign the form of tender, schedules etc. Unsigned tenders shall be rejected. /All correcitons, whatsoever made in the tender shall be rejected. All lcorrecitons, whatsoever made in the tender must be intialled b the tenderers.

f) The corporation reserves the right to reduce or in crease the number of bus bodies to be constructed and sup plied at the time of placing the order during the tenure, of the contract, which will have no corresponding effect on the. rates quoted for the tender.

No change, in the schedules of delivery of bus bodies will be entertained by the Corporation. However, considerations on any point in dispute, will be given by the Managing Director, at his dascration on merits of each case.

04 EARNEST MONEY:

A sum of Rs.25,000/ in the form of CASH / DO in favour of F.A. & C.A.O., RSRTC, Jaipur giving reference of the TENDER NUMBER should be paid as EARNEST MONEY along with PRC-QUALIFICATION TECHNICAL BID. In case of non receipt of EARNEST MONEY of P^s.25,000/ with PRE-QUALIFICATION TFCHNT CAL RID, Financial Tender shall not be considered for OPEN TNG, EVEN IF THE FIRM IS

TECHNICALLY QUALIFIED.

Tender received without EARNEST MONEY shall not be considered on any ground, whether registered with DGS & D or Board of Small Scale Industries/ with CSPO, JAIPUR. Earnest money in the form of FDRs/CHEQUES etc will not be accepted. No interest shall be allowed on this deposit. Earnest money will be deposited will be forfiatad if:-

a) Tne tenderer faij.s to deposit the required security as. prescribed under Clause No.11 of the General conditions of the tender.

b) Tender is withdrawn within the period of its validity of 12 months from the date of opening of the tender.

05 ADDRESSING TENDER:

This financial tender and the accompanying schedules must be submitted in an addressed envelop which must be properly sealed by the tender with their office seal and

“FTANANCIAL TENDER FOR FABRICATION OF SUPER EXPRESS TYPE BUS BODIES ON TATA AND LEYLAND CHASSIS DUE ON 25.R.2004.

TO,

THE EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG)

RAJASTIIAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

HEAD OFFICE, PARIVAHAN,

JAIPUR 302 001

The last date for receipt of TENDER is 25.8.2004 uph PM. Tender should be put in the TENDER BOX placed in chamber of EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG), RSRTC, JAIPUR, nr by REGISTERED/SPEED POST to reach on the aforesaid

06. OPENING OF TENDER:

The tenders received will be deposited in the said TENDER C.;OX. All the tenders will be opened on 25.8.2664 at 3.16 PM in the CONFERENCE HALL, of RSRTC in the presence

of tenderers or their AUTHORISED REPRESENTATIVE who may wish to v/e present.

07 ACCEPTANCE OE TENDER:

The corporation is not bound to accept the lowest or any tenoer, neitner to assign any reasons for the tenders. The tenderer or his part is bound by his offer in part or whose at the option of the Corporation.

08 EARNEST MONEY OE UNSUCCESSFUL TENDERS:

Earnest money deposited by the unsuccessful tenderers will be returned as soon as possible after the tender has been settle/finalised.

09 DISCHARGE OF TENDER CONDITIONS:

The managing Director reserves to himself the right to reject any tender which does not confirm to any of the above mentioned instructions or which does not accept the conditions laid down by RSRTC.

FORM OF TENDER

To ,

The Managing Director,

Rajasthan Stats Road Transport Corporation

Mead Office, Parivahan Marg,

JAIPUR 362 001.

Dear Sir,

Wa the undersigned hereby offer and undertake

1. To fabricate SUPER EXPRESS TYPE BUS BOOTES during the year 2004-05 with GT tubular structure on the sides and MS top hat section for roof top, Aluminium panelling on roof top and below floor level, GP stretch panel from waist rail to floor level on TATA 5195 MM WG with FES and LEYLAND 5156 MM WB without FES chassis to be supplied by the Corporation and supply the complete bus bodies ready for the road as described or mentioned in the drawings, specifications, and schedules annexed hereto in a thoroughly good workmanship like manner, and in strict accordance with terms, provisions, conditions also hereto annexed, and in said drawings specifications first schedule.

2. We hereby undertake to deliver bus bodies complete in all respects mounted on corporation chassis and ready for road at the place and in the manner to be directed by the Managing Director or his Authorised Representative as set-forth in the first and 2nd schedules.

3. We agree that this tender shall remain open, to beaccepted or not, by the Corporation and shall not be with drawn till the expiry of 12 months after the date opening.

4. We agree that payment under the contract shall be on the basis of lumpsum and not by way of measure and value and undertake e a contract agreement to be prepared at our expenses for the proper and complete fulfillment of the terms and conditions, drawings, specifications,

schedule or pricas of this tander and to deposit to a sum aquivalent to 5% of the total value of order or Rs, 25,000/- whichever is higher in the form of DD in favour of r.A. & C. A.O., RCRTC, Jaipur, satforth in the first schedule with the Corporation for securing the due and complete performance of the contract.

As witness

____________________________________hand this___________________________________day of

____________________________________Name____

____________________________________Address_______________________________________

____

SIGNATURE

(The contractor's name to be written in full.)

IST SCHEDULE FOR TATA ONLY OF PRICES TAXES ETC. ON COMPLETE BUS BODY

Tender for fabrication and supply of single dack super express type bus bodies with GI tubular structure GP stratch & Aluminium panalling tata chassis for the year 2004-05

Sr. No.	Particular	basic rata for bus	Excise duty Body	rata of if any	Amount of ST	Total 3,4,6 St	Monthly capa
01	fabrication and supply of single dack super express type bus bodies with GT tubular structure GP starch & aluminium panalling on tata 5195mm WB chassis having 60% ROH with FES without passenger seats:						

Note : Details of E.M. vide DD No. _______________dtd_______________for Rs. 25,000/- drawn on _______________________________(name of bank) passanger seats will be supplied by RSRTC.

Name:_______________________________

Address_____________________________

SIGNATURE OF TENDERER WITH OFFICE SEAL.

Note:

1. Tanderars are requested to furnished the particulars in all columns in words and figures.
2. Over writing cutting arising may render the tenders liable for rejection.

2ND SCHEDULE FOR LEYLAND ONLY PRICES TAXES ETC. ON COMPLETE BUS BODY.

Tender for fabrication and supply of single dack super express type bus bodies with GI tubular structure GP stratch & Aluminium panalling tata chassis for the year 2004-05

Sr. No.	Particular	basic rata for bus	Excise duty Body	rata of if any	Amount of ST	Total 3,4,6 St	Monthly capa
01	fabrication and supply of single dack super express type bus bodies with GT tubular structure GP starch & aluminium panalling on tata 5156mm WB chassis having 58.5% ROH with FES without passenger seats:						

Note : Details of E.M. vide DD No. _______________dtd_______________for Rs. 25,000/- drawn on ______________________________(name of bank) passanger seats will be supplied by RSRTC.

Name:______________________________

Address____________________________

SIGNATURE OF TENDERER WITH OFFICE SEAL.

Note:

1. Tanderars are requested to furnished the particulars in all columns in words and figures.
2. Over writing cutting arising may render the tenders liable for rejection.

PART I
GENERAL CODITIONS RELATING TO TECHNICAL CAPABILITY

1. **INTRODUCTION**

To judge the capability of the Body Bulderswho who are willing to undertake fabrication work of different type of bus bodies, certain technical and financial information is bids of such Body Buildars. The capacity and capability intarastad vody builders. The capacity and capability of account (i) the axpariance and past performance (ii) type and quality of equipments., plants, financial position and availability or expert man power.

2. PRE QUALIFICATIONS.-

The pre qualifications of Contractors shall be judged with regard to:

I) Capability for fabrication of SUPER EXPRESS TYPE BUSES / HI-,TECH BUSES..

3. TECHNICAL CAPABILITY:

3.1 The bidders are required to submit the details with regard to their technical Know how to now Executive Director (Engg.) in PART II of this document. One copy of which may be retained by the applicants.

3.2 An Earnest money of Rs.5,000/- is required to be fur-niSiied oy each Applicant alongwith submission of the application in the form of cash/DD in favour of F.A.&CA.O. RSRTC, Jaipur, The firms who are already registered / technical pre qualified for fabrication of SUPER EXPRESS BUSES in the year 2003- 04 on wards need not deposit the EMD of Rs.5000/-

3.3 The Earnest money of Rs.5,006/- as per Clause No.3.2 is non refundable therefore, the tander must ansure that he is fully equipped with Minimum required plant and machinery as per ANNFXURE- ‘AA’ .

3.4 An earnest money of Rs.25,000/- towards FINANCIAL TENDERS is also required to be submitted in the term of Cash/DD in favour of F.A.&C.A.O., RSRTC, JAIPUR separately

alongwith TECHNICAL PRE-QUALIFICATION DOCUMENTS ONLY, FAILING WHICH THE FINANCIAL TENDERS MAY NOT BE OPENED EVEN AFTER ACCEPTANCE OF PRE-QUALIFICATION EVALUATION.

3.5 The pre qualification application can be obtained from the Office of the Executive Director (Engg) against Cash of Rs.2,000/- in favour of F.A.& C.A.O., RSRTC, JAIPUR.

3.6 The information is required to be furnished in the prescribed formats, in PART-II of the document attached with the application form.

4. INSTRUCTIONS TO APPLICANTS:

4.1. The applicant may be pra-qualified for any one of more type of bus bodies. However he may make only on application in providing the technical details required for the purpose

4.2 Technical information questionnaire, as enclosed harawith should be submitted in duplicate to exacutive directoe (Engg.)by due date and time, indicated in the notice inviting or before prescribed date and time specified in the notice. The envelop shall be. superscribed as "TFCIHNTCAL INFORMATION FOR RUS BODY BUILDING OUF. ON 25.8.2004".

4.2.1 The technical information questionnaira consists of 11 formats pertaining to the items listed below:-

a) Schedule 'A' regarding Organisational set up.

b) Schedule 'B' regaroing Financiau. Status.

c) Schedule 'C' regarding Factory Area, Plant and Machin-

e) Schedule 'D' regarding working experience.

f) Schedule 'E' regarding technical man power availability

g) Schedule 'F' regarding quality assurance measures avalability .

h) Schedule 'G' regarding information regarding litigtion/ debarring / expelling tander. tenderer.

i) Schedule 'H' regarding information regarding sub-

j) Schedule ‘I’ regarding joint venture data,

k) Schedule ‘J’. regarding affidavit.

4.2.2 If so needed the applicants may enclose copy of the documents/ broachers providing the relevant additional

4.2.3 Each page of the Technical information document should be signed by the Applicant or by the Authorised representative

4.3 Incomplete and inappropriatally filled in application are likely to be rejacted.

4.4. If the application is made by a limited company it should be signed by the authorized person holding the ower of the attorney for signing the application a certified copy of the power attorney must also be enclosed with the application such limited company will be required to furnished avidence of its axistance before the contract is awarded.

4.5 In case an application deliberately hides/gives incorrect information about their working capacity and performace or if they have been black listed or debarred by another stu. RSRTC will be fraa to take appropriate action against such defaulting firms.

4.6. The applicant is axpected to be familiar with the latest bus body designing of various types in vogue prafarrably with the type of bus bodies in RSRTC

4.7. An affidavit as prascribed in Schedual ‘J’ is required to be furnished alongwith technical information The applicants ‘attention is explicitly drawn to the fact that, even after pre-qualification of potatial bidders have been carried out, othe bidders may also subit a statement of the changes that may have occurred after submission praqualification.

4.8. The Corporation fully reserves the right to accept or reject any of the prw-qualification application received and will also not be reliable to explain the reason to anybody for the dacision taken by the corporation.

EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG.)
RSRTC, HEAD OFFICE, JAIPUR

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION
HEAD OFFICE PARIVAHAN MARG.
CHOMU HOUSE JAIPUR 302001

TECHNICAL BID DOCUMENT FOR FABRICATION

OR BUS BODIES

PART II
TECHNICAL BID
QUESTIONNAIRE FORMS

3.

BY REGD. POST/ COURIER/HAND

TECHNICAL BID APPLICATION

To,

The Exacutive Director(Engg.)

Rajasthan State Road Tr. Corp.

Parivahan Marg. Chomu House.

Jaipur 302001.

Ref : Tander Notice for bus body building work.

Advertisment No__________________Dated________________________________

Published in____Newspaper

Dear Sir,

Having examined the Technical Bid Documents, we hereby submit all the nevessery information and relavent socuments for pre qualifying us for consideration of financial bids for the undermantioned works as per drawing and spacifications of RSRTC. (Please tick the appropriate serial number)

1. Fabrication of super express tupe bus bodies

The application is made by us on behalf ______________________________(Groups of firms)in the capacity of _______________________duly authorised to submit the offer.

The necessary evidence admissible in law in respect of authority assigned to us on behalf of the group of firms for applying and for completion of the contract document is attached herewith.

We are also submitting our Financial Bids for the work? inoiCtSteG aoove. We unoerstano tnat Corporation reserve.?’ thr? right to reject any application without assigning any reason

Dated the ………………….. SIGNATURE of THE APPLICANT

INCLUDING TITLE AND CAPACITY

IN WHICH APPLICATION IS MADE

Enclosures.

1.

2.

3.

SCHEDULE 'A'
ORGANIZATIONAL SET UP

1.	Name of applicant	:
	Applicant Father's name	:
	Residence Address	:
	Telephone N o./F ax No.	:
2.	Name ot he firm	:
	(In case of the joint)	:
	vanture/consortiun, the	
	name of the lead firm	:
3.	Head Office Address	:
4.	Reginoal Office Address :	:
	(If any)	
5.	Local Office Address	:
	In India (If any.)	
	Telephone No.	:
	Fax No.	:

6. i) Description of Applicant(a.g. fabrication work of coaches

   ii) House facilities available (for design / supply/quality assurance.)

7. Year of incorporation (attach copy of cartificate of ragistration)

8. Name and address of Bankers:

9. Name(s) and address(s) of Principals of Companies to by associated in the project and whether parent/subsidiary etc.

10. Attach an organization chart showing the structure or the Company including names and positions of Directors and kay personal

NOTE:

1. Applicant covers proprietary firm, partnership, Limit-ad Company or Corporation, Joint Venture of Consortium.
2. Particulars of item 2,3,4,5,6,7&G above should be furnished separately for each partnar of joint Venture/Consortium

SCHCDULE 'B'

FINANCIAL STATUS

(To be given separately for each constitant firm of joint venture/consortium) .

1. Name of Applicant (In case of Joint Venture/Consortium, the constituent, firm)

2. Summary of assets and liabilities on the. basis of the audited financial statement of the last three financial years (Attach copies of the audited financial staement of the last three financial years.)

	Year 01-02 Rs.in lac	Year 02-03 Rs. In lac	Year 03-04 Rs. In lac.
a) Asset value			
b) Liquidity position			
c) Current assets			
d) Nat wirth			
e) Working capital			
f) Paid by capital			
g) Assured capacity to Taise finance loans And market borrowings			

3. Turnover of fabrications works undertaking the last 3 years a no projected turnover for the currant year.

(RUPEES IN LACS)

Current Year	1 year before	2 year before	3 year before

4. Prfits before Tax.

a) Profits earned during the last 3 years.

b) Please enclose a copy of the last year audited & balance sheet P&L/ A/ C

c) Please enclose a latest copy of Income. Tax clearanceCartificate

5. Applicants specific financial bias (mention amount in Indian Rupees)

a) Equity Capital

b) Loan Capital

c) Markting Borrowing and others.

6. Credit facilities

a) Name/ address of schedual Bank providing Credit limits

b) Total amount of credit limit?, (please attach Certificate from the Bank)

7. Details of working experiences.

Note:

All items should be properly filled in where any particular items is not applicable it should be clearly mentioned as 'Not Applicable'

SCHEDULE 'C'

FACTORY AREA AND PLANT & MACHINARY

Name of the Applicant ____

____

____

1. SHED:

a) Factory ARea

I. Top cover with pucca flooring

II. Top cover with kutcha flooring

III. Without shad and kutch flooring

2. PRESS BRAKES AVAILABILITY (PLEASE MENTION CAPACITY)

i)

ii)

3. SHEATING MACHINE

a) Capacity

b) Thickness

4. WELDING EQUIPMENT

Type	Capacity	NOS.

a) Mig.

5. AIR COMPRESSOR

Nos. of air comprassors

Available and their capacity

6. D.G. Sat: No. ………….. Capacity…….

7. BENDING AND SLOTTING MACHINE:

a) Hand operated

b) Machine operated

8. PAINTING SYSTEM TYPES:

a) Close

b) Open

c) Paint baking

09. RIVETTING ARRANGMENT NO. OF MACHINERY AVAILABLE

a) Pnaumatic rivatting

10. Phosphating : Please spacify

a) Nine tank with hot water rinsing

b) Saven tank with water system

c) Chamical baing used

11. Chromotising plant …… No. of tanks.

12. Fire fighting aquipment

13. BATTERY CHARGER

Capacity of battery charge

To charge the batteries at a time

14. WATER LEAKAGE TEAST ARRANGEMENTS :

a) Showing tasting of complete vechicle at a time

b) Car washer tasting

15. Type inflating arrangement

16. Penal stretching machine availability and their capacity details

17. Any other equipment which may be available, may please be provided, for constructions of quality of Body Building.

SCHEDULE 'D'

WORKING EXPERIENCE

(TO BE GIVEN SEPARATELY FOR EACH CONSTITUENT FIRM OF JOINT VENTURE/ CONSORTIUM)

NAME OF THE FIRM

1. Numbers of years and experience in fabrication of passenger vehicles

2. Nos. and type of passenger vehicles fabricated during the last 3 years.

Period	**Type of Bus bodies**	**RSRTC**	**Other STUs**	**Private Operators**

SCHEDULE 'F'

TECHNICAL MAN POWER AVAILABILITY

NAME OF APPLICANT

1. Skilled staff available on roll

2. Unskilled staff available on roll

3. Availaibility of Supervisors and their qualifications

4. Information regarding key personnel

Name	Age	Year of experience of the applicant	Education	Proposed	Relevant Exp.

SCHEDULE 'F'

QUALITY ASSURANCE MEASURES AVAILABILITY

NAME OF THE APPLICANT

Whether following quality assurance equipments are available, if yes, indicate quantity and capacity of each equipment

1. Phosphating depth measuring equipment
2. Painting depth measuring equipment
3. Micrometer
4. Varniar Calipars
5. Hardness Testing Machine
   a) Brinall
   b) Rock Wall
6. Any other (with capacity and make)

SCHEDULE 'G'

INFORMATION REGARDING LITIGATION/DEPARRING/ EXPELLING OF TENDER

1. a) Is the applicant currently involved in any Yes/No Litigatyions/Arbitration relating to the contract works.

   b) If yes, give details

   i) With RSRTC

   ii) With others

2. a) Has the applicant or any of its constitutent Yes/No Partners been debarted/explained by anyt Agency in India, during the last 3 years.

   b) If yes, give details

3. a) Has the applicant or any of its constituent Yes/No partners failed to perform on any contract work in India during the last 3 years.

   b) If yes, give details

Note: If any information in this schedule is found to be incorrect or concealed, pre-qualification application may be rejected.

SCHEDULE 'H'

INFORMATION REGARDING SUB-CONTRACTING

1. Would you sub-contract any part or work Yes/No

   If yes, than

2. Type of work pro9posed to be sub contracted

3. Give names of the sub-contractors and their particulars.

4. Give names of the specialized contractors which are proposed to be associated indicating the nature of work.

SCHEDULE 'I'

JOINT VENTURE DATA

1. Name(s)
2. Head office Address

   Talex No. Cable Address

   Telephone No.

   Fax No.
3. Local/Regional Address (If any)

   Talex No. Cable Address

   Telephone No.

   Fax No.
4. Names of Partners

   a)

   b)

   c)

   d)

   e)

   Details about constituent firms to be provided on separate sheets
5. Name(s) if lead firm

   a)

   b)
6. Joint venture agreement

a) Data of Agreement

b) Place

7. Proposed distribution of responsibilities among constituent firms.

   a) Financial Distribution

   b) Work distribution

SCHEDULE 'J'

AFFIDAVIT

(TO BE GIVEN SEPARATELY BY EACH PARTNER OF JOINT VENTURE)

1. I, the undersigned do hereby certify that all the statements made in the required attachments are true and correct.
2. The undersigned also hereby certifies that neither our firm M/s___ nor any of its constituents partners have abondened any work on any state transport undertakings in India nor any contract awarded to us for such works has been rescined, during last 3 years prior to the data of this bid.
3. The undersigned hereby authorise(s) and request(s) any bank, person, firm or corporation to furnish partinent information deemed necessary and requested by the department to be verify this statement or regarding by (our) competence and general reputation.
4. The undersined understands and agrees that further qualifying information may be requested, and agrees to furnish any such information at the request of the department/projection implementing agency.

(Signed by an Authorised officer of the firm)

(Title of the officer)

Name of the Firm

Date

ANNEXURE 'AA'

LIST OF MINIMUM REQUIRED PLANT AND MACHINERY

1. **PHOSPHATING PLANT**

   7/9 TANK phosphating plant with proper heating arrangement and water rinsing arrangement as per IS:3818:1960 of latest.

2. **CHROMOTISING PLANT**

3. Shower tasting of complete vehicle : IS

4. Battery charges of suitable capacity

5. Air compressor of high capacity alongwith tyre infiating arrangement.

6. Panel stratching machine.

7. Prass brake machine of capacity.

8. Sheering machine of capacity mm thick.

9. Mig walding equipments 2 Nos. minimum

10. DG Set

11. Suitable painting booth with spray painting arrangement

12. Suitable fixature for banding or roof sticks, pillars etc.

13. Pnaumatic rivetting machine minimum 4 nos.

14. Portable drill m/c, grinders and other hand tools required for fabrication work.

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION,

HEAD OFFICE, PARIVAHAN MARG,

JAIPUR 302 001

TERMS AND CONDITIONS OF FINANCIAL TENDER AND CONTRACT FOR BUILDING AND SUPPLY OF SUPER EXPRESS TYRE – BLUE LINE BUS BODIES ON TATA / LEYLAND CHASES

These conditions should be read ery carefully by the tanderers while filling in their tenders

A. In the following general conditions and broad specifications and expresion ‘CORPORATION” shall mean RAJASTHAN STATIC ROAD TRANSPORT CORPORATION. The Managing Director shall be the Managing Director of RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION, JAIPUR. The contractor shall mean the person of persons, company of firm, whose tender shall be accepted by the Corporation. The ‘Work’ comprising of or referred to in these conditions, specifications, drawings and schedules of prices, which are intanded to executed and iperformed by the contractor. The singular number shall include the plural and masculine gender shall include the faminina. The specifications are intanded to be explantory of the work required to be done but should any discrapancies or commissions appear or any thing contained in the specifications, the explanation of the Managing Director shall be final and binding on all the parties.

B. I, sealed tender should be addressed to the EXECUTIVE DIRECTOR (ENGC,.) and be submitted on the prescribed tender form duly enclosed and properly sealed in double covers. shall not be considered. Tenders, may either be handed over personally at the above office after obtaining a receipt of the same or be sent by the REGISTERED POST. The outer cover containing the tender should be marked as :

“FIANANCTAL TENOFR FOR FABRICATION OF SUPER EXPRESS TYPE BUS BODIES ON TATA AND LEYLAND CHASSIS DUE ON 25.8.2004.”

TO,

EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG)

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

HEAD OFFICE, PARIVAHAN BHAWAN,

JAIPUR 302 001

II. Financial tenders should he submitted before the prescribed hours and date and must be accompanied by EARNEST MONEY of Rs.25,000/- for SUPER EXPRESS TYPE -BLUE LINE- BUS BODIES in the form of CASH/DD in favour of F.A.&C.A.O.

RSRTC, Jaipur as per clause No.4 of TENDER FORM. The earnest money shall bear no interest. Earnest money in the form of FDRs/CHEQUES etc. shall not be accepted. Tender received after the prescribed hour and date are liable to be rejected.

The tender submitted shall not be considered in case of non deposition of earnest money or on any ground, whether registered with DGS & D / Board of small scale Industries or with CSPO, Jaipur i.e. Tenders without EARNEST MONEY iwll stand rejected.3

In respect of unsuccessful tenderers, EARNEST MONEY will be refunded. But in respect of successful tenderrers the EARNEST MONEY SHALL BE ADJUSTED towards security deposit.

III. The last data of receipt of financial tenders is 25.8.2004 upto 3.00 pm.

C. The contractor shall be deemed to have carefully examined the conditions, broad specifications, size and drawings etc. of the busbodies to be fabricated, if he has any doubt as to the meaning of any of these conditions or of the specifications, drawings, etc. shall before submission of tender, refer to the EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG.) and get the

clarification from him in writing. The interpretation of the Managing Director on this behalf shall be final and binding on the tenderers.

The tender documents alongwith broad specifications and drawings for the bus bodies to be fabricated may be purchased on the payment basis as indicated in the tender form.

D. The rates for fabrication of bus bodies shoudl be quoted par unit and must not under any circumstances be altered and the rates must be antered in words as well as in figures.

Any INCREASE IN GOVERNMENT LEVIES ON BUS BODY shall be payable to body builders on production of proof to the satisfaction of the Corporation.

E. The tenders should sign the tender form and all these papers, terms and conditions, in token of having accepted all the terms and conditions of tender and contract and should also enclose the same with the tender.

F. Tender should be filled in with ink or type written. Tender filled by pencil otherwise shall be rejected. No additions, and alternations shall be made in the tender. No over writing should be dona, if any, should be done clearly and initiated. Tenders which does not conform of these conditions shall not be considered.

G. The Corporation reserves the right to accept any tender of part of a tender not necessarily the lowest and may similarly, reject any tender, any part of the tender or all the tenders without assigning any reasons. Therefore, order can be placed for the fabrication of all the bodies to one contractor or can be split into more contractors at the desecration of the Corporation.

H. The Corporation reserves the right to increase or decrease the sources specified for a particular material in case of any change, the sources shall be effective for those chassis which shall be issued toi the Body Builders after notifying changes in writing.

I. On the completion of necessary formalities of Agreement and after signing of the same by both the parties, Corporation will issue detailed work order indicating n. of chassis to be allotted to the contractor in pursuance of this agreement.

NOW THESE PRESENT WITNESSES:

1. AT THE TIME OR EXECUTION OF AGREEMENT:

The contractor shall pay a sum of Rs.25,000/- or 5% of the total value of the work order whichever is higher in the form of DEMAND DRAFT / IRREVOCABLE BANK GUARANTEE valid for minimum period of 18 months from the date of issue, pledge in favour of RSRTC at the time of execution of this AGREEMENT.

The corporation shall have the right to forfait the amount of security if the work of the Contractor is not found to be satisfactory or the Contractor is not found to be satisfactory or the Contractor commits any default in performance of this CONTRACT or violates the terms and conditions, of this Agreement. The amount of Security/ Bank Guarantee would be released by the corporation only after satisfactory completion of the contract and expiry of the Guarantee period. No interest on SECURITY/EARNEST MONEY would be payable to the Contractor.

2. W0RK ORDER :

On the completion of necessary formalities of AGREEMENT and after signing of the same by both parties, the Corporation will issue detailed work order indicating number of chassis to the allotted to the contractor in pursuance of this AGREEMENT.

3. PRE-DELIVERY CONDITIONS :

Chassis shall be delivered by the Corporation to the contractor after execution of this Agreement and completion of the following formalities.

a) That the Contractor agrees to receive the chassis at the corporation for fabricating the bodies,. However, the transit insurance, shall be done by RSRTC.

b) It has been further agreed that the Contractor will get the insurance cover at his own cost for the entire period for which the chassis would be retained in his factory against fire, theft, flood, rebellion, riots , accidents and undue exposure or weather or otherwise for the full cost. In case the chassis remain with the contractor at his factory after expiry of the insurance period then the Contractor will be liable to get the insurance cover obtained prior tn the expiry of the said policy, factory Insurance shall be for full period of holding the chassis against fire & burglary i.e. till chassis are kept in factory for fabrication purpose without break in between. However, in case of default, the contractor would be fully liable for any damage to chassis/bus body if any and at the same same time. Contractor would also be liable to pay Rs.100/ per day per chassis to on account of such default.

c) The contractor would be required to execute a Trust trend on the Stamp Paper of Rs.100/-.

d) The contractor agrees that he has fully understood the drawings and broad specifications given to him for the purpose of fabrication of bus bodies and that the bus bodies are to be fabricated according to drawings and broad specifications given to him and that no further clarifications are needed. However, in case Contractor fails that some clarifications are required, then he shall obtain the same in writing before taking the delivery of the Ist chassis.

4 INSPECTIONS:

a The Authorised Representative of the Corporation shall inspect the bus bodies under fabrication as per schedule stipulated. The Inspecting Authority shall have right to suggest the modification in fabrication work while pointing out the defects in the workmanship. Further, if Inspector notices the material other then what has been specified is used then the same shall be replaced by the Contractor on the insistence of the organization s representative, at the contractor’s cost.

b. The Ist stage inspection shall be after the completion of the frame work i.e. complete structure with strarch panel which includes verification of broad structural dimensions as per specifications and quality of workmanship, welding and alignment of the structure.

II. The 2nd and final stage inspection shall be final inspection of finished bus painting, interior decoration, seat fixing, shutter, water leakage test etc. etc. The inspecting authority will give the necessary movement orders (Gate Pass) for the bus to the Head Office, RSRTC, Jaipur.

III. Surprise inspection will be made at any stage.

IV. Contractor shall make a written request to the Authorised Representative of RSRTC, Jaipur for the inspection of aforesaid stages as per schedule meant.

(a) The local and outside contractors located withing 350 Kms. of JAIPUR shall intimate by atleast 3 working days in advance before the proposed inspection date.

b) The Contractor located at the distance of more than 350 kms. from Jaipur shall intimate tentatively at least by 10 working days in advance before the proposed inspection date. Subject to the confirmation of the same by the contractor with a margin of at least 3 working days. If the contractor fails to respond to the tentative inspection as per programme such an act of commission shall be viewed against him.

After the approval of Ist stage inspection, thbe contractor will proceed further for the next stage working. The corporation reserves the right to point out any defect in the material used, workmanshipo, quality of stores useds etc. the inspecting authority which will not be challangeable on the grounds that the said defects were not pointed during the earlier inspections.

8. The following inspections schedule is iundicated for the guidance of the contractor.

IN CASE OF LEYLAND :

Ist Stage	Within 20 days from the date of issue of releases order of chassis.
2nd and Final Stage	20 days time i.e. final finishing should be done with 40 days.

IN CASE OF TATA :

Ist Stage	Within 20 days from the data of issue of release order of chassis.
2nd & final stage	17 days time i.e. final finishing should be done with 37 days.

In case progress of bus body fabrication of the Contractor is found unsatisfactory and stage inspections are not expected to be completed as per stipulated time schedule given above, Corporation shall be at liberty to cancel the allotment made, for which the chassis had not been lifted, if •Any.

C. As regards verification of the genuine material used as specified during fabrication stages of bus bodies would be done on the basis of material purchase bills produced by the Contractor, simultaneously by collecting the samples of material used in fabrication at different stages by the inspector(s). The sampler(s) collected shall be got from CIRT/ Reputed Established Laboratory.

(i) Wherever sources of materials are given by the corporation, the same sama could be verified by the invoices and in case if it is necessary to collect sampl,es, than the same may be collected on random basis for corporation vendor rating purpose. Thara should not be any deduction of the cost of material, but tasting charges in case of failure of samples shall be borne by the contractor.

(ii) In case of unspecified materials, if the samples fail, recovery shall be made on pro-rata basis as par ASRTU rate contract panalty clause in that lot of buses fabricated and simultaneously testing charges shall also be recovered from the bills of the contractor.

D. Wherever for any material BIS/IS, ASRTU or any other specifications have been prescribed

in the broad specifications provided by RSRTC besides tolerance and other technical conditions, the same will be applicable for the material used for the bus body fabrication and the said material must necessarily conform to such parameters as maybe specified.

E. The bus bodies shall be fabricated in accordance with the broad specifications given in the tender documents for sing high quality standard material which will form a part of agreement. The decision of the Corporation in this regard shall be final and binding upon the Contractor. In case the material is not approved by the Corporation, the same shall rejected and shall be required to be replaced by the contractor as per directions of the Corporation. Any loss caused to the Contractor as a consequence of such 'ejection or replacement shall be entirely to the contractors account and for this the Contractor shall have no right to claim or challenge the decision of the Corporation.

F. The authorised representative of the Corporation shall be at all reasonable times have the access to the contractor's premises and shall have the authority to inspect and examine the material used and the workmanship of the bodies as and when required.

a) The final payment will be made after the delivery of buses (complete in all respect) at the identified destination / dapot t within 10 working 'days through cheque/pay debited to the contractor's account. However, if the does not submit the necessary documents related to above payment?, within prescribed time as required, the responsibility for the same shall devolve on the Contractor.,

b) In case an advance/final payment could not be made 10 working days after receipt of the required documents the Contractor shall be entitled to have an equal of grace days admissible subject to the approval of Body Building Committee of the Corporation.

c) A certificates from the Authorised Representative shall in no way render free or relieve the contract for any loss, injury or damage; which may result from the use of improper material or workmanship or commission in the workmanship might have escapes the attention of the Authorises representatives of the Corporation. The contractor shall be liable for the

replacement of the improper material used free of cost or for 100% cost deduction to the same besides, attending to the defective workmanship by the contractor at the RSRTc depot/ s.

6. DELIVERY SCHEDULE

a) The Contractor shall give his consent for accepting the chassis and to fabricate the specified bus bodies as par specifications approved by RSRTC for the year 2004-05 and and deliver the same within a period of 40 days time for Leyland and 37 days for Tata to the Corporation. The delivery period shall be countecd from the date of issue of release order in connection with the allotment of chassis to the Contractor.

b) The fabrication period shall be counted upto the 2nd and final stage inspection approval at site.

c) The contractor shall be allowed a reasonable transportation time for transporting the chassis/ bus body from & to his factory site from JAIPUR/ALWAR on the following basis:

0 to 50 Kms	Nil
51 to 300 kms	One Day
For every additional 300 kms.	One Day

Extra time taken for transportation of chassis/bus =s shall be subject to demurrage charges as per Clause no.

d) The contractor on completion and approval of the bus shall ha obliged to transport the vehicle(s) to the Office. RCRTC,JAIPUR with him driver. The. contractor shall also arrange for the temporary registration certificate for the vehicles during the transporation form the contractor’s place to the intimated destination station / depot of RSRTC before despatch of the vehicles. The contractor shall get the TRCs renewed from time to time at his own cost beyond stipulated delivery period as may be required.

If, the Contractor's driver is found carrying the passengers in the bus in transit to the destination / depot, a penalty equivalent to the full capacity of fare of the bus from the factory of the Contractor to the destination depot shall be charged. In case of an accident, the contractor shall be fully liable for the payment of ail type of compensation/ damages penalties/payment as the case may be as per orders of the Court or as per out or Court settlement which may include passengers claims or claim of the legal heirs.

07. DAMAGCS / PENALTY CHARGES:

a) The contractor will be obliged to complete and deliver duly completed and deliver the chassis mounted with the bus body, duly completed in all respects with all accassories as provided in the broad specifications and drawings, at the given destination/depot of RSRTC, Jaipur, within the specified period. In case the work is not completed by the contractor within the stipulated time period or if, the body building work is not carried out to the entire satisfaction of the Authorised Representative of the Corporation, the Managing Director, R5RTC shall have the powers to revoke this Agreement and withdraw the chassis from the custody of the Contractor after giving 7 days notica.

In the avant of such withdrawal, the Contractor shall not be antitled to claim any compensation from the Corporation for the incomplete or defective work done as also for the material used by him for the incomplete fabrication work or for the withdrawal of this chassis. If the Corporation decides to withdraw bare/incomplete chassis with the body fabricated on them, then the liquidated damages as specified below will be lavied upon the Contractor from the next day of issue of the release order.

From Ist to 7 days	Rs.700/ par day per bus.
From 8th day to the date of withdrawal of chassis/incompletely fabricated bus body.	Rs.1000/- per day per bus

b) In case of failure to deliver the required number of bus bodies duly completed in all respect within the specified period, the liquidated damages as mentioned below from the remaining period in respect of undelivered vehicle shall be payable by the contractor to the corporation

From Ist to 7th Day	Rs.700/- per day per bus.
From 8th day to the date of delivery	Rs.1000/- per day per bus.

The save days on any chassis due to early delivery of bus bodies can be suitably adjusted to a maximum of 10 days. As regards save days, save days on any chassis due to early delivery of bus bodies earned later on may not be adjusted against the early with held amount against the late delivery of buses.

c) The damages @ Rs.2000/- per day per chassis besides actual travelling expanses requried to the incurred by the inspector during to and from journey to be contractor's pramises shall be payable by the contractor if the vehicle is not ready for inspection at a particular stage for which an intimation has been given to the corporation.

d) The damages imposed as per Clause No.07(a) to (c) shall be adjusted from outstanding of the bills of the Contractor as also from the security deposits. If an amount after adjusting from the bills and security amount still remains to be recovered / adjusted, the same shall be recoverable the Public Demands Recovery Act or as be deemed proper by R5RTC.

e) The corporation will be at liberty to cancel the allotment and forfait the Earnest Money of the Contractor if the chassis are not lifted within 7 days from the date of issue of Ralaasa order.

f) The Authorised Representative of the Corporation may sarve a 5 days notice in writing to the contractor to make good the losses as referred to above and in case of failure of the Contractor to comply with the notice within the prescribed time, the Corporation will be free to forfeit the amount- of security deposit and pending payments if any, to make good the losses sustained

by the RSRTC. The balance payments if any would be recovered from tha movable and immovable property of the Contractor by taking proceedings under the provisions of the Public Demands Recovery Act or as may be deemed proper by the Corporation.

08 GUARANTEE PERIOD

a) The Contractor shall be responsible to make good any loss that may be caused due to defective workmanship structural defects and material used therein for a period of one year from the data of delivery of the completed bus body fabrication work to the Corporation or till the vehicle has covered 1.5 lacks kms. on road whichever is later. The contractor shall be responsible for the replacement of the parts which in the opinion of the Authorised Representative of the corporation are not found proper.

b) The Contractor would be obliged to attend the defects of the bus bodies developed during the guarantee period at the place of the Corporation of the said vehicles. Thereafter, the Contractor shall also obtain a certificate from the Manager (OP) concerned and submit the same to the General Manager (QC) in support of having attended the work/defects.

c) If the reported defects are not removed within a period of 15 days by the contractor, 5% security deposit of such vehicle shall be forfiated without giving any further notice, in addition to the recovery of extra expanditure incurred by the corporation against removal of defects, such extra amount shall be recovered out of total security deposit of the body builder.

09. MISCELLANEOUS

a) The material required by the Contractor for the bus shall be arranged of the Contractor. The Corporation will not be responsible for arranging any articles/ material as may be required for the purpose.

b) The Authorised Signatory of the. RSRTC shall be entitled to order to permit any deviation from the broad specifications given by the Corporation and the Contractor shall abide by

such instructions. However, in case oo deviations having been made without prior approval, then the decision for reducing the cost to that extent shall be taken of the RSRTC which shall be final and binding by the Contractor.

c) The repeat order for the fabrication of bus bodies other than the ordered quantity can always be placed on the same rates, terms and conditions and broad specifications, during a period of one year from the date of signing of Agreement, if the corporation so decides. The Contractor shall be bound else shall have its EARNEST MONEY and DEPOSIT forfeited in favour of RSRTC. However, placement if repeat order may be subject to the condition that the total no. 01 chassis ordered does not exceed to the agreed numbers in the Agreement. Any order beyond the quantity indicated in Agreement shall be with the consent by the body builder.

d) The contractor shall dispatch the vehicles to THE RSRTC OFFICE, JAIPUR communicated to him with a copy of the / Final stage inspection report, gate pass and bill in CATE alongwith TRC and shall furnish the GRs from the MEAD OFFICE, RSRTC, JAIPUR alongwith the bill in DUPLICATE (including ORIGINAL COPY) with the gate pass which will be submitted ho tha of fire of the EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG.)

e) The Corporation may reimburse the actual charges paid by the Contractor of TRCs on production of receipt. The reimbursement expenditure TRC shall be made by the Corporation only for the stipulated period of delivery and transit: as par Clause No.6(a) and if, it is in excess of the period it shall be borne by the contractor alongwith the compounding fee if paid by him.

f) In case of strike or any labour problem or closure of the factory , the contractor will immediately inform of the same to RSRTC.

The Authorised Representative shall have the authority to withdraw all or any of the chassis fron the custody of the contractor. In the event of such withdrawals, the Corporation would

be entitled for imposing the suitable panel provisions on the contractor under the relevant clause of the Agreement.

g) The Contractor shall be fully responsible for the maintenance and safe custody of the chassis as long as the Chassis remain in the Contractor's premises.

h) The corporation reserves the right to include or ex elude any conditions or to modify or alter the conditions in the agreement.

i) In the event of non fulfilment of any of the terms and of this Agreement, tha RGRTC shall be at liberty to terminate the contract without assigning any reason to the Contractor. In the event of termination of the contract, tiie Corporation shall be entitled to retrieve the chassis, tools etc. entrusted to the Contractor for Body Building. The Contractor shall hand over the same to the Corporation immediately on demand without putting any counter claim on his failure to do so. The contractor would be obliged to allow the Authorised Representative of the Corporation to enter into the premises where these articles are stored and to take their possession.

j) The Contractor shall not assign or sublet the contract of any part thereof to any other person.

k) The Contractor shall fully indemnify the Corporation against any action claim or costs, charges and expenses arising out of any infringement or alleged infringement of any other protected right in respect of any machine, plant, work material or any system or method of using, fixing Corking or for any other arrangement, used or filed or supplied by the contractor.

l) If the Contractor declares insolvancy or enter in to liquidation whether compulsory or voluntary but for the liquidation for the. purpose of the reconstruction or suffer an execution for the debt to believed against him or compounds with the creditors for the settlement of his debts the RSRTC would require the assigned work to be completed and if this requisition is not satisfactorily complied with., within 7 days from the date of his notice, the Managing

Director, RSRTC, may issue a notice to the contractor in writing to rescined the contract at the cost and risk of Contractor. The M.D., RSRTC shall thereupon have the authority to enter into a fresh contract with any other parson, prejudice to his right to recover the losses from the Contractor security deposit etc. Any losses or damagas for the default of the contract and the losses sustained by the corporation on account of damages under the contract, shall be recoveed in all possible manner.

Nothing under the contract clauses contained shall and the Corporation from recovering the losses from the shall also be recovered from the Contractor.

m) Any legal proceedings arising between the Corporation and the Contractor if it is a must shall be instituted in the Courts situated in JAIPUR CITY alone and not any wharalse in the country.

n) In case of a dispute arising between the parties with regard to interpretation of these terms of Agreement or their fulfilment the dispute shall be referred to the Chair-man/RSRTC, for arbitration who will be the Sole Arbitrator and whose decision shall be final and binding on BOTH PARTIES.

The RSRTC and the Contractor both agree to accept the RSRTC Chairman or his Nominee as the Sole Arbitrator, knowingfully well that the Chairman RSRTC is an Officer of the corporation. Further, no party shall have the right to go the Court of Law for any dispute under this Agreement for their fulfilment unless the dispute is first referred to the Sola Arbitrator specified under the Agreement.

PLACE : JAIPUR

DATED:

EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG)

RSRTC, HEAD OFFICE,JAIPUR

SIGNATURE OF THE TENDERER

WITH OFFICIAL SEAL.

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION,

HEAD OFFICE, PARIVAHAN MARG,

JAIPUR 302001.

SPECIFICATIONS FOR SUPER EXPRESS TYPE BUS BODIES

FOR THE YEAR 2004 65 01.

01. GENERAL DESIGN :

Stream lined and balanced bus body with single entrance cum axit door within the whaal base of the chassis with 50 seats facing forward in 3×2 pattern.

02. REGULATION

The structure of the bus body, general appearance and seat lay out etc. shall be in accordance with the respective approved drawings of RSRTC. Bus body shall comply with the latest Motor Vehicles Act of Govt. of Rajasthan.

03 CHASSIS SELECTION:

Above bus body shall be fabricated on Leyland Cheetah 203" (5156 mm) WB, Tata LP/52 (5195 MM) WB chassis.

04 MAIN DIMENSIONS (ALL DIMENSIONS IN MM)

Sr. No.	**Description**	**Broad Dimensions**		
		Layland	**Tata**	**Allowed Tolerance**
1	**2**	**3**	**4**	**5**
01	Overall length of bus body (from front show to raar bumpar)	9575	9570	+/-25
02.	Overall width	2560	2560	+/-05
03.	Overall height from ground to roop top.	3070	2030	+/-10

04	Interior height, saloon head room from the top of cross bearer	1930	1930	+/-05
05	Raar over hand (ROM)	3016	3117	+/-10
06	Width of gang way	400	400	+/-05
07	Width of driver door clear	720	720	+/-05
08	Width of saloon door	720	720	/-05
09	Width of emergency door clear top	1090	1090	
	bottom	1110	1110	
10	Seat Pitch A) Two Seater	800	813	
	B) Three seater	740	749	
12	Height waist rail to cant rail	955	955	
13	Pillar bay size	1100	1100	
14	Average lag space			
	a) Two Seater	290	290	
	b) Three Seater	240	240	

05 DETAILS OF DRAWING, STRUCTURAL MEMBERS AND OTHER IMPORTANT COMPONENTS

Sr. No.	Description	Material	Dimensions (mm)	Drg.No.
1	2	3	4	5
01	Cross bearer	MS Channel section	502×100×50×6 40×75×40×6	1-A 1-B
02	Cab floor under	Channal & angle	40×75×40×6 40×40×3	1-E

03	Roof stick and roof longitude	CRCA MS sheet	19×44×387×44× 19×2	1-H
04	U for reinforcement of items No. S.No.3	MS Sheet	12×33×12×1.6 20×33×20×3	1-R 2-N
05	Stump pillars,			
	Waist rail, Anti drummin rail	CRCA MS GI Pipe	60×40×2	1-I
06	Cant rail and Diagonal bracing	-do- & angla	40×40×2 40×35×3	1/K&E
07	Seat Rail	CRCA MS sheat 1.6 mm		1-P
		& angla	40×40×3	
08	Skirt Rail	MS Angle	40×40×3	1-E
09	Sola Bar	CRCA MS and Saction	35×40×20×2	1-Q
10	Floor longitude/ floor cross joint supports and rear mud guard support	HRCA MS U	30×75×30×3	1-G
11	Gussets	CRCA MS sheet thick	as per Dr.g 2mm	2
	Gussats FES Jhula	MS Sheet 6mm thick	170×170×6 at angle 60 degree	2
12	Cross bearer to chassis joint (U bolt			

	assembly and spacer details)			
a)	Chassis U Bolt	White draw bar high tansile Gr 8.8 Rod dia 16 mm AS : 166:Mar, 98	03	
b)	MS place	MS 8mm thk	180×150×8	03
c)	Balata packing	Balata packing	-do- IS : 1370	03
d)	Aluminium spacer	Aluminium	110R×140×30	03
e)	Pipa with angla	MS	As per drg.	03
13	Pillar joint fixture	MS Plate	180×60×6 weld ed to cross bearer and pillar on either side	04
14	Fr and Rr whaal Arc frame	Ms angle IS : 808:1964	30×30×3	05
15				
a)	Raar Whaal arc box	-DO-	-do-	06
b)	Al.chaquarad shaat 3mm thick	IS:737:1966	1750×670×3	06
16				
a)	Cab floor risor in casa of Tat	MS channal MS angle	40×75×40×6 75×75×6	07
b)	Sab cloor fisor in case of leyland	-do-	50×100×50×6 75×75×6	08
17	Cab under floor	MS Channel	40×75×40×6	09

	frame for L/L ch.	MS angle	40×40×3	
18	Bonnat Assy.L/L	MS sheet 1.2 mm	As per drg.	10
19	Front show structure and front pillar support frame with chassis leyland	MS angle MSU channal MS plate (Gusseats)	50×50×6 140×75×40×6 170×170×6	11
20	Step well	MS angle Al.Chaqrd shaad. emm thick	40×40×3 30×30×3	12
21	Cross section of structure	-	As per drg.	13
22	FES for leyland	-	-do-	17-B
23	Front grill for LL	Hinge MS trapa zodial sec. MS Zali	88×62×6 As per drg.	15
24.	General structural details in case of Tata			
a)	Side elevation	-	As per drg.	16-A
b)	Front structure	-	“	16-B
c)	Floor structural plan	-	“	16-A
D)	Roof structure plan	-	“	16-A
e)	Raar and structure Tata/leyland	-	“	17-C

25	General structural details in case of Tata			
a)	Side elvation	-	As per drg.	16-A
b)	Front structure		"	17-B
c)	Floor structural detail	-	"	17-
d)	Roof structure plan	-	"	17-A
e)	Raar and structure Tata/Leyland	-	"	17-C
26.	Seat layout	-	"	18
27.				
a)	J&K door MS pipe	-	30×30×2	19
b)	Bush type pivat bearing	-	As per drg.	19
c)	Heavy duty tower bolt	MS	10mm	dia×240mm
19				
d)	Heavy duty railway lock	MS plate	30×6	19
28.	Driver door	Top hat section	19×44×38×44×19×2	20
		MS Z Sect.	19×44×38×2	20
		Sections for rubber beading	As per drg.	20
29.	Emergency door	L section MSU Section	-do-	20
30	Luggage plateform	MS angle	30×30×3	21

		MS Fiat	25×6	
		MS Sheet duly ribbed facing upward	1.6 mm thick	
31	Ladder	MS Pipe	300×30×2	21
32	Luggage carrier	Main frame		
		MS angle	40×40×3	22
		MS angle	30×30×3	
		MS plate	100×100×3	
		MS hook	8mm dia	
		Wooden Batton		
		Corrugated GI sheet	22G	
33	Details of roof top joggling joint	A1. sheet	1.2mm	24
34	Main window	Al. Section BW 3653 HINDSALCO tia bar sec. joint plate. Al. A1.415 Sac. (F-Section) A1. angle A1. Sec. 1752 INDAL.		25

		Shutter catchers (Press metal) Tarane falt Swaap rubber		
35.	Driver door and main door bay window	Fixed with as per drg. EPDM rubber		26
36.	Front quarter window	-do-	-do-	27
37.	GLASS FOR LL AND TATA :			
a)	Front			
b)	Top fixed stripo for main window			
c)	Top fixed strip for door window and main door bay window			
d)	Shutter glass for main window			
e)	Shutter glasses for main door bay window			
f)	Quarter window			
g)	Raar wind screen			
h)	Rixed windows glasses			
38	Conductor seet	MS Angle 30×30×3	As per drg.	29
39.	Driver full parti tion with sliding	GI Pipe 60/40×40×2	-do-	33

	window and side fixed & z sac			
40.	Raar wind shield guard	MS angle MS flat Al. Grill	300×30×3 30030×2	34
41	Parcel rack	ERW pipes Brackets.	16 mm 0D×1.6	35
42	Protector cum saloon grab pipe	FRW Pipa PVC slaave T brackets & cup brackets	25/38×2 2mm thickj	36
43.	Raar bumper 2mm thick	MS sheet	As per drg.	38
44.	Fr. Bumpar	-do-	-do-	37
45.	Diasal tank neck cover	MS sheet 2mm thick	As per Drg.	39
46.	Rub rail with rubber buffer	EPDM & Al. Section	-do-	40
47.	Tool box and 3 seater in cabin	MS sheet	-do-	41
48.	First aid box and complaint box	GP sheet 1mm thick	-do-	42 &43
49.	Battery box complaint box	1.6mmthick 1 mm thick	-do-	42&43
49.	Battery box	1.6 mm thick stainless steel	-do-	44

		(Acid Proof) & CRCA		
50.	Position of Elac. fitings	-	-do-	46
51.	Destination Board with light arrangement behind left wind screen above aim door and at Raar glass quard RH Side.	MS	750×200×1.2	47
52.	Colour scheme	PU paint	As per drg.	47
53.	Innar panalling	PVC Coat ed Al.sheet Ash. gray	1 mm thick	
54.	Roof top	Al.Sheet	1.2mm thick	-
55	Outer panelling	" & GP strach panel 1mm thick.		

06 METAL TREATMENT :

I. All the structural members and other body components (except MS channels, pipes and GI pipes) shall be phosphated as per approved hot dip process of specified minimum 7 tanks with degreasing, derusting, rinsing, phosphating, pasivasions etc. as specification of IS:3818:1966 or latest 'A' class coating before assembling to make them rust proof during the entire life of bus body. The phosphating coating shall be of uniform thickness of 25 Lo 30 microns, coating shall be of crystaling nature and without any sponginess. PVC adhesive taps is to be fixed on all phosphated structural members at various points before applying primer. All phosphating

components shall be coated with minimum 2 coats of approved anti rust primer.

II. All aluminium panelling sheets and GP sheet should be properly attached and atch primar be applied for good bonding of paints.

07 CAR AND BODY MOUNTING:

Body shall be mounted on chassis frame with suitable anti shear material of thickness 8 mm (Balata packing as per IS : 1370). It should be interposed, between chassis frame and body cross bearer plates. The body mounting should be with galvanised U bolt 16 mm dia 8.8 Gr. as per AS:166:56 March,1998 with nyloc nut as per 15:1364:1983. U bolts should be fitted diagonally / straight with pipe sleeve packing as shown in Drg. 3 so as to remove them during overhauling for replacement purpose, if required. During fitment, the arms should pass through the pipe sleeves and balata packing. During fitment of U bolts, semi elliptical spacers as shown in the drg. 3 should be provided. U bolt nyloc nuts should be tightened properly with torque wrench at the specified torque of 12 to 14 mkg.

No hole should be drilled in the chassis without approval as well as no welding shall be allowed on the chassis membars. The front and structure should bs properly supported with detachaable brackets on the front.

The load of the front and rear and structure should not be allowed directly on the frame. Provision component of the front structure to facilitates engine removal. Only mig welding is allowed in fabrication of bus body. Electrical welding is totally restricted. Vertical welding of structure members must be avoided. All welded joints shall be well ground for smooth surface. All front structure bolts should be locked by lock tight/anabond. Only nyloc nusts to be used wherever is required.

08 STRUCTURE REINFORCEMENT:

ROOF STICKS :

The roof sticks above driver partition, passenger door and luggage carrier should be reinforced with 3 mm MSU channel as per drg. 1(N). The reinforcement should be provided for the full developed length of roof stick.

The curved area of the roof sticks should be boxed with inverted MSU of 1.6 mm thick from cant rail to ist roof longitude.

Original front end structure of Tata chassis shall be retained and all further fabrication work shall start on the original FES itself, however, FES sides shall be expanded to maintain the width of 2S60mm. However, in case of Leyland chasis FES shall be sturdily mounted and supported directly on the chassis.

All the boxing/reinforcement of the roof sticks should be welded by zig zag welding at a distance of l00 mm.

Side structure shall be fabricated as per drg. 16 A and 17 A. At sole bar level, MS plates of 6 mm thick shall be welded with the stump pillars pipes and cross bearers on either sides.,

The cant rail welding to be done zig-zag at a distance of 100 mm pitch and to be welded for minimum 25mm length at every spot. Between the roof stick of passenger door, one MSU welded for reinforcement just above the passenger door and simultaneously one MS sheet 1.6 mm thick be welded on outer side for reinforcement.

09 FLOORING STRUCTURE:

The layout and construction of cross bearer and fixing of the cross bearer with chassis frame shall be as per drg. No.16 & 17.

3 Nos. floor longitude of MS 300×75×30×3 mm U channel shall be provided and shall be mig welded with cross bearers. Central longtitude shall also serve as central floor joint support.

Lags of the seat frames shall rest on the floor longitude by suitabel angle support.

Four cross bearers as shown in drg. 16&17 should be boxed properly with 3 mm MSU and should be mig welded at a pitch of 100 mm zig zag

.

10. DRIVER CAN UNDER FLOOR FRAME :

Cab floor frame structure shall be fabricated as per drg. 9. In case of Leyland cab floor frame should be proper supported on chassis with cbrackets. In between chassis brackets and cab floor frame ballata packing of 8mm IS:1370 shall be provided.

In case of Tata chassis original cab floor provied by the chessis manufacturer shall be maintained but cab floor risor details shall be as per drg. 7 & 8.

In case of Leyland chessis cab floor of CRCA MS 2mm sheet shall be welded completely after making it completely dust proof.

11. STEP WELL :

Step well shall be of MS structure frame and laid with 3 mm chequared Al. Sheet duly breaded at edges. At every corner edcge beading of Al. Is to be rivetted. At steop wall Jhulla of Ms angle 40×40×3 mm and reinforcement of step corners with 30×30×3 angle shall be provided as per drg.12.

All roof sticks must rest properly and squarely on can rain and should be welded properly with cant rail. Similarly main pillars should also rest squarely with the cant rail and mig welded properly. Roof support beam shall be fitted below roof sticks, off0set from the cantra by 30 mm on left sida to facilitate fixing of vertical support pipe in gangway and the beam should be bolted with 8 mm dia bolt. Roof support beam should be bolted with 8 mm dia bolt. Roof support beam shall be reinforced by boxing at suitable intervals. Gussats of proper size and specifications shall be provided at the places as shown in the drg. 16 & 17.

Side structure as well as roof top structures should be duly aligned at top, centre and bottom.

12. FLOORING

After making complete structure true and square and welding properly. The structure flooring is to be laid down with 15mm thick chequered ply sheet BWR medium density as per IS:3513:L1966. EPDM rubber mud guard beading on all sides and cross joints is to be water proof. Flooring shall be bolted with HT 6mm bexagonal bolts with MS plain 1.6mm washers on both sides of the flooring with nyloc nuts. Pitch of the bolting will be 125mm. EPDM rubber to be provided below joints for dust proofing. All joints of the flooring shallbe either on the cross bear without any gap or on MSU channel of 30×75×30×3 mm without any gap.

In the gangway aluminium extruded wearing strips section 30x4 mm shall be provided in 4 rows from driver cab partition to rear 6 seater . These shall be screwed to flooring with 3/16" counter sunk machine screw and nyloc nuts. Plain washer shall be provided at bottom nyloc nuts.. The pitch of this screw kept 125 mm zig zag and joints of the wearing strips should be staggered lengthwise.

Two holes of 20mm dia shall be drilled on rear end in floor plywood and 20 mm dia pips be fitted for drainage of water. Gear box trap of the size 355x460 mm as shown in org. provided in flooring and trap opening be covered by MS sheet cover of 2 mm thick with piano 3 mm thick hinge on one side and bolts at other sides.

13. FRONT MUD DOMES:

The frond mud domes in case of Leyland shall be of CRCA-MS sheet 2mm thick duly ribbed as shown in the drg.9. For Tata original mud domes be kept intact.

14. REAR MUD DOMES

The raar mud domes shall be fabricated out of 10G aluminium chequered plats and pressed out of single sheet. This shall be rivattad with rear wheel arc cross bearer and flooring Longitude. 10 G Al. chaquared be provided with dust proof EPDM beading as shown in the drg.6. Mud flaps shall be provided on all the 4 mud domas.

15. DRIVER PARTITION:

Full driver partition as shown in the drg. 33 shall be provided with window with two sliders of light Tata grey tinted glasses. The driver partition should be bolted properly with roof stick and floor risor channel duly reinforced. The frame for glass should be Al. mazda/F&H section as used in windows duly anodizsd. Top -of partition should be covered with MS sheet and lined with PVC laminated Al. sheet.At bottom tappered MS sheet 1.2mm be provided.

16. BONNET COVER:

In case of Tata vehicle, original bonnet .cover shall be retaina and in case of Leyland bonnet cover shall be fabricated out of CRCA MS 1.2 mm sheet in one pisce as shown in the drg. 10. Bonnet cover should be so fabricated and hinged with piano hinges 25x25x2 mm with dash board bolted with 6 mm HT bolt, so that the bonnet can be fully opened to facilitate easy woking to the machanics. The bonnet cover shall be provided with fibre glass insulation, 3 linings of 3 mm thick. Suit able stay rod 355 mm shall be provided to keep the bonnet cover in fully open position.
In case of leyland heavy duty lock catcher arrangement should also be provided with the bonnet.

17. DASH BOARD:

This shall be fabricated out of cold rolled aMS 1.2 mm sheet duly ribbed in two rows supported by MS angle 50x50x6mm above radiator level. The dash board shall bs further reinforced by MS angles with 15x44x38x3 mm (drg.10 II) with proper welding and gusseting.

18. TRUSS PANEL:

Truss panel (waist rail to anti drumming rail) shall be of Al. PVC laminated sheet of 0.91mm Al. PVC laminated sheet of 0.91 mm Al, ash grey colour. The truss panel shall be rivatted with Al.NR-6 pop rivets of 5mm dia with a pitch of 100 mm on. waist rail, anti drumming rail and 100 mm pitch on pillars and digonal bracing zig zag.

19. PANELLING:

The structure before panelling shall be duly coated with apoxy primer. Before panelling 40mm thick thermo cols sheet is to be packed properly in the structure waist rail to floor level. After thermocole packing stretch panel of 1mm GP sheet properly welded should be fixed waist rail to anti drumming rail and from anti drumming rail to skirt rail A1.16G shest panelling shall bs provided and shall be rivatted with NR 6 aluminium blind rivets with 25x3 mm INDAL beading at each pillar. All aluminium panel shall be properly etched and inside shall be coated with thick coat of anti drumming compound in minimum 2 coats to avoid Drumming and vibration. The rivetting should be done by pneumatic rivatting. This complete raar and panelling shall be of 16G aluminium sheet.

20 ROOF EXTERIOR P[ANELLING :

Before roof exterior panelling specified tar felt covering 2 mm thick on full langthand full widlth of roof sticks and roof longitudes, protuding 2 mm outside the width of roof sticks and roof longitudes shall be provided.

Roof exterior poanal shall be of aluminium alloy sheet of IS:L737:1996 or latest and shall be ½ hard 1.2mm thick and shall be in one piece along full length. The exterior panel roof joints shall be longitudianal and shall be inter locked by joggling and dust binding and shall be solid rivatted NR5, 5 mm dia with roof sticks and roof longitudes as per drg. 24 jogling joints should be properly ambodiad in the roof longitudes to get smooth surface and no joint should protude above

panelling level. The rivetting pitch at cant rail should not be more than 75 mm.

At cant rail level a continuous water channel of 6250 section shall be provided on longitudinal sides of roof for drainage of water and to prevent the water to fall on the windows and to ensure water proofing. The water channel should also be provided above the rear wind shield glasses to avoid water leakage through emergency door. For proper rivetting of water channel to the cant rail, aluminium beading INDAL 5606 shall be fitted on the water channel. Joint of water channel must be filled with sealant to make it water proof. Roof exterior panelling should be provided with thick layer of anti drumming compound of approved quality before fitting. The front exterior roof panel shall be rivatted with the front dome with MS solid rivats of 5 mm dia and MS/Al. beading with the pitch of 75mm. similarly the rear dome shall of GP sheet 1.22 mm and shall be rivetted with roof sticks with MS solid rivetad of 5mm dia and beaded with MS/Al. beading with rivats at 7Smm pitch.

21. FRONT SHOW PANELLING:

In case of Tata original front show shall be maintained. For fixing of front wind screen glasses cut out of GP sheet 1.22 mm with Z formation shall be made and for top dome GP sheet of 1.22 mm shall be provided.

In case of Leyland the complete front show shall &= made of 1.22 mm GP sheet. For wind screen glasses and top dome GP sheet as mentioned in Tata shall be The front grill of the leyland buses shall be made of MS trapazoidal section and MS sheets and steel mash 33 per drg. 15. 2 Nos. of knob type budget lock shall be provided for grill, locking. A stay road shall be provided to hold the grill in open condition. Grill shall be hinged with 2 nos. MS drop forged hbinges 3 ½” × 2 ½” × ¼” and the grill must be flushed with the show. To avoid rattling of the grill, dove tail sets be provided.

22. INTERIOR PANELLING :

Before fixing interior roof panelling 40 mm thermo-cols packing should be fixed through out the length between roof longitudes. Thermocols sheet of 20mm thickness in two layers should be fixed on the roof corners through out the length.

Interior roof panelling shall be of PVC laminated Al. sheet ash grey of 1.1 mm thickness. Window finishers, casing and inside pillar covers from waist rail to cant rail should also be of PVC laminated Al. Ash, Grey. The panelling should be fixed with roof sticks with A], blind rivets NR 6, Smm dia and beaded with Al. anodised extrusion gola beading 36mm wide INDAL 6284 with riviting pitch of 100mm. Interior roof panel shall also be rivetted with roof longitude with Al. blind rivets NR-6, 5 mm dia and at a pitch of 100 mm

On overlapping of the interior panel a thick layer of approved anti drumming compound shall be coated to avoid drumming.

Provisions be made for fitment of 4 Nos. sunken type rectengular box to fit flourescent tube lights at the locations as shown in the drg.46. Provision for night lamp shall also be made as per drg.

23. PARCEL RACKS:

Parcel rack brackets shall be made of 2mm thick MS rectangular pipe and fabricated as per drg. 35. The brackets shall be bolted with pillars and roof longitudes with MS high tensile bolt 5/16" size with spring washer and anabond locking compound (with 2 bolts on pillars and 2 bolts on roof longitudes on each bracket). ERW pipe 16mm ODxl.6 mm thick passing through the holes of the brackets should be fitted and welded by tagging with the bracket. The complete parcel rack should be bracket painted. Minimum 9" clear gap should be provided between the roof and parcel rack.

There shall be only one saloon door (passenger door)at the off side between wheel base as per Org.l6&17 and one cab door (for driver) in the right side near the driver seat.

The saloon door shall be fabricated jack & knife type as par drg. 19. Pivot type bushes as shown in the drg. shall be provided.

3 drop forga hingas be fitted through bolts and nuts as shown in the drawings. Heavy duty wowar bolt 250 mm x 10mm shall be fitted kon the top and bottom of 70×6 mm MS flat shall be fitted in the middle.

Panelling of the saloon door shall be of 1. .2 mm sheets both sides duly rivetted and canopy is provided above the saloon entrance. Provision of the destination board of size 756×200 mm be given on the canopy of the passenger door. CPDM beading of the section shown in the drg. shall be provided with saloon door.

In the upper half of the saloon door, fixed glass as par drawing shall be fittad with EPDM rubber. A good quality of grab handles 250x8mm be provided on the saloon door for opening and closing.

25. DRIVER DOOR

Driver door shall be of 2mm MS sections. Driver door shall be hinged with front main pillar with 2 No. drop forged hinges 3 ½ x 2½ ". One tower bolt shall be as shown in the drg.20.

Sponge beading 4mm thick shall be providing to make it leak proof.

26.W I N D 0 W S:

All windows will be of top fixed and bottom sliding panas. All windows glasses Tata grey 4.8mm thick toughened.

The window shall be unit construction in panes so that the frame of windows could easily be fixed into the body and will be perimeter glazed type so as to be completely rattle proof.

Window shall be fabricated as per drg. 25, 26. The frame shall be extruded Al. Section HINDALCO 415, 1562, 1440 and W 3653 or equivalent. Window glasses shall be framed in prescribed aluminium extruded H section HTNDALCO or equivalent with resilent packing EPDM

rubber U channel.

Effective provisions shall be made to draw out any water that enters. Between the two skins of body on a/t of the full sliding window design.

All windows shall be designed in such a manner so as to be completely rattle proof, the sliders will .be fitted with the approved quality tarana felt to have smooth operation.

Window locks to keep the windows slider in closed position shall be of heavy duty self locking type and should be powder coated/anodised. In between the win dows sliders, EPOM sweep rubber beading shall be pro ‘vided on both sliders to make complete window rattle proof and water proof. Window frame as wall as shutter frame shall be anodised. The driver side front quarter window shall be openabla type and the LH side front quarter window shall be fixed type glazed with CPDM rubber. Window guard rail as per drawing with 20 mm dia ERW pipe with PVC sleeves 1 mm thick shall be provided at 150 mm above the waist rail on outer side. The brackets shall be fixed through pillars 60x40x2 with oo.i. ts and nuts.

27. WTND SCREEN

Front wind screen glasses shall be fixed in single decorated pane fabricated out of GP 1.2 mm sheet. These outside cut out shall be reinforced with another MS 1.2mm frames provided from inside and lips of both inside and outside cut out shall be tag welded all round so as to have very strong cut out for fitment of such hugs front curved glasses and shall be water proof. These glasses cut out at top shall also be reinforced properly with front roof sticks with MSU.

Rear wind screen glass cut out on left side shall be fabricated out of GP 1.2 mm sheet duly secured and welded with rear end structure. Rear wind screen glass nn right side shall be on emergency door as per drawing.

Front wind screen glasses shall be curved glasses laminated AA quality 6 mm thick and free from waviness. and glazed with 38 mm EPDM rubber glazing. Rear wind screen glasses shall be toughened ‘A’ 4.8 mm thick colourless and glazed with 38mm EPDM RUBBER glazing with

suitable brackets at corners.

28. LUGGAGE CARRIER, PLATFORM, LADDER, REAR WIND SCREEN GLASS GUARD

Luggage carrier shall be constructed out of MS angle section as per drg. 22. Luggage carrier should be rigidly fixed on the roof sticks with high tensile bolt size M8×30. In between the luggage carrier pillar plate and roof sticks packing of rubber 6 mm thick shall bs provided as par drg. 22. 3 angles 30x30x3 mm be provided. GI corrugated sheet of 22 G be fixed cross wise by means counter sunk wood screw with 250 mm pitch. Corrugated sheet shall be screwed on luggage carrier frames by screwing in all corrugations in 3 rows, joints of corrugated sheets will be rivetted. Luggage should be bolted with 8 mm high tensile bolt and should be tag welded from the inside roof top. Good quality batton treated properly with treatment should be fixed by

means of bolts and nuts with the angle of the luggage carrier. The GI sheets will be screwed in the batton by wooden screw 25 mm of 8 nos. with washers.

Luggage platform and the ladder is to be fabricated as per Drg.21.

Rear wind screen glasses have to be provided with protector guard as per drg.34.

29. BATTERY BOX

Battery box will be constructed on the left side of thabusbody with flap type cover duly hinged as shown in drg. 44. Battery box is to be constructed with stainless steel (Acid proof) of thickness 1.6 mm. for bottom. Inside of the battery box shall be provided with 3 layers of FRP .Lining to make it fully insulated. 15mm thick ply sheet is to be provided at the bottom of battery box. One drain hole with L type 20 mm dia pipe shall be provided to drain water.

Suitable rubber gormate shall be provided in the holes from where battery cable passes to avoid direct contact with metal parts. One MS flat of size 30x3 mm he provided with 2 Nos. wing nut to hold it in position.

2 Nos. of railway locks 30x6 mm be provided on the battery box cover and one van lock at the centre at bottom.

30. ROOF SUPPORT PILLARS,HORIZENTAL BAR FOR STANDY, SALOON GRAB RAIL

a) ROOF SUPPORT PILLARS?

There shall be one roof support pillar of ERW pips 38 mm OD×2 mm thick duly sleeved with black PVC 2 mm thick just below 3rd roof stick from rear. These shall be fixed to the roof with MS 2mm brackets duly bolted to the roof support beam and with floor by chromium plated MS drop forged single piece cup brackets. Bolts used shall be of G mm dia.

b) HORIZONTAL STANDEE BAR :

There shall be one horizontal bar of MS ERW pips 25mm ODx 2mm thick duly black slaved. It shall be provided in full length of saloon. It should be supported to the roof structure on all roof sticks by means of aluminium sections brackets (INDAL 8746/ HINDALCO HR 1693). passenger door in front of 2 seater, protector cum grab pipa with roof support pillar shall be

C) PROTECTOR CUM SALOON DOOR GRAB PIPE

provided will be bolted with roof top as well as floor by means of MS drop forged single piece cup brackets. At waist rail level a saloon grab pipe shall also be provided with MS drop forged cup brackets as per draw

31. ELECTRICAL SYSTEM :

It should be supplied, wired up and connected. Wires would run through PVC sleeve and so arranged in the middle of roof top with suitable cover on the right of horizontal standee bar that this can be readily inspected and renewed with disturbing the interior finish of the bus. All wires should be PVC covered type as given below :

I. TYPE OF CABLE USED :

PVC insulated LT wire conforming to 15:2465:1984

II. SIZE OF CABLES:

a) SALOON WIRING:

4MM PVC insulated 15/0.3/1 LT wire conforming to 75:2465:1984.

b) MAIN SUPPLY SWITCH BOARD:

4 MM PVC insulated LT wire 36/0.3/2.5 conforming tc 15:2465:1984.

c) BATTERY CARLE:

No. of of wires 325, dia of wire 0.45 mm copper con or doctor of single length conforming to IS2465:1904.

III. Positive wire shall be in red colour and negative wires in black colours. Other colours may be used for loops etc. for special identification purpose.

IV. The earth return system shall be used for bus body wires.

V. In order to ensure adequate illumination in the saloon 4 Nos. tubs lights rectangular sunken type shall be provided. The location of lights shall be as per drg. 46-

VI. 2 Nos. blue/green Night lamps shall also be pro vided inside the saloon for convenience to the passengers during night travelling.

VII. One round roof light to bs provided at top of passenger door with switch near it to facilitate conductor lighting at his own will. 1 No. round roof light may also be provided in the driver cab. A footlight at step-well be provided. A light may also be provided underneath the saloon floor to facilitate illumination for inspection and maintenance during night.

VIII. 4 Nos. indicator lights on all the roof top corners also provided with wire mesh cover.

IX. Wherever PVC sleaves cables pass through panals and structural members, suitable gromates made out of rubber/bakelite shall be inserted in the holes. PVC tubs carrying cables be clipped as near as possible.

X. All the bulbs shall be of standard bouyant cap and shall be of clear gas filled double filament contact type with the following specifications:

S.No.	Description	Watt	Volts	No.s
a)	Head light	80	24	In Leyland 4 No.s In Tats 2 no. original
b)	Night lamp	20	24	2 Nos.
c)	Front indicator	-	24	2 Nos.
d)	Rear tail light	-	24	2 Nos.
e)	Conductor ball (Elec)	Elact. buzzer of approved make 1 No. 24V good quality.		

f) 2 Nos. wiper motors shall be provided, one for each side separately. These shall be heavy duty 24V with aerodynamic blades and arms to suit the front curved wind screen glasses. These shall be of approved make and part No.. Both the wiper machines should be operated independently i.e. the switches should be separate for each wiper machine.

g) A suitable battery cut off switch of specified make shall be provided in the driver cab behind the driver seat connecting the self starter assembly so that during short circuit, the engine may not start.

Fusas or cut out should be of domestic types made out of bakelite(unbreakable)!. The wiring should run through suitable PVC pipes and should be covered with suitable metal moulding. One control board next to the instrument panel in front of driver seat shall bs there to operate piano type switches fitted on junction box on the panel.

32. PASSENGER SEATS:

a) Readymade passenger bus seats shall be supplied by RSRTC and shall be fitted by the body builders as per seat lay out as per drg. 18 and maintaining equal pitch and adequate leg space. 100 to 150 mm tapper be given on driver partition on lower portion to provide adequate lag space to

passenger on front seats.

b) Seat pitch (back to back distance) shall be maintained strictly as shown in the drg. 18. Minimum leg space 24& mm in case of 3 seater and 28 (5 mm in case of 2 seater shall be ensured. The seat frames legs shall be bolted properly on seat rail on the sides and with floor longitude in the middle in the gangway side with 8 mm high tensile bolt fitted with plain washer and 3 seater seat No.48, 49 & 50 in the driver cabin shall be provided by RSRTC. and to be fitted by the body builders on the tool box.

33. DRIVER SEAT

Driver seat should be of approved quality Tata 407 type.

34 THE FOLLOWING MISCELLANEOUS FITTINGS SHOLD BE PROVIDED:

a) 2 Nos. rear view mirror, (one on each side) of heavy duty adjustable convex type should be provided with good quality brackets on the exterior panel at places convenient to the driver to see the traffic coming from the rear.

b) Front bumper in case of Leyland/Tata shall be fabricated with 14 SWG (2mm) MS SHEET in 3 pcs section as shown in drawing. Number plate of size 20"x7" should be pressed sunken type in the centre of the bumper.

One step of aluminium chequered sheet of 10G size 1.2"x8" be fixed at the centre of the bumper to facilitates the driver to clean the wind screen.

c) REAR BUMPER should be made of 14G as per drg.38.

d) Radium tape of red colour is to be pasted in the front bumper groves as well as rear bumper groves, for the ful] length of the bumpers.

e) Drop forged toe hook shall ba provided on the rear bumper at the centre position shown in the drg. 47.

f) 2 no. wiper machine of approved make be fitted for ndividual front wind screen glasses.

g) One sun visor of approved make be fitted on the driver side.

h) 2 reflectors of approved make be fitted on the raar and

i) One step of 6x6" size shall be provided near driver door.

j) Diesel tank neck cover shall be provided (flap type) with one tower bolt.

k) Rear tail light shall be provided as shown in the drg. 47.

l) Appropriate opening for hydrolic fluid bottle/steering oil reservoir may be provided at the dash board to facilitate topping up of the hydrolic fluid and steering oil.

m) Rubber buffer rail (rub rail) shall be fitted on the anti drumming rail as per drg. 40. Rubber buffer shall be secured with pop rivets and clamped with 2 suitable clamps in each bay. At the ends suitable closing ends shall be provided.

n) The rear numbers plates should be fixed below waist rail.

o) Front destination board size 750×200 mm shall be provided behind the left wind screen glass at the dash board level with proper light arrangement.

p) 10 mm thick NUPRIN rubber mat at padal floor, duly aluminium beaded should be provided.

q) “BLUE LINE” and “R.S.R.T.C.” fluorescent stickers in Tata Glue Red colour respectively be provided as per drawing.

r) In case of Leyland vehicles, a trap of size 125x125 mm may be provided on the cab floor near driver seat to facilitate easy approach to the acelerator rod ball and joint.

s) A pipe 20 mm dia may be provided in the driver cab e partition above the glass window duly PVC d to facilitate the driver to put his towels etc.

35. PROTECTION TRCATMTNT AND PAT.NTT.NGS:

Surfaces of all steel parts used in the bus body shall be prepared and carefully phosphated in accordance with ISI specification No. IS:3618:1966 or LATEST and painted with 2 coats of oil bould red oxide primer paint immediately after phosphating. All welding/drilling done after phosphating during process of assembling shall also be immediately covered with 2 coats of red

oxide primar paint to prevant rust forma

a) The red oxide primer paint shall shall be approved specifications.

b) All the hidden/unseen surfaces of complete interior and exterior panelling shall be covered with thick layer of suitable anti drumming compound.

c) All joints shall be applied with liberal coat of suitable jointing compound on the meeting area of both the compartment to protect against corrosion before assembly.

d) Wherever Al. is joined to steel or dissimilar metals same shall be treated with thick layer of dia electric paint before assembly.

e) The entire surface of bus body under floor exposed to the ground shall be covered with thick layer anti corrosive body compound.

f) All the joints on the exterior roof panelling shall be made water proof by liberal application of silicon sealing compound on both the meeting surfaces

g) All the Al. panelling shallbe suitably treated as per approved process before painting by etching to ensure proper paint adhesion.

h) All panelling after fitting shall be under coated with red oxide primer and zinc chromats before final painting.

i) Surface and stopper (putty) shall be applied on all hand beaten and dented panels to fill up all the unavannass so as to present smooth surface for painting. However, the amount of putty used shall be minimum and efforts shall be made to obtain proper finish by better workmanship of various jobs before painting. At joint gap no putty filling or sealing compound should be provider.

j) Sufficient drying time between each successive coat shall be allowed as per the recommendations of the Paint Manufacturers.

k) Each coat except the final finish coat shall be suitably attended and washed down with water paper and water before applying the next coat.

36. COLOUR GCHT.ME AND GRAPHICS

Only PU PAINT as par approved source shall ba scheme shall be as per drawing 47. Following slogans are to be written :

37. GENERAL DIRECTIONS:

a) The body should be rattle proof, dust proof and laak proof. When the chassis remain in the custody of the body builder, they should maintain the batteries by TRICKLE CHARGE free of cost. Modification to the fuel tank/radiator neck, if any, should be carried out by the body builder as par directions without any cost.

b) Inspection of the bus body shall be mainly in the following 2 stages. Body Builders should offer stages inspections after rectifying the defects communicated to him at the earlier stage of inspection, then only they will be allowed to go for next stage. Body Builder has to inform G.M.(QC) in writing for stage wise inspection with the chassis numbers as per terms of

1ST STAGE: After completion of metal treatment and structure and strech panel.

2ND & FINAL: Complete finished bus body including shower test before despatch of completed bus with-movement order from Inspecting Authority.

c) The vehicle shall be road tested before final inspection for the following possible defects:

I. Dust Proffnass

II. Rattla proofness of windows, body parcel, parcel racks, doors, seat frames, driver partition, dash board etc.

d) Following workmanship must be carefully followed:-

I. All castings must be trully formed and free from ibis blow holes.

II. All the bolts and rivets shbould be well fastened.

III. All welded joints must be chipped and wall ground to get smooth surface.

IV. Sharp corner should be ground and made smooth.

V. Wherever pitch between rivets / bolts are not specified, it shall be 100 mm.

VI. Molts ends should protrude 2 to 3 threads length

VII. Before commencement of the bus body fabrication all the important units of chassis i.e. alternator, self starter, radiator, tyres, batteries, plastic air pipes etc. to be protected to prevent from damages due to welding, drilling, cutting, hammering, rivetting, falling of metal scrap or dust particles etc.

VIII. Cleats shall be degreased by duly immersing in soda/detergent water after punching without fail.

a)

I. Body builders are requested to offer complete stages for inspection. They are bound to use only specified material in the vehicle. The material used in the body shall be got tasted through a recognised laboratory specified by RSRTC as and when required.

II. In case it is reported that material used in the bus body does not conform to the specifications, testing charges shall be recovered from the body builders. In case of failure of such samples of non specified material, pro-rata cost of material used in that lot i.e. release order shall be recovered from the body builders.

f) GUARANTEE:

I. In general condition, guarantee for the bus body and other, materials shall be 1.5 lacs Kms or one year whichever is later.

II. During the guarantee period, if any defect is observed on a/c of poor workmanship as wall as material, such defects shall be attended by the body builder within stipulated period, failing which either actual expenditure incurred for repair of such vehicles shall be recovered or the security' deposit amount shall be forfeited. Repaatition of continuous 3 such incidents/defects may lead to take action for disqualification of the contractor.

g) In case of any doubt in specifications and drawings same may be got clarified from the GENERAL MANAGER(BB & QC) immediately after receipt of work order and before lifting of chassis.

h) Body Builder should fix their own firms' address in all details plate/monogram at the rear exterior end of the vehicle and also the same may be fixed in the saloon above the passenger door.

SPECIFICATION PREPARED BY	SPECIFICATION CHECKED COMPARED BY
(GIRISH SINGH) JUNIOR ENGINEER(BB)	(V.K. DULLAR) EXECUTIVE MANAGER(BB)

SPECIFICATIOIN APPROVED BY

(Y. N. BHARGWA)
EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG)

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATIION

PARIVAHAN MARG, CHOMU HOUSE,

JAIPUR-302001

No.F.S(858)/EM;BB/2004-05/ Dated the _____

M/s ________________________________

____

____

Sub: Tender documents for fabrication of HI-TECH NON AC LUXURY COACHES for the year 2004-05.

Dear Sir/s

With reference to your letter dated ___________ receipt of Rs. ________________ in the form of CASH / DD No.____________dtd ________ the following Tender Documents are being enclosed herewith:-

A. TECHNICAL PRE QUALIFICATION TENDER DOCUMENTS:

I. PART I related to General Condition of Technical Capability.

II. PART-II related to Technical Questionnaire formats.

B FINANCIAL TENDER DOCUMENTS:

I. Tender Form

II. Terms & Conditions

III. Broad Specifications

The last date of receipt of TENDER DOCUMENTS is 25.68.2004 upto 3.00 PM which shall be opened on the same ay at 3.30 PM.

Enclosures : As above

Executive Manager(Body Bldg)

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION,

PARIVAHAN MARG, CHOMU HOUSE,

JAIPUR-302001

No. F.S. (858)/EM; BB/2004-05/ Dated the _____,

Cost of Financial Tender Form and Set of Terms & Conditions and BROAD SPECIFICATIONS for fabrication of HI-TECH NON AC LUXURY COACHES ON LEYLAND CHASSIS.

Date of submission of Tender: 25.08.2004 AT 3.00 PM Date of Opening: 25..08.2064 at 3.30PM

Rs.2000/- (Rupees Two thousand only)
Non transferable

TENDER FORM for fabrication and supply of HI-TECH ‘NON LUXURY COACHES on Leyland Viking 210" WB without FES s durinq the vear 2004-05.

SIGNATURE OF ISSUING OFFICER
WITH DATE AND SEAL OF OFFICE

NAME AND ADDRESS OF THE
FIRM IN WHOSE FAVOUR THE
TENDER FORM IS ISSUED.

M/s ______________________________

____

____

INSTRUCTION FOR THE TENDERERS

01. INSTRUCTIONS:

a) Tender must be on the annexed form and alongwith annexed general conditions & schedule duly signed and and stamped by the tenderer with seal.

b) Before the tender is delivered, the tenderer must fill in the blank in it and the schedule annexed thereto.

c) Tender form not accompanied with ANNEXURE SCHEDULE duly filled in all respects, as per the instructions given below will be liable rejection.

02. GENERAL CONDITIONS GUARANTEE ETC.

Tanderer should refer to tha general conditions and in particulars to those relating to guarantee, completion of contract and security deposit.

a) The tenderer must quote his rates separately for for Hi -Tech Non-AC Luxury Coaches as per schedule attached and quotation should be kept in separate envelop. The fallowing words should be subscribed on right hand corner of the envelop.

"FINANCIAL TENDER FOR FABRICATION OF HI-TECH NON-AC LUXURY COACHES DUE ON 25.08.2004"

b) The tenderer must quote his rates separately per unit specified on the schedule in figures as wall as in words. The rates of sales tax, excis*e duty or other Govt. levy if any, should be specifically indicated. The chassis shall be lifted from ware-house of the chassis suppliers i. e. JAIPUR/ ALWAR and completed bus bodies shall also be 'delivered at Head Office, RSRTC, Jaipur by the body builders at their own cost RSRTC.*

No variations in the rates such mistake, misunderstanding etc. will be allowed on any ground after the tender has bean submitted.

c) Tenderers are prohibited from making any addition or alterations in the descriptions mentioned in tha schedule or columns. They should either quote rates for the in the

schedule or write the words “NO RATES’ against each item.

d) The tenderers are requested not to subject their tenders to hedging conditions such as ‘offer subject to the availability of stock’, ‘offer subject to confirmation at of order’, ‘rates subject to market fluctuations, stock etc. etc. as such conditions shall disqualify the tender.

e) Quotation and remarks must be either in ink or type written. Tenderers are requested to sign the form of tender, schedules etc. Unsigned tenders shall be rejected. All corrections, whatsoever made in the tender must be initiated by the Tenderers.

f) The corporation reserves the right to reduce or increase the number of bus bodies to be constructad and supplied at the time of placing the order during the tenure of the contract, which will have no corresponding effect on the rates quoted for the tender.

No change in the schedules of delivery o” will be entertained by the Corporation. However considerations on any point in dispute, will be given by the Managing Director, at his descretion on merits of each case.

04. EARNEST MONEY:

A sum of Rs.3.00 lacs in the form of CASH/DD in favour of F.A. & C.A.O., RSRTC, Jaipur giving reference of the TENDER NUMBER’ should be paid as EARNEST MONEY alongwith PRE- QUALIFICATION TECHNICAL BID. In case of non receipt of EARNEST MONEY of Rs.3.00 lacs with PRE-QUALIFICATION TECHNICAL BID, Financial Tender shall not be considered for OPEN-TNG, EVEN TF THE FIRM IS TECHNICALLY QUALIFIED.

Tender received without EARNEST MONEY shall not ba considered on any ground, whether registered with DGS & D or Board of Small Scale Industries/ with CSPO, JAIPUR. Earnest money in the form of FDRs/CIIEQUES etc will not be accepted. No interest shall be allowed on this deposit. Earnest money will bfs deposited will be forfieted if:-

a) The tenderer fails to deposit the required security Clause No. 11 of the General conditions of tender.

b) Tender is withdrawn within the period of its validity T2 months from the date of opening of the tender.

05. ADDRESSING TENDER:

This financial tender and the accompanying schedules submitted in an addressed envelop which must be sealed by the tender with their office seal and subscribed with following :

"FINANCIAL TENDER FOR FABRICATION OF HI-TECH NON A.C. LUXURY CAOCHES ON LEYLAND CHASSIS DUE ON 25.08.2004."

TO,
THE EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG)
RAJAOTIIAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION,
MEAD OFFICE, PARIVAIIAN,
JAIPUR

The last date for receipt of TENDER is 25.08.2004 upto 3.00 PM. Tender should be put in the TENDER BOX placed in the chamber of EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG),RSRTC, JAIPUR, or send by REGISTERED/SPEED POST to reach on the aforesaid addreessed before the schedule date and time.

06. OPENING OF TEDNER :

The tenders received will be deposited in the said TENDER BOX. All the tenders will be opened on 25.08.2004 at 3.30 PM in the CONFERENCE HALL, of RSRTC in the presence of tenderers or their AUTHORISED REPRESENTATIVE who may wish to be present.

07. ACCEPTANCE OF TENDER:

The corporation is hot bound to accept the lowest or any tender, neither to assign any reasons for rejection of the tenders. The tenderer or his part is bound by his part or whose at the option of the Corporation.

08. EARNEST MONEY OF UNSUCCESSFUL TENDERS:

Earnest money deposited by the unsuccessful tenderers will be returned as soon as possible after the tender has bean settle/finalised.

09. DISCHARGE OF TENDER CONDITIONS:

The Managing Director reserves to himself the right to reject any tender which does not confirm to any of the above mentioned instructions or which does not accept the conditions laid down by RSRTC.

FORM OF TENDER

To,

The Managing Director,

Rajasthan State Road Transport Corporation,

Head Office, Parivahan Marg,

JAIPUR-302 001.

Dear Sir,

We the undersigned hereby offer and undertake:-

1. To fabricate HI.-TECH NON .A.C. LUXURY COACHES during the year 2004 05 on Leyland Viking 210"WB chassis without FCS to be supplied by the Corporation and supply the complete bus bodies ready for the road as described or mentioned in the broad specifications RSRTC , and schedules annexed hereto in a thoroughly good workmanship

like manner, and in strict accordance with terms, provisions, conditions also herato annexed, and in said broad specifications first schedule..

2. We hereby undertake to deliver bus bodies complete in all respects mounted on corporation chassis and ready for road at the place and in the manner to be directed by the Managing Director or his Authorised Representative as set-forth in the first and 2nd schedules.

3. We agree that this tender shall remain open, to be accepted or not, by the Corporation and shall not be withdrawn till the expiry of 12 months after the date opening.

4. We agree that payment under the contract shall be on the basis of lumpsum and not by way of measure and value and undertake to execute a contract agreement to be prepared at our expenses for the proper and complete fulfilment of the terms and conditions, drawings, specifications, schedule or prices of this tender and to deposit to a sum equivalent to 5% of the total value of order or Rs.3.00 lacs whichever is higher in the form of DD in favour of F.A.&C.A.O., RSRTC, Jaipur, setforth in the first schedule with the Corporation for securing the due and complete performance of the contract.

AS WITNESS-

____________________________________ Hand this ______________________________ day of

____________________________________ Name _______________________________________

____________________________________ Address_____________________________________

____

SIGNATURE

(The contractor's name to be written in full.)

SCHEDULE (HI-TECH NON-AC LUXURY COACH)

of prices, taxes of complete coach

TENDER for fabrication and supply of HI-TECH NON AC LUXURY COACH ON LEYI...AND VTKING 210" WB CHASSIS during the year 2004-05

Sr. No.	Particulars	Bsic Rate for bus body	Excise duty, if any	Rate of ST	Amout of ST	Total 3,4,6	Monthly capa city
1.	Fabrication of HI TECH NON AC LUXURY COACH with MS tubular structure and stratch panelling and as par Board specification with 37 passenger seats on Leyland Viking 210" WB Chassis.						
A.	WITH HARITA GRAMMAR SEATS						
B.	WITH PINNACLE MAKE SEATS.						
C.	WITH HEATING SYSTEM.						

Note : Details of E.M. vide DD No. ____________________________dtd ________________ for Rs. 3.00 lacs drawn on ____(name of bank)

NAME____________________________________

ADDRESS________________________________

SIGNATURE OF TENDERER WITH OFFICE SEAL.

NOTE:

1. Tenderors are requested to furnish the particulars in all columns in words and figures.
2. Over writting cutting erasing may redner the tenders liable for rejection.
3. FIRM WOULD SUBMIT THE DETAIL DRAWINGS AND SPECIFICATIONS OF THEIR OWN DESIGN ALONGWITH TENDER ON WHICH TENDER ON WHICH COACH TS TO BE FABRICATED.

Earnest money in the form of FDRs/CHEQUES etc. shall not be accepted. Tender received after the prescribed hour and data are liable to be rejected.

The tender submitted shall not be considered in case of non deposition of earnest money or on any ground, whether registered with DGS & D / Board of Small Scale Industries or with CSPO, Jaipur i.e. Tenders without EARNEST MONEY will stand rejected.

In respect of unsuccessful tenderers, EARNEST MONEY will be in respect of successful tenderers, tha EARNEST MONTY SMALL BE ADJUSTED towards security deposit.

III. The last date of receipt of financial tenders is 25.08.2064 upto 3.00 p.m.

C. The contractor shall be deemed to have carefully examined the conditions, broad spacifications, size and Drawings etc. of the bodias to be fabricated. If he has any doubt as to the meaning of any of these conditions or of the specifications, drawings, etc. shall before submission of tender, refer to the EXECUTIVE DIRECTOR (ENKG) and. gat the clarification from him in writing. The interpretation of the Managing Director on this behalf shallbe final and binding on the tenderers.

The tender documents alongwith broad specifications and drawings for the bus bodies to be fabricated may be purchased on the payment basis as indicated in the tender form.

D. The rates for fabrication of bus bodies should be quoted per unit and must not under any circumstances be altered and the rates must be entered in words as wall as in figures.

Any INCREASE IN GOVERNMENT LEVIES ON BUS BODY shall be payable to body builders on production of proof to the satisfaction of the corporation.

E. The tenders should sign the tender form and all these papers, terms and conditions, in token of having accepted all the terms and conditions of tender and contract and should also enclose the same with the tender alongwith your detailed drawings and specifications made, if so.

F. Tender should be filled in with ink or type written. Tender filled by pencil otherwise shall be rejected. No additions, and alterations shall be made in the tender. No over writing should be done, if any, should be done clearly and initiated. Tenders which does not conform of these conditions shall not be considered

G. The Corporation reserves the right to accept any tender or part of a tendar not necessarily the lowest and may, similarly, reject any tender, any part of the tender or all the tenders without assigning any reasons. Therefore, order can be placed for the fabricated coaches for deposition to the allotted depots.

IV. The authorised representative of the Corporation kkay carryout SURPRISE INSEPECTION at any point of time and at any fabrication stage.

V. Contractor shall make a written request to the Authorised Representative of RHRTC, Jaipur for the inspection of aforesaid stages as per schedule meant.

(a) The local and outside Contractors located within 350 Kms. of JAIPUR shall intimate by atleast 3 working days in advance before the proposed inspection data.

(b) The Contractor located at a distance of more than 350 Kms. from Jaipur shall intimate tentatively at least by 10 working days in advance before the proposed inspection date, subject to the confirmation of the same by the contractor with a margin of at least 3 working days. If the Contractor fails to respond to the tentative inspection call given by him and does not offer the vehicle for inspection as per programme such an act of commission shall be viewed against him.

After the approval of 1st stage inspection, the contractor will proceed further for the next stage working. The Corporation reserves the right to point out any defect in the material

used, workmanship, quality of stores used etc. at any stage and the Contractor shall abide by the advice of the Inspecting Authority which will not be challengeable on the grounds that the said defects were not pointed during the earlier inspections.

B. The coaches shall be fabricated strictly in accordance with the BROAD SPECIFICATIONS given in the tender documents for using high quality standard material, which will form a part of the AGRCCMFNT. The decision of the Corporation in this regard shall be final and binding upon the contractor. In case, the material is not approved by the Corporation the same shall be rejected and will be required to be replaced by the Contractor as per directions of the Corporation. Any loss to the Contractor as a consequence of such rejection or replacement shall be entirely to thseContractor's account and for this the contractor shall have no right to claim or challenge the decision of the Corporation.

C) The Authorised Representative of the Corporation shall at all reasonable times have the access to the Contractor's premises and shall have the authority to inspect and examine the material the workmanship of the coaches as and when required.

05. PAYMENTS :

a) 40% advance on basic rate on per chassis will be provided to the contractor after approval of STRUCTURE within 10 working days to be counted from the next working days after approval of the structural work and after receipt of all necessary documents.

b) The final payment will be made after the delivery of the buses (complete in all respect) at the identified destination/ depot. within 10 working days through cheque/pay order/demand draft. However, the bank charges if any shall be debited to, the. contractor's account. However, if the contractor was submit the necessary documents related to above payments within prescribed time as required, the responsibility for the same shall devolve on the contractor.

c) A certificate from the Authorised Representative shall in no way randar or relieve the contract or any loss, injury or damage, which may result from the use of improper material or

workmanship or commission in the workmanship which might have escaped the attention of the Authorised Reprsentatives of the Corporation. The contractor' shall be liable for the replacement of the improper material used free of cost or for 100% cost deduction for the same besides, attending to the defective workmanship by the Contractor at the RSRTC depot/s.

06 DELIVERY SCHEDULE

The Contractor shall give his consent for accepting the cassis and to fabricate the specified bus bodies as per broad specifications and deliver the same within a period of 45 days, excluding transit time for the Leyland and Tata to the Corporation. The delivery period shall be counted from the date issue for release order in connection with the allotment of Chassis to the Contractor, upto the final stage inspection approval at site.

b) The contractor shall have to be complete and deliver the Coaches mounted with bodies ready in all respects with all accessories mentioned as par specified at allotted destination of RSRTC within the specified period.

c) The contractor shall be allowed a reasonable transportation time for transporting the chassis/ bus body from & to his factory site from JAIPUR/ALWAR on the following basis:

0 to 50 Kms	Nil
51 to 300 Kms	One day
For every additional 300 Kms	One day

Extra tfms taken for transportation of chassis/bus bodies shall be subject to demurrage charges as per Clause No. 7.

d) The contractor on completion and approval of the bus body shall be obliged to transport the vehicle(s) to the. Head Office, RSRTC, JATPUR with him driver. The contractor shall also arrange for the temporary registration certificate for the vehicles during the transportation form the Contractor's place to the y intimated destination station/depot of RSRTC

before despatch of the vehicles. The contractor shall get the TRCs renewed from time to time at his own cost beyond stipulated delivery periood, as may be required.

If, the Contractor's driver is found carrying the passengers in the bus in transit to the destination depot, a penalty equivalent to the full capacity of fare of the bus from the factory of the Contractor to the destination depot shall be charged. In case of an accident, the contractor shall be fully liable for the payment of all type of compensation/ damages penalties/payment as the case may be as per orders of the Court or as per out of Court settlement which may include passengers claims or claim of the legal heirs.

07 DAMAGES / PENALTY CHARGES:

a) The contractor will be obliged to complete and deliver the chassis mounted with' the bus body duly completed in all respects with all accessories as provider in the broad specifications and drawings, at the given destination/depot of RSRTC, Jaipur, within the specified period. In case the work is not completed by the contractor within the stipulated time period or if, the bodybuilding work is not carried out to the entire satisfaction of the Authorised Representative of the Corporation, the Managing Director, RSRTC shall have the powers to revoke the Agreement and withdraw the chassis from the custody of the Contractor after giving 7 days notice.

In the event of such withdrawal, the Contractor shall not be to claim any compensation from the Corporation for the incomplete or defective work done as also for the material used by him for the incomplete fabrication work or for the withdrawal of the chassis. If the Corporation decides to withdraw bare/incomplete chassis with the body fabricated on them, then the liquidated damages as specified below will be levied upon the Contractor from the next day of issue of the Release Order.

From Ist "to withdrawal of Rs.l000/-per day per bus. Chassis/incompletely fabricated bus body.

b) In case of failure to deliver the required number of bus bodies duly completed in all respect within the specified period, the liquidated damages as mentioned below from the remaining period in respect of undelivered vehicle shall be payable by the Contractor to the Corporation.

From 1st to the date of delivery. Rs.l000/-per day per bus

The save days on any chassis due to early delivery of bus bodies can be suitably adjusted to a maximum of 10 days. As regards save day, save days on any chassis due to early delivery of bus bodies earned later or may not be adjusted against the early with held amount against the late delivery of buses.

c) The damage @ Rs.Rs.2000/- per day per chassis besides actual traveling expenses required to be incurred by the Inspector during to and from journey to he Contractor's premises shall be payable by, the Contractor if the vehicle is not ready for inspection at particular stage for which an intimation has been given to the corporation.

d) The damages imposed as per Clause No.07(a) to (c) shall be adjusted from outstanding of the bills of the Contractor as also from the security deposits. If an amount after adjusting from the bills and security amount still remains to be recovered / adjusted, the same shall be recoverable from the Contractor's movable and immovable propary under the Public Demands Recovery Act or as be deamed proper by RSRTC.

e) The corporation will be at liberty to cancel the allotment and forfeit the earnest Money of the Contractor if the chassis are not lifted within 7 days from the date of issue of Release Order.

f) The Authorised Reprsentative of the Corporation may serve a 5 days notice in writing to the Contractor to make good the losses a referred to above and in case of failure of the Contractor to comply with the notice within the prescribed time, the Corporation will be free to forfeit the amount of security deposit and pending payments if any, to make good the losses sustained by the RSRTC. The balance payments if any would be recovered from the movable and immovable property of the Contractor by taking proceedings under the provisions of the Public Demands Recovery Act as may be deemed proper by the corporation.

08. GUARANTEE PERIOD

The Contractor shall be responsible to make good any loss that may be caused due to defective workmanship structural defects and material used therein for a period of 5 year from the date of delivery of the completed bus body fabrication work to the Corporation or till the vehicle has covered 7.00 lacs Kms. for structure and in case of bus 1 year or 2.00 lacs Kms. on road whichever is later. The contractor shall be responsible for replacement of the parts which in the opinion of the Authorised Representative of the Corporation are not found proper.

d) The contractor would be obliged to attend the defects of the bus bodies, developed during the guarantee period at the place of the Corporation of the said vehicles. Thereafter, the Contractor shall also obtain a certificates from the Manager(Op) concerned and submit the same to the General Manager (Qc) in support of having attended the work/defects.

c) If the reported defects are not removed within a period of 10 days by the contractor 5% security deposit of such vehicle shall be forfeited without giving any further notice, in addition to the recovery of extra expenditure incurred by the corporation against removal of defects, such extra amount shall be recovered out of total security deposit of the Body Builder.

09. MISCELLANEOUS:

a) The material required by the Contractor for the bus body fabrication shall be arranged by the Contractor. The corporation will not be responsible for arranging any articles/materials as may be required for the purpose.

b) The authorised signatory of the RSRTC shall be entitled to order to permit any deviation from the borad specifications given by the Corporation and the Contractor shall abide by such instructions. However, in case of deviations having been made without prior approval, then the decision for reducing the cost to that extent shall be taken by the RSRTC which shall be final and binding by the Contractor.

c) The repeat order for the fabrication of bus bodies other than the ordered quantity can always be placed on the same rates, terms and conditions and broad specifications, during a period of one year from the date of signing of Agreement, if the corporation so decides. The Contractor shall be bound to accept the same or else shall have its EARNEST MONEY and SECURITY DEPOSIT forfeited in favour of RSRTC. However, placement if repeat order may be subject to the condition that the total No. of chassis ordered doss not exceed to the agreed numbers in the Agreement. Any order beyond the quantity indicated in Agreement shall be with the consent by the body builder.

d) The Contractor shall dispatch the vehicles to THE RSRTC DEPOT communicated to him with a copy of the 3rd AND Final stags .inspection report, gate pass and bill in TRIPLICATE alongwith TRC and shall furnish the GRs from the depot alongwith the bill in DUPLICATE (including ORIGINAL COPY) with the gate pass which will be submitted to the office of the EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG.) for payment.

e) The Corporation may reimburse the actual charges paid by the Contractor of TRCs on production of receipt. The reimbursement expenditure TRC shall be made by the Corporation only for the stipulated period of delivery and transit as per Clause No.6(a) and if, it is in excess of the period it shall be borne by the Contractor alongwith the compounding fee, if paid by him.

f) In case of strike or any labour problem or closure of the factory, the Contractor will immediately inform of the same to RSRTC.

g) The Authorised Representative shall have the authority to raw all or any of the chassis from the custody of the Contractor. In the event of such withdrawals, the Corporation would be entitled for imposing the suitable penal provisions on the contractor under the relevant clause of the Agreement.

h) Contractor shall be fully responsible for the maintenance and safe custody of the chassis as long as the chassis as long as the chassis remain in the contractor’s premises.

i) The corporation reserves the right to include or exclude any conditions or to modify or alter the conditions in the Agreement.

j) In the event of non fulfilment of any of the terms and conditions of this agreemen, the RSRTC shall be at liberty to terminate, the contract without assigning any reason to the Contractor. In the event of termination of the contract, the corporation shall be entitled to retrieve the chassis, tools etc. entrusted to the Contractor for Body Building. The contractor shall hand over the sama to the Corporation immediately on demand without putting any counter claim on his failure to do so. The contractor would be obliged to allow the Authorised Representative of the Corporation to enter into the premises where these articles are "stored and to take their possession.

k) The Contractor shall not assign or sublet the contract of any part thereof to any other person.

l) The Contractor- shall fully indemnify the Corporation against any action claim or costs, charges and expenses arising out of any infringement or alleged infringement of letters, patent, design trade mark, make of copyright or any other protected rignt in respact of any machine, patent, work material or any system or method of using, fixing working or for any other arrangement, used or filed or supplied by the Contractor.

m) If the Contractor declares insolvency or enter into liquidator whether compulsory or voluntary but for the liquidation for the purpose of the reconstruction or suffer an execution for the debt to be levied against him or compounds with the creditors for the settlement of his debts, the RSRTC would require the assigned work to be completed and if this requisition is not satisfactorily Complied with, within 7 days from the data of his notice, the Managing Director, RSRTC, may issue a notice to the Contractor in writing to rascined the contract at the cost and risk of Contractor. The M.O., RSRTC shall thereupon have the authority to enter a fresh contract with any other person, firm or company for the completion of the same without prejudice to his right to recover the losses from the Contractor's security deposit etc. Any losses or damages for the default of the contract and the losses sustained by the

Corporation on account of damages under the contract, shall be recovered in all possible manner.

Nothing under the contract clauses contained shall dabar the corporation from recovering the losses from the contractor by suit or by other means, such extra costs, shall also be recovered from the contractor.

n) Any legal proceedings arising between the Corporation and the Contractor if it is a must shall be instituted in the Courts situated in JAIPUR CITY alone and not any where else in the country.

o) In case of a dispute arising between the parties with regard to interpretation of these terms of Agreement or their fulfilment the dispute shall be referred to the Chairman, RSRTC, for arbitration who will be the Sole Arbitrator and whose decision shall he final and binding on BOTH PARTIES.

The RSRTC and the Contractor both Chairman or his Nominee as the Sole Arbitrator, knowingfully well that the Chairman RSRTC As an Officer of the Corporation.. Further, no party shall have the right to go the Court of Law for any dispute under this Agreement for their fulfilment unless the dispute is first referred to the Sole Arbitrator specified under the agreement.

PLACE: JAIPUR

DATED:

EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG)
RSRTC, HEAD OFFICE,JAIPUR

SIGNATURE OF THE TENDERER
WITH OFFICIAL SEAL.

PART -I

GENERAL CONDITIONS

RELATING TO

TECHNICAL CAPABILITY

(Those Body Builders who have adequate experience for fabrication of integral bus bodies for any STU's may only apply).

1. INTRODUCTION

To judge the capability of the Body Guilders who are willing to undertake fabrication work of NON A.C. LUXURY COACIIEG, certain technical and financial information is required to be furnished so as to decide whether the firm should be considered for fabrication of such buses. The capacity and capability of interested Body Builders shall be judged by taking into account (i) the experience and past performance (ii) type and quality of equipments, plants, financial position and availability of expert man power.

2. REGISTRATION:

The registration of applicants shall be judged with regard to capability for fabrication of NON A.C. LUXURY CAOCHES.

3. TECHNICAL CAPABILITY

3.1 The appicable are required to submit the details with regard to their technical know how to the Executive Director (Engg) in PART II of this document. One copy of which may be retained by the applicants.

3.2 An earnest money of Rs.25,000/- is required to be furnished by each Applicant in the form of cash/DD in favour of F.A.&C.A.O. RSRTC, Jaipur. The firms who are already registered/ technical pre-qualified for fabrication of HI-TECH NON A.C. LUXURY COACHES in the year 2003-04 onwards need not deposit the EMD of Rs.25000/-,

The earnest money of Rs.25,000-/ as per clause No.3.2 is non-refundable, therefore, the tenderer must ensure that he is fully equipped with minimum required plant and machinery and experience.

3.3 An earnest money of Rs.3.00 lacs towards FINANCIAL TENDERS required to be submitted in the form of Cash/DD in favour A.&C.A.O., RSRTC, JAIPUR separately alongwith TECHNICAL PRE-ON DOCUMENTS ONLY, FAILING WHICH THE FINANCIAL

TENDERS MAY NOT BE OPENED EVEN AFTER ACCEPTANCE OF PRE-QUALIFICATION EVALUATION.

3.4 The blank application can be obtained from the Office of the Executive Director (Engg.) against Cash/DD of Rs.2,000/- in favour of of F.A.& C.A.O., RSRTC, JAIPUR.

3.5 The information is required to be furnished in the prescribed formats in PART-II of the document attached with the Application Form.

4.1 The applicant may be registered for NON-A.C. TYPC OF LUXURY COACHES on the basis of providing the Technical details required for the purpose.

4.2 Technical information questionnaire, as. enclosed herewith should be submitted in duplicate, to Executive Director (Engg) by due date and time, indicated in the notice inviting tender. These shall be sealed in an envelop and submitted on or before prescribed date and time specified in the tender notice. The envelop shall be super scribed as APPLICATION FOR REGISTRATION FOR FABRICATION OF NON A.C. LUXURY COACHES DUE ON 25.08.2004".

4.2.1 The technical information questionnaire consists of 11 formats pertaining to the items listed below: -

a) Technical Capability application.

b) Schedule ‘A’ regarding Organisational set up.

c) Schedule ‘B’ regarding Financial Status.

d) Schedule ‘C’ regarding Factory Area, Plant and Machinery.

e) Schedule ‘D’ regarding working experience.

f) Schedule E’ regarding Technical man power availability.

g) Schedule F’ regarding quality assurance measures availability.

h) Schedule ‘G’ regarding information regarding litigation/ debarring / expelling of tenderer.

i) Schedule ‘H’ regarding information regarding subcontracting.

j) Schedule ‘I’ regarding joint venture data. Schedule *J” regarding Affidavit.

4.2.2. If so needed the applicants may enclose copy of the documents/ brouchsra providing the relevant additional information.

4.2.3 Each page of the Technical information document should be signed by the Applicant or by the Authorised Reprsentative.

4.3 Incomplete and inappropriately filled in applications are likely to be rejected.

4.4.1 If the application is made by a firm in partner ship/proprietary, then, it shall be signed by all the partners of the firm indicting their full names and addresses. A certified copy of the partnership deed may also please be enclosed.

4.4.2 If the application is made by a Limited Company; it should be signed by the Authorised person, holding the power of the Attorney for signing the application. A certified copy of the power of attorney must also be enclosed with the application. Such Limited Company will be required to furnish evidence of its existence before the contract is awarded.

4.5 In case an applicant deliberately hides/gives incorrect about their working capacity and performance or if have been black listed or debarred by Another STU, RSRTC to take appropriate action against such defaulting firms.

4.6 The applicant is expected to be familiar, with the latest integral bus body designing of NON A.C. LUXURY COACH in vogue preferably TOR EXPORT PURPOSE, STU and PRIVATE OPERATORS.

4.7 An affidavit, as prescribed in Schedule 'J' is required to be furnished along with technical information. The applicants "attention is explicitly drawn to the fact that, even after pre-qualification of potential bidders have been carried out, the Bidders may also submit a Statement of the changes, that may have occurred after submission of this application.

5. The Corporation fully reserves the right to accept or to reject any of the pre -qualification application received and will also not be liable to explain the reason to anybody for the decision taken by the Corporation.

EXECUTIVE DIRECTOR (ENGG.)

RSRTC, HEAD OFFICE,JAIPUR

RAJASTHAN STATE ROAD TRANSPORT CORPORATION

HEAD OFFICE, PARIVAHAN MARG, CHOMU HOUSE

JAIPUR 302 001

TECHNICAL INFORMATION DOCUMENT FOR

REGISTRATION OF FABRICATION OF

NON A.C. LUXURY COACHES

PART II

TECHNI8CAL BID

QUESTIONAIRE FORMS

BY REGD. POST / COURIER / HEAD

TECHNICAL APPLICATION

To,

The Executive Director (Engg.)
Rajasthan State Road Tr. Corpn.
Parivahan Marg, Chomu House
Jaipur 302 001

Ref: Application for Registration for fabrication of NON A.C. LUXURY COACHES with reference to your Advt. No.____dt ______published in _____________Newspaper.

Dear Sir,

Having examined the Registration/application Documents, we hereby submit all the necessary information and relevant documents for registration and consideration of eligibility for submission of financial bids for :

1. Fabrication of NON A.C. LUXURY COACHES.

The application is made by us on .behalf of ____________________________________ (Groups of firms) in the capacity of ________________________duly authorised to submit the offer.

The necessary evidence admissible in law in respect of authority assigned to us on behalf of the group of firms for applying and for completion of the contract document is attached herewith.

We are also submitting Company Profile and other information asked by you-

SIGNATURE OF THE APPLICANT
INCLUDING TITLE AND CAPACITY
IN WHICH APPLICATION IS MADE

Enclosures :

SCHEDULE 'A'

ORGANIZATIONAL SET UP

1. Name of applicant :
(In cass of the joint
venturs/consortium,
the name of the lead firm)

2. Head office Address :
Telephone No. :
Fax No. :

3. Regional Office Address : (If any)
Telephone No. :
Fax No. :

4. Local office Address :
in India (If any.)
Telephone No. :
Fax No. :

5. i) Description of Applicant(e.g. fabrication work of coaches.
ii) In-House facilities available. (for design / sup ply/ quality assurance.)

6. Year of incorporation (attach copy of certificate of registration)

7. Name and address of Bankers:

8. Name(s) and address(s) of Principals of Companies to be associated in the project and whether parent/subsidiary etc.

9. Attach an organization chart showing the structure of the Company including names and positions of Directors and key personnel.

NOTE:

1. Applicant covers proprietary firm, partnership, Limited Company or Corporation, Joint Venture of Consortium.
2. Particulars of item 2,3,4,5,6,7&8 above should be furnished separately for each partner of Joint Venture/Consortium.

a) That the contractor agrees to receive the chassis at JAIPUR/ALWAR from the corporation for fabricating the bus bodies, and gat them insured for TRANSIT chassis/bus body against fira, theft, flood, rebellion, riots, accidents and undue exposure or weather or otherwiise for the full cost immediatel;y on the days chassis are collected and bus bodies delivered upto the destinatin.

b) It has been further agreed that the Contractor will get the insurance cover at his own cost for the entire period for which the chassis would be retained in his factory against fire and burglary etc. Tn case the chassis remain with the contractor at his factory after expiry of the insurance period then the Con-tractor will be liable to get the insurance cover obtained prior to the expiry of the said policy. However, in case of default, the contractor would be fully liable for any damage to chassis/ bus body if any and at the same time, Contractor would also be liable to pay Rs.100/— per day per chassis to the Corporation on account of such default.

c) The contractor would be required to execute a Trust Bond on the Stamp paper of Rs.100/- in the format as per Annexure-B.

d) The contractor agrees that he has fully understood the drawings and broad specifications given to him for the purpose of fabrication of bus bodies and that the bus bodies are to be fabricated according to broad specifications given to him and that no further clarifications are needed. However, in case Contractor feels that some clarifications are required, then ha shall obtain the same in writing before taking the delivery of the Ist chassis,

4 INSPECTIONS:

A. The Authorised Representative of the Corporation shall inspect the bus bodies under fabrication as per schedule stipulated. The Inspecting Authority shall have right to suggest the modification in fabrication work while pointing out the defects in the workmanship. Further, if Inspector notices the material other then what has been specified is used then the same shall be replaced by the Contractor on the insistence of the organization s representative, at the contractor s cost^

I. The Ist stage inspection shall be after the completion of the frame work i.e. complete structure with strech panel.

II. 2nd stage inspection shall be for interior and exterior side panelling and roof top panelling as also for chromotising of Aluminium sheets, water testing of roof top shall also be under.

III. The 3rd and final stage inspection shall be done after fabrication of bus body for all the items as per specifications. After fully satisfaction of final inspection, Inspecting Authority will provide the necessary movement orders (Gate Pass).

SCHEDULE 'B'

FINANCIAL STATUS

(To be given separately for each constituent firm of Joint Venture/Consortium).

1. Name of Applicant (In case of Joint Venture/Consortium, the namas of the constituent firms)

2. Summary of assets and liabilities on the basis of the audit financial statement of the last three Financial years (Attach copies of the audited financial statement of the last three financial years)

	Year 01-02 Rs. in lac	Year 02-03 Rs. in lac	Year 03-04 Rs. in lac
a) Asset value			
b) Liquidity position			
c) current assets			
d) Current Liabilities			
e) Net worth			
f) Working capital.			
g) Paid up capital			
h) Assured capacity to raise finance loans and market borrowings.			

3. Turnover of fabrication works undertaking the last 3 years and projected turnover, for the current year.

Rupees in Lacs

Current year	1 year before	2 year before	3 year before

4. Profit before Tax:

a) Profits earned during the last 3 years.

b) Please enclose a copy of the last year audited balance sheet P&L/ A/c

c) Please enclose a latest copy of Income Tax clearance certificate.

5. Applicant's specific financial bias (mention amount in Indian Rupees.)

a) Equity Capital

b) Loan Capital

c) Market Borrowings and others.

6. Credit Facilities :

a) Name/address of scheduled bank providing credit limits

b) Total amount of credit limits (please attach certificate from the Bank)

7. Details of working experience :

Note :

All items should be properly filled in. Where any particular item is not applicable, it should be clearly mentioned as 'NOT APPLICABLE'

SCHEDULE 'C'

FACTOORY AREA AND PLANT & MACHINERY

NAME OF THE APPLICATION : ________________________

____

____

1. SHED

a) FACTORY AREA:

I. Top cover with pucca flooring

II. Top cover with Kutch flooring

III. Without shad and Kutch flooring

2. PRESS BRAKES AVAILABILITY (PLEASE MENTION CAPACITY)

i)

ii)

3. SHEARING MACHINE

a) Capacity

b) Thickness

04 WELDING EQUIPMENT

TYPE	CAPACITY	NOS
a) Mig		

05 AIR COMPRESSOR

Nos. of air compressors available and their capacity.

06. D.G. Sat : No. Capacity

07. BENDING AND SLOTTING MACHINE:

a) Hand operated

b) Machines operated

08. PAINTING SYSTEM TYPES:

a) Class

b) Open

RIVETTTNG ARRANGEMENT: NO.OF MACHINERY AVAILABLE

a) Pneumatic riveting

10 Phosphating Please specify -

a) Nine tank with hot water rinsing

b) Seven tank with hot water rinsing

c) Biolar / Tharmic fluid heating system

11 Chromotising plant for Aluminium product (Please specify No. of Tanks)

12 Fire fighting equipment

13 BATTERY CHARGER

Capacity of battery charges to charge the batteries at a time.

14 WATER LTAKAGC TEST ARRANGEMENTS:

a) Shower testing of complete vehicle at a time.

b) Car washer testing.

15 Tyre inflating arrangement

16 Panel stretching machine availability and their capacity details of:

17 ABS molding machine availability and technical details thereof.

18 Please clearly indicate in detail the system being followed by you for:-

a) Pre treatment of structural members to guard against corrosion/rusting.

b) For painting of finished coach.

19 Any other equipment which may be available, may please be provided, for constructions of quality of Body Building.

SCHEDULE 'D'

WORKING EXPERIENCE

(TO BE GIVEN SEPARATELY FOR EACH CONSTITUENT FIRM "OF JOINT VENTURE/ CONSORTIUM)

NAME OF THE FIRM:

1. Numbers, of years and experiences in fabrication of LUXURY COACHES.

2. Nos. of Non-A.C. LUXURY COACHES Fabricated during the last 3 years

Period	Type of BUS BODIES	For Export		For STU		For Private Operators				Total during year
		AC	NON A.C.	AC	NON A.C	AC	NON A.C.	AC	NON A.C	

3. Details with copies of work order in hand for export/STU/Private Operators for the year 2001-02 & onwards. for fabrication of integral luxury buses.

SCHEDULE 'C'

TECHNICAL MAN POWER AVAILABILITY

NAME OF APPLICANT .

1. Skilled staff available on roll

2. Unskilled staff available on roll

3. Availability of Supervisors and their qualifications.

4. Information regarding key Personnel.

Name	Age	Year of experience of the Applicant	Education	Proposed	Relevant Exp.

SCHEDULE 'F'

QUALITY ASSURANCE MEASURES AVAILABILITY

NAME OF THE APPLICANT :.

Whether following quality assurance equipments are available, if yes, indicate quantity and capacity of each equipments

1. Phosphating depth measuring equipment

2. Painting depth measuring equipment

3. Micrometer

4. Vernier Calipers

5. Hardness Testing Machine
   a) Brinell
   b) Rock well

6. Full length shower tester for leakage test

SCHEDULE 'G'

INFORMATION REGARDING LITIGATION/EXPELLING OF TENEDER

1. a) Is the applicant currently involved in any Yea/no litigations/Arbitration relating to the contract work.
   b) If yes, give details
   i) with RSRTC
   ii) with others
2. a) Has the applicant or an of its constituent –Yes/No Partaner been debarred expelled by any Agency in India, during the last 3 years.
   b) If Yes give details
3. a) Has the applicant or an of its constituent –Yes/No Partaner failed to perform on any contract work in India, during the last 3 years.
   b) If Yeas, give details.

Note: If any information in this schedule is found to be incorrect or concealed, registration application may be rejected.

SCHEDULE 'H

INTORMATTON REGARDING SUB CONTRACTING

1. Would you sub-contract any part – Yes/No. of work
2. Type of work proposed to be sub contracted
3. Give names of the sub-contractors and their particulars.
4. Give names of the specialised Contractors which are proposed to be associated indicating the nature of work.

SCHEDULE 'I'

JOINT VENTURE DATA:

1. Name(s)
2. Head Office Address

   Tele Fax No. Cable Address

   Telephone No.

   Fax No.
3. Local/Regional Address(If any)

   Telex No. Cable Address

   Telephone No.

   Fax No.
4. Name of partners

   a)

   b)

   c)

   d)

   e)

   Details about constituent firms to be provided on separate sheets.
5. Name(s) if lead firm:

   a)

   b)
6. Joint venture Agreement

   a) Date of Agreement

   b) Place
7. Proposed distribution of responsibilities among constituent firms:

   a) Financial Distribution

   b) Work distribution

SCHEDULE 'J '

AFFIDAVIT HE GIVEN SEPARATELY BY EACH PARTNER OF JOINT VENTURE)

1. I the undersigned, do a hereby certify that all the statement made in the required attachments are true and correct

2. The Undersigned also hereby certifies that neither our firm M/s____________
Nor any of its constituents partners have abounded any work on any state Transport Undertaking in India nor any contract awarded to us for such works has been resined during last 3 years prior to the date of the build

3. The undersigned hereby athorise(s) and request(s) any bank person firm or corporation to furnish pertinent information deemed necessary and requested by the department to be verify this statement or regarding by (our) competence and general reputation.

4. The undersigned understands and agree that further qualifying information may be requested and agrees to furnish any such information at the request of the department/projection implementing agency.

(Signed by an Authorised Officer of the firm

(Title of the Officer)

Name of the firm

Date

RAJASTIIAN STATF ROAD TRANSPORT CORPORATION

HEAD OFFICE, PARIVAIIAN MARG,

JAIPUR 302 001

GROAD Specifications TOR FABRICATION OF HI TECH

NON-A.C. LUXURY COACHES..

01 DESIGN OF Till COACH:

As per firm's own latest design conforming to All India Tourist Permit Regulation and Broad Specifications of RSRTC to the extant possible.

02 TYPE OF chassis ON WHICH COACH TO BE FABRICATED:

Leyland Viking ALPSV 210" WB

03 NO.&TYPE OF PASSENGER SEATS:

(A) 37 Nos. of reclining type high back luxury adjustable with gas filled shockers with 3 retractable arm rest, foot rest, adjustable head rest of 'HARITA/PINNACLE' MAKE and conforming to the size given in All India Tourist Permit Regulation, minimum 1010 mm width of each twin seater.

(B) Driver seat should be of HARITA GRAMMCR.

04 8ACK TO BACK SEAT DISTANCE AND LEG SPACE:

As per Drawing to the extent possible.

05 OVER ALL HEIGHT/WIDTH/LENGTH OF BUS AND CLEAR WIDTH OF PASSENGER DOOR.

Conforming to All India Tourist Permit Regulations.

06 WTDTH OF GANGWAY: MINIMUM 410 MM

07 TYPE OF REAR DICKEY:

Manually operated, also ensuring that there is minimum 6 gap batsman rear spring rear bracket and dickey.

Appx.	Depth	Width	Height
size	1620mm	2340 mm	970/810mm

08 SIDE DICKEY:

As per design of the firm.

09. SPARE WHEEL CARRIER

To be provided on left side of the vehicle with proper Opening duly covered.

10. TYPE OR FRONT WIND SCREEN GLASSES:

Front wind screen glasses should be in one piece i size 1400 x 2530 x 8 mm and should ba as prescribed in All India Tourist Permit Regulation with the provision of colour film on top thereby allowing some shads to the driver.

11. REAR WIND SCREEN GLASSES

Rear wind screen glasses in 3 pieces in light green shade. The size of the middle glass which is also to be as emergency exit should be of 1100×780 MM.

12. WINDOW GLASSES

Top fixed glasses in double and bottom of sliding type in single preferably in light green shade conforming to the provision of All India Tourist Permit Regulation, size of the glasses should be 740×640×5 mm.

13 TYPE OF STRUCTURE:

As per firms' own design integral type duly mig welded on forming to the dimensions of the All India Tourist Permit Regulation.

14 INTERIOR DECORATION

Complete interior finishing of passenger & driver compartment shall be AQS in grey colour with proper heading minimum thickness of ABS to be 3mm.

15 PASSENGER DOOR.

Manually operated swing type door matching with the matching with body design. Location of door to be ahead of front axle. The opening system should be of heavy duty type for

smooth, gap and rattle free operation of passenger gate. The width of the gate shall be as per provision of All India Tourist Permit Regulation.

To be tion. It provided as par All India Tourist Permit Regular may be provided as per SI. No. 11 or in thear right side of the bus.

17 PARCEL RACK:

Spacious parcel racks of size 550x236 mm, it should twin seat, speaker, call bell switches, trimmed in ABS Plastic..

18 OUTER PANELLING:

A) Roof in non-corrosive light weight aluminium / GP sheet duly mig welded

B) Sides of galvanized recoated stretch panel of 1 mm thick between waist rail to floor level..

C) With the provision of folding type lower side panel of 10G thick aluminium sheet.

D) Rest as per design of the firm. 19 WIPER MACHINE:

19. WIPER MACHINE

2 Nos. Electric wiper motors to be provided, one each separately for driver and conductor side. Wiper shall he heavy duty type fitted with PENTOGRAPH ARMS AND BLADES..

20 TYPE OF BONNET:

This should be so designed, that it may facilitate, easy maintenance, removal and fitment of FI pump and cleaner and should have proper dust proofing arrangement.

21 SKIRT HEIGHT:

Skirt height to be maintained 18" from ground level without compromising appearance and get up of the bus

22 WHEEL ARCH:

There should be adequate gap between, tyre in the inflated position and wheel arch, without compromising ‘get up’ of the bus.

23. DRIVER DOOR HINGES:

Driver door hinges should be provided in front position..

24. TOOL BOX.:

To be provided in the vehicle and should have provision for accommodating tomy bar and jack along with other tools.

25. LIGHTING ARRANGEMENT:

4 Nos. incandescent spot/fluorescent lights to be pro vided for proper light inside passenger saloon. Minimum 2 Nos. coloured night lamps be also provided in the passenger cabin. Rest light arrangements as per provisions of All India Tourists Permit Regulations. Back lights to be chamber type,

26. PROVISION OF COACH FANS:

13 Nos. of fans of 8" size to be provided of 'REMI' make or Railway approved make.(12 Nos. in saloon and 1 No. in driver cabin).

27. FRONT GRILL:

As per dimensions recommended by Leyland for sufficient and adequate air intake.

28. WINDOW LATCHES:

Window latches should be 'HEAVY DUTY TYPE'/ SUPERIOR QUALITY for proper and 'deep gripping'; so that the-glasses may not open automatically while negotiating bump and speed breaker.

29 VENTILATORS:

To be provided as per All India Tourist Permit Regulation with water and dust proof arrangement (2 nos. in saloon and 1 number in driver cabin.).

30 DRIVER CABIN PARTITION:

Full partition with provision of gate to be provided between driver & passenger cabin. 4 Nos. rectangular/elliptical type.

31. Head Light

4 Nos. rectangular/elliptical type

32. COLOUR SCHEME:

As per All India Tourist Permit Regulations.

33. MISCELLANEOUS FITTINGS TO BE PROVIDED:

b) 2 Nos. convex rear view mirror projected type

c) Low tone air pressure horn.

d) Ice box

e) Conductor seat folding type and adjustable, driver seat of HIARITA GRAMMER.

f) First ai box

O) Suggestions box

h) Curtains ORKAY or equivalent,

i) New design wheel caps

j) Fire extinguisher 1 No.

k) Tog lamps- 2 Nos.

l) Speakers

m) Gangway carpet

n) Half seat covers etc.

Notes

The Body Builders shall have to indicate the make and specification of the vital components use for bus body fabrication such as:-

1) Tubular pipes for structure

2) Aluminum sheet

3) Floor ply

4) Wind screen and other glasses

5) ABS Sheets

6) Fans

7) Wiper Machine

टायर रिट्रेडिंग प्लांट मेन्यूअल
2004

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

•

टायर रिट्रेडिंग शॉप में टायरों के रिट्रेड कार्य सम्बन्धित मैन्युअल

प्रस्तावना-

राजस्थान परिवहन निगम की स्थापना 01 अक्टूबर, 1964 को हुई थी जिसके तहत नियम का ध्येय यह था कि यात्रियों को सुरक्षित व समय पर निगम अपनी वाहनें संचालित कर यात्रा उपलब्ध करायेगा। वाहनों के संचालन में टायरों का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। टायरों की व्यवस्था एवं रख-रखाव हेतु निगम ने जयपुर में टायर रिट्रेडिंग प्लान्ट की स्थापना की थी। वर्ष 1970 के पूर्व जैसे वाहन बेड़े में वृद्धि हुई, आवश्यकता महसूस की गयी कि जयपुर स्थित प्लांट से आवश्यकता पूर्ण नहीं हो रही है इसलिए अजमेर केन्द्रीय कार्यशाला परिसर में वर्ष 1978-79 में एक अतिरिक्त रिट्रेडिग प्लान्ट स्थापित किया गया। नये टायरों की खरीद से सम्बन्धित कार्य केन्द्रीय क्रय विभाग द्वारा किया जाता है एवं बाकी समस्त कार्य भण्डारण एवं उनका वितरण व रिट्रेड का कार्य टायर प्लाण्ट के माध्यम से किया जाता है।

टायर प्लाण्ट से सम्बन्धित कार्य-

वाहन संचालन में परिवर्तित लागत में से टायर के व्यय की प्रतिशतता डीजल के बाद दूसरे महत्त्वपूर्ण स्थान पर है। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि टायर के खर्चे के मद में मितव्ययता लायी जावे। यह तभी संभव है कि नये टायरों को समय पर उतारकर उन्हें रिट्रेड किया जाये और उनकी लाइफ में वृद्धि की जाए। इसी लक्ष्य को मध्य नजर रखते हुए निगम ने टायर रिट्रेडिंग प्लान्ट की स्थापना की है।

गतिविधियाँ-

टायर शाखा के अधीन निम्न गतिविधियाँ होती हैं-

1. संबंधित जोन के महा प्रबन्धकों द्वारा वर्ष में दो बार प्रत्येक 6 माह की नये टायरों की आवश्यकता से महा प्रबन्धक (टायर) को अवगत कराया जाता है। जिन्हें संकलित कर महा प्रबन्धक (क्रय/भण्डार) को उनकी व्यवस्था करने हेतु सूचित किया जाता है।
2. सभी नये सामान जैसे टायर, टयूबस, फ्लैप, रिट्रेडिंग मैटीरियल, रिपेयर पेचैज इत्यादि का भण्डारण किया जाता है।
3. सभी प्राप्त होने वाले नये मैटीरियल को निर्धारित स्पैशिफिकेशन के आधार पर उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार कार्यकारी प्रबन्धक (उत्पादन) द्वारा निरीक्षण किया जाता है जिससे कि इनकी गुणवत्ता बनी रहे।
4. नये टायर, टयूब, फ्लैप सिन्धी कैम्प बस स्टैण्ड पर स्थापित टायर वितरण शाखा के माध्यम से आगारों को आगार की बस

के माध्यम से भिजवाये जा रहे हैं।

5. आगारों से पुराने टायर जयपुर/अजमेर स्थित टायर प्लाण्ट में बसों के माध्यम से टायर वितरण सैन्टर केन्द्रीय बस स्टैण्ड जयपुर/अजमेर भेजे जाते हैं। उन्हें प्राप्त कर टायर प्लान्ट में रिट्रेड हेतु भेजे जाते हैं।

6. रिट्रेड होने योग्य टायरों को रिट्रेड करके पुन: जिन आगारों से टायर जमा कराये गये हैं उन्हीं को वितरण शाखा के माध्यम से वापिस भेजे जाते हैं। यह प्रक्रिया टायर कण्डम होने तक जारी रहती है।

7. कण्डम टायरों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निर्गमन की कार्यवाही की जाती है।

स्टाफ सैट अप-

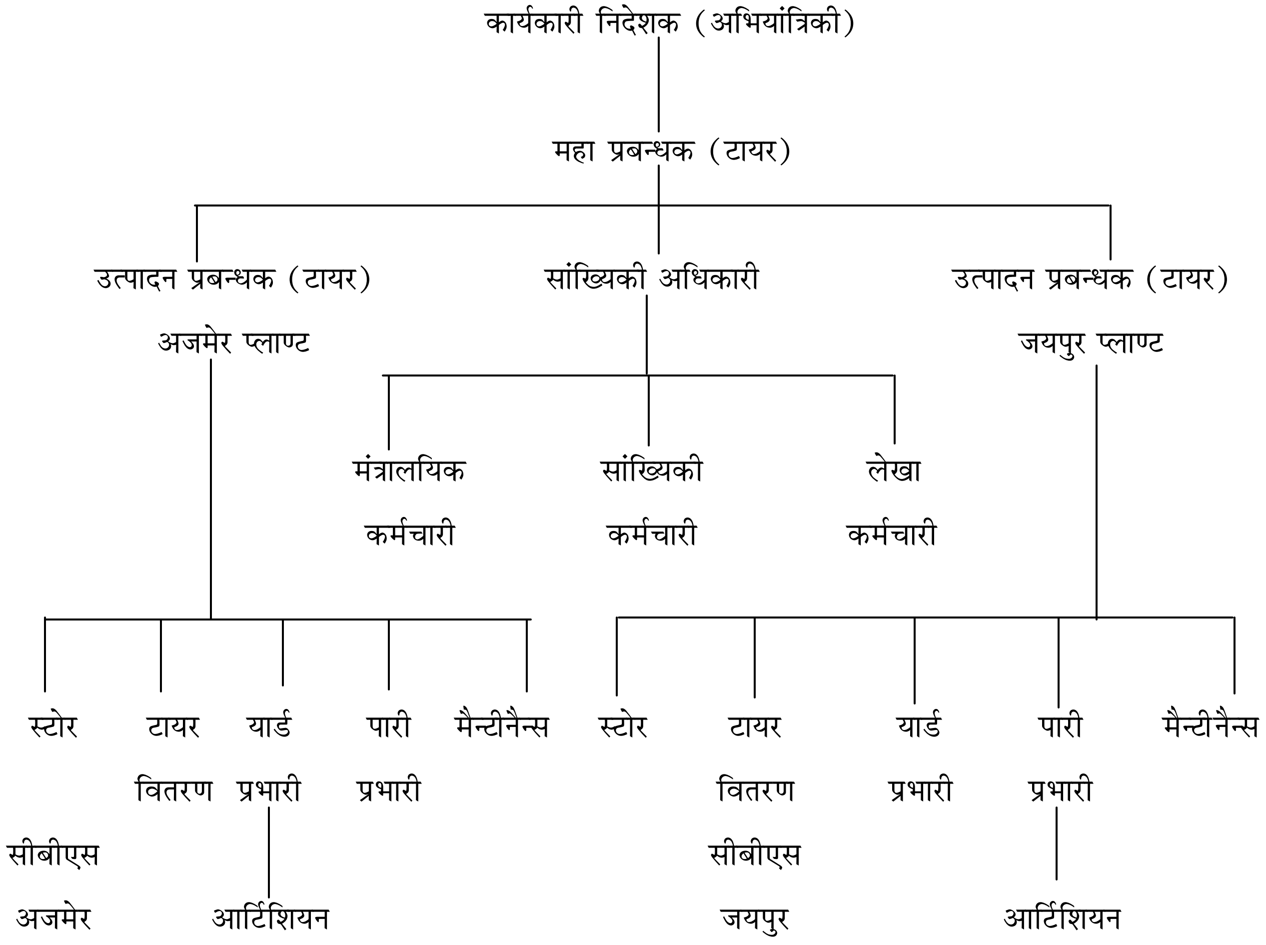

कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ-

महाप्रबन्धक (टायर)-

1. अजमेर एवं जयपुर स्थित टायर प्लाण्ट से सम्बन्धित सामान्य सुपरवीजन।

2. प्रत्येक 6 माह की आवश्यकता के अनुरूप सम्बन्धित जोन के महाप्रबन्धक (संचालन) से नये टायरों की माँग प्राप्त कर उनका संकलन कर महा प्रबन्धक (क्रय/भण्डार) को भेजना।

3. प्लान्ट में कार्य में आने वाली सभी सामान जैसे रिट्रेडिंग, मैटीरियल इत्यादि की माँग फौरकास्ट करना।

4. दैनिक टायर रिट्रेड हुए की समीक्षा विशेषतः गुणवत्ता से संबंधित।

5. टायर केसिंग लाइफ बढ़ाने हेतु समय-समय पर विश्लेषण कर उचित कदम उठाने की कार्यवाही जिसमें प्लान्ट एवं संचालन स्तर दोनों ही सम्मिलित हैं।

6. रिट्रेडिंग में होने वाले व्यय का विश्लेषण कर उसके खर्चे में नियंत्रण।

7. प्लान्ट में सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाओं का विश्लेषण एवं उनके सम्बन्ध में उचित व्यवस्था की कार्यवाही।

8. कर्मचारियों का सामान्य प्रशासन से सम्बन्धित कार्य।

9. कर्मचारियों के वैलफेयर से संबंधित कार्य।

10. दैनिक सांख्यिकी सूचनाओं का विश्लेषण जिसमें टायरों का वितरण, उत्पादन एवं अन्य फील्ड कम्पलेन्ट का निराकरण से संबंधित कार्य।

कार्यकारी प्रबन्धक (उत्पादन) की जिम्मेदारियाँ-

परिशिष्ट (अ) पृष्ट 9-10

शिफ्ट प्रभारियों की जिम्मदारियाँ-

1 से 19 तक परिशिष्ट (ब) पृष्ठ 11

यार्ड प्रभारी की जिम्मेदिारियाँ-

1. आगार से प्राप्त पुराने टायरों के निरीक्षण के पश्चात् उन्हें स्पोटर द्वारा रिट्रेड नहीं होने लायक पाये जाने पर कन्डम टायरों के लौट लगवाना।

2. क्लेम टायरों का पृथक् से भण्डारण कर क्लेम कमेटी के समक्ष उनका विवरण प्रस्तुत करना।

3. कण्डम कमेटी द्वारा निरीक्षण के समय उनको टायरों का निरीक्षण करवाना एवं कण्डम कार्यवाही कराने से संबंधित कार्य।

4. कण्डम सामान जैसे टयूब्स, फलैप्स, कटपीसेज, एनवलप, छोटी वाहनों के टायर इत्यादि को तरीके से भण्डारण से कराकर उनको कण्डम कराना।

5. बेचान हो जाने पर निर्धारित प्रक्रिया अनुसार इन्हें डिलीवर करना।

6. रिट्रेड किये हुए टायरों का प्रतिदिन प्रत्येक टायर का निरीक्षण कर फेल हुए टायरों की रिपोर्ट उत्पादन प्रबन्धक (टायर) को प्रस्तुत करना।

7. रिट्रेड टायरों को समय-समय पर केन्द्रीय बस स्टैण्ड टायर वितरण शाखा पर भेजना।

8. ट्रकों से सम्बन्धित लोग बुक का संधारण कराना व उनकी संचालन व्यवस्था को नियंत्रण करना।

9. 5,000 कि. मी. से कम संचालन पर रिट्रेड हुए टायरों का वापिस जमा होने पर उनका विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रेषित करना।

10. बोर्ड रलाइन टायरों का निरीक्षण कर उनके सम्बन्ध में रिट्रेड करने एवं नहीं करने का निर्णय लेना जिनकी औसत लाइफ लगभग 1,70,000 कि.मी. से अधिक हो चुकी है, एवं 4 बार रिट्रेड हो चुके हैं।

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) की जिम्मेदारियाँ-

1. पावर फैक्टर पर नियंत्रण रखना जिससे कि पैनेल्टी से बचा जा सके।

2. सभी उपकरण से संबंधित प्रिवेन्टिव मेन्टेनेन्स का कार्य (दैनिक एवं साप्ताहिक)।

3. प्लान्ट एवं मशीनस में लगाने वाले आवश्यक कल-पुर्जो की सूची समय पर प्रेषित करना।

4. सभी महत्त्वपूर्ण उपकरणों की कार्य लौग बुक का संधारण करवाना।

5. मशीन्स एवं टूल्स प्लान्ट का वार्षिक भौतिक सत्यापन कराना।

6. मैन्टीनैन्स से संबंधित सभी कर्मचारियों पर नियंत्रण।

7. अग्निशमन यंत्र की देखभाल से संबंधित कार्य।

टायर वितरण शाखा के कार्य एवं जिम्मेदारी–

नये एवं रिट्रेड टायर आगारों को भेजने तथा पुराने टायरों को प्राप्त करने हेतु अजमेर एवं जयपुर केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर टायर वितरण शाखा स्थापित की हुई है जिसके प्रभारी भण्डार अधीक्षक/भण्डार निरीक्षक हैं। वाहनों की छत पर टायर लदान हेतु दोनों ही स्थानों पर क्रेन की व्यवस्था की हुई है तथा ये कार्य अनुबन्ध पर कराया जाता है। छत पर लदान एवं उतारने हेतु कार्य अनुबन्ध पर कराया जाता है।

इनके द्वारा टायर, चालान के माध्यम से प्राप्त होता है एवं उनके साथ टायर का कार्ड होता है जिसमें उसका संचालन विवरण इत्यादि अंकित होता है। इस कार्य से संबंधित सभी रिकार्ड एवं टायर, टयूब इत्यादि का वार्षिक भौतिक सत्यापन कराने की जिम्मेदारी है।

टायर रिट्रेडिंग शॉप–

पुराने टायरों पर रिट्रेडिंग पर रिट्रेडिंग के लिए जयपुर एवं अजमेर में टायर रिट्रेडिंग प्लांट हैं। अजमेर में 11 टायरों का एक 125^0 टायरों का एक 125^0 का चैम्बर है एवं जयपुर प्लांट में तीन चैम्बर हैं जिसमें एक 11 टायरों का 125^0 का एवं दो 7–7 टायरों के 125^0 के चैम्बर हैं। निगम के 49 आगारों में से 16 आगारों के टायर अजमेर प्लांट में एवं 33 आगारों के टायर जयपुर प्लांट में रिट्रेड होते हैं। रेडियल टायर समस्त आगारों के जयपुर टायर प्लांट में ही रिट्रेड होते हैं।

आगारों से प्राप्त टायरों को एकत्रित करने एवं पुनः जारी करने के लिए जयपुर में सिन्धी कैम्प बस स्टैण्ड पर एवं अजमेर में अजमेरू कार्यशाला बस स्टैण्ड पर वितरण एवं संकलन केन्द्र स्थापित कर रखे हैं। समस्त आगारों से इन वितरण केन्द्रों पर रिट्रेडिंग के लिए टायर प्राप्त होते हैं तथा यहाँ के रिट्रेड टायर समस्त आगारों को जारी किये जाते हैं। बसों की छतों पर टायरों को चढ़ाने के लिए दोनों स्थानों पर हायस्ट मशीनें लगी हुई हैं। टायरों को बसों से उतारने के बाद वितरण शाखा पर कार्यरत स्पोटरों द्वारा प्रत्येक टायर को चैक किया जाकर ऊपर PCR, RP, DRP या स्क्रेप की एवं रबर की मार्किंक की जाती है। स्क्रेप टायरों को दस श्रेणियों में बाँटा जाता है–

1. OR	(2) RF
3. OKT	(4) PSP
(5) TRS	(6) SSP
(7) CW	(8) BT
(9) PD	(10) CLI

यहीं पर प्रत्येक चालान पर ये मार्किंक प्रत्येक टायर के सामने अंकित की जाकर एक प्रति सम्बन्धित आगार को एवं एक प्रति टायर प्लांट को भिजवाई जाती हैं। चालान के साथ ही साथ टायर कार्ड पर भी यह मार्किंग की जाती है। टायर कार्ड एवं चालान के साथ टायरों को रिट्रेडिंग के लिए टायर प्लांट में टायर प्लांट के ट्रक द्वारा भिजवा दिया जाता है। ट्रक में भेजे जाने वाले टायरों के साथ सिन्धी कैम्प टायर वितरण शाखा का एक चालान और होता है।

टायर प्लांट में प्राप्त होने पर की जाने वाली कार्यवाही-

1. भण्डार में प्राप्त पुराने टायरों को चालान के माध्यम से प्लांट में रिट्रेडिंग के लिए दिये जाते हैं। स्क्रेप टायर यार्ड शाखा में रखे जाते हैं।
2. प्लांट में प्राप्त टायरों की छंटाई की जाती है। इसमें 1.70 लाख कि.मी. से अधिक एवं 4 बार से अधिक रिट्रेड टायरों का इसके लिए गठित समिति द्वारा निरीक्षण किया जाकर बनने योग्य टायरों को प्लांट में एवं स्क्रेप योग्य टायरों को यार्ड शाखा में भिजवाया जाता है।
3. 5000 कि.मी. से कम किलोमीटर पर प्राप्त होने वाले टायरों का निरीक्षण भी समिति द्वारा किया जाता है।
4. रिट्रेडिंग के लिए चिन्हित करने से पूर्व निम्न बातों का ध्यान रखा जाना है-

   (1) टायर सामान्य चोरस किया हुआ हो तथा 2.00 एमएम रबर हो।

   (2) नये टायर में 3 × 1 इंच एवं रिट्रेड टायर में 2 ×1 इंच तक का कट रिपेयर करें।

ह (3) टायर की प्लाई 2 से अधिक क्षतिग्रसत नहीं हो।

   (4) रेडियल क्रेक्स अधिकतम 4 हो।

   (5) बीड के वायर निकले हुए नहीं हों तथा 6 से 8 इंच तक चैफिंग हो।

   (6) मूल ट्रेड सेप्रेशन नहीं हो व प्लाई में सैप्रेशन नहीं हो।

   (7) टायर के एक या दो खण्डों में तीन से अधिक कट नहीं हों।

   (8) टायर पर मौसमी प्रभाव के कारण हार्ड केसिंग नहीं हो।
5. रिपेयर के लिए ग्रहण करने योग्य टायर-

   (1) टायर के चलने का कम से कम 10% समय बचा हो।

   नये टायरों के क्राउन पर 4” × $1\frac{1}{12}$” इंच तक के कौन कशन विकर्णात्मक क्रेक्स हों। रिट्रेड टायर में $2\frac{1}{2}\times 1$ इंच तक क्षति हो।

(3) मुख्य आकार वाली बॉल के क्षेत्र पर 2 इंच तक क्षति हो।

(4) टायर जिनमें बीड से ढाई इंच की दूरी पर साइड बाल पर गहरे कट लगे हुए हों।

(5) टायर जिनकी क्राउन पर एक फुट से ज्यादा लूज ट्रेड न हो तथा बाल को ट्रेड कटस एवं क्रेक्स वाल पर दो से अधिक प्लाई को प्रभावित नहीं करते हों।

(6) टायर जिनमें बराबर की दूरियों के बीच तीन सैक्सनल से अधिक पेच नहीं हों।

(7) टायर की केसिंग कमजोर न हो।

6. स्क्रेप योग्य टायर-

(1) नये टायरों में क्षति $4'' \times 1\frac{1}{2}''$ से अधिक हो, टायरओवररन हो गया हो।

(2) केसिंग कमजोर हो एवं रिट्रेड टायर में क्षति $2\frac{1}{2}'' \times 1''$ से अधिक हो।

(3) चार बार से अधिक रिट्रेड हो। 1.70 लाख से अधिक कि.मी. चला हो व केसिंग कमजोर हो।

(4) टायर रन फैल्ट हो गया हो।

(5) टायर जिनमें टोपी और चारों तरफ प्लाइज निकल आये हों।

(6) 3 इंच के क्षेत्र में प्लाई सेप्रेशन हो गया हो।

(7) टायर जिनकी बीड क्षतिग्रस्त हो गई हो।

(8) टायर बॉल की स्कोरिंग प्लाई तक पहुँच गई हो।

(9) साइड बाल पर दो इंच से अधिक क्षति हो।

(10) बीड के ढाई इंच भीतर साइज बाल पर आर-पार गहरे कट हों।

(11) टायर जिनमें ओवर लेपिंग पेचों में दो आर-पार कट लगे हों।

(12) टायर जिनके मूल ट्रेड अलग हो गये हों।

(13) टायर की केसिंग कठोर एवं लूजिंग नम्यता आती हो।

7. टायरों की रिट्रेडिंग-

प्रस्तावना-

टायरों का अधिकतम उपयोग करने के लिए एवं टायर मद के व्यय को कम करने के लिए टायरों को रिट्रेड किया जाना आवश्यक है। नये टायर की लागत में एक टायर को चार बार रिट्रेड किया जा सकता है तथा नई लाइफ से तीन गुणा अधिक लाइफ प्राप्त की जा सकती है अर्थात् जितनी अधिक बार टायर को रिट्रेड पर रिट्रेड किलोमीटर प्राप्त किये जावेंगे उतनी ही उसकी प्रति कि.मी. लागत कम आवेगी।

उत्पादन प्रक्रिया-

टायरों की रिट्रेडिंग अब ठंडी प्रक्रिया द्वारा की जा रही है। विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से हैं-

(अ) निरीक्षण	(ब) सुखाना
(स) वेटिंग	(द) कीलों की सुराखों एवं अन्य कटों का उपचार
(य) बफिंग	(र) ट्रिकिंग
(ल) सोल्यूशन लगाना	(ब) ट्रेड निर्माण
(स) कयोरिंग	(य) अंतिम निरीक्षण

(अ) निरीक्षण-

ऊपर वर्णितानुसार टायर का निरीक्षण कर रिट्रेडिंग के लिए टायर लेवें।

(ब) टायर को प्रोसेसिंग में लेने से पूर्व उसे अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए।

(स) बेटिंग - बफिंग से पहले वेटिंग करनी चाहिए जिससे आन्तरिक दबाव से बचा जा सके। रेडियल टायरों की बेटिंग की आवश्यकता नहीं है।

(द) कीलों के सुराखों एवं अन्य कटों का ध्यान-

कीलों के सुराखों एवं अन्य कटों का बफिंग करने से पूर्व पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। क्षति की तैयारी एवं पेचों की मरम्मत प्रक्रिया में दी गई विधि के अनुसार की जानी चाहिए।

(य) बफिंग - बफिंग करते समय ध्यान रखना चाहिए कि टायर की प्लाई डेमेज न हो, अधिक बारीक एवं अधिक मोटी बफिंग नहीं होनी चाहिए।

(र) ट्रिफिंग- बफिंग के बाद टायर को कभी भी फर्श पर नहीं लुढ़काना चाहिए। बफ किये गये टायर के ट्रेड की सतह

की आउल या पेचकश से जाँच करें कट आदि होने पर पेच लगाकर सही करें।

(ल) सोल्यूशन लगाना-सोयूशन लगाने वाले टायर को वायर ब्रुश से साफ करने के बाद सोल्यूशन लगाया जावे। सोल्यूशन लगाने के बाद टायर को वांछित मात्रा में सुखाया जावे। टायर के कट आदि को भरने के लिए निम्न कम्पाउण्ट काम में लिया जाता है-

(1) कुशंन गम (2) बोडिंग कम (3) ट्रेड गम (4) विलर गम

(9) ट्रेड निर्माण-

सोल्यूशन लगाने एवं गहराइयों को भरने के बाद उपयुक्त ट्रेड रबर केसिंग पर बिल्डर की मदद से लगाया जाता है। ट्रेड एवं केसिंग के के मध्य हवा के पॉकेट नहीं रहने चाहिए।

(स) क्योरिंग-ट्रेड रबर लगाने के बाद टायर की क्योरिंग की जाती है। अच्छी क्योरिंग तीन बातों पर निर्भर करती है-

(1) तापमान-जितने डिग्री तापमान का बोडिंग कम हा उतनी ही डिग्री तापमान में टायर को क्योर किया जावे, जिससे टायर सही क्योर हो। कम या अधिक तापमान के होने पर टायर की क्योरिंग सही नहीं होगी।

(2) समय-चैम्बर बनाने वाली कम्पनी की शिफारिशों के आधार पर टायर क्योर करने के लिए पूरा समय दिया जाना चाहिए।

(3) दाब-टायर की सही क्योरिंग के लिए आवश्यक है कि टायर के अन्दर एवं टायर के बाहर चैम्बर के अन्दर वायू का दाब प्रर्याप्त मात्रा में होना चाहिए।

(य) अन्तिम निरीक्षण-टायर की सम्पूर्ण प्रोसिंग पूर्ण होने के बाद एक बार पुन: अंतिम निरीक्षण किया जाना चाहिए कि टायर में कहीं किसी स्थान पर सेप्रेशन आदि तो नहीं रह गया है। पैच आदि सही क्योर हुए हैं या नहीं, इसके बाद ही टायर को शॉप से बाहर निकाला जाना चाहिए।

(ब) टायर रिट्रेडिंग शॉप में गुणवत्ता/नियंत्रण-

शॉप की गुणवत्ता पर नियंत्रण करने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है-

(1) कच्चे माल का निरीक्षण

(2) प्रोसेस के दौरान टायरों का निरीक्षण

(3) मशीन व औजारों का निरीक्षण एवं देखभाल

(4) उत्पादित टायरों का निरीक्षण

(ह) टायर बनाने के मापदण्ड-

(1) प्रत्येक कर्मचारी द्वारा बिल्डिंग तक 4 टायर पी.सी.आर. के बनाने हैं।

(2) रिपेयर करने वाले कर्मचारियों द्वारा 8 टायर रिपेयर करने हैं।

(3) एक चैम्बर पर एक शिफ्ट में दो कर्मचारी अलग से कार्य करेंगे।

(क्ष) उत्पादित टायरों के चालान द्वारा सिन्धी कैम्प टायर वितरण शाखा में ट्रक द्वारा भेजा जावेगा। ट्रक के ताला लगाकर उसे सील किया जावे।

उत्पादन प्रबन्धक (टायर) की जिम्मेदारियाँ-

1. प्रत्येक प्लान्ट की उपस्थिति पंजिका को चैक कर हस्ताक्षर करना।

2. प्रत्येक प्लान्ट से टायर उत्पादन लक्ष्य के अनुरूप रहा है अथवा नहीं उसका विश्लेषण करना।

3. पारी प्रभारियों को कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियों के अनुसार कट रिपेयर टायरों के समबन्ध में जो प्रमाण पत्र देना है, वह उत्पादन रजिस्टर में अंकित किया जा रहा है अथवा नहीं।

4. एक सप्ताह तक के सामान की भण्डार में उपलब्धता को सुनिश्चित करना तथा सामान जो नहीं है उसकी स्थिति नोट बनाकर प्रस्तुत करना।

5. उत्पादन के दौरान फेल टायरों का मय कारणों के विश्लेषण करना तथा जिम्मेदारी निर्धारित कर रिपोर्ट करना तथा भविष्य में सुधार वास्ते दिशा निर्देश देना।

6. कट रिपेयर रिट्रेड टायरों को स्वयं के स्तर पर चैक करना।

7. मशीनों के रख-रखाव के जो शिडयूल बनाए गए हैं उनके अनुसार कार्य हो रहा है अथवा नहीं। सुनिश्तिच करना तथा प्रत्येक मशीन की लाग बुक चैक कर हस्ताक्षर करना।

8. प्लान्ट की दोष पंजिकाओं में जो दोष अंकित हैं, उनको ठीक करवाना।

9. यह गणना की जावे कि प्रत्येक पारी में कच्चे माल की खपत अनुपात में ही हुई है तथा पेच भी कट की संख्या अनुसार लगाए गए हैं। अधिक खपत की स्थिति में तुरन्त विश्लेषण कर रिपोर्ट की जावे।

10. कोई भी सूखा या खराब माल की रिपोर्ट तुरन्त ही विश्लेषण कर की जावे।

11. प्रत्येक प्लान्ट में राउण्ट लेकर सफाई/प्रकाश की व्यवस्था सही है या नहीं, सुनिश्चित की जावे।

12. कोई भी मशीन या टूल किसी पारी में खराब होने पर उसको ठीक करावें या नई खरीदने की व्यवस्था करना।

13. पुराने टायर एवं रिट्रेड जो सिन्धी कैम्प से प्राप्त हो रहे हैं, उनकी कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार चैक किये जा रहे हैं अथवा नहीं।

14. नये टायर टयूब प्लेप्स इत्यादि के निर्धारित प्रक्रिया अनुसार भेजने की व्यवस्था करना।

15. प्रत्येक कम्पनी/फर्म से प्राप्त माल का विस्तृत निरीक्षण निर्धारित मापदण्डों अनुसार करना।

16. पुराने टायर, टयूब जो आगारों से प्राप्त हो रहे हैं का लेखा जोखा संधारण सुनिश्चित करना।

17. समस्त भण्डार की लेजर प्रविष्टियों को सत्यापित करना तथा समस्त नये एवं पुराने सामान का लेखा जोखा भण्डार में रखना सुनिश्चित करना।

18. ट्रकों की लाग बुक संधारण कराना तथा टैक्स इत्यादि समयान्तर्गत जमा की व्यवस्था कराना। कार्यशाला का फैक्टरीज अधिनियम के तहत नवीनीकरण की व्यवस्था करना।

19. पुराने टायरों/रिट्रेड टायरों को सिन्धी कैम्प से मंगवाना तथा भिजवाना।

20. नकारा सामान टायर टयूब प्लेप्स, कार्ड बोर्ड, पी.वी.सी. डस्ट इत्यादि को निर्धारित स्थान पर रखे जाने को सुनिश्चित करना।

21. नकारा हेतु प्रस्तावित सामान की सूची सम्बन्धित लेजरों से मिलान कर प्रस्तुत करना।

22. नकारा टायरों को निर्देशानुसार अजमेर भेजने की व्यवस्था करना।

23. इसके अतिरिक्त पूर्व में निर्धारित समस्त कार्य समयान्तर्गत सम्पन्न करना।

24. कट रिपेयर रिट्रेड टायरों, जो कि प्रत्येक पारी प्रभारी द्वारा चैक किए हैं, उनके नम्बर उत्पादन रजिस्टर से लेकर चैक करना।

25. लोडिंग/अनलोडिंग, बिजली, सफाई एवं अन्य देय को सत्यापित करना।

26. कर्मचारियों को कार्य का विभाजन लक्ष्य अनुसार करना।

27. प्रीम्योचर फेल नये टायरों का संयुक्त निरीक्षण कराना, कम्पनी को भिजवाना, क्लेम पंजिका संधारण करना तथा क्लेम

प्राप्ति सुनिश्चित करना।

28. रिट्रेड टायरों में प्लान्ट से टायर कार्डों पर सही मोहर अंकित हो।

29. एक ही कम्पनी का माल सेट अनुसार प्लान्टों में उपयोग में लाया जावे तथा जिस डिग्री का माल हो उसी डिग्री के प्लान्ट में काम में लिया जाना सुनिश्चित किया जावे। विशेष परिस्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति ली जावे।

30. प्लान्टों में टूल का रिकार्ड रखे जाने की व्यवस्था कराना।

31. टायल पर खरीदे जाने वाल माल की परफोरमेंस का लेखा जोखा रखा जावे।

32. अग्निशमन यन्त्र हमेशा चालू हालत में रखना सुनिश्चित करें।

33. समय-समय पर जारी निर्देशों की पालना करना।

34. कर्मचारियों में अनुशासन एवं सुरक्षा नियमों की पालना सुनिश्चित कराना।

परिशिष्ट ब

टायर प्लान्ट में कार्यरत पारी प्रभारियों के कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ

1. पारी समाप्त करने वाले प्रभारी से अपना चार्ज मय टूल एवं मशीनों के लेना।

2. कर्मचारियों की उपस्थिति लेना तथा उत्पादन लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों के मध्य कार्य विभाजन करना।

3. उत्पादन के दौरान कट लगे हुए टायरों को अपनी उपस्थिति में रिपेयर कराना तथा फिलिंग इत्यादि पर विशेष ध्यान देना। उत्पादन किये हुए कट रिपेयर टायरों का विवरण उत्पादन रजिस्टर में दिया जावे तथा यह प्रमाण पत्र दिया जावे कि टायर मेरे द्वारा चैक कर लिए गए हैं तथा सही हैं।

4. अपनी पारी के लिए समस्त आवश्यक सामान की व्यवस्ध्था करना तथा आने वाली पारी के लिए भी आवश्यक व्यवस्था करके रखना।

5. पारी के दौरान जो माल काम में आता है उसका पूर्ण विवरण संबंधित पंजिका में रखना।

6. प्रत्येक टायर को स्पैंडर पर चैक करना तथा किस तरह का कार्य करना, उसकी मार्किंक करना।

7. स्काईविंग के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निरीक्षण करना तथा कट की साईज के अनुसार पेच लगवाना।

8. पेच हटवाकर टायर को चैक करना।

9. गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बफ किए हुए टायरों को चैक करना।

10. गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बिल्ड टायरों को चैक करना।

11. सोलूशन लगाने के बाद सूखने का समय सही दिया है या नहीं, चैक करना।

12. टायरों पर सही प्रकार से आवश्यक फिलिंग की जा रही है या नहीं माईनर रूप से चैक करना।

13. पारी के दौरान बने हुए टायरों को शत प्रतिशत चैक करना तथा इस बाबात उत्पादन रजिस्टर में प्रमाण पत्र देना।

14. प्लान्ट की सफाई रखना तथा कर्मचारियों को अनुशासन में रखना।

15. उपरोक्त के अलावा समय-समय पर निर्देशित कार्य करना।

16. उत्पादन के दौरान अगर कोई मात्र की गुणवत्ता में कमी हो जिससे टायर की गुणवत्ता पर असर पड़ता जो तो ऐसे माल को नहीं लगाया जावे तथा उस खराब माल को चालान के जरिए भण्डार में जमा कराते हुए उत्पादन प्रबन्धक के माध्यम से रिपोर्ट की जावे।

17. प्लान्टों का समस्त लेखा-जोखा प्लांट अनुसार पृथक-पृथक रखा जावे तथा पृथक-पृथक सूचना मय कर्मचारियों के लागत विवरण वास्ते प्रस्तुत की जावे।

18. कर्मचारियों के प्लान्ट में कार्यरत रहने के दौरान सुरक्षा नियमों की पालना पूर्ण सुनिश्चित की जावे।

19. यह सुनिश्चित करना कि रिट्रेड टायरों पर रबड़, बोडिंग गम, सोलूशन अनुपात से अधिक तो खर्च नहीं हो रहा है तथा पेच की खपत भी कट की संख्या के अनुसार ही हो।

DISPOSAL INSTRUCTION

1. Repariable

2. Retreadable

3. Usable (Run-Out)

4. Claim Manufactures

Retreader | Service Manager

5. Scrap

6. Casing Kms.

7. Disposal Number

Date................. | D.M.E.( )

Date | Store Keeper

Store Inspector

Rajasthan State Road Transport Corporation Tyre Plant, Jaipur

Working Staff in Tyre Plant at Jaipur/Ajmer

S.No.	Designation	Jaipur Plant	Ajmer Plant
1.	General Manager	1	-
2.	D.M.E.	1	-
3.	A.M.E.	-	1
4.	Sr. Formen/JEN A	1	1
5.	Jr.Forman/JEN B	5	4
6.	S.O.	1	-
7.	Accountant	1	-
8.	Sr. P.A.	1	-
9.	Computer	2	1
10.	O.A.	1	-
11.	UDC	1	-
12.	LDC	3	1
13.	S.S.	1	1
14.	SI	1	1
15.	SSI	2	1
16.	Artisian General Ist	14	6
17.	Artisian GeneralIInd	37	17
18.	Artisian General IIIrd	33	23
19.	Driver	2	-
20.	Peon	3	1
21.	Sweeper	2	-
	Total	113	57

Rajasthan State Road Transport Corporation Type Plant, Jaipur

Plant and Machinery

S.No.	Name of Machinery	Jaipur Indag Plant	Jaipur Elgi Plant	Ajmer Plant
1.	Electric Chamber (Indag, elgi, gemini 2)	1	2	1
2.	Buffer (Indag 2 Elig 4)	2	2	2
3.	Builder (indag 1 elgi 5)	2	2	2
4.	D.G. Set (125 Kv, AC 1 80 KVA 01, 75 KVA 01)	1	1	1
5.	Manual Buffer (10 HP - 1, 7.5 HP - 1)	-	1	1
6.	Type Opener	1	-	1
7.	Air Compressor (15 HP -11, 10 HP -1)	2	5	5
8.	Cushion Applicator	1	-	-
9.	Tread Cutter	1	-	-
10.	Electric Spotter	1	-	-
11.	Hand Buffering Motor	2	2	4

Rajasthan State Road Transport Corporation Tyre Plant , Jaipur

Production of Retreaded Tyres

S.No.	Year	Jaipur Plant	Ajmer Plant	Total
1.	1994-95	39,263	20,046	59,309
2.	1995-96	36,652	19,340	55,992
3.	1996-97	35,337	19,854	55,191
4.	1997-98	39,085	23,750	62,835
5.	1998-99	42,396	22,905	65,301
6.	1999-2000	37,344	19,929	57,273
7.	2000-2001	38,149	19,844	57,993
8.	2001-2002	40,733	21,956	62,689
9.	2002-2003	38,919	21,129	60,048
10.	2003-2004	40,832	22,689	63,521

Rajasthan State Road Transport Corporation Tyre Plant , Jaipur

Average Type casing life and Retreadibility factor (R.F.)

S.No.	Year	Avg. Casing (in lac)	R.F.
1.	1994-1995	1.06	2.25
2.	1995-1996	1.05	2.01
3.	1996-1997	1.08	1.94
4.	1997-1998	1.16	1.93
5.	1998-1999	1.25	2.27
6.	1999-2000	1.27	2.27
7.	2000-2001	1.19	2.01
8.	2001-2002	1.31	2.21
9.	2002-2003	1.37	2.31
10.	2003-2004	1.44	2.51

दुर्घटना मैन्यूअल
2004

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

•

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठांकन
1.	दुर्घटना की परिभाषा एवं वर्गीकरण	
2.	चालक के कर्त्तव्य एवं दायित्व	
3.	परिचालक के कर्त्तव्य एवं दायित्व	
4.	दुर्घटना स्थान के निकटतम क्षेत्राधिकारी अटैण्डकर्ता के कर्त्तव्य	
5.	दुर्घटनागस्त वाहन के पैतृक आगार के मुख्य प्रबंधक के कर्त्तव्य	
6.	केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष, मुख्यालय के कर्त्तव्य एवं दायित्व	
7.	प्रभारी/अधिकारी (दुर्घटना)/प्रशिक्षण, मुख्यालय के कर्त्तव्य	
8.	अनुबंधित वाहनों के संबंध में अतिरिक्त निर्देश	
9.	विशेष सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश	
10.	यात्री बीमा योजना के निर्देश	

1. दुर्घटना की परिभाषा-

वाहन के गतिमान अथवा खड़े रहने की अवस्था में किसी अन्य वाहन, वस्तु, व्यक्ति, पशु, आदि से टकराने अथवा किसी अन्य प्राकृतिक प्रकोप, मानवीय लापरवाही, यांत्रिक दोष आदि के कारण होने वाली घटना जिसके फलस्वरूप मनुष्य, पशुधन, वाहन अथवा सम्पत्ति को नुकसान हुआ हो अथवा चोट पहुँची हो, दुर्घटना की श्रेणी में आयेगी।

(क) वर्गीकरण-

1. साधारण दुर्घटना (माईनर)-

ऐसी सभी दुर्घटनायें जिनमें निगम वाहन में 10,000/- रु.से अधिक की क्षति नहीं हुई हो अथवा यात्रा करने वाले यात्री या अन्य तृतीय पक्ष को साधारण चोट लगी हो (जिन चिन्हों को बड़ी/गंभीर व प्राणघातक दुर्घटना के मद में प्रमाणित किया गया हो, को छोड़कर) साधारण दुर्घटना समझी जावेगी।

2. बड़ी/गम्भीर (मेजर)-

ऐसी सभी दुर्घटनायें जिनमें निगम वाहन में 10,000/- से अधिक की क्षति हुई हो अथवा यात्रा करने वाले यात्री या अन्य तृतीय पक्ष को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान द्वारा जारी चोट प्रतिवेदन में दर्शायी गई गंभीर चोट लगी हो, जो निम्न प्रकार से है-

द्वितीय-किसी भी कान की श्रवण शक्ति या आँख की ज्योति की स्थाई हानि।

तृतीय-जोड के किसी भी अंग की शक्ति का स्थाई रूप से नाश हो जाना या अलग हो जाना।

चतुर्थ-सिर या चेहरे का स्थाई रूप से विकृत हो जाना।

पंचम-ऐसी घातक चोट जो 20 दिन तक तीव्र शारीरिक दर्द पहुँचाती है, या दिनचर्या में असमर्थ करती है।

3. प्राणघातक (फैटल)-

ऐसी सभी दुर्घटनायें जिनमें किसी व्यक्ति की मृत्यु (पशुधन को छोड़कर) हुई हो प्राणघातक समझी जावेगी।

2. चालक के कर्त्तव्य-

(क) दुर्घटनागस्त वाहन को उसी स्थिति में रोक दें तथा दुर्घटना नियंत्रण मुख्यालय, आगार एवं निकटतम आगार को सूचित करें।

(ख) घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुँचावें एवं उनका सामान पहुंचाने की व्यवस्था करें।

(ग) नजदीकी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करावें एवं दर्ज नहीं करने पर संबंधित पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड ए.डी. या फैक्स द्वारा सूचना तुरन्त भेजें।

(घ) दुर्घटना स्थल को दो जिम्मेदार व्यक्तियों के समक्ष चिन्ह लगाकर अंकित करें।

(ड.) दुर्घटना स्थल पर उपलब्ध रहें एवं अटैण्डकर्ता को सहायता करें।

(च) अटैण्डकर्ता अधिकारी को दुर्घटना के बारे में अपने बयान दर्ज करावें।

(छ) चालक के खिलाफ पुलिस चालान होने की स्थिति में तत्काल चालान की प्रति संबंधित आगार को शीघ्र उपलब्ध करावें।

(ज) दुर्घटना स्थल से गुजरने वाली निगम वाहन को रूकवायेंगे, यदि वाहन उपलब्ध नहीं हो तो किराये की वाहन लेकर व्यवस्था करायेंगे।

(झ) अपनी अभिरक्षा हेतु नजदीकी पुलिस थाने में जा सकते हैं।

(ट) दुर्घटना की सूचना में होने वाला खर्चा यातायात आय से प्राप्त कर सकते हैं।

चालक के दायित्व-

(क) यात्रियों की सुख-सुविधा का ध्यान रखें एवं नशीली वस्तुओं का सेवन न करें।

(ख) वैद्य लाईसेन्स व बैज साथ रखें, लाईसेन्स समय पर नवीनीकरण करावें।

(ग)वाहन में टेप रिकार्डर, रेडियो आदि नहीं लगावें।

(घ) आबादी वाले क्षेत्र में वाहन धीमी गति से चलावें तथा सड़क के बीच में वाहन नहीं रोकें।

(ड.) वर्षा ऋृतु व कोहरे के समय सावधानी बरतने के निर्देशों की पालना करें।

(च) यातायात नियमों व संकेतों की पालना की जावे।

(छ) बीमारी में वाहन का संचालन नहीं करें।

(ज) ढलान में वाहन खड़ी करने या ब्रेक डाउन या दुर्घटना होने पर हैण्ड ब्रेक व टायरों में वाट (पत्थर) लगावें।

(झ) वाहन कार्यशाला से निकालने से पूर्व भली-भाँति चैक कर लें।

(ट) रात्रि में निर्धारित लाईटों का प्रयोग करें।

(ठ) बोनट पर यात्री नहीं बिठायें एवं बातचीत नहीं करें।

3. परिचालक के कर्त्तव्य-

(क) घायल यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा व निकटतम अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था करें।

(ख) चालक के घायल होने की दशा में दुर्घटना की सूचना केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष मुख्यालय, निकटतम आगार एवं पैतृक आगार को देवें।

(ग) यात्रियों व सामान को पहुंचाने की व्यवस्था करें।

(घ) निकटतम थाने में प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज करावें।

(ड.) यात्रियों को टिकिट की बकाया राशि लौटावें। यदि राशि उपलब्ध नहीं हो तो टिकिट के पीछे बकाया राशि अंकित करें ताकि निकटतम आगार या पैतृक आगार से राशि प्राप्त की जा सके। जहाँ तक सम्भव हो निगम की अन्य वाहनों में ही बैठावें।

(च) दुर्घटना के समय संकटद्वार का इस्तेमाल करें।

(छ) घायल व मृतक यात्रियों की सूची बनावें एवं निकटतम आगार के अटैण्डकर्ता को सहयोग करें।

परिचालक के दायित्व-

(क) प्रत्येक यात्री को टिकिट देकर यात्रा करावें।

(ख) वाहन के फाटक पायदान पर खड़ा नहीं होने दें एवं फाटक बन्द रखें।

(ग) वाहन में विस्फोटक एवं ज्वलनशील पदार्थ/सामाननहीं ले जाने दें।

(घ) वाहन में यात्री को शरीर का अंग बाहर नहीं निकालने दें एवं छत पर यात्रा नहीं करावें।

(ड.) वाहन में पाये गये लावारिस सामान की जाँच कर संबंधित को जमा करावें एवं रसीद प्राप्त करें।

(च) वाहन में धूम्रपान नहीं करें और न करने दें।

(छ) आवश्यकता पड़ने पर चालक का सहयोग करें।

(झ) वाहन में लूटपाट के दौरान विशेष सतर्कता रख कर यात्रियों को बचावें।

4. दुर्घटना स्थान के निकटतम क्षेत्राधिकारी के कर्त्तव्य (अटैण्डकर्ता)

(क) दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुख्य प्रबंधक दुर्घटना स्थल के लिये अपने अधीनस्थ किसी भी सुपरवाईजर्स/ यातायात निरीक्षक/सहायक यातायात निरीक्षक को भिजवायें तथा अगर कोई बड़ी दुर्घटना हो, जिसमें जानमाल गई हो। ऐसे में दुर्घटना में मुख्य प्रबंधक स्वयं दुर्घटना स्थल पर जाकर राहत एवं उपचार की कार्यवाही करायेंगे। मुख्य प्रबंधक उपलब्ध नहीं होने अथवा अन्य अपरिहार्य कारणवश असमर्थ हो, तो मुख्य प्रबंधक द्वारा मनोनीत अन्य प्रबंधकगण दुर्घटना अटैण्ड करेंगे एवं मुख्य पंबंधक के समस्त दायित्वों/कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

(ख) अटैण्डकर्ता घायलों के लिये आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयों की व्यवस्था करेंगे, जब तक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती रहता है एवं उनकी देखभाल हेतु परिजन नहीं आ जाते हैं।

(ग) व्यय की गई राशि का पुनर्भरण दुर्घटनागस्त वाहन के पैतृक आगार से किया जावेगा।

(घ) मृतक यात्रियों के परिजनों/सम्बन्धियों को सूचित किया जावे।

(ड.) प्राणघातक एवं अधिक संख्या में घायल व्यक्तियों की सूची विवरण तैयार करेंगे एवं निर्धारित परिशिष्ट ब दुर्घटना प्रतिवेदन में पूर्णरूपसे भकर 24 घण्टे के अंदर पैतृक आगार एवं महाप्रबन्धक (दुर्घटना/प्रशिक्षण) को प्रति भिजवायें।

(च) मृतक व्यक्ति के पार्थिव शव को उनके निवास स्थान पर निगम वाहन या किराये की वाहन से पहुँचाने में उनके परिजनों की सहायता करेंगे।

(छ) यात्री क्षतिपूर्ति दुर्घटना बीमा योजना के आदेश संख्या 332 दिनांक 3.7.2000 के अनुसार मौके पर मृतक के आश्रित को 10,000 रुपये, गम्भीर घायल को 5,000/- रुपये, साधारण घायल को 500/-रुपये तुरंत देंगे एवं अन्य तृतीय पक्ष को उनके द्वारा माँग करने पर उपरोक्तानुसार सहायता प्रदान की जावे।

(ज) दी गई सहायता राशि की स्वीकृति की आदेश प्रति एवं रसीद की छाया प्रति आदेश संख्या 2888 दिनांक 5.8.2000 एवं 193 दिनांक 28.4.2004 के निर्देशानुसार महा प्रबंधक (दुर्घटना/प्रशिक्षण) को भिजवायेंगे, ताकि यह राशि आपको मुख्यालय से भिजवाई जाकर समायोजन किया जा सके।

(झ) दुर्घटना स्थल का मौका, नक्शा, फोटोग्राफी, गवाह/सबूत साथ लेकर कार्यवाही करायेंगे।

(ट) दुर्घटना में वाहन की क्षति का पूरा मूल्यांकन करके तथा सम्बन्धित आगार को तीन दिवस में पूर्ण दुर्घटना रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे तथा संबंधित आगार अनुभवी अधिवक्ता से सम्पर्क कर कानूनी सलाह लेकर अग्रिम कार्यवाही करें।

(ठ) प्राणघातक दुर्घटना तुरंत अटैण्ड करने के बाद सम्बन्धित जिला के जिला कलेक्टर महोदय/पुलिस अधीक्षक एवं मुख्यालय के नियंत्रणकक्ष व पैतृक आगार को देंगे। तथा माईनर दुर्घटना होने पर उसकी सूचना केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष व पैतृक आगार को देंगे। परिशिष्ठ अ के अनुसार।

(ढ) दुर्घटना के संबंध में चालक, परिचालक एवं दो यात्रियों या साक्षी के बसयन दुर्घटना प्रतिवेदन के साथ अवश्य भेजें।

(ण) दुर्घटनाग्रस्त वाहन को पुलिस/न्यायालय से मुक्त कराकर पैतृक आगार को भिजवाने के लिये सभी प्रकार की व्यवस्था करायेंगे।

5. दुर्घटनाग्रस्त वाहन के पैतृक आगार के मुख्य प्रबन्धक के कर्त्तव्य-

(क) बड़ी/प्राणघातक दुर्घटना की स्थिति में दुर्घटना स्थल के क्षेत्राधिकारियों से सम्पर्क रखना तथा चाही गई सूचना, सहायता प्रदान करना।

(ख) दुर्घटना की सूचना प्राप्त होने पर वाहन छुड़वाने हेतु समस्त दस्तावेज वाहन की आर.सी., चालक/परिचालक का

डयूटी चार्ट, चालक के प्रथम नियुक्ति पत्र/आदेश, लाईसेन्स की फोटो प्रति अटैण्डकर्ता आगार को तुरन्त भिजवायें।

(ग) दुर्घटना वाहन की निगरानी के लिये अविलम्ब आगार कार्यशाला से एक मैकेनिक वाहन के पास भिजवा दें, जब तक वाहन आगार कार्यशाला या केन्द्रीय कार्यशाला में नहीं आ जाती है।

(घ) जब तक ठोस कानूनी कार्यवाही पूर्ण नहीं हो जाती चालक/परिचालक का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जावे।

(ड.) दुर्घटनाग्रस्त वाहन की फिटनेस व चालक के लाईसेन्स की वैद्यता की सूचना तुरन्त केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष, मुख्यालय को दी जावे।

(च) निगम चालक की दुर्घटना में गलती होने पर कार्यालय आदेश 349 दिनांक 18.11.2002 के अनुसार कार्यवाही अमल में लाई जावे।

(छ) प्रत्येक आगार के चालकों को पूर्व प्रसारित आदेश/परिपत्रों में निर्देशानुसार प्रशिक्षण कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। दुर्घटना करने वाले चालक की निलम्बन की स्थिति में वापस ड्यूटी ज्वाईन करने पर प्रशिक्षण में भेजा जावे।

(ज) दुर्घटना वाहन को क्षति पहुँचाने की स्थिति में निगम अधिवक्ता से परीक्षण कराकर क्षतिपूर्ति का वाद प्रस्तुत करेंगे एवं वाद प्रति विधि शाखा मुख्यालय को भेजी जावेगी। दुर्घटना प्रतिवेदन प्रपत्र परिशिष्ठ अ व ब में शीघ्र तैयार कर एक प्रति महाप्रबन्धक (दुर्घटना/प्रशिक्षण) को प्रेषित की जावेगी।

(झ) प्राणघातक/बड़ी दुर्घटना करने वाले चालकों को प्रशिक्षण प्राप्त नहीं कर लेता मार्ग पर नहीं भेजा जावे।

(ट) आगार के सभी चालकों/परिचालकों का वर्ष में दो बार नेत्र परीक्षण/स्वास्थ्य/शारीरिक जाँच कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

(ठ) दुर्घटनाग्रस्त वाहन को केन्द्रीय कार्यशाला भेजते समय समस्त आवश्यक दस्तावेज व दुर्घटना का ब्यौरा भेजा जावे एवं अटैण्डकर्ता आगार द्वारा वाहन की क्रेन आदि से पहुँचाने पर हुये खर्चे का पुनर्भरण तुरन्त करेंगे।

(ड.) दुर्घटनाग्रस्त वाहन के विरुद्ध विभागीय जाँच तुरन्त करायेंगे।

(ढ) एम.ए.सी.टी. प्रकरणों में पूर्ण सजगता से कार्य करेंगे।

(न) प्रत्येक अटैण्डकर्ता आगार यात्री दुर्घटना क्षतिपूर्ति योजना 2000 के तहत पीड़ित को तत्काल सहायता राशि दी

जावेगी, जो मृत्यु पर आश्रित को रुपये 10,000/-, गम्भीर घायल को रु. 5,000/-, साधारण घायल को रुपये 500/- देय होगी। अन्य मार्ग दर्शन के लिये महाप्रबंधक (दुर्घटना/प्रशिक्षण) से सम्पर्क करेंगे।

(त) यात्री बीमा राशि रुपये 2/- का विवरण प्रत्येक माह की 5 तारीख तक मुख्यालय को भिजवाया जाना सुनिश्चित करेंगे।

(थ) दी गई तत्काल सहायता राशि की स्वीकृति की प्रति रसीद की प्रति आदेश 2888 दिनांक 5.8.2000 एवं 193 दिनांक 28.4.2004 के निर्देशानुसार महाप्रबन्धक (दुर्घटना/प्रशिक्षण) कार्यालय को भेजेंगे, ताकि उक्त राशि वापस आपको भिजवाई जा कर समायोजन हो सके।

(द) तत्काल सहायता राशि देते समय अटैण्डकर्ता आगार से सम्पर्क अवश्य करेंगे।

6. केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष, मुख्यालय के कर्त्तव्य एवं दायित्व-

(क) नियंत्रण कक्ष में प्रत्येक पारी में एक लिपिक या जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद रहेगा। केवल चालक को नियंत्रण कक्ष नहीं सौंपा जावे।

(ख) दुर्घटना की प्राथमिक सूचना मिलते ही दुर्घटना पंजिका में प्रविष्टि करेंगे।

(ग) दुर्घटना की सूचना प्राप्त होने पर निकटतम आगार के मुख्य प्रबन्धक को दुर्घटना अटैण्ड करने हेतु पाबन्द करायेंगे।

(घ) बड़ी अथवा प्राणघातक दुर्घटना की स्थिति में नियंत्रण कक्ष द्वारा परिशिष्ट अ में पूर्णरूप से भरकर शीघ्र ही निम्नानुसार प्रेषित करेंगे-

(1) प्राणघातक व ऐसी दुर्घटना जिसमें बड़ी संख्या में व्यक्ति घायल हुये हों, की सूचना-

(क) प्रबंधक निदेशक।

(ख) कार्यकारी निदेशक (प्रशासन/यातायात) यांत्रिक।

(ग) उप शासन सचिव परिवहन विभाग।

(घ) संबंधित महा प्रबंधक (संचालन-जोन)।

(च) महाप्रबंधक (दुर्घटना/प्रशिक्षण)।

(छ) पुलिस नियंत्रण कक्ष।

(2) अन्य साधारण दुर्घटना की सूचना-

(क) कार्यकारी निदेशक (प्रशासन/यातायात/यांत्रिक)।

(ख) महा प्रबन्धक (दुर्घटना/प्रशिक्षण)।

(ग) संबंधित महा प्रबन्धक (संचालन-जोन)।

(घ) पुलिस नियंत्रण कक्ष।

(च) यह सुनिश्चित किया जावे कि जिस दुर्घटना की सूचना परिवहन राज्य मंत्री तथा मुख्य मंत्री कार्यालय को दी जावे, उसकी सूचना पहले अध्यक्ष, प्रबंधक निदेशक एवं यातायात सचिव को अवश्य दी जावे।

(छ) जिन दुर्घटनाओं की सूचना अटैण्डकर्ता द्वारा बाद में सूचित करने की कहने पर पुनः स्मरण कराकर सूचना प्राप्त करेंगे तथा पारी समाप्त होने पर अगली पारी में आने वाले कर्मचारी को भी बतायेंगे।

(ज) केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष से होने वाले प्रत्येक काल का इन्द्राज दैनिक रूप से एक पंजिका खोलकर अंकित करेंगे एवं कार्यकारी प्रबंधक (दुर्घटना/प्रशिक्षण) से प्रमाणीकरण करवायेंगे।

(झ) केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष में कार्यरत कर्मचारी बिना अनुमति के अवकाश पर नहीं जायेंगे।

(ट) केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष में आवंटित चालक को संबंधित अधिकारी द्वारा माँग करने पर उपलब्ध करायेंगे तथा चालकों को बिना अनुमति के अवकाश नहीं देगें।

(ठ) जिन 2 आगार से बड़ी दुर्घटनायें घटित होती हैं, उन आगार की पूर्ण सूचनायें प्राप्त कर उक्त दुर्घटना का मासिक मोनेटरिंग करके प्रत्येक माह के अंत में की गई कार्यवाही से श्रीमान कार्यकारी निदेशक (यांत्रिकी) को अवगत करायेंगे।

(द) इससे यह भी सुनिश्चित करेंगे कि दुर्घटनाग्रस्त चालकों को दुर्घटना होते ही तुरंत प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर में प्रशिक्षण के लिये भिजवायेंगे तथा प्रशिक्षण पूरा करने के बाद संबंधित आगार से दुर्घटनाग्रस्त चालकों की कार्य व्यवहार माह के अंतिम सप्ताह में कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक) को अवगत करायेंगे।

(7) प्रभारी/अधिकारी (दुर्घटना/प्रशिक्षण), मुख्यालय के कर्त्तव्य-

1. केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष के माध्यम से समस्त प्राप्त दुर्घटनाओं की सूचना का रजिस्टर में आगार वाईज इन्द्राज करना।
2. सूचनाओं के आधार पर आगार में मुख्य प्रबंधक/प्रबंधक (संचालन) से पत्र व्यवहार करना तथा दुर्घटना की पूर्ण सूचना प्राप्त कर इकजाई करना।
3. इकजाई सूचनाओं के आधार पर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करना तथा मोनीटरिंग करना।
4. दुर्घटनाग्रस्त चालकों को आगारों से केन्द्रीय कार्यशाला, अजमेर में प्रशिक्षण हेतु भेजे गये चालकों की मासिक रिपोर्ट प्रापत करना।
5. दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के नुकसान की सूचना तीनों केन्द्रीय कार्यशालाओं से प्राप्त कर मोनीटरिंग करके श्रीमान् कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक) महोदय को सूचित करना।
6. समस्त आगारों के चालकों व परिचालकों को समय-समय पर प्रशिक्षण हेतु भिजवाना तथा बाहरी संस्थाओं से आये प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निस्तारण कराना।
7. आगारों से बीमा राशि का विवरण प्राप्त कर उच्चाधिकारियों को प्रस्तुत करना।
8. एम.ए.सी.टी. क्लेमों की विधि शाखा द्वारा भिजवाई जाने वाली समस्त पत्रावलियों पर टिप्पणी करना।
9. दुर्घटना में तीन से अधिक यात्रियों की मृत्यु होने पर राज्य सरकार को लिखित में सूचना भिजवाना।
10. प्रतिवर्ष राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के आयोजन अनुसार निगम के समस्त चालक, परिचालकों यातायात संकेतों/नियमों की जानकारी हेतु प्रशिक्षण देना।
11. समस्त आगारों के चालकों की वर्ष में दो बार आँखें की जाँच हेतु केम्पस का आयोजन कराना।
12. प्रतिवर्ष वर्षा ऋृतु से पूर्व वाहन संचालन में सावधानी हेतु दिशा-निर्देश जारी करना/दुर्घटना के बचाव एवं रोकथाम सम्बन्धी दिशा-निर्देश समय पर जान करना।

(**8**) अनुबंधित वाहनों के संबंध में अतिरिक्त निर्देश-

1. अनुबंधित वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अनुच्छेद (क) 1, 2, 3, 4, 5 की समस्त दायित्व प्रभावी रहेंगे।
2. क्षेत्राधिकारी मुख्य प्रबंधक अनुबंधित वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना स्वामी व पैतृक आगार के मुख्य प्रबंधक तथा केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष, मुख्यालय को भेजेंगे।
3. क्षेत्राधिकारी, मुख्य प्रबंधक घायल व्यक्तियों को शीघ्र चिकितसा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेंगे तथा चिकित्सा व्यय की राशि वाहन स्वामी से वसूल करने हेतु व्यय विवरण पैतृक आगार के मुख्य प्रबंधक को भिजवाया जावेगा। ऐसी राशि की वसूली संबंधित पैतृक मुख्य प्रबंधक द्वारा वाहन स्वामी को आगामी माह में दी जाने वाली राशि में से की जावेगी।
4. निगम से अनुबंधित वाहन की दुर्घटना होने पर मुआवजा अदायगी का उत्तरदायित्व निगम पर नहीं है। अनुबंध पत्र की शर्त 15 के तहत यह उत्तरदायित्व वाहन स्वामी का है। किन्तु समय-समय पर ऐसे वाहनों का बीमा नहीं होने से निगम को अदायगी के लिए बाध्य किया जाता है। इस क्षतिपूर्ति के लिए मुख्य प्रबंधक निम्न कार्यवाही करेंगे-

(क) ऐसी वाहनों को बीमा अवधि तक ही अनुबंध पर रखा जावे अर्थात् बिना बीमा के अनुबंध पर नहीं रखा जावे और न ही मार्ग पर भेजा जावे तथा बीमा की एक प्रति आवश्यक रूप से कार्यालय में रखी जावे।

(ख) बिना बीमा कराये अनुबंधित वाहन की दुर्घटना के अद्धभूत क्लेम प्रकरणों पर प्रभारी अधिकारी नियम संख्या 38 के तहत प्रार्थना पत्र लगाकर वाहन को सीज करवायें।

(ग) आदेश 6 नियम 5 के तहत प्रार्थना पत्र लगाकर बीमा संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए बाध्य करावें।

(घ) संबंधित बस मालिक व बीमा कम्पनी को आवश्यक पक्षकार बनावें।

(**9**) बसों में विशेष सुरक्षा बरतने हेतु दिशा-निर्देश-

1. राजस्थान के विभिन्न मार्गों पर संचालित बसों एवं अन्तर्राज्यीय मार्गों पर संचालित बसों में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जावे।
2. वाहन के प्रस्थान से पहले चालक व परिचालक स्वयं यह सुनिश्चित करें कि वाहन में लावारिस अथवा संदेहास्पद सामग्री तो नहीं है।

3. किसी भी हालत में निगम की बस को चालक अथवा परिचालक कहीं भी अकेला नहीं छोड़ें और किसी अनाधिकृत व्यक्ति को बस में प्रवेश नहीं करने दिया जावे।

4. कार्यालय एवं कार्यशाला भवनों में अनाधिकृत प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाई जावे।

5. निगम की परिसीमा में कोई भी सन्देहात्मक वस्तु अथवा व्यक्ति दिखाई देने पर तुरंत निकटतम पुलिस थाने/पुलिस चौकी को सूचित किया जावे। यह भी ध्यान रखा जावे कि पुलिस के आने तक ऐसी संदेहात्मक वस्तु को कोई नहीं छुये।

6. कार्यशालाओं में तैनात सुरक्षा कर्मियों को पाबंद किया जावे कि वे कार्यशाला में अनाधिकृत वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगायें एवं बसों के मार्ग से वापिस आने पर उन्हें कार्यशाला में पूरी तलाशी के बाद ही प्रवेश दें तथा बस में किसी भी संदेहास्पद वस्तु मिलने पर तुरन्त कार्यशाला प्रभारी को सूचित करें। कार्यशाला प्रभारी संदेहास्पद वस्तु मिलने की सूचना तुरंत पुलिस को भी दें।

7. डयूटी कर्मचारी अपनी नियमित वर्दी में रहें, जिससे उनकी पहचान बनी रहे।

8. अग्निशामक यंत्रों को हमेशा चालू हालत में रखा जावे।

9. वाहन को निर्धारित/घोषित स्टैण्ड पर ही रोका जावे तथा यात्रियों को चढ़ते एवं उतरते समय ध्यान रखा जावे। रात्रि वाहनों पर विशेष ध्यान रखा जावे, ताकि संदिग्ध यात्री वाहन में नहीं चढ़ने पायें।

10. सुरक्षा व्यवस्था हेतु समय-समय पर जिला पुलिस से सम्पर्क बनाए रखें।

(**10**) यात्री बीमा योजना के निर्देश-

राज्य शासन के ज्ञापन क्रमांक 6.16(2)परि/2000 दिनांक 30.6.2000 के तारतम्य में निगम के वाहनों में यात्रा करने वाले यात्रियों एवं निगम वाहन से होने वाली दुर्घटना क्षतिपूर्ति योजना 2000 लागू की गई है। यह योजना निम्नानुसार होगी-

(1) मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 146(3) के अंतर्गत राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की वाहनों को बीमा कराने से छूट जारी रहेगी।

(2) इस योजना का नाम यात्री एवं तृतीय पक्ष दुर्घटना क्षतिपूर्ति योजना 2000 होगा।

(3) परिभाषा-

(अ) यात्रा-निगम वाहन में वैद्य टिकिट एवं वैद्य पास पर अथवा मोटर वारंट पर यात्रा करने वाला व्यक्ति।

(ब) उत्तराधिकारी-मृत यात्री अथवा व्यक्ति का कानूनी उत्तराधिकारी।

(स) क्षतिपूर्ति-इस योजना के अंतर्गत दी जाने वाली विभिन्न क्षतिपूर्ति की राशि।

(द) योजना की परिधि-इस योजना में यात्री, पास धारक, चैकिंग स्टाफ, चालक, परिचालक, पुलिस मोटर वारंट धारक एवं तृतीय पक्ष शामिल होंगे।

(य) सक्षम न्यायालय-सक्षम न्यायालय से तात्पर्य सक्षम मोटर दुर्घटना वाद न्यायाधिकरण से होगा।

(4) 1. इस योजना के अंतर्गत व्यस्क तथा अल्पव्यस्क मृतक के कानूनी उत्तराधिकारी (न्यायालय द्वारा निर्णित) को-

(अ) रुपये 50,000/- (तत्काल),(ब) स्थाई अपंगत की स्थिति में रुपये 25,000/- (तत्काल)

(स) गम्भीर रूप से घायल यात्री को रुपये 5,000/-

(द) साधारण रूप से घायल यात्री/व्यक्ति को रुपये 1,000/- की मुआवजा राशि दुर्घटना के पश्चात्

(अ) व (ब) में न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत होने पर तत्काल देय होगी तथा

(स) व (द) में दुर्घटना के पश्चात् यथा शीघ्र देय होगी।

(4) 2. दुर्घटना की स्थिति में निम्नानुसार तात्कालिक सहायता इकाई प्रमुख द्वारा दी जायेगी-

(अ) मृत व्यक्ति का कानूनी उत्तराधिकारी को 10,000/- रुपये एक मुश्त,

(ब) स्थाई अपंगता या गंभीर घायल यात्री को 5,000/-रुपये एक मुश्त,

(स) साधारण रूप से घायल व्यक्ति को 500/- रुपये एक मुश्त

उक्त तात्कालिक सहायता राशि का समायोजन पद क्रमांक 4(1) में भुगतान की जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि में किया जावेगा। परंतुक तृतीय पक्ष को हुई व्यक्तिगत हानि के सम्बन्ध में जिनमें व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में उनके उत्तराधिकारियों

को अथवा व्यक्तिगत चोट लगने आने की स्थिति में सक्षम न्यायालय द्वारा दोष रहित अंतरिम सहायता का आदेश जब तक पारित नहीं हो जाता तब तक कोई भुगतान नहीं किया जायेगा। लेकिन तात्कालिक सहायता स्वरूप राशि प्रार्थी द्वारा मांग करने पर एवं उक्त राशि का समायोजन दोषरहित अंतरिम सहायता अंतर्गत धारा 140 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दी जाने वाली राशि के अन्तर करने के लिए सहमत होने पर उक्त राशि का भुगतान किया जायेगा।

(5) दुर्घटना के फलस्वरूप वैद्य टिकिट धारी यात्री अथवा मृतक का कानूनी उत्तराधिकारी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण में विवाद दायर करता है तो न्यायाधिकरण द्वारा जो राशि देने के लिये निर्देशित किया जावेगा/दोषरहित उत्तरदायित्व के तहत अन्तरिम राशि अंतर्गत धारा 140 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत देय होगी उसमें से पद क्रमांक 4(1) व (2) में किये गये भुगतान की राशि का समायोजन किया जायेगा।

(6) क्षतिपूर्ति की राशि प्रत्येक वैद्य टिकिट धारी दुर्घटनाग्रस्त यात्री को अथवा तृतीय पक्ष को चिकित्सा प्रमाण पत्र तथा अन्य अपेक्षित तथ्यों के आधार पर संबंधित डिपो प्रबंधक/डिपो लेखापाल, सुरक्षा निदेशक एवं संबंधित पदाधिकारियों की सम्मिलित अनुशंषा के पश्चात् कानूनी उत्तराधिकारियों की प्रबंध निदेशक द्वारा स्वीकृति की जावेगी, लेकिन 4(1) में दी जाने वाली राशि का भुगतान सक्षम न्यायालय द्वारा आदेशित होने पर ही किया जा सकेगा।

(7) निगम के मुख्य प्रबंधक/आगार स्तरीय अधिकारी निगम द्वारा निर्धारित दुर्घटना मैन्यूअल के अनुसार वांछित कार्यवाही समय पर सम्पादित करेंगे। दुर्घटना की एफ.आई.आर., घायलों की मेडिकल रिपोर्ट तथा मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट इत्यादि भुगतान प्राप्ति हेतु किये जाने वाले क्लेम के मुख्य आधार रहेंगे। आगार के मुख्य प्रबंधक एवं प्रबंधक (लेखा), प्रबंधक (संचालन) दुर्घटना प्रतिवेदन समय पर एवं पूर्ण रूपेरण तैयार करने के लिए उत्तरदायी होंगे। इस प्रकार की दुर्घटना प्रतिवेदन की रिपोर्ट संबंधित जिला कलेक्टर को प्रेषित की जायेगी एवं एक प्रतिवेदन क्षेत्राधिकार से संबंधित उप खण्ड अधिकारी को भी प्रस्तुत करनी होगी।

(8) आगारीय समिति उप खण्ड अधिकारी की सहमति प्राप्त कर क्लेम भुगतान हेतु प्रकरण वास्ते स्वीकृति प्रबंधक निदेशक को प्रेषित करेंगे और तदनुसार निगम मुख्यालय से स्वीकृति जारी होने पर उक्त प्रावधान अनुसार भुगतान किया जायेगा।

(9) निगम में क्षतिपूर्ति राशि के भुगतान की व्यवस्था के लिए मुख्यालय स्तर पर दुर्घटना क्षतिपूर्ति निधि के नाम से खोले गये खाते में रुपये 2.00 प्रत्येक यात्री की दर से राशि जमा की जायेगी जो 4(2) के अंतर्गत तात्कालिक सहायता के रूप में

इकाई प्रमुख द्वारा भुगतान की गई राशि की क्षतिपूर्ति संबंधित डिपो/इकाई को मुख्यालय द्वारा की जावेगी। यह 2.00 रुपये की अतिरिक्त राशि केवल उन्हीं यात्रियों से वसूल की जावेगी जो 60 कि.मी. या 60 कि.मी. से अधिक की यात्रा करते हों अथवा टिकिट राशि 20.00 रुपये या 20.00 रुपये से अधिक, इन दोनों में से जो भी अधिक हो, उनसे किराये के साथ वसूल की जावेगी।

(10) उपरोक्त अधिभार की राशि वसूली तथा पृथक से लेखाबद्ध करने के उद्देश्य से प्रथमतया यात्री टिकिट के ऊपर यह स्पष्ट रूप से मुद्रित किया जायेगा कि दुर्घटना क्षतिपूर्ति अधिभार रुपये 2.00 किराये में सम्मिलित है। सभी निःशुल्क/रियायती पासों/मोटर वारंट के लिए 2.00 रुपये का टिकिट पृथक् से काटा जायेगा तथा इसकी राशि पास/मोटर वारंट धारक से वसूल की जावेगी, लेकिन निगम के कार्य से कार्य से जाने वाले अधिकारी/कर्मचारी जिन्हें कर्त्तव्य यात्रा पास जारी हुआ है, से यह राशि वसूली नहीं जावेगी।

(11) दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति अथवा मृतक के उत्तराधिकारियों को यदि वे निगम बस में यात्री हैं तो वैद्य टिकिट/पास प्रस्तुत करने होंगे। लेकिन यदि वह तृतीय पक्ष हैं तो यह शर्त लागू नहीं होगी। जिसका निर्धारण पुलिस अन्वेषण के आधार पर किया जायेगा, लेकिन किन्हीं विशेष परिस्थितियों में टिकिट प्रस्तुत करना संभव नहीं हो (उदाहरणार्थ–बस के नदी में गिर जाने अथवा आग से जल जाने पर) तो प्रबंध निदेशक द्वारा बस के चालक, परिचालक अथवा सहयात्री अथवा निगम दुर्घटना प्रकोष्ठ के द्वारा प्रमाणीकरण होने पर 4(2) में निश्चित की गई राशि भुगतान हेतु स्वीकृत की जा सकेगी।

(12) परिचालक द्वारा यात्रियों से अधिभार शुल्क की राशि को संग्रह पंजिकाओं में पृथक् से दर्शाया जावेगा तथा उक्त राशि डिपो प्रबंधक द्वारा निर्दिष्ट बैंक में अगले कार्य दिवस को आवश्यक रूप से जमा की जावेगी।

(13) यात्री/तृतीय पक्ष दुर्घटना क्षतिपूर्ति योजना के संबंध में अभिलेख यात्री किराया टिकिटों की भाँति सम्यक सुरक्षा के साथ डिपो प्रबंधक द्वारा रखा जावेगा। इसके आधार पर मासिक लेखा–जोखा की एक–एक प्रति अगले माह के प्रथम सप्ताह में मुख्यालय को प्रस्तुत की जावेगी। दुर्घटना अधिभार की वसूली हुई राशि मुख्यालय द्वारा निर्देशित एक पृथक् खाते में (एस्क्रो) एकाउन्ट की भाँति जमा कर उसका लेखा प्रतिमाह संबंधित डिपो लेखापाल द्वारा मुख्यालय को प्रेषित किया जावेगा।

(14) इस योजना के अंतर्गत क्षतिपूर्ति के प्रत्येक प्रकरण में किसी भी विवाद पर प्रबंधक निदेशक द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा।

(15) निगम द्वारा उपरोक्तानुसार प्राप्त की गई राशि से अपना विधिक एवं सामाजिक दायित्व को तत्काल भुगतान कर सम्पन्न किया जावेगा। किसी भी यात्री/व्यक्ति/तृतीय पक्ष के द्वारा मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण में वाद प्रस्तुत करने पर एवं निगम को नोटिस प्राप्त होने पर प्रकरण का निस्तारण शीघ्रातिशीघ्र करने के प्रयोजनार्थ लोक अदालत का आयोजन जिला स्तर व मुख्यालय स्तर पर किया जायेगा एवं न्यायाधिकरण में होने वाली लोक अदालत में भी सम्मिलित होंगे, जिससे निगम पर ब्याज की देयता कम की जा सके। इसके लिए मुख्यालय स्तर पर सक्षम समितियाँ गठित की जायेंगी, जिसमें प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष लेखाधिकारी या उनके द्वारा नियुक्त व्यक्ति प्रबंधक विधि तथा प्रबंध निदेशक द्वारा नियुक्त अन्य अधिकारी होंगे। इसी प्रकार से जिला स्तर पर प्रबंध निदेशक के निर्देशानुसार समितियाँ गठित होंगी।

परिशिष्ठ "अ"

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जयपुर

केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष, मुख्यालय,

दुर्घटना की प्राथमिक सूचना

दुर्घटना प्रकृति - प्राणघातक/गंभीर/साधारण

दुर्घटना दिनांक समय

1. आगार --------------------- वाहन संख्या ---------- निगम/अनुबन्धित ---------------
2. मार्ग ----------------------- स्थल -------------------------
3. दुर्घटना किससे हुई -----------------------
4. मृतक संख्या ------------------ निगम वाहन यात्री -------------- अन्य पक्ष ------------
5. घायल संख्या ------------------ निगम वाहन यात्री -------------- अन्य पक्ष ------------
6. भर्ती कराये गये अस्पताल का नाम -------------- नगर/शहर ------------ जिला ------------
7. चालक श्री ---------------- नियमित/दैनिक वेतन भोगी -------- क्या नशे में था या नहीं --------
8. परिचालक श्री -- क्या नशे में था या नहीं --------
9. दुर्घटना का कारण ----------------------------

उपरोक्त सूचना केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष में दिनांक ------------- समय ---------------- को प्राप्त हुई। उक्त दुर्घटना श्री ------------------------ पद -------------- आगार ------------------ द्वारा अटैण्ड की गयी। एफ.आई.आर. निगम/पार्टी द्वारा दायर कराई गई। पुलिस थाने का नाम -----------------

जिला --------

अन्य विवरण --------

केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष

परिवाद संख्या मुख्यालय, जयपुर

दिनांक --------

दुर्घटना का स्वरूप- | शारीरिक चोट

☐ आमने-सामने से ☐ स्वयं द्वारा टक्कर ☐ कोई चोट नहीं

☐ बगल में रगड़ ☐ दूसरे द्वारा टक्कर ☐ साधारण चोट

☐ समकोणीय भिड़न्त ☐ कोई आपसी टक्कर नहीं ☐ गंभीर चोट

☐ पिछवाड़े की टक्कर ☐ अन्य प्रकार से --------

(विवरण दें)

राजस्थान परिवहन निगम वाहन 1 | प्रतिपक्षी वाहन 2

------------------ वाहन चलाने वाले व्यक्ति का नाम -------------------- -------- -

चा ------------------------------------पता -----------------------------------

ल ☐ चालक ------------------ (चालक लाइसेंस सं.) ☐ चालक --------

क ☐ मिस्त्री --------------------------------- ☐ खलासी --------

☐ अन्य व्यक्ति ----------उम्र ------ लिंग ----- ☐ अन्य व्यक्ति ---- आयु -----लिंग ---

वाहन चलाने का अनुभव (वर्षों में) -------- वाहन चलाने का अनुभव (वर्षों में) ------------------

------------------------------ शैक्षणिक स्तर ---------------------------------

नियोजन का दिनांक ---------

चालक की 8 घंटों की अवधि के पश्चात् लगाकर डयूटी के घण्टे ----------------

चालक की दशा ----------

चालक की डयूटी के 8 घंटों की अवधिके पश्चात् लगाकर लगातार वाहन चलाने के वास्तविक घंटे ----------------

मालिक के अलावा यदि कोई अन्य व्यक्ति वाहन चला रहा हो।

मालिक का नाम ------------

पता --------------------

नगर एवं राज्य -------------

मा न चि त्र	दुर्घटना नियमावली के निर्देश के अनुसार दुर्घटना का मानचित्र

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

दुर्घटना प्रतिवेदन प्रपत्र

(संशोधित)

जिस संभाग की वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुई है,

इस संभाग के दुर्घटना जांचकर्ता अधिकारी द्वारा यह प्रपत्र भरा जाना है।

संभाग का नाम ---जिससे कि वाहन सम्बन्धित है।

स्वामित्वपूर्ण आगार का नाम ------------------------- वाहन सं. -------------------

मार्ग का नाम ----------------------- चालक का नाम --------------------------

	निर्देश		दुर्घटना में अन्तर्ग्रस्त :
1.	प्रत्येक दुर्घटना की सूचना (रिपोर्ट) पुलिस तथा निगम के सम्बन्धित अधिकारियों को दी जाये।		☐ दूसरा व्यावसायिक वाहन ☐ यात्री कार
2.	पुलिसकी अनुमति लिए बिना, दुर्घटना स्थल से वाहन को न हटाएं।		☐ पद यात्री ☐ अन्य
3.	कम से कम ऐसे तीन गवाहों के नाम व पते ले लेने चाहिए जो दुर्घटनाग्रस्त वाहन के यात्री न हों। जांचकर्ता अधिकारी के मार्ग दर्श के लिए बस के चालक परिचालक द्वारा एक संक्षिप्त टिप्पणी तैयार की जानी चाहिए।		अन्य विवरण ☐ सकड़ा पुल या पुलिया
4.	दुर्घटना के परिणाम स्वरूप किसी व्यक्ति के यदि कोई शारीरिक चोट लगी हो, तो उस घायल व्यक्ति को तुरन्त अस्पताल पहुंचाया जाये।		☐ मकान या जुडवार (फिक्सचर) ☐ खड़ा हुआ वाहन ☐ --------
5.	दुर्घटना के पश्चात् वाहन को अकेला न छोड़ें।		अन्य विवरण
6.	कृपया दुर्घटना की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करने के लिए कॉलम में सही का निशान लगावें।		

समय	दुर्घटना की दिनांक ------------------- वार ------------ समय ----------- पूर्वान्ह/अपरान्ह ☐ कार्य दिवस ☐ अवकाश

दुर्घटना स्थल	वह स्थान जहाँ दुर्घटना घटित हुई है ------------------ ☐ नगरीय क्षेत्र (नगर पालिका सीमा) ☐ उपनगरीय क्षेत्र महानगरीय सीमा ☐ नगरेत्तर क्षेत्र ------------------------------ दुर्घटना का निश्चित स्थान ----------------------- मय चौराहा यदि कोई हो	वाहन (क्षति) ☐ नगण्य ☐ साधारण ☐ बड़ी

	चालक एवं पद यात्री वाहन वाहन	सड़क की दशा	मौसम	प्रकाश (लाईट)	वाहन 1 2
	1 2 3 (पदयात्री ☐ ☐ ☐ शराब के नशे में)	☐ मरम्मत हो रही हो	☐ खिली धूप	☐ दिन की रोशनी	☐ ☐ अधिक सं. ☐ में यात्री ☐ ☐ वाहन से निकला ☐ हुआ सामान
	☐ ☐ ☐ थकान ☐ ☐ ☐ उनीदा	☐ खड्डे ☐ फिसलन दार सड़क	☐ बादल मय ☐ आंधी तूफान युक्त	☐ धुन्धली रोशनी ☐ अच्छी सड़क	☐ ☐ दोषपूर्ण ☐ ☐ दोषपूर्ण स्टेयरिंग ☐ ☐ दोषपूर्ण

☐ ☐ ☐ रुग्णावस्था	☐ किचड़युक्त	☐ सीधी सड़क	रोशनी	प्रकाश
☐ ☐ ☐ शारीरिक कमियाँ	☐ टेढ़ीमेढ़ी	☐ सामान्य मोड़	☐ कमजोर सड़क रोशनी	☐ ☐ हवा निकले हुए या फूटे हुए टायर
☐ ☐ ☐ अज्ञात	☐ धसकने वाली	☐ टेढ़ामेढ़ा ☐ चौराहा	☐ सड़क पर कोई रोशनी नहीं	☐ ☐ भगते हुए व दोषपूर्ण टायर
☐ ☐ ☐ कोई खराबी नहीं		☐ कोई खराबी नहीं	☐ उतार-चढ़ाव	☐ ☐ अन्य कोई खराबी नहीं

वाहन	गति
1 2	1 2
☐ ☐ सही रास्ते पर नहीं	☐ ☐ स्वीकृत गति सीमा से अधिक गति होना
☐ ☐ बहुत समीपता से अनुगमन	☐ ☐ अवस्था से अत्यधिक गति
☐ ☐ अपेक्षित संकेत की विफलता	सुरक्षित गति सीमा --------
☐ ☐ यातायात के संकेतों एवं विनियमों की उपेक्षा	प्र. घं. प्र. घं.
☐ ☐ अनुचित तरीके से वाहन निकालना	कि. मी. कि.मी.
☐ ☐ अनुचित तरीके से घुमाना	-------- खतरे का भान होने
☐ ☐ अनुचित तरीके से पीछ लेना	पर अनुमानित गति सीमा
☐ ☐ अनुपयुक्त यातायात सड़क	प्र. घं. प्र. घं.
☐ ☐ अनुचित तरीके से वाहन खड़ा करना	कि. मी. कि. मी.
☐ ☐ अनुचित तरीके से वाहन चलाना	-------- दुर्घटना

	☐ ☐ बड़ी लाईटों का अनुचित प्रयोग जो आँखों में चका चौंध पैदा करता हो ☐ ☐ टायर फूट जाने से ☐ ☐ मशीन खराबी से	घटित होने के क्षणों में अनुमानित गति सीमा
	वाहन सं. 1	वाहन सं. 2

-------------------------- परिचालक/खलासी का नाम ----------------------------

------------------------ लाइसेंस / बैज नम्बर ------------------------------------

---------------------- वाहन के यात्रियों की सं. -----------------------------------

------------------------ परिचारक डॉक्टर का नाम व पता -----------------------------------

------------------------ घायलों को भर्ती कराए गए अस्पताल का नाम ------------------------------

-------------------- भर्ती कराये जाने का समय व दिनांक -----------------------------

-------------------- क्या तीसरे पक्ष को दायित्व स्वीकार -----------------------------

------------------- क्या वाहन यांत्रिक दृष्टि से उपयुक्त था -----------------------------

	राजस्थान परिवहन निगम वाहन सं. 1	प्रतिपक्षी वाहन सं. 2

------------------------------- वाहन का प्रकार ---------------------------------

पंजीयन सं. -------- वर्ष -------- मेक -------- पंजीयन सं. -------- वर्ष -------- मेक --

उपयुक्तता प्रमाणप्र पत्र ☐ हा ☐ नहीं उपयुक्तता प्रमाण पत्र ☐ हा ☐ नहीं ---------

------------------------------------- वाहन क्षति विवरण --------------------------

---------------------------- ------------------------------------

---------------------------- रुपये अनुमानित क्षति मूल्यांकन ------------------- रुपये

---------------------------------- वाहन दिशा --------------------------------

---------------------------------- वाहन की लाईट --------------------------------

-------------------------------- अन्य क्षति का स्वरूप ----------------------------

एवं

------------------------------------- सीमा ---------------------------------

(अनुमानित मूल्यांकन सहित)

		नाम	पता	आयु	लिंग	चोट का ब्यौरा
चो	प्रथम वाहन का चालक					
ट	द्वितीय वाहन का चालक					
ग्र	वाहन सं. 1 में यात्रियों की सं.					
स्त	वाहन सं. 2 में यात्रियों की सं.					
	पद यात्री					
	अन्य					

	नाम	पता	टिप्पणी, यदि कोई हो
ग वा ह			

ड्राइविंग एवं शोध उच्च प्रशिक्षण संस्थान

केन्द्रीय कार्यशाला, अजमेर

प्रशिक्षण मैन्यूअल
2004

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

•

“अनुक्रमणिका”

क्र.सं.	अध्याय पृष्ठांकन
1.	परिचय
2.	निगम चालकों के लिए महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं का प्रशिक्षण
3.	तकनीकी साधनों के द्वारा प्रशिक्षण
4.	चालक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम–
	(क) 7 दिवसीय (डीजन बचत)
	(ख) 15 दिवसीय दुर्घटना नियंत्रण पूर्व एवं पश्चात
	(ग) 3 दिवसीय (पी.सी.आर.ए.) आगार स्तर पर
	(घ) 1 दिवसीय (एन.जी.ओ.) अन्य संस्थाओं के द्वारा
	(च) दैनिक योगा अभ्यास प्रशिक्षण
	(छ) 35 दिवसीय (बाहरी/निजी चालक) भार वाहन संचालन का प्रशिक्षण।

1. परिचय–

एक अच्छी ड्राईविंग सिखाने वाली संस्था सीखने वालों को सही दिशा दिखाती है, उसकी जिम्मेदार होती है कि चालक में सही मनोभावना और सोच पैदा करें। चालक को सड़क नियमों/संकेतों का अच्छा ज्ञान प्रदान करें। सिर्फ सुनने और पढ़ने से वाहन को चलाने का ज्ञान नहीं आ जाता, इसके लिये यह जरुरी है कि प्रत्येक चालक अपने आप प्रयास करें। जल्दबाजी या उल्टे–सीधे तरीकों से अच्छा वाहन चलाने का तरीका नहीं होता। युवा चालकों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाए, तो वह अपनी गलतियाँ सुधार कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अगर वे ठीक प्रकार से वाहन चलाने के लिये प्रशिक्षित नहीं होंगे, तो आम जनता उनकी लापरवाही का शिकार बनेगी। अच्छी शिक्षा और प्रशिक्षण से ही अच्छे परिणाम हमारे सामने आ सकते हैं। सड़क पर वाहनों के बढ़ते दवाब को मद्दे नजर रखते हुए एक अच्छा चालक ही दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम करने में सफल रहेगा। इसी उद्देश्य से राजस्थान राज्य पथ परिवतन निगम में वर्ष 1995 से निगम चालकों के लिए चालक प्रशिक्षण संस्थान केन्द्रीय कार्यशाला अजमेर में स्थापित किया गया। वर्तमान में बढ़ती हुई दुर्घटनाओं एवं तेल की कीमतों में कमी व बचत लाने की दृष्टि से इस संस्थान को गति देने के उद्देश्य से स्थाई रूप से “प्रशिक्षण मैन्यूअल” तैयार किया गया है। जिसके अनुरूप संस्थान सहित प्रत्येक निगम यूनिट की जिम्मेदारी है कि प्रशिक्षण कार्य को सफल बनाया जाना सुनिश्चित करें।

2 निगम चालकों के लिये महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं का प्रशिक्षण

(1) निगम में चालकों की भूमिका।

(2) ड्यूटी रोस्टर, स्पेयर डयूटी चार्ट, ड्यूटी के पूर्व व पश्चात की रिपोर्टिंग करना।

(3) राज्य एवं अन्तर राज्य के मार्गों पर शिड्यूल, ट्रिप व क्रयू की जानकारी।

(4) वाहन में गलत भाषा, आपत्तिजनक स्लोग अंकित नहीं रखने बाबत।

(5) निरीक्षण प्रणाली में निरीक्षकों को सहयोग करना।

(6) अनुपस्थित होने पर संचालन व्यवस्था पर प्रभाव।

(7) विभागीय जाँच और उसमें सहयोग कैसे किया जाये की जानकारी।

(8) जनता से संबंध, महत्त्वपूर्ण व विशेष अतिथियों के बारे में निजी ज्ञान, महिलाओं, बच्चों एवं विकलांगों एवं वृद्धों को सहयोग/सहायता करना।

(9) खोई हुई सम्पत्ति को निगम में विधिवत जमा कराने एवं वास्तविक मालिक को लौटाने का कार्य।

(10) सेवा नियमों, अवकाश नियम, स्वैच्छिक एवं अनिवार्य सेवा निवृत्ति नियम, मेडिकल, आश्रित के भर्ती सेवा नियम, निलम्बन एवं सेवा पृथक आदि की जानकारी।

(11) भिन्न-भिन्न प्रकार के सड़कों पर वाहन संचालन में चालक की मनोभावना।

3. तकनीकी साधनों के द्वारा प्रशिक्षण-

(क) टाटा एवं लीलैण्ड एक-एक वाहनों में डबल स्टेयरिंग पर अभ्यास करना।

(ख) वाहन में प्रशिक्षण के दौरान चालक का डीजल औसत ज्ञात करने के लिये सैपेरेट डीजल औसत मापन पद्धति के द्वारा कराना।

(ग) यातायात संकेत बोर्ड, स्लाईड प्रोजेक्ट, टी.वी./वी.सी.आर./वी.सी.डी. एटीट्यूड मशीन, पारदर्शी सीट के माध्यम से प्रशिक्षण।

(घ) जाँच-कीस्टोन आई विजन स्क्रीनर, विजन टैस्टर लो लूमीनेन्श अडापटेशन, एक्शन जजमैन्ट टैस्टर, डिजीटल टाईप स्पीड एन्टीसीपेशन रियेक्शन टैस्टर।

4. चालक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम-

(क) **7** दिवसीय (डीजल बचत)-

इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक प्रशिक्षण से पूर्व उपलब्ध चालकों की गलतियों का प्रतिशत निम्न बिन्दुओं के आधार पर आंकलन करेंगे-

1. तेज गति से गाड़ी चलाना।

2. अन्धाधुन्ध और लापरवाही से गाड़ी चलाना।

3. अचानक “एक्सीलेटर” दबाना।

4. झटके से गाड़ी स्ट्रार्ट करना।

5. स्टॉप का पूर्वानुमान न होने के कारण अचानक झटके से ब्रेक लगानङ्क

6. दो बार क्लच दबाये बिना गियर बदलना।

7. गलत गियर में गाड़ी चलाना।

8. क्लच पर पाँव रख कर गाड़ी चलाना।

9. ढलान पर गाड़ी रोकने के लिये क्लच दबाना।

10. इंजिन को बेकार चालू रखना।

बेहतर देखभाल के लिये **15** आसान सुझाव-

1. डीजल रिसना तुरन्त बन्द कीजिये।

2. डीजल छलकने न दीजिये।

3. सही लुब्रिकेटिंग ऑयल इस्तेमाल कीजिये।

4. टायरों में हवा की हमेशा जाँच कराईये।

5. धूल इंजिन कीसबसे बड़ी दुश्मन है।

6. वाहन को हमेशा तुरन्त स्टार्ट होने की स्थिति में रखिये।

7. फ्यूल फिटर की जाँच कीजिये।

8. इंजिन की टयूनिंग ठीक रखिये।

9. इन्जैक्शन साफ व सही रखिये।

10. टाइट ब्रेक ओर पहियों की चाल की जाँच कीजिये।

11. पहियों को ठीक सीध में रखिये।

12. क्लच की फिसलन रोकिये।

13. साइलेंसर हमेशा साफ रखें।

14. इंजिन को बढ़िया हालत में रखिये।

15. फ्यूल इन्जैक्शन पम्प की कैलिब्रेशन और माउन्टिंग सही कराइये।

बेहतर ड्राइविंग के लिये **6** आसान सुझाव-

1. तेज गति का मतलब डीजल के उपयोग में कमी नहीं।

2. खड़े वाहन का इंजिन चालू न रखिये।

3. गियर सही ढंग से बदलिये।

4. स्टॉप का पूर्वानुमान लगाकर वाहन धीरे-धीरे रोकिए।

5. वाहन सामान्य गति में चलाइए।

6. क्लच पर पैर रख कर वाहन चलाने से डीजल ज्यादा खर्च होता है।

चालक को हमेशा ध्यान रखने वाली बातें-

1. यात्रा से पहले वाहन की जाँच करें।

2. ठंडा इंजिन स्टार्ट करने का तरीका।

डीजल औसत की मोनिटरिंग (संलग्न प्रारूप “अ” के अनुसार)

1. आगार स्तर पर कार्यशाला प्रभारी कम डीजल औसत देने वाले चालकों का चयन कर प्रत्येक माह की 3, 10, 17, 25 तारीख को एक चालक प्रशिक्षण में भिजवाना सुनिश्चित करेंगे।

2. प्रारूप “अ” की तीन प्रतियों में तैयार करेंगे, जो कार्यशाला प्रभारी या प्रबंधक (संचालन) द्वारा दी जायेगी, जिसमें एक प्रति कार्यशाला में रिकार्ड के लिये रखेंगे तथा दो प्रतियां चालक के साथ प्रशिक्षण संस्थान को भेजेंगे।

3. प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षक दो प्रतियों में से एक प्रति पर चालक की डीजल औसत प्रशिक्षण के बाद की रिपोर्ट चालक के साथ वापस आगार में भिजवायेंगे।

प्रारूप "अ"

आगार कार्यालय के उपयोग हेतु | प्रशिक्षण संस्थान के लिये

क्र.सं.	नाम चालक	आगार	डीजल औसत				दिवस (डीजल औसत)			
			6 माह का	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**
1.	**2**.	**3**.	**4**.							

हे प्रबंधक (संचालन) | हे प्रशिक्षक

4. प्रबंधक (संचालन) चालक के डीजल औसत की मोनिटरिंग प्रशिक्षण के बाद नियमित रखेंगे।

(ख) **15** दिवसीय दुर्घटना नियंत्रण पूर्व व पश्चात्-

1. दुर्घटना करने वाले चालकों को प्रत्येक माह को 3 व 17 तारीख को प्रपत्र "आ" के अनुसार तैयार कर प्रशिक्षण में भिजवाया जाना। एक प्रति आगार रिकार्ड में रखें तथा दो प्रतियां प्रशिक्षण संस्थान चालक के साथ भिजवायें।

2. प्रशिक्षण संस्थान आगार से प्राप्त प्रपत्र "आ" की एक प्रति प्रशिक्षण के बाद मुख्यालय को भिजवायेंगे।

प्रपत्र "आ"

क्र. सं.	नाम चालक	गत 3 वर्ष प्राणघातक	दुर्घटना बड़ी	दुर्घटना का कारण प्रशिक्षण दिनांक	गत 3 वर्ष में
1.	**2.**	**3.**	**4.**	**5.**	**6.**

हे प्रबंधक (संचालन)

टिप्पणी

हे प्रशिक्षण संस्थान प्रशिक्षक

3. दुर्घटना के मुख्य कारणों पर प्रशिक्षण देना।

(क) तेज गाड़ी चलाना।

(ख) उचित दूरी नहीं रख्रा।

(ग) अपनी लेन में न चलना।

(घ) खतरनाक तरीके से ओवर टेक करना।

(च) यातायात संकेतों व नियमों को तोड़ना।

(छ) अचानक आदमी या जानवर आ जाना।

(ज) ध्यान बट जाना।

4. निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण देना।

5. चालकों के प्रशिक्षण के लिये निम्न बिन्दुओं पर ज्ञान देना-

(क) व्यावहारिक अभ्यास।

(ख) यातायात के नियम व संकेत।

(ग) दुर्घटनाओं की खोज।

(घ) जन सम्पर्क पाठ्यक्रम प्रशिक्षण।

6. तकनीकी साधनों का प्रशिक्षण-

(क) कुलिंग पद्धति।

(ख) ट्रान्समिशन पद्धति।

(ग) फ्यूल पद्धति।

(घ) विद्युत पद्धति।

7. कट मॉडल शाखा (वर्किंग मॉडल)

(क) पैट्रोल इंजिन (4 सिलेण्डर)

(ख) डीजल इंजिन (6 सिलेण्डर)

(ग) रियल एक्सल असम्बली।

8. नॉन-वर्किंक मॉडल-

(क) फ्रन्ट एक्सल (असेम्बली)।

(ख) टाई रोड असम्बली।

(ग) गियर बापस असेम्बली।

(घ) स्टेयरिंग बॉक्स असेम्बली।

(च) ब्रेक चैम्बर।

(छ) एयर फिल्टर।

(ज) ई 2-वाल्व

(झ) अनलोडर वाल्व।

9. फेल कम्पोनेन्टस-

(क) क्लच कवर असेम्बली

(ख) क्लच डिक्स

(ग) गियर बॉक्स गियर-

1. टोप गियर साफट

2. मेन साफट

3. काउन्टर गियर।

(ग) **3** दिवसीय (पी.सी.आर.ए.) प्रशिक्षण आगार स्तर पर-

(क) आगार स्तर पर्यावरण व डीजल बचत की जानकारी कराना।

(ख) यातायात नियमों व संकेतों की जानकारी कराना।

(ग) प्रशिक्षण दौरान चालक के डीजल औसत की मोनीटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराना।

(घ) एक दिवसीय प्रशिक्षण अन्य संस्थानों के द्वारा-

इस प्रकार के प्रशिक्षण के लिये डॉ. एम.एन. टण्डन मेमोरियल चेरिटेबिल ट्रस्ट जयपुर में स्थापित है, जिसकी चैयरपरसन डॉ. माया टण्डन द्वारा डमी के द्वारा दुर्घटना होने पर घायलों को कैसे बचाया जावे, का प्रशिक्षण दिया जाता है। निगम भी समय-समय पर इनकी सेवायें निगम हित में लेती रहती है। इनकी संस्था द्वारा “दुर्घटनायें और हमारा कर्त्तव्य” में सहायता के लिये निम्न बातों को बताया जाता है-

(क) दुर्घटनायें

(ख) दुर्घटना होने पर तत्काल प्राथमिक उपचार

(ग) बेहोश हो जाने पर क्या करें

(घ) सांस व दिल की धड़कन कैसे चलायें।

(च) कृत्रिम सांस देने का तरीका

(छ) दिल की धड़कन व सांस वापस आने के लक्षणों की जानकारी

(ज) दुर्घटना में घाव हो जाना व खून का बहना रोकने की जानकारी

(झ) हड्डी टूट गई हो तो क्या करें

(ट) पेट व छाती पर घाव होने पर क्या करें, की जानकारी

(ठ) मानसिक आघात की जानकारी व बचाव के तरीके।

(च) दैनिक योगाभ्यास प्रशिक्षण-

चालकों के लिये वाहन संचालन के समय होने वाली थकान एवं गलत आदतों से छुटकारा पाने के लिये अनुभवी व कुशल प्रशिक्षक द्वारा योगा अभ्यास दैनिक रूप से कराना ताकि व्यक्ति की शारीरिक क्षमता व स्वास्थ्य अरोग्य रह सके।

(छ) **35** दिवसीय (बाहरी चालक) भारी वाहन संचालन-

श्रीमान प्रबंध निदेशक महोदय के आदेश संख्या 79 दिनांक 3.8.1995 के अनुसार निगम द्वारा बाहरी (निजी) चालकों को भारी वाहन संचालन का प्रशिक्षण दिया जाना सुनिश्चित किया जावे।

(क) चालक के पास कम से कम एक वर्ष पुराना हल्के वाहन चलाने का लाईसेन्स होना चाहिये, जो सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो।

(ख) प्रशिक्षु की आयु 35 वर्ष से कम होनी चाहिये।

(ग) आवेदन-पत्र 5/- रु. नकद या पोस्टर ऑर्डर जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है।

(घ) प्रशिक्षण अवधि 35 दिवस निर्धारित है।

(च) प्रशिक्षण शुल्क के बल 2500/- रु. प्रति व्यक्ति प्रति बेंच निर्धारित है।

(छ) पाठ्यक्रम केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम, 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 के पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण कराया जाना है।

(ज) प्रशिक्षण उपरान्त अंतिम दिवस भारी वाहन संचालन का प्रमाण पत्र एवं लाईसेन्स बनवाना सुनिश्चित किया जावे।

(झ) असफल उम्मीदवारों के लिये पुनः प्रवेश दिया जावेगा, जिसमें शुल्क पुनः ली जाना सुनिश्चित करें।